THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

वर्ष–29 अंक : 180 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन कृ.4 2081 शनिवार, 21 सितंबर–2024

तिरुपति लड्डू पवित्रता विवाद

> केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने आंध्र सरकार से रिपोर्ट मांगी > मंदिर ने जांच कमेटी बनाई

अमरावती, 20 सितंबर (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के तिरुपति मंदिर के लड्डू प्रसादम की पवित्रता विवाद पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने जांच कराने की बात कही है। शुक्रवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा, हमने इस मामले पर संज्ञान लिया है।

उन्होंने कहा, इस बारे में जानकारी मिलने के बाद मैंने आंध्र प्रदेश के सीएम एन चंद्रबाबू नायुडू से बात की और जानकारी ली। राज्य सरकार से रिपोर्ट मांगी है। मंदिर के प्रसाद (लड्डू) की जांच कराई जाएगी। आंध्र प्रदेश की तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) ने 2 दिन के अंदर दो दावे किए हैं। नायुडू सरकार ने नया आरोप लगाते हुए कहा कि प्रसाद में जानवरों की चर्बी वाला घी और फिश ऑयल मिलाया गया था। टीडीपी ने ये आरोप एक लैब रिपोर्ट के हवाले से लगाए।

वाईएसआर कांग्रेस ने इस विवाद पर हाईकोर्ट का रुख किया। पार्टी ने हाईकोर्ट से नायुडू के आरोपों की जांच के लिए एक कमेटी बनाने की मांग की। कोर्ट 25 सितंबर को सुनवाई करेगा। तिरुपति मंदिर के 300 साल पुराने किचन में रोजाना 3.50 लाख लड्डू बनते हैं। तिरुमाला ट्रस्ट हर साल प्रसादम से सालाना 500 करोड़ रुपये कमाता है। 18 सितंबर को आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायुडू ने कहा था कि पिछले 5 साल में जगन मोहन सरकार और वाईएसआरसीपी के नेताओं ने तिरुमाला की पवित्रता को धूमिल किया।

मंदिर प्रशासन चार सदस्यीय विशेष समिति बनाई :

तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने मंदिर प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। हालांकि, घी की गुणवत्ता की निगरानी के लिए चार सदस्यीय विशेष समिति बना दी है। लैब रिपोर्ट 17 जुलाई को मिली थी।

तभी से ही यह रिपोर्ट पब्लिक डोमेन में है, लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। रिपोर्ट में ना तो जारी करने वाली संस्था का नाम लिखा है और ना ही किस जगह के सैंपल की जांच की गई है, उसका जिक्र है। सुप्रीम कोर्ट के वकील विनीत जिंदल ने इस मामले में जगन मोहन रेड्डी, ठेकेदार और टीटीडी के अफसरों के खिलाफ शिकायत की है।

'सिफारिश के बाद भी जजों की नियुक्ति क्यों नहीं हुई?'

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने लंबित न्यायिक नियुक्तियों पर केंद्र सरकार से स्पष्टीकरण मांगा है।

सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र को निर्देश दिया है कि वह कॉलेजियम द्वारा अनुशंसित लंबित न्यायिक नियुक्तियों की संख्या और स्थिति के साथ-साथ देरी के कारणों की जानकारी उपलब्ध कराये। यह निर्देश मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए हैं। इस मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ कर रही है। >14

मोदी बोले–कांग्रेस में देशभक्ति की आत्मा दम तोड़ चुकी है

मुंबई, 20 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज महाराष्ट्र दौरे पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने 'पीएम विश्वकर्मा' कार्यक्रम में हिस्सा लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस के अंदर देशभक्ति की आत्मा दम तोड़ चुकी है। वे विदेश से बैठकर एजेंडे चलाते हैं। इन्हें अब गणपति बप्पा से भी चिढ़ होने लगी है। मैंने गणेश पूजा की तो कांग्रेस बेचैन हो गई।

मोदी ने यह बातें महाराष्ट्र के वर्धा में एक रैली को संबोधित की। वे यहां पीएम विश्वकर्मा योजना के एक साल पूरे होने पर कार्यक्रम में हिस्सा लेने आए थे। पीएम ने कहा, पुरानी सरकारों में कामगारों के हुनर को सम्मान नहीं मिलता था। कांग्रेस और उनके दोस्तों ने एससी/एसटी को दबाकर रखा। उन्हें आगे नहीं बढ़ने दिया। हमारी सरकार ने स्किल मंत्रालय बनाया। पीएम विश्वकर्मा योजना की शुरूआत की। एक साल में इस योजना के तहत 8 लाख लोगों को स्किल ट्रेनिंग दी गई है। >14

नीट पीजी का पैटर्न बदलने पर सुप्रीम कोर्ट ने पूछे सवाल

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। परीक्षा से तीन दिन पहले नीट पीजी 2024 का पैटर्न बदलने पर सुप्रीम कोर्ट ने सवाल उठाए हैं। कोर्ट ने इसे असामान्य बताते हुए कहा कि इससे छात्रों का अहित हो सकता है। कोर्ट ने केंद्र सरकार और राष्ट्रीय शिक्षा बोर्ड (एनबीई) से जवाब मांगा है। कोर्ट ने कहा कि दोनों पक्ष मामले में 27 सितंबर तक अपना जवाब दाखिल करें। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने छात्रों की ओर से वरिष्ठ वकील विभा दत्ता मखीजा और वकील तन्वी दुबे की दलीलों पर ध्यान दिया। >14

हाईकोर्ट ने झुग्गी पुनर्विकास भवनों के घटिया निर्माण पर जताई चिंता , बताया-'वर्टिकल स्लम'

मुंबई, 20 सितंबर (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने शुक्रवार को मुंबई में झोपड़पट्टी पुनर्विकास भवनों के निर्माण में अपनाए गए 'खराब तरीकों' पर चिंता व्यक्त की है। हाईकोर्ट ने इन निर्माण को वर्टिकल स्लमड करार दिया है। पीठ ने इसे संविधान के अनुच्छेद 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार) के खिलाफ एक गंभीर मुद्दा बताया है। जस्टिस जी एस कुलकर्णी और सोमशेखर सुंदरेसन की खंडपीठ ने कहा कि ऐसी इमारतों का निर्माण घने तरीके से किया गया है। इमारतों के बीच कोई जगह नहीं है।

जिससे वेंटिलेशन और सूरज की रोशनी बाधित होती है। इस मामले पर सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने कहा कि, हम इन 'वर्टिकल स्लम' को पसंद नहीं करेंगे। निर्मित इमारतें बहुत भीड़भाड़ वाली हैं। न रोशनी है, न जगह है, न सूरज की रोशनी है और न ही हवा आती है। इससे स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा होंगी। वे (झुग्गीवासी) अतिक्रमण वाली जमीन पर ही बेहतर स्थिति में हैं।

राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर

धारा 302 और 299 के तहत मामला दर्ज; दिल्ली-भोपाल में भी शिकायत

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के अमेरिका में दिए बयान का मामला पुलिस तक पहुंच गया है। सिख समुदाय की धार्मिक भावनाओं को आहत करने के आरोप में छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में भाजपा नेता अमरजीत छाबड़ा की शिकायत पर सिविल लाइन थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 299 और 302 (बीएनएस 103) के तहत एफआइआर दर्ज कर ली गई है। उधर, दिल्ली में भाजपा सिख प्रकोष्ठ के संयोजक चरणजीत सिंह लवली ने तिलक नगर थाने में शिकायती पत्र दिया है। उनके आरक्षण खत्म करने को लेकर दिए बयान के विरुद्ध दिल्ली भाजपा के अनुसूचित जनजाति मोर्चा के संयोजक सीएल मीणा ने संसद मार्ग थाने में और अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल गिहारा ने पंजाबी बाग थाने में शिकायत की है। मध्य प्रदेश भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति अभद्र शब्दों का प्रयोग किए जाने को लेकर राहुल पर विधिक कार्रवाई की मांग की है। प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश प्रभारी डा। महेंद्र सिंह एवं सह प्रभारी सतीश उपाध्याय ने गुरुवार को भोपाल में क्राइम ब्रांच थाना एमपी नगर पहुंचकर एफआइआर दर्ज करने का शिकायती पत्र दिया।

दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि राहुल के बयान से सिखों के साथ ही अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग के लोगों में रोष है। बता दें कि राहुल गांधी ने पिछले दिनों अमेरिका में कहा था कि भारत में सिख सुरक्षित नहीं हैं।

उन्होंने आरक्षण को लेकर भी विवादस्पद बयान दिया था। वहीं, हिमाचल में भी भाजपा के अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राकेश डोगरा ने छोटा शिमला थाना में राहुल गांधी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने का निवेदन पत्र दिया है।

सोशल मीडिया पर खालिस्तान समर्थक पोस्ट करने वालों की खैर नहीं! एनआईए ने शुरू कर दी कार्रवाई

चंडीगढ, 20 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) पूरी तरह अलर्ट पर है। एनआईए खालिस्तान समर्थक विचारधारा के लोगों को निशाना बना रही है। केंद्रीय एजेंसी सोशल मीडिया पर भी नजर रख रही है। इसलिए खालिस्तान समर्थक पोस्ट करने वालों की खैर नहीं। दरअसल, एनआईए की टीम ने आज (शुक्रवार) सुबह मोगा में छापेमारी की। टीम ग्राम बिलासपुर में कुलवंत सिंह (42) के घर पहुंची। चर्चा है कि एनआईए ने इसलिए छापेमारी की क्योंकि कुलवंत सिंह सोशल मीडिया पर खालिस्तान की विचारधारा से जुड़े पोस्ट करता था। सूत्रों के मुताबिक, एनआईए की टीम ने कुलवंत और उसके परिवार से पूछताछ की। इस बीच किसी को भी घर में घुसने की इजाजत नहीं थी। एनआईए की टीम कुलवंत सिंह से जुड़ी हर बात की जांच कर रही है। साथ में स्थानीय थाने की पुलिस भी मौजूद थी। मिली जानकारी के मुताबिक कुलवंत सिंह पेशे से ड्राइवर हैं। वह रामपुरा में एक सीमेंट फैक्ट्री में काम करता है। एनआईए की टीम सुबह 5 बजे उनके घर पहुंची। इसके बाद एनआईए की टीम ने अपनी जांच शुरू की। एनआईए की टीम ने उनसे करीब डेढ़ से दो घंटे तक पूछताछ की। कुलवंत सिंह ने कहा कि आज सुबह मेरे घर पर एनआईए अधिकारियों ने छापा मारा। मुझसे खालिस्तानी पोस्ट करने के बारे में पूछताछ की गई और मुझे भविष्य में ऐसा करने से रोक दिया गया।

बिलावर में सेना की गाड़ी खाई में गिरी, एक की मौत और 6 जख्मी

जम्मू, 20 सितंबर (एजेंसियां)। कश्मीर के बिलावर में सुकराला देवी मंदिर के पास सेना की गाड़ी गहरी खाई में गिरने से बड़ा हादसा हो गया। इस हादसे में एक जवान की मौत हो गई और छह लोग घायल हुए हैं। इस हादसे के घायलों को स्थानीय पुलिस की मदद से इलाज के लिए एसडीएच बिलावर पहुंचाया गया। रिपोर्ट के मुताबिक इस घटना को लेकर अधिकारियों ने बताया कि स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से बचावकर्मियों ने छह घायल कमांडो को सुरक्षित बाहर निकाला।

इनमें से दो की हालत गंभीर बताई गई है। इस दुर्घटना में सेना के वाहन को काफी नुकसान पहुंचा है। इस बीच दुर्घटना से संबंधित एक मामला भी दर्ज किया गया है। लोकल थाना पुलिस इसकी जांच में जुटी है।

सभी घायल आर्मी हॉस्पिटल के रेफर

मृतक जवान की पहचान बलजीत सिंह के रूप में हुई है। घटना के समय सेना के जवान राजौरी में आतंकवाद विरोधी ड्यूटी पर तैनात थे। घायल जवानों को अस्पताल ले जाया गया, जबकि बचाव अभियान शुरू कर दिया गया है। सरकारी पीएचसी मंजाकोट के बीएमओ सलीम अहमद भट्टी के मुताबिक शुरू में सभी घायलों को पीएचसी मंजाकोट में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें राजौरी के सशस्त्र बल अस्पताल 150 जनरल अस्पताल में रेफर कर दिया गया।

ठाणे के व्यापारी से 1.27 करोड़ रुपये की ठगी, पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

ठाणे, 20 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे शहर के एक व्यापारी से बजरी की आपूर्ति के सौदे में कथित तौर पर 1.27 करोड़ रुपये की ठगी की गई। इस बात की जानकारी पुलिस ने शुक्रवार को एक न्यूज एजेंसी को दी। एक अधिकारी ने बताया कि वर्तक नगर पुलिस ने बुधवार को आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम स्थित एक व्यापारी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 406 (आपराधिक विश्वासघात), 420 (धोखाधड़ी) और अन्य प्रासंगिक प्रावधानों के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि आरोपी अजय कुमार मंगी ने कथित तौर पर उसे बांग्लादेश में बजरी की आपूर्ति करने के सौदे में फंसाया और अमेरिकी डॉलर में रिटर्न का वादा किया। शिकायतकर्ता ने सितंबर 2021 से नवंबर 2023 के बीच 1.27 करोड़ रुपये की बजरी की आपूर्ति की थी। हालांकि, अधिकारी ने बताया कि अनुबंध पूरा करने के बजाय मंगी ने कथित तौर पर सामग्री किसी अन्य पार्टी को बेच दी। साथ ही मंगी ने शिकायतकर्ता को भुगतान भी नहीं किया।

भारत लौटने के सवाल पर जाकिर नाइक बोला

'जाना तो बहुत आसान है लेकिन निकलना मुश्किल है

मुंबई, 20 सितंबर (एजेंसियां)। मलेशिया में रह रहे वांटेड इस्लामिक उपदेशक जाकिर नाइक ने भारत वापस आने को लेकर बड़ा बयान दिया है। जाकिर नाइक का कहना है कि उसके लिए भारत आना आसान है, लेकिन वहां से निकलना मुश्किल है। जाकिर नाइक तंज भरे लहजे में कहा कि जाना तो बहुत आसान है, लेकिन निकलना मुश्किल है। जब मैं भारत जाउंगा तो रेड कॉर्पेट बिछा दिया जाएगा और कहा जाएगा कि अंदर आओ जेल में बैठो। उनकी लिस्ट में नंबर वन आतंकी तो मैं ही हूं।''जाकिर नाइक ने पाकिस्तानी यू-ट्यूबर नादिर अली के पॉडकास्ट में कहा कि उसपर लगाए गए आरोप झूठे हैं। जाकिर नाइन ने कहा, ''काफी इल्जाम मुझपर लगाया गया है, लेकिन एक भी साबित नहीं हो पाया है। बांग्लादेश के हमले से शुरुआत हुई। 1 जुलाई 2016 में आतंकी हमला हुआ। इसमें 4-5 आतंकी

शामिल थे। एक आतंकी मेरे फुसबुक का फॉलोअर था। इसको ट्विस्ट कर कहा गया कि मुझसे प्रेरित होकर उसने आतंकी हमला किया। प्रेरित करना और फॉलोवर होना अलग बात होती है। मुझे वहां की सरकार ने रातोंरात फेमस कर दिया।''

पीएम मोदी को लेकर फायदा हुआ- जाकिर नाइक

जाकिर नाइक ने पीएम मोदी को लेकर कहा, ''अभी तो 10 साल तो उनकी बहुत अच्छी थी। इस चुनाव में लोकप्रियता कम हो गई। उनकी पार्टी ने कहा कि हम 400 पार करेंगे, लेकिन अल्लाह की मदद से 50 प्रतिशत भी सीट नहीं मिली। उनकी पार्टी अकेले 50 प्रतिशत भी नहीं ला पाई। फिर से प्रधानमंत्री बन गए, लेकिन उनका जो रौब था, वह खुद को खुदा मानने लगे थे। वह कम हो गया। जब उनके पास पूर्ण बहुमत होता तो कुछ भी कर सकते थे। इस्लामिक उपदेशक को मलेशिया में शरण मिला हुआ है। वह धार्मिक उपदेशों के अलावा विवादित बयानों को लेकर भी चर्चा में रहता है। जाकिर नाइक के बारे में बताया दें कि वह मूल रूप से भारतीय है। उसका जन्म महाराष्ट्र के मुंबई में हुआ था। वह 59 वर्ष का है। भारत ने 2016 में उसके संगठन इस्लामिक रिसर्च फाउंडेशन को बैन कर दिया था। एनआईए ने उसके खिलाफ यूएपीए के तहत केस भी दर्ज किया हुआ है।

एमसीडी नेता प्रतिपक्ष ने मेयर पर लगाए गंभीर आरोप मृतकों के परिजनों के लिए की मुआवजे की मांग

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के करोल बाग इलाके के बापा नगर में इमारत ढहने की घटना में चार की मौत को लेकर अब सियासी दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की सत्ताधारी आम आदमी पार्टी पर बीजेपी ने जमकर हमला बोला है। करोल बाग हादसे में चारों मृतकों के प्रति संवेदना जाहिर करते हुए दिल्ली नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह ने कहा कि मानसून से पहले होने वाले डेंजरस बिल्डिंग सर्वे के नाम पर निगम प्रशासन ने न केवल खानापूर्ति की बल्कि नाममात्र का सर्वे कर दिल्ली की जनता की आंखों में धूल झोंकने का काम किया।

'तो आज कश्मीर पाकिस्तान का हिस्सा होता'

श्रीनगर में महबूबा मुफ्ती का बयान

जम्मू, 20 सितंबर (एजेंसियां)। कश्मीर में करीब 10 साल बाद विधानसभा चुनाव का आयोजन किया जा रहा है। जम्मू-कश्मीर से 370 हटने और लद्दाख के अलग होने के बाद ये पहला विधानसभा चुनाव है। सभी राजनीतिक दल चुनाव प्रचार में एक दूसरे पर निशाना साध रहे हैं। इस बीच जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने ऐसा बयान दिया है जिसपर विवाद बढ़ सकता है। महबूबा ने कहा है कि अगर अब्दुल्ला खानदान ने पाकिस्तान का एजेंडा फॉलो किया होता तो आज कश्मीर पाकिस्तान का हिस्सा होता।

हम आजाद होते या फिर उस पार होते- महबूबा

श्रीनगर के पुराने शहर के नवाकदल में एक सभा में पीडीपी की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी और भारत को कश्मीर के अब्दुल्ला खानदान का शुकरगुजार रहना चाहिए। अगर शेख अब्दुल्ला मुस्लिम बहुल होने के बावजूद भारत के साथ एक्सेशन न करते तो आज या तो हम आजाद होते या फिर उस पार यानी पाकिस्तान के साथ होते।

मुफ्ती परिवार ने युवाओं को हिंसा से दूर रखा- महबूबा

महबूबा मुफ्ती ने आगे कहा ये भी कि जब कश्मीर में आतंकवाद चरम पर था तब उमर अब्दुल्ला ने कश्मीर के बारे में भारत का पक्ष पूरी दुनिया भर में फैलाया। महबूबा ने कहा कि मुफ़्ती परिवार ने कश्मीर में हुर्रियत के साथ बातचीत शुरू करवाई और युवाओं को हिंसा से दूर रखा।

सीएम भगवंत मान की बड़ी कार्रवाई, 600 से ज्यादा बसों के लाइसेंस रद्द

चंडीगढ, 20 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब सरकार ने राज्य में 600 बसों के परमिट रद्द कर दिए गए हैं। यह परमिट गैर कानूनी तरीके से जारी किए गए थे। जिस कारण इन्हें रद्द किया जा रहा है। जिन बसों के परमिट रद्द किए गए हैं, उनमें बादल परिवार की बसें भी शामिल हैं। यह जानकारी ट्रांसपोर्ट मंत्री लालजीत भुल्लर ने दी है। मंत्री लालजीत भुल्लर ने कहा कि 2007 से लेकर 2017 तक अकाली और कांग्रेसी सरकार के दौरान इन बसों को गैर कानूनी परमिट जारी किए गए थे। इनमें कई बड़े ट्रांसपोर्ट के नाम भी शामिल हैं। पूर्व डिप्टी सीएम सुखबीर सिंह बादल की 30 फीसदी बसों के परमिट रद्द किए गए हैं, जो गैर कानूनी थे।

मुस्लिम इलाके को पाक बताने पर हाई कोर्ट के जज की बढ़ी मुश्किलें! एससी ने लिया संज्ञान

बेंगलूरू, 20 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक हाई कोर्ट के जज वेदव्यासचार श्रीशानंद की मुश्किलें बढ़ गई है। उन्होंने बेंगलुरु के एक मुस्लिम बहुल इलाके को पाकिस्तान बताया था, जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वहीं, अब सुप्रीम कोर्ट उनके इस विवादास्पद टिप्पणियों पर स्वतः संज्ञान लिया है। चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा है कि हम इस मुद्दे पर दिशा निर्देश जारी करेंगे। सीजेआई ने कहा कि अदालती कार्यवाही के दौरान कर्नाटक हाई कोर्ट के जज द्वारा की गई टिप्पणियों पर मीडिया रिपोर्ट ने ध्यान आकर्षित किया है। जस्टिस श्रीशानंद ने 28 अगस्त को एक मामले की सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की थी।

25 सितंबर को होगी अगली सुनवाई

सीजेआई ने कहा कि हम कर्नाटक हाई कोर्ट के जज से अनुरोध करते हैं कि वह हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस से निर्देश लेने के बाद रिपोर्ट प्रस्तुत करें। चीफ जस्टिस ने इसके लिए दो दिन का समय दिया है। रिपोर्ट सेक्रेटरी जनरल हाई कोर्ट द्वारा की जा सकती है। एजी और एसजी कोर्ट की सहायता करेंगे। अदालत इस पर दिशा निर्देश जारी करेगा। मामले में अगली सुनवाई 25 सितंबर को होगी।

जस्टिस श्रीशाह नंदा ने क्या कहा था?

कर्नाटक हाई कोर्ट के जिस ने यह टिप्पणी की थी, उनका नाम जस्टिस वेदव्यासचार श्रीशानंद है। उन्होंने दो टिप्पणियां की थीं।

एक पाकिस्तान से जुड़ी और एक महिला वकीलों से संबंधित थी, जिसकी क्लिप सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुई है। इस क्लिप के वायरल होने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने मामले में स्वतः संज्ञान लिया है। जस्टिस श्रीशानंद ने 28 अगस्त को एक मामले की सुनवाई के दौरान कर्नाटक के गोरी पाल्या (मुस्लिम बहुल इलाके) को पाकिस्तान कहा था। श्रीशाह नंदा ने कहा था कि गोरी पाल्या में एक ऑटो में 10 लोग होते हैं, वहां कानून लागू नहीं होता, गोरी पाल्या से मैसूर फ्लाईओवर तक का इलाका पाकिस्तान में है, भारत में नहीं। यहां कानून नहीं लागू होता और यही सच्चाई है। जस्टिस नंदा किराया नियंत्रण अधिनियम से संबंधित मामले की सुनवाई कर रहे थे। जस्टिस वेदव्यासचार श्रीशानंद ने 5 मई 2020 को कर्नाटक हाई कोर्ट के एडिशन जज के रूप में शपथ ली थी। 25 सितंबर 2021 को वह कर्नाटक हाई कोर्ट के स्थायी जज बन गए।

चारधाम यात्रा में उमड़ रहा भक्तों का सैलाब, अब तक 35.57 लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंचे धाम

बदरीनाथ, 20 सितंबर (एजेंसियां)। केदारनाथ चारधाम यात्रा में फिर से एक बार श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी है। अब तक चारधाम यात्रा में 35 लाख 57 हजार से अधिक तीर्थयात्री दर्शन कर चुके हैं। सितंबर माह के दूसरे सप्ताह से बदरीनाथ-केदारनाथ धाम जाने वाले भक्तों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। दोनों धामों में प्रतिदिन तीन से चार हजार तीर्थयात्री दर्शन को पहुंच रहे हैं। शासन-प्रशासन यात्रियों की सुखद यात्रा के लिए सुविधा मुहैया कराने के लिए व्यवस्था बनाने में जुटा हुआ है। केदारनाथ मंदिर के कपाट दस मई को श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोले गए थे। यात्रा के शुरुआत से भक्तों का हुजूम उमड़ना शुरू हो गया था। केदारनाथ में सबसे अधिक अभी तक रिकार्ड 11 लाख 45 हजार 897 से अधिक तीर्थयात्रियों ने बाबा के दरबार में हाजिरी लगाई है।

अपने दोस्त से मिलने करनाल पहुंचे राहुल गांधी, बढ़ाया मदद का हाथ

करनाल, 20 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के करनाल में एक अप्रत्याशित यात्रा में, कांग्रेस नेता और सांसद राहुल गांधी 20 सितंबर को सुबह-सुबह घोघारीपुर गांव पहुंचे। उनकी यात्रा सिर्फ़ एक नियमित राजनीतिक कार्यक्रम नहीं थी, बल्कि एक निजी कार्यक्रम था। वे अमित नामक एक युवक के परिवार से मिलने गए थे, जो अमेरिका में दुर्घटना का शिकार हो गया था। गांव में गांधी की यात्रा का व्यापक प्रचार नहीं किया गया, केवल कुछ अधिकारियों को ही उनकी योजनाओं की जानकारी थी।

इससे ऐसी स्थिति पैदा हुई कि स्थानीय कांग्रेस नेताओं को उनकी उपस्थिति के बारे में पता ही नहीं चला, जब तक कि उनसे मिलने के लिए बहुत देर नहीं हो गई। ज्ञात हो कि अमित के परिवार के साथ राहुल गांधी का रिश्ता अमेरिका के दौरे से जुड़ा है, जहाँ उनकी पहली मुलाकात अमित से हुई थी। अमेरिका में मुलाकात के दौरान, गांधी ने अमित से वादा किया कि वह भारत में उसके परिवार से मिलने आएंगे। अपने वादे के

मुताबिक, वह सुबह-सुबह घोघारीपुर में अमित कुमार के घर पहुंचे और अमित के माता-पिता, बिरमती और बीर सिंह के साथ समय बिताया। यह मुलाकात संक्षिप्त लेकिन सार्थक थी, जो करीब एक घंटे और 20 मिनट तक चली, जिसके दौरान गांधी ने परिवार के साथ गहराई से बातचीत की, उनका हालचाल पूछा और अमित की दुर्घटना के बारे में चर्चा की। अमित कुमार की मां बीरमति का कहना है, राहुल गांधी ने कहा कि वह अमेरिका में अमित से मिले और उनसे वादा किया कि वह उनके परिवार के सदस्यों से मिलेंगे। सुबह 6 बजे, राहुल गांधी यहां आए, हमें पता नहीं था कि वह आने वाले हैं। उन्होंने बात सुनी। उन्होंने पूरी कहानी बताई और कहा कि वह कुछ मदद करेंगे।

अमित, जो दुर्घटना से डेढ़ साल पहले अमेरिका चले गए थे, वहीं काम करते हैं। उनके दुर्घटना की खबर ने स्वाभाविक रूप से भारत में उनके परिवार के बीच चिंता पैदा कर दी थी। अमित की मां बिरमती ने बताया कि राहुल गांधी का अचानक उनके घर आना एक सुकून देने वाला इशारा था, जो राजनीतिक हस्तियों के उस पक्ष को दर्शाता है जो अक्सर उनके सार्वजनिक व्यक्तित्व के सामने छिप जाता है। राहुल गांधी की यात्रा की गुप्त थी,लेकिन करनाल में उनकी उपस्थिति की खबर अमित के घर से निकलने के बाद ही फैली। कुछ स्थानीय कांग्रेस नेता समय पर पहुंचने में कामयाब रहे, लेकिन वे गांधी से मिलने का मौका चूक गए, जिससे उनकी यात्रा के पीछे राजनीतिक नहीं बल्कि व्यक्तिगत मकसद सामने आया।

सीआईडी विंग में तैनात डीएसपी के घर से लाखों की चोरी

बठिंडा, 20 सितंबर (एजेंसियां)। सीआईडी विंग में तैनात डीएसपी के घर से दो महिलाओं द्वारा लाखों रुपये के आभूषण चोरी करने का मामला सामने आया है। जानकारी के मुताबिक दोनों महिलाएं नौकरानी बनकर घर की साफ-सफाई करने आई थीं और आभूषणों पर हाथ साफ कर दिया। आरोपियों की फुटेज गली में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। डीएसपी की पत्नी की शिकायत पर थाना सिविल लाइन पुलिस ने दो अज्ञात महिलाओं के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

मस्जिद के सामने जुलूस में ढोल-पटाखों पर पाबंदी लगे पथराव की घटनाओं के बाद अबू आजमी का बड़ा बयान

मुंबई, 20 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नंदुरबार में ईद-ए-मिलाद जुलूस के दौरान और देश के अन्य हिस्सों में गणपति जुलूसों के दौरान हुई झड़प और पत्थरबाजी की घटनाओं पर समाजवादी पार्टी के नेता अबू आसिम आजमी ने बड़ा बयान दिया है। आजमी ने इन घटनाओं पर बोलते हुए कहा कि 'एक्शन का रिएक्शन होता है जबकि ऐसा नहीं होना चहिए।' उन्होंने कहा कि मैंने कई बार सरकार से मांग की है कि मस्जिद के सामने जुलूस में ढोल-पटाखों पर पाबंदी लगाई जाए लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। उन्होंने पथराव की घटनाओं पर कहा कि यही वजह है कि एक्शन का रिएक्शन होता है।

'सरकार खुद ही चाहती है कि दंगे हों'

अबू आजमी ने सरकार पर भड़कते हुए कहा कि वह खुद ही चाहती है कि दंगे हों क्योंकि चुनाव पास होने की वजह से पोलराइजेशन को बढ़ावा देने का काम हो रहा है। उन्होंने कहा, 'मैंने आज माइनॉरिटी कमीशन से शिकायत की है और उन्हें इस मामले (नंदुरबार झड़प) में दखल देने की गुहार लगाई है। सरकार और प्रशासन सुस्त बैठा है। सरकार ख़ुद ही चाहती है कि दंगे हों जबकि ऐसा नहीं होना चाहिए। इतनी बड़ी मात्रा में पत्थर आते हैं और एक्शन का रिएक्शन होता है। चुनाव सामने हैं इसलिए सरकार पोलराइजेशन करने के लिए इस तरह की घटनाओं को बढ़ावा दे रही है।'

नितेश राणे के बयान पर भी बोले आजमी

अबू आजमी ने बीजेपी नेता नितेश राणे के बयान पर भी प्रतिक्रिया दी। सपा नेता ने कहा, 'नितेश राणे ने कहा कि 24 घंटे पुलिस को छुट्टी दे दो और मैदान में उतरो। ऐसा ही बयान अकबरुद्दीन ओवैसी ने दिया था। उनके खिलाफ मामला दर्ज हुआ लेकिन नितेश राणे के खिलाफ न तो मामला दर्ज होगा और न ही कार्रवाई होगी। इसके पहले भी उन्होंने इस तरह के बयान दिए लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई क्योंकि उनको सरकार का समर्थन है। पैन कार्ड जिहाद, लव जिहाद, लैंड जिहाद यह सब बकवास है। ये लोग जिहाद जैसे पवित्र शब्दों को बदनाम कर रहे हैं। वे सिर्फ चुनाव की राजनीति कर रहे।

'गुस्सा जाहिर करने की भी मर्यादा होती है', राहुल गांधी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने वालों को अजित पवार की हिदायत

मुंबई, 20 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में महायुति के नेताओं की ओर से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि हमे भी आता है लेकिन गुस्सा जाहिर करने की भी मर्यादा होती है। अजित पवार ने कहा कि एक बात मैं कहना चाहूंगा कि सभी को अपने विचार रखने का अधिकार है। यह अधिकार संविधान बनाने वाले बाबसाहेब आंबेडकर ने हमे दिया है लेकिन कोई भी सत्ताधारी हो, विरोधी हो या और कोई भी हो, जुबान पर नियंत्रण न रखने वालों को मर्यादा का पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम शिव, फूले और आंबेडकर के महाराष्ट्र में रहते हैं। कहीं भी गलत बयानबाजी कर महायुति और उसके सहयोगी पक्षों को मुश्किल में न लाएं। ठीक है कि गुस्सा आता है, हमे भी आता है लेकिन गुस्सा जाहिर करने की भी मर्यादा होती है। किस तरह की भाषा का इस्तेमाल होना चाहिए। सुसंस्कृत महाराष्ट्र कैसा होना चाहिए यह यशवंतराव चव्हाण ने हमें सिखाया है। उसी विचारधारा से हम आगे बढ़ रहे हैं। अगर कोई कुछ बोल गया तो इसका मतलब यह नहीं कि महायुति की सरकार का उसे समर्थन है, ऐसा बिल्कुल नहीं है। शिवसेना विधायक संजय गायकवाड़ ने हाल ही में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की अमेरिका यात्रा के दौरान आरक्षण पर दिए गए बयानों को लेकर उनकी जीभ काटने वाले को 11 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की थी। उनके इस बयान से विवाद खड़ा हो गया था। इसे लेकर महाराष्ट्र कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने बुलढाणा पुलिस स्टेशन में संजय गायकवाड़ के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के गुट के सदस्य संजय गायकवाड़ ने कहा था कि राहुल गांधी का वह बयान जिसमें उन्होंने भारत में आरक्षण खत्म करने की बात कही है, जनता से सबसे बड़ा झूठ है। एक तरफ महाराष्ट्र में आरक्षण की मांग उठ रही है, वहीं राहुल गांधी ने देश में आरक्षण खत्म करने का बयान दिया है। आज वह देश से आरक्षण खत्म करने की भाषा बोल रहे हैं और उन्होंने कांग्रेस का असली चेहरा दिखा दिया है। जो कोई भी राहुल गांधी की जीभ काटेगा, मैं उसे 11 लाख रुपये का इनाम दूंगा।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शनिवार, 21 सितंबर, 2024 3

सुविचार

अगर आप ख़ुशी की तलाश में लगे रहेंगे तो आप कभी ख़ुश नहीं रह पाएंगे। अगर आप जीवन का मतलब तलाश रहे हैं तो आप कभी नहीं जी पाएंगे।

दशहरा उत्सव से पहले सिंगरेणी श्रमिकों के लिए बोनस : रेवंत रेड्डी

प्रत्येक श्रमिक को 1.90 लाख रुपये मिलेंगे

हैदराबाद, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सिंगरेणी कोयला खदानों के श्रमिकों के लिए एक उदार बोनस की घोषणा की है। शुक्रवार को सचिवालय में मीडिया कॉन्फ्रेंस में विवरण का खुलासा करते हुए, मुख्यमंत्री ने उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क सहित मंत्रियों के साथ कहा कि राज्य सरकार ने दशहरा बोनस अग्रिम रूप से जारी करने का फैसला किया है, जिसमें प्रत्येक श्रमिक को 1.90 लाख रुपये मिलेंगे। यह राशि पिछले साल के बोनस से 20,000 रुपये अधिक है। इसे सुविधाजनक बनाने के लिए, सरकार 796 करोड़ रुपये आवंटित करेगी। इसके अतिरिक्त, उनके योगदान को मान्यता देते हुए, सिंगरेणी श्रमिकों को कंपनी के मुनाफे में हिस्सा मिलेगा, जिसमें कम से कम 33 प्रतिशत उनके बीच वितरित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार इस साल की शुरूआत में श्रमिकों की कड़ी मेहनत और योगदान के सम्मान के रूप में दशहरा बोनस की घोषणा कर रही है। मुख्यमंत्री ने सिंगरेणी श्रमिकों की दृढ़ता की भी प्रशंसा की और उनकी ताकत को सभी के लिए प्रेरणा बताया। उन्होंने तेलंगाना आंदोलन में इन श्रमिकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला और राज्य के भविष्य को आकार देने में उनके प्रयासों को स्वीकार किया। एक ऐतिहासिक कदम में, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने घोषणा की कि

सिंगरेनी में ठेका श्रमिकों को भी पहली बार दशहरा बोनस मिलेगा। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कांग्रेस सरकार ने सिंगरेणी श्रमिकों के लिए पर्याप्त बोनस की घोषणा की है, जिसमें वर्ष 2023-24 के लिए कुल लाभ 4,701 करोड़ रुपये दर्ज किया गया है। इस राशि में से, 796 करोड़ रुपये श्रमिकों के लिए बोनस के रूप में आवंटित किए जाएंगे। उन्होंने कहा, राज्य सरकार का यह निर्णय उस नीति में महत्वपूर्ण बदलाव है, जिसके तहत पहले बोनस केवल नियमित कर्मचारियों तक सीमित था। प्रत्येक संविदा कर्मचारी को 5,000 रुपये का दशहरा बोनस मिलेगा। यह पहल सरकार की इस प्रतिबद्धता को दर्शाती है कि जिन संविदा कर्मचारियों को ऐतिहासिक रूप से बोनस नहीं मिलता था, उन्हें अब मान्यता दी जाएगी और पुरस्कृत किया जाएगा। उपमुख्यमंत्री ने आगे कहा कि राज्य सरकार ने सिंगरेनी कोलियरीज द्वारा अर्जित लाभ को भविष्य की जरूरतों के लिए निवेश करने का निर्णय लिया है।

सुप्रीम कोर्ट से तेलंगाना सीएम को राहत :

2015 के कैश फॉर वोट घोटाले मामले को स्थानांतरित करने से किया इनकार

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट से भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को झटका लगा है। शीर्ष अदालत ने 2015 के कैश-फॉर-वोट घोटाला मामले को भोपाल स्थानांतरित किए जाने से इनकार कर दिया है। दरअसल, इस मामले में तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी आरोपी हैं। अदालत ने रेड्डी को निर्देश दिया कि वह इस मामले में अभियोजन के कामकाज में किसी भी तरह से हस्तक्षेप नहीं करें। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने निर्देश दिया कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के महानिदेशक मामले के अभियोजन के संबंध में तेलंगाना के मुख्यमंत्री को रिपोर्ट नहीं करेंगे। रेड्डी की ओर से पेश वकील ने अदालत को बताया कि मामले में मुकदमा स्थानांतरित करने की मांग वाली याचिका राजनीतिक मकसद से दायर की गई है।

शीर्ष अदालत ने इससे पहले रेड्डी की उस टिप्पणी पर कड़ी नाराजगी जताई थी, जिसमें उन्होंने कथित दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मामलों में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता के कविता को शीर्ष अदालत द्वारा जमानत दिए जाने पर टिप्पणी की थी। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह उम्मीद की जाती है कि संविधान के सभी तीनों अंग एक-दूसरे के कामकाज के प्रति परस्पर सम्मान दिखाएंगे।

पीठ ने रेड्डी द्वारा दायर हलफनामे पर गौर किया, जिसमें उन्होंने अदालत से माफी मांगी और कहा कि वह इस मुद्दे पर आगे नहीं बढ़ना चाहती। उन्होंने कहा कि हालांकि हम इस मामले में आगे नहीं बढ़ना चाहते हैं, लेकिन हम सभी संवैधानिक पदाधिकारियों- विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका को केवल यह कह सकते हैं कि वे संविधान द्वारा उनके लिए निर्धारित क्षेत्रों में अपने संवैधानिक कर्तव्यों का निर्वहन करें।

कोंडा लक्ष्मण बापू ने दलित और कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए काम किया : सीएम

हैदराबाद, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कोंडा लक्ष्मण बापूजी को याद किया, जिन्होंने पहले और तीसरे चरण में तेलंगाना राज्य के संघर्ष में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कोंडा लक्ष्मण बापूजी की एक बलिदानी के रूप में सराहना की, जिन्होंने 1969 में मंत्री पद से भी इस्तीफा दे दिया था। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कोंडा लक्ष्मण बापूजी को उनकी पुण्यतिथि पर सम्मानित करते हुए उनकी सेवाओं को याद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक ओर जहां बापूजी ने निज़ाम विरोधी संघर्ष में भाग लिया, वहीं ब्रिटिश शासन के खिलाफ वंदे मातरम और भारत छोड़ो आंदोलन में भी भाग लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि विधायक, विधानसभा उपाध्यक्ष और मंत्री के रूप में विभिन्न पदों पर लोगों की सेवा करने के अलावा, बापूजी ने दलित और कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए लगातार काम किया है।

बंड़ी संजय ने तिरुमाला लड्डू में पशु वसा के मामले की सीबीआई जांच की मांग की

हैदराबाद, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री बंडी संजय ने कहा है कि तिरुमाला श्रीवारी लड्डू प्रसादम में पशु वसा का संदूषण गंभीर चिंता का विषय है और कहा कि यह एक अक्षम्य अपराध है। उन्होंने मांग की कि मामले की सीबीआई जांच कराई जानी चाहिए। उन्होंने एपी सरकार से इस संबंध में निर्णय लेने का आग्रह किया। बंडी संजय ने इस मुद्दे पर सीएम चंद्रबाबू को एक पत्र लिखा है। उन्होंने कहा, यह मामला तिरुमाला के भक्तों और पूरी दुनिया के हिंदुओं की भावनाओं को गहराई से आहत करता है। हालांकि पहले भी शिकायतें थीं कि तिरुमाला की पवित्रता को नुकसान पहुंचाया गया है और बुतपरस्ती का प्रचार चल रहा है, लेकिन तत्कालीन शासकों ने इस पर ध्यान नहीं दिया। पूर्व सीएम ने इस तथ्य पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी कि लाल चंदन की लकड़ी

लूटते समय सात पहाड़ियों को दो पहाड़ियों तक सीमित कर दिया गया था।

पूरे हिंदू समुदाय को लगता है कि सीएम नायुडू की यह टिप्पणी कि लड्डू प्रसादम बनाने में जानवरों की चर्बी का इस्तेमाल किया गया था, मिलावट का नतीजा है। प्रसाद में जानवरों की चर्बी का सेवन सबसे बुरा है। हम इसे हिंदू धर्म के खिलाफ एक बड़ी साजिश के रूप में देखते हैं। लड्डू के महत्व को कम करने और टीटीडी में करोड़ों भक्तों की आस्था को कम करने की साजिश रची गई थी। उन्होंने एक अक्षम्य अपराध किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसी घटनाएं इसलिए हुईं क्योंकि टीटीडी ने बुतपरस्तों को अपनी बागडोर सौंप दी थी और उन्हें नौकरियों में अवसर दिए थे। यह मिलावट का धंधा होने की संभावना नहीं है चंद्रबाबू ने कहा कि इस मामले में कई वर्षों से उच्च पदस्थ लोगों की संलिप्तता नहीं है। इस मामले की पूरी जांच तभी हो सकती है जब सीबीआई जांच हो और तथ्य सामने आ सकें। इस मामले में अंतिम निर्णय राज्य सरकार को लेना है। राजनीतिक हितों को पूरी तरह दरकिनार कर हिंदुओं की भावनाओं की रक्षा करना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। तत्काल पूरी जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

सीतक्का ने लीडरशिप समिट में महिला सशक्तिकरण और समानता की वकालत की

हैदराबाद, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री सीतक्का ने इस बात पर जोर दिया है कि कार्यस्थलों पर महिलाओं के खिलाफ उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने महिलाओं को किसी भी तरह की हीन भावना से ऊपर उठने के लिए प्रोत्साहित किया और चुनौतियों का सामना करने में दृढ़ता के महत्व पर जोर दिया। मंत्री ने शुक्रवार को माधापुर में टेक महिंद्रा परिसर में सीआईआई भारतीय महिला नेटवर्क तेलंगाना द्वारा आयोजित 10वें वार्षिक नेतृत्व शिखर सम्मेलन के दौरान ये टिप्पणियां कीं। शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए सीतक्का ने समाज में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला, हालांकि उन्होंने इस मानसिकता को स्वीकार किया कि उनकी क्षमता को कम करके आंका जाता है। उन्होंने कहा, महिलाएं समाज में बदलाव लाने वाली होती हैं। हालांकि, महिलाओं को कमतर समझने की मानसिकता अभी भी मौजूद है, जिसकी वजह से वे पिछड़ जाती हैं। महिलाओं के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के बावजूद, पुरुषों को श्रेष्ठ मानने की धारणा कायम है। महिलाओं को हीनता की इस धारणा से मुक्त होना चाहिए।

वीएच ने तिरुमाला प्रसादम के कथित उपयोग पर सीबीआई जांच की मांग की

हैदराबाद, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वी हनुमंत राव ने केंद्र सरकार से मांग की है कि वह तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) में पवित्र लड्डू प्रसादम तैयार करने के लिए पशु वसा का उपयोग किए जाने के आरोपों की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जांच कराए।

शुक्रवार को यहां गांधी भवन में मीडिया से बात करते हुए हनुमंत राव ने इस मुद्दे पर गंभीर चिंता व्यक्त की और यह भी सवाल किया कि घी की आपूर्ति नियमित ठेकेदार के बजाय नए लोगों को क्यों दी गई। उन्होंने केंद्र की भाजपा सरकार से कहा कि इस प्रकरण के लिए जिम्मेदार लोगों का पता लगाने के लिए सीबीआई जांच का आदेश दिया जाना चाहिए। वीएच ने कहा, ईश्वर किसी भी ऐसे व्यक्ति को नहीं छोड़ेगा जिसने गलत किया है। चूंकि ईश्वर के साथ अन्याय हुआ है, इसलिए इसके पीछे जो भी है, उसे तुरंत ढूंढ़कर दंडित किया जाना चाहिए।

जूपल्ली ने तेलंगाना में पर्यटन विकास के लिए स्पेन से सहयोग मांगा

हैदराबाद, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यटन और संस्कृति मंत्री जूपल्ली कृष्ण राव ने स्पेन के राजदूत जुआन एंटोनियो मार्सो पुजोल से तेलंगाना के पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने में सहयोग बढ़ाने का आग्रह किया है। शुक्रवार को यहां सचिवालय में आयोजित एक शिष्टाचार बैठक में दोनों नेताओं ने तेलंगाना और स्पेन के बीच पर्यटन संबंधों को बढ़ाने की संभावनाओं पर चर्चा की। जुपली कृष्ण राव ने राज्य के समृद्ध इतिहास, संस्कृति और विरासत का जश्न मनाने वाले विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे पर ध्यान केंद्रित करके तेलंगाना को वैश्विक पर्यटन स्थल में बदलने के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। उन्होंने राष्ट्रों के बीच सांस्कृतिक और पारंपरिक आदान-प्रदान के लिए एक सेतु के रूप में पर्यटन की भूमिका पर जोर दिया। मंत्री ने थीम आधारित पर्यटन सर्किट पर विभिन्न देशों के साथ सहयोग करने की योजनाओं का भी खुलासा किया, जो न केवल पर्यटन को बढ़ावा देगा बल्कि विरासत को भी संरक्षित करेगा। उन्होंने राजदूत पुजोल से उन पहलों का समर्थन करने का अनुरोध किया जो तेलंगाना के पर्यटन को बढ़ावा देंगे और पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए दोनों क्षेत्रों के बीच आपसी सहयोग को मजबूत करेंगे। मंत्री ने तेलंगाना में आगामी चौथे शहर परियोजना की क्षमता के बारे में आशा व्यक्त की, जो और भी अधिक अंतर्राष्ट्रीय आगंतुकों को आकर्षित कर सकती है। इस अवसर पर, राजदूत पुजोल ने तेलंगाना के पर्यटन क्षेत्र के विकास में स्पेन के सहयोग का आश्वासन दिया और जुपल्ली को पर्यटकों के लिए एक वैश्विक केंद्र स्पेन की यात्रा करने के लिए आमंत्रित किया।

बिजली दरों में बढ़ोतरी का प्रस्ताव

डिस्कॉम ने घाटे को कम करने उठाया कदम

हैदराबाद, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अपनी वार्षिक राजस्व आवश्यकता (एआरआर) में टैरिफ वृद्धि का प्रस्ताव दिया है, जिसका उद्देश्य 14,222 करोड़ रुपये के महत्वपूर्ण राजस्व अंतर को पूरा करने के लिए 1,200 करोड़ रुपये जुटाना है। शेष 13,022 करोड़ रुपये का घाटा राज्य सरकार की सब्सिडी से पूरा होने की उम्मीद है। अपने एआरआर सबमिशन में डिस्कॉम ने 75,895 मिलियन यूनिट (एमयू) की ऊर्जा बिक्री और 85,284 एमयू की बिजली खरीद मात्रा का अनुमान लगाया है। बिजली खरीद की अनुमानित लागत 42,702 करोड़ रुपये है, जबकि अंतर-राज्यीय और अंतर-राज्यीय दोनों तरह की अतिरिक्त ट्रांसमिशन लागत में 5,271 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी होने का अनुमान है। राज्य लोड डिस्पैच सेंटर (एसएलडीसी) की लागत 84 करोड़ रुपये और वितरण लागत 9,377 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। उपभोक्ता सुरक्षा जमा पर ब्याज 423 करोड़ रुपये होगा।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए कुल एआरआर 57,857 करोड़ रुपये पर आंका गया है, जबकि अपेक्षित राजस्व 44,835 करोड़ रुपये है, जिससे राजस्व में पर्याप्त कमी रह गई है। प्रस्तावित 1,200 करोड़ रुपये की टैरिफ वृद्धि का उद्देश्य इस अंतर को आंशिक रूप से कम करना है। हाई टेंशन (एचटी) उपभोक्ताओं को ऊर्जा और फिक्स्ड चार्ज दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिलेगी। 33 केवी और 132 केवी या उससे अधिक लोड वाले उपभोक्ताओं के लिए शुल्क 11 केवी उपभोक्ताओं के समान ही होंगे। एचटी उपभोक्ताओं के लिए फिक्स्ड चार्ज 475 रुपये से बढ़कर 500 रुपये प्रति केवीए हो जाएगा। लो टेंशन (एलटी) उपभोक्ताओं के लिए कोई ऊर्जा शुल्क वृद्धि प्रस्तावित नहीं की गई है। हालांकि, 300 यूनिट से अधिक खपत करने वालों के लिए निश्चित शुल्क में वृद्धि होगी।

चमचमाती होंडा सिटी में निकले गांजे के सौदागर

86 किलो गांजा के साथ एक महिला समेत दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद एसओटी राजेंद्रनगर टीम ने डुंडीगल पुलिस के साथ मिलकर बरहमपुर (ओडिशा) से तेलंगाना राज्य के रास्ते दिल्ली तक गांजे की तस्करी का भंडाफोड़ किया। पुलिस ने इस मामले एक महिला समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 86 किलोग्राम गांजा, होंडा सिटी वाहन जब्त किया, जिसकी कीमत करीब 30 लाख रुपये बताई जा रही है। सूचना पर कार्य करते हुए, साइबराबाद विशेष ऑपरेशन टीम (एसओटी), राजेंद्रनगर टीम के अधिकारियों ने डुंडीगल पुलिस के साथ मिलकर एक होंडा सिटी कार को डुंडीगल के पास रोका और एक पुरुष और एक महिला ट्रांसपोर्टर को पकड़ा और 86 किलोग्राम सूखा गांजा बरामद किया। यह गांजा बरहामपुर (ओडिशा) से दिल्ली ले जाया जा रहा था। आरोपी सुनींद्र कुमार सिंहनिवासी ख्रीस्तियन साही कॉलोनी, आर. उदयगिरी (वी एंड एम), गजपति जिला, ओडिशा और लक्ष्मी निवासी बालीमेला (वी), मलकानगिरी, ओडिशा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जबकि अन्य आरोपी अमित अग्रवाल, निवासी दिल्ली, राजू निवासी बरहामपुर, शिवा निवासी मलकानगिरी जिला, ओडिशा फरार है।

पुलिस के अनुसार आरोपी सुनींद्र कुमार सिंह आर. उदयगिरी (वीएंडएम), गजपति जिला, ओडिशा का निवासी है और उसके पास होंडा सिटी कार है। वह राजू निवासी बरहामपुर, ओडिशा के साथ जुड़ा हुआ था जो गांजा का मुख्य सप्लायर है। सुनींद्र कुमार सिंह गांजा परिवहन के लिए अपनी होंडा सिटी कार उपलब्ध कराता था। शिवा निवासी मलकानगिरी जिला, ओडिशा राजू का सहयोगी है। वह गांजा को जंगल से बरहामपुर तक ले जाने का काम करता है और कभी-कभी भद्राचलम तक ले जाता है। राजू ने सुनींद्र कुमार से राजू की मदद से अपनी कार में कुछ बदलाव करने को कहा। इस सिलसिले में उन्होंने सुनींद्र कुमार की होंडा सिटी कार में कुछ बदलाव किए हैं और उन्होंने गांजा के पैकेट छिपाने के लिए कार डिकी में 2 (दो) गुप्त बॉक्स बनाए हैं। बीते 18 सितंबर को राजू के निर्देश पर, उसके सहयोगी शिवा ने ब्रह्मपुर में सुनींद्र कुमार सिंह से कार ली और कार डिकी में बनाए गए गुप्त बक्सों में गांजा के पैकेट लोड किए। राजू की सलाह पर, शिवा ने 1 किलो और 2 किलो के गांजा के पैकेट, जिनका कुल वजन 86 किलोग्राम था, को कार डिकी के गुप्त बक्सों में लोड किया और 19 सितंबर की सुबह चिनथुरु, एपी में कार को अमित अग्रवाल नाम के एक व्यक्ति, निवासी दिल्ली को सौंप दिया। जैसे ही उन्होंने पुलिस चेकिंग से बचने और ध्यान भटकाने की योजना बनाई, आरोपी सुनींद्र कुमार सिंह ने भुगतान के आधार पर लक्ष्मी नाम की एक महिला को बालीमेला, मलकानगिरी जिले में काम पर रखा और उसे अपनी पत्नी के रूप में काम करने के लिए कहा। उसने लक्ष्मी को 6,000 रुपये की पेशकश की। सुनींद्र कुमार सिंह ने पुलिस को समझाने की योजना बनाई क्योंकि वह अपनी पत्नी को इलाज के लिए दिल्ली ले जा रहा है, अगर कोई पुलिस चेकिंग होती है। 19 सितंबर की सुबह आरोपी सुनींद्र कुमार सिंह लक्ष्मी के साथ अपनी होंडा सिटी में चिन्थूरू, एपी से निकले थे, जिसमें उन्होंने 86 किलोग्राम सूखा गांजा भरा था। जब वे दिल्ली जा रहे थे, जब वे रोटरी 1, ओआरआर सर्विस रोड, एग्जिट नंबर 05, डुंडीगल पहुंचे। सूचना पर एसओटी राजेंद्रनगर टीम ने डुंडीगल पुलिस स्टेशन स्टाफ के साथ मिलकर एक सिल्वर रंग की होंडा सिटी को रोका और 86 किलोग्राम गांजा बरामद कर लिया।

महिंद्रा ने की सीएम रेवंत के दृष्टिकोण की प्रशंसा

युवा भारत कौशल विश्वविद्यालय के लिए की प्रशंसा

हैदराबाद, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने उद्योगपतियों और कॉर्पोरेट नेताओं से यंग इंडिया स्किल यूनिवर्सिटी के कोष और बुनियादी ढांचे में योगदान देकर सहयोग करने का आग्रह किया तथा दानदाताओं के नाम पर इमारतों और सुविधाओं का नाम रखने की पेशकश की। विश्वविद्यालय के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, उद्योग जगत के नेताओं और कंपनी प्रतिनिधियों के साथ बैठक में मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय को कौशल विकास के लिए राष्ट्रीय मॉडल बनाने की सरकार की योजना की रूपरेखा प्रस्तुत की। इस कार्यक्रम में आनंद महिंद्रा, आईटी मंत्री डी. श्रीधर बाबू और उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क सहित प्रमुख हस्तियां शामिल हुईं। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विकास में निजी क्षेत्र को शामिल करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

रेवंत रेड्डी ने विश्वविद्यालय के अध्यक्ष आनंद महिंद्रा पर भरोसा जताते हुए उनके अनुभव और नेतृत्व की प्रशंसा की। उन्होंने घोषणा की कि राज्य सरकार ने विश्वविद्यालय के विकास के लिए 150 एकड़ जमीन और 100 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। सीएम ने 2028 ओलंपिक के लिए एथलीटों को तैयार करने के उद्देश्य से एक खेल विश्वविद्यालय स्थापित करने की योजना का भी खुलासा किया।

परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर और सरकारी सचेतक आदि श्रीनिवास ने खाड़ी श्रमिकों के कल्याण के लिए जिओ जारी करने के लिए सीएम रेवंत रेड्डी से मुलाकात की और धन्यवाद दिया।

भट्टी ने एसएलबीसी परियोजना को पूरा करने के लिए मासिक बजट आवंटन का वादा किया

नलगोंडा, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) सुरंग परियोजना को पूरा करने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की है और परियोजना की निरंतर प्रगति सुनिश्चित करने के लिए मासिक बजट के आवंटन का आश्वासन दिया है। भट्टी विक्रमार्क ने सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी, सड़क और भवन मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी और विधान परिषद के अध्यक्ष गुथा सुखेंद्र रेड्डी के साथ शुक्रवार को 40 किलोमीटर लंबी भूमिगत सुरंग का दौरा किया, जो श्रीशैलम जलाशय से अमराबाद रिजर्व फॉरेस्ट के नीचे बनाई जा रही है ताकि श्रीशैलम डेड स्टोरेज से 30 टीएमसी पानी संयुक्त नलगोंडा जिले में लाया जा सके। बाद में, उन्होंने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की और उन्हें निर्धारित अवधि में परियोजना को पूरा करने का निर्देश दिया। इस अवसर पर विक्रमार्क ने कहा कि यदि हर महीने 400 मीटर सुरंग खोदी जाती है, तो 14 करोड़ रुपये की आवश्यकता होगी और परियोजना 20 महीने के भीतर पूरी हो सकती है। हालांकि, यदि 400 मीटर से अधिक खुदाई की जाती है, तो सरकार पूर्ण किए गए कार्य के अनुपात में अतिरिक्त धनराशि जारी करने के लिए तैयार है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार दो साल के भीतर एसएलबीसी परियोजना को पूरा करने के लिए दृढ़ संकल्प है, जिससे नगरकर्नूल और नलगोंडा जिलों को पर्याप्त सिंचाई और पीने के पानी की सुविधा मिलेगी। भट्टी विक्रमार्क ने पिछली सरकार की लापरवाही की आलोचना की, जो परियोजना के लिए 1,000 करोड़ रुपये का बजट होने के बावजूद कोई महत्वपूर्ण प्रगति करने में विफल रही। उन्होंने कहा कि उनकी कार्रवाई की कमी के कारण, परियोजना की लागत अब 4,000 करोड़ रुपये हो गई है, जिससे राज्य के वित्त पर भारी बोझ पड़ रहा है। उपमुख्यमंत्री ने एसएलबीसी सुरंग परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए तत्कालीन सरकार पर दबाव बनाने में पूर्व पीसीसी अध्यक्ष उत्तम और रेवंत रेड्डी और एक अन्य नेता कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी के प्रयासों के साथ-साथ सीएलपी नेता के रूप में अपनी भूमिका को याद किया। उन्होंने कलेश्वरम जैसी अन्य परियोजनाओं के कुप्रबंधन का भी उल्लेख किया, जहां बिना किसी परिणाम के 1 लाख करोड़ रुपये खर्च किए गए, जबकि पलामुरु जैसी परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित नहीं किया गया, जो तेलंगाना के लिए महत्वपूर्ण हैं, की उपेक्षा की गई। भट्टी विक्रमार्क ने बताया कि पिछले दस वर्षों में वादों के बावजूद एक एकड़ जमीन को भी पानी नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस द्वारा अपने कार्यकाल के दौरान शुरू की गई सिंचाई परियोजनाएं पूरी हो गई होतीं, तो राज्य में महत्वपूर्ण कृषि समृद्धि देखी गई होती। भट्टी विक्रमार्क ने जोर देकर कहा कि राज्य के जल मुद्दों को हल करने के लिए सोनिया गांधी ने तेलंगाना का निर्माण किया था। हालांकि, पिछली सरकार ने चल रही परियोजनाओं को फिर से डिजाइन करने की आड़ में छोड़ दिया, सार्वजनिक धन की लूट की और राज्य के खजाने को 7 लाख करोड़ रुपये के कर्ज में धकेल दिया, उन्होंने आलोचना की। भट्टी ने कहा, राज्य सरकार ने परियोजनाओं को उनकी पूर्णता समय-सीमा के आधार पर प्राथमिकता देने का नीतिगत निर्णय लिया है (चाहे छह महीने, एक साल, दो साल या पांच साल) और उसी के अनुसार आवश्यक धन आवंटित किया जाए।

मोबाइल दिलाने से मां के मना करने पर फांसी के फंदे पर झूली बेटी

हमीरपुर, 20 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में मोबाइल फोन खरीदने की जिद पर अड़ी बेटी ने मां की डांट से क्षुब्ध होकर फांसी लगा ली जिससे उसकी मौत हो गई। इस घटना से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। मृतका की अगले माह शादी होनी थी। घर में शादी की तैयारियों के बीच बेटी के आत्मघाती कदम उठाने से पड़ोसी भी सन्न है। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। हमीरपुर जिले के जलालपुर थाना क्षेत्र के बरहरा गांव निवासी संपत रानी अपनी बेटी और बेटों के साथ रहती है। इसके पति रामाधीन कुशवाहा की सात साल पहले मौत हो गई थी।

आगरा में प्रेमी-प्रेमिका ने जहर खाकर दी जान

आगरा, 20 सितंबर (एजेंसियां)। आगरा के थाना किरावली अंतर्गत गांव सरसा की नहर पट्टी पर प्रेमी युगल बेहोशी की हालत में मिले थे। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। दोनों ने जहर खा लिया था। दोनों को जिला अस्पताल भेजा गया। युवती की मौत हो चुकी थी। युवक का उपचार चल रहा था। देर रात युवक ने भी दम तोड़ दिया। पुलिस को सूचना मिली कि गांव मलिकपुर के जंगलों से गांव सरसा जाने वाली नहर पटरी के किनारे युवक-युवती गंभीर अवस्था में पड़े है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। एसीपी सैंया भी मौके पर पहुंच गए। युवती के शरीर में हलचल नहीं थी। युवक तड़प रहा था। पुलिस ने दोनों को जिला अस्पताल भेजा। युवती की पहचान गांव निवासी के रूप में हुई।

सास को तेजाब से जलाने वाली कातिल बहू को उम्रकैद

प्रयागराज, 20 सितंबर (एजेंसियां)। प्रयागराज में जिला अदालत ने एक ऐसी बहू को उम्रकैद की सजा सुनाई है जिसने घरेलू कलह और खुन्नस की वजह से अपनी सास पर सोते समय तेजाब डाल दिया था।

वर्ष 2004 के इस सनसनीखेज मामले में 20 साल बाद आरोपित बहू माधुरी कुशवाहा को दोषी पाते हुए कोर्ट ने आजीवन सश्रम कारावास और 40,000 रुपए अर्थ दंड की सजा सुनाई। 20 साल बाद आए इस फैसले पर मारी गई सुदामा देवी के बेटे और बेटी को राहत मिली है जिन्होंने लंबी लड़ाई के बाद अपनी मां की कातिल को सजा दिलाई। अदालत ने अपने फैसले में यह भी कहा कि सुदामा देवी के पुत्र और पुत्री यानी मोनू कुशवाहा और पूजा कुशवाहा को अर्थदंड का 90 प्रतिशत दिया जाए।

लालू प्रसाद यादव की बढ़ीं मुश्किलें

सीबीआई को मिली मुकदमा चलाने की अनुमति

पटना नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। नौकरी के बदले जमीन मामले में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। दरअसल, सीबीआई ने पूर्व रेल मंत्री लालू यादव के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति मांगी थी। गृह मंत्रालय ने इसके लिए मंजूरी दे दी है। 30 से ज्यादा आरोपी ऐसे हैं, जिनके खिलाफ अभियोजन की मंजूरी का इंतजार है। सीबीआई ने अन्य आरोपियों के खिलाफ मंजूरी हासिल करने के लिए 15 दिन का और समय मांगा है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सीबीआई से अन्य आरोपियों के खिलाफ मंजूरी हासिल करने की प्रक्रिया में तेजी लाने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई 15 अक्तूबर को होगी।

दरअसल, दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने लालू, तेजस्वी और अन्य आरोपियों को समन जारी किया था। कोर्ट ने अखिलेश्वर सिंह और उनकी पत्नी किरण देवी को भी समन भेजा था। कोर्ट ने कहा कि तेज प्रताप यादव की संलिप्तता से इनकार नहीं किया जा सकता है। वह एके इंफोसिस लिमिटेड के निदेशक भी थे। उन्हें भी जमन जारी किया गया है।

ईडी मामले में किया जा चुका समन

इससे पहले ईडी की जांच के सिलसिले में लालू प्रसाद यादव, तेज प्रताप और तेजस्वी यादव को कोर्ट ने तलब किया था। घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अन्य आरोपियों को भी तलब किया गया था।कोर्ट ने सभी को सात अक्तूबर को पेश होने के लिए कहा है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छह अगस्त को 11 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था, जिनमें से चार की पहले ही मौत हो चुकी है।

क्या है मामला?

आरोप है कि रेलवे मंत्री रहते हुए लालू यादव इस घोटाले में शामिल थे। यह घोटाला 2004 से 2009 के बीच किया गया था, जहां कई लोगों को रेलवे के विभिन्न जोनों में ग्रुप-डी के पदों पर नौकरियां दी गई थीं। बदले में इन लोगों ने अपनी जमीन तत्कालीन रेलवे मंत्री लालू यादव के परिवार के सदस्यों और एक संबंधित कंपनी एके इंफोसिस्टम के नाम कर दी थी। घोटाले का आरोप यूपीए सरकार में रेल मंत्री रहे पवन बंसल के भांजे विजय सिंगला पर भी लगा है। मामले में भी सीबीआई ने विजय सिंगला समेत 10 के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। इस मामले में विजय सिंगला पर मनी लॉन्ड्रिंग का भी आरोप है।

तिरुपति प्रसाद मामले में क्या सीबीआई करेगी जांच

वाईएसआर पर भड़के गिरिराज सिंह

पटना, 20 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) ने आंध्र प्रदेश के तिरुपति मंदिर के लड्डुओं में फिश ऑयल और जानवरों की चर्बी मिलने की पुष्टि की है। इससे देश की राजनीति गरमा गई है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने इस मुद्दे पर शुक्रवार को कहा कि मुझे लगता है कि तिरुपति प्रसादम मामले में सीबीआई जांच की जरूरत है। सीबीआई को जांच करनी चाहिए कि प्रसादम में इस्तेमाल होने वाले घी पर कितना पैसा खर्च हुआ? हिंदू धर्म के खिलाफ साजिश का दूसरा पहलू भी है। इसकी भी जांच होनी चाहिए कि क्या हिंदू धर्म को खत्म करने की साजिश थी? जो लोग मुख्य दोषी हैं उन्हें फांसी की सजा मिलनी चाहिए।

आगे उन्होंने कहा कि मामला सिर्फ घोटाले का नहीं है। वाईएसआर सबसे बड़ा हिंदुओं का क्रिश्चियन कन्वर्जन करवाने का काम किया था। वो कहीं साजिश तो नहीं कि हिंदू धर्म को खत्म करना और इसलिए इसकी सजा कोई मिलावटी सजा नहीं केवल होनी चाहिए बल्कि जो लोग इसके मुख्य दोषी हैं उनको फांसी की सजा होनी चाहिए जिससे कभी कोई हिंदू धर्म पर खतरा करने की कोशिश ना करें।

संजय जायसवाल ने दी कड़ी प्रतिक्रिया

वहीं, इस मामले में बीजेपी सांसद संजय जायसवाल ने कहा कि पूरे विश्व की आस्था तिरुपति से जुड़ी है और तिरुपति बालाजी मंदिर का प्रसाद दुनिया के कोने-कोने में पोस्ट या कूरियर के माध्यम से पहुंचता है जो अनियमितताएं सामने आई हैं, उससे साफ पता चलता है कि जगन रेड्डी और वाईएसआर ने हिंदुओं की आस्था को बदनाम करने के लिए यह साजिश रची है।

तिरुपति प्रसाद को लेकर बड़ा खुलासा

बता दें कि आंध्र प्रदेश के तिरुपति मंदिर के लड्डुओं में मिलावट पर बड़ा खुलासा हुआ है। प्रसाद में फिश ऑयल और जानवरों की चर्बी मिलने की पुष्टि हुई है। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के तहत सेंटर ऑफ एनालिसिस एंड लर्निंग इन लाइवस्टॉक एंड फूड लैब की एक रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है।

यूपी में गुस्साई भीड़ ने गिराई मजार की दीवार

स्थापित किया शिवलिंग; 4 थानों की फोर्स तैनात

शाहजहांपुर, 20 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी के शाहजहांपुर में मजार विवाद को लेकर हंगामा और बवाल का मामला सामने आया है। यहां सरोहा गांव में मजार के नाम पर अवैध कब्जे के आरोप में स्थानीय लोगों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान भीड़ ने मजार की दीवार भी गिरा दी। बताया जा रहा है कि मंदिर के पास अवैध कब्जे के आरोप में हंगामा किया। वहीं दो समुदायों के बीच तनाव के बाद 4 थानों की पुलिस मौके पर तैनात कर दी गई है। फिलहाल पुलिस का कहना है कि स्थिति काबू में है और शांति व्यवस्था कायम है। पुलिस ने कहा कि आरोपियों के खिलाफ जल्द कार्रवाई की जाएगी।

अवैध निर्माण का आरोप

दरअसल, पूरा मामला शाहजहांपुर के सरोहा गांव का है। आरोप है कि गांव में मंदिर के पास अवैध रूप से मजार का निर्माण कर दिया गया। इसके बाद ग्रामीणों ने एक बैठक बुलाई। बैठक के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ ने अवैध निर्माण का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। गुस्साई भीड़ अवैध मजार के पास पहुंची और देखते ही देखते मजार की दीवार को भी धराशाई दिया। गुस्साए लोगों की भीड़ इतने पर नहीं रुकी। भीड़ ने वहां पर शिवलिंग भी स्थापित कर दिया। देखते ही देखते मामला काफी तूल पकड़ लिया, जिसके बाद विवाद होने की स्थिति बन गई।

पुलिस और पीएसी तैनात

वहीं मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस बल भी मौके पर पहुंच गया। फिलहाल दो समुदाय के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए मौके पर चार थानों की फोर्स तैनात कर दी गई है। इसके अलावा पीएसी को भी तैनात कर दिया गया है। पुलिस ने कहा है कि पूरे मामले पर प्रशासन की नजर बनी हुई है। इलाके में शांति व्यवस्था कायम है। जल्द ही आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पुलिस सभी गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है।

बिहार में जमीन सर्वे को लेकर बड़ा बदलाव

लोगों के लिए आई राहत वाली खबर

पटना, 20 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार में जमीन सर्वे का काम तेज से जारी है। अभी शुरुआती दौर है तो लोगों को कई तरह की समस्या भी हो रही है। इसे विभाग भी मान रहा है।

यही वजह है कि विभाग ने पहले फेज में अभी समय बढ़ाने का फैसला किया है। लोगों के लिए राहत वाली खबर है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री दिलीप जायसवाल ने बीते गुरुवार को मीडिया को इस संबंध में जानकारी दी है। कहा है कि दो-तीन दिनों में इस संबंध में नोटिफिकेशन भी जारी हो जाएगा।

पहले चरण में मिलेगा ज्यादा समय: दिलीप जायसवाल

मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि जमीन सर्वे के पहले चरण में हम लोग समय देने जा रहे हैं। पहले चरण में लोगों ने शुरुआती तौर पर समय मांगा है। उनको स्वघोषणा पत्र आदि देना है, तो हम पहले चरण में समय देने जा रहे हैं। इस सवाल पर कि पहला चरण कब तक चलेगा? इस पर दिलीप जायसवाल ने कहा कि दो-तीन दिनों में नोटिफिकेशन जारी कर दिया जाएगा। इसके बाद तिथि के बारे में पता चल जाएगा। हालांकि उन्होंने इस संबंध में यह भी साफ कर दिया कि सिर्फ पहले चरण में हम लोग ज्यादा समय देंगे ताकि जो जमीन के मालिक हैं उनको सर्वे में कोई दिक्कत का सामना ना करना पड़े।

मंत्री ने साफ कहा- किसी भी सूरत में नहीं रुकेगा सर्वे

वहीं दूसरी ओर चर्चा यह भी है कि बिहार में कई कारणों को देखते हुए जमीन सर्वे का काम रुक सकता है। या फिलहाल बंद किया जा सकता है। इस पर मंत्री दिलीप जायसवाल ने साफ कहा कि सर्वेक्षण का काम किसी भी सूरत में नहीं रुकेगा। उन्होंने कहा कि जमीन माफिया और जिन लोगों ने सरकारी जमीन पर अतिक्रमण किया है उन लोगों ने अफवाह फैलाई है कि जमीन का सर्वे रुकने वाला है। यह रुकने वाला नहीं है। आम आदमी को कोई दिक्कत का सामना नहीं करना पड़े विभाग उसकी चिंता कर रही है, इसलिए फर्स्ट स्टेज में हम समय बढ़ाने वाले हैं।

बिहार में जमीन सर्वे को लगभग हो गए एक महीने

बता दें कि बिहार में पिछले महीने 20 अगस्त से जमीन का सर्वे शुरू हुआ है। देखा जाए तो एक महीने बीत चुके हैं। हालांकि जमीनी स्तर पर कई तरह की समस्याएं आ रही हैं। कई लोग बाहर रहते हैं तो कई लोग ऐसे हैं जिनके पास जमीन से संबंधित किसी तरह के कागजात नहीं हैं। हालांकि विभाग ने उसके लिए भी उपाय तैयार किए हैं। लगातार इस संबंध में अधिकारियों को दिशा-निर्देश भी जारी किए जा रहे हैं। विभाग का दावा है कि लोगों को किसी तरह की समस्या नहीं होगी।

प्रयागराज में एम्स क्यों नहीं बन सकता? हाई कोर्ट ने यूपी के मुख्य सचिव से पूछा

प्रयागराज, 20 सितंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव से पूछा है कि प्रयागराज में एम्स स्थापित करना क्यों जरूरी नहीं है। अपर मुख्य स्थाई अधिवक्ता ए.के गोयल ने कोर्ट को आश्वस्त किया कि आदेश की जानकारी मुख्य सचिव को दी जाएगी। कोर्ट ने पिछले आदेश से केंद्र सरकार के अपर सॉलिसिटर जनरल वरिष्ठ अधिवक्ता शशि प्रकाश सिंह से प्रयागराज में एम्स की स्थापना की जमीनी हकीकत की जानकारी मांगी थी।

उन्होंने जमीनी हकीकत और केंद्र सरकार के रूख को लेकर हलफनामा दाखिल करने के लिए समय मांगा। जिस पर जनहित याचिका को सुनवाई के लिए 17 अक्टूबर को पेश करने का आदेश दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति एम.के गुप्ता और न्यायमूर्ति मनीष कुमार निगम की खंडपीठ ने सहज सारथी फाउंडेशन व अन्य की जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए दिया। याचिका पर अधिवक्ता सत्येन्द्र चंद्र त्रिपाठी ने बहस की। इनका कहना है कि पिछले 10 सालों में केवल पूर्वांचल में एक एम्स स्थापित किया जा सका है। प्रदेश की आबादी में तेजी से वृद्धि हुई है। ऐसे में प्रयागराज में एम्स जैसी संस्था की स्थापना किया जाना जरूरी है।

प्रयागराज में नहीं कोई भी बड़ा अस्पताल

प्रयागराज का सड़क, रेल मार्ग से चारों दिशाओं में संपर्क मार्ग है। यहां उच्च सुविधा युक्त कोई अस्पताल नहीं है। अपर सॉलिसिटर जनरल ने भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से प्राप्त जानकारी के हवाले से बताया कि 2014-15 में आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल में चार एम्स स्थापित किए जाने की घोषणा की गई थी। वर्ष 2015-16 के बजट में सात नए एम्स स्थापित करने की घोषणा की गई।

अभी यूपी में नहीं बनेगा कोई नया एम्स

जम्मू-कश्मीर, पंजाब, तमिलनाडु, हिमाचल प्रदेश, असम और बिहार में एम्स स्थापित किए गए हैं। वर्ष 2017-18 में गुजरात और झारखंड में दो एम्स स्थापित किए गए। वर्ष 2019-20 के बजट में हरियाणा में नया एम्स स्थापित किया गया। 2014-15 के बजट में गोरखपुर में एम्स स्थापित किया गया है। अपर सॉलिसिटर जनरल और भारत सरकार के अधिवक्ता संजय कुमार ओम ने बताया कि पूर्वांचल में एम्स की स्थापना के बाद प्रदेश में किसी नए एम्स की योजना केंद्र सरकार ने नहीं दी है।

मुख्य सचिव से रिकॉर्ड पेश करने को कहा

हाई कोर्ट ने कहा कि पिछले 10 सालों में चिकित्सा सुविधाओं पर जनसंख्या बढ़ने से भारी दबाव है। जिस पर केंद्र सरकार से प्रयागराज में एम्स की स्थापना की जमीनी हकीकत पर रिपोर्ट मांगी थी, लेकिन लगता है कोई मूल्यांकन नहीं किया गया।

जिस पर केंद्र सरकार की तरफ से हलफनामा दाखिल करने के लिए समय मांगा गया। कोर्ट ने प्रदेश के मुख्य सचिव से भी रिकॉर्ड पेश करने को कहा है। साथ ही मुख्य सचिव से पूछा कि प्रयागराज में एम्स जैसी संस्था क्यों नहीं स्थापित की जानी चाहिए। याचिका की अगली सुनवाई 17 अक्टूबर को होगी।

मायावती ने खोज ली सपा के पीडीए और चंद्रशेखर आजाद की काट

लखनऊ, 20 सितंबर (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी की मायावती ने समाजवादी पार्टी के पीडीए फॉर्मूले और चंद्रशेखर आजाद दोनों की काट निकाल ली है। बसपा सुप्रीमो 2027 विधानसभा चुनाव को जीतने के लिये पुराने फॉर्मूले पर लौट आई हैं, जिसके दम पर उन्होंने साल 2007 में जीत दर्ज की थी। बसपा संगठन को मजबूत करने के लिए मायावती बामसेफ का पुनर्गठन करेंगी। जिसमें आकाश आनंद की भूमिका बेहद अहम होने जा रही है। मायावती अब बसपा को मजबूत बनाने के लिए पार्टी संस्थापक कांशीराम के नुस्खे का इस्तेमाल करने की तैयारी में जुट गई है। जिसके तहत बसपा सालों बाद कांशीराम की पुण्यतिथि पर 9 अक्टूबर को लखनऊ में बड़ा कार्यक्रम आयोजित करेगी। जिसमें हर विधानसभा से लोगों को लाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ ही बसपा को मजबूत करने के लिए बामसेफ का पुनर्गठन भी किया जाएगा।

पुरानी रणनीति पर लौटेगी बसपा

मायावती ने चंद्रशेखर आजाद के प्रभाव करने को कम करने के लिए उनका सामने आकाश आनंद की भूमिका को और प्रभावी बनाने की तैयारी की है। ताकि बसपा खोई जमीन को फिर से पा सके। हर जिले में एक बामसेफ का अध्यक्ष और दस उपाध्यक्ष बनाए जाएंगे। इसके साथ ही विधानसभा स्तर पर एक-एक संयोजक बनाया जाएगा। वहीं तीन मंडलों पर बनाए गए एक सेक्टर की व्यवस्ता को खत्म करके फिर से मंडल प्रभारी बनाए गए हैं। बसपा प्रमुख ने 2022 और हाल में किये सभी बदलावों को निरस्त कर दिया है। जिसमें सेक्टर व्यवस्था को ख़त्म करके फिर से मंडल प्रभारी बनाए गए हैं। हर जिले में चार-चार जिला प्रभारी भी बनाये जाएंगे। बसपा एक बार फिर सोशल इंजीनियरिंग के फ़ॉर्मूले पर बढ़ेगी। जिसमें ब्राह्मणों-मुसलमानों पर फोकस किया जाएगा। हर जिले में अब पहले की तरह मुस्लिम और ब्राह्मण भाईचारा कमेटियां होंगी। पार्टी में सतीश चन्द्र मिश्रा और मुनकाद अली की भूमिका बढ़ाई जाएगी। बता दें कि बामसेफ भी ठीक उसी तरह काम करती है जैसे आरएसएस बीजेपी के लिए काम करती हैं। बामसेफ ने समय-समय पर दलितों के हितों की लड़ाई लड़ी है।

मोतिहारी में नाइट गार्ड की गोली मारकर हत्या

मोतिहारी, 20 सितंबर (एजेंसियां)। मोतिहारी में बदमाशों ने रात एक नाइट गार्ड की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना बीजधारी ओपी थाना क्षेत्र की है। मृतक की पहचान मणी प्रकाश यादव (उम्र करीब 30 साल) के रूप में की गई है। वह बीजधारी ओपी थाना क्षेत्र के सुंदरपुर गांव का रहने वाला था। गांव के ही चार लोगों पर हत्या का आरोप लगा है। बताया जाता है कि दो बाइक से चार लोग मणी प्रकाश को बुलाने के लिए घर पर आए थे। फिर वे अपने साथ लेकर चले गए। इसके बाद पता चला कि गोली मारकर मणी प्रकाश की हत्या कर दी गई है।

सहारनपुर में कुत्तों के झुंड ने मासूम को मार डाला

सहारनपुर, 20 सितंबर (एजेंसियां)। सहारनपुर में एक चार साल के बच्चे पर कुत्तों के झुंड ने हमला कर दिया। कुत्तों ने बच्चे को नोंच लिया। बच्चे लहूलुहान हो गया। नोचते हुए दूसरे खेत में ले गए। जब तक बच्चे की मौत नहीं हुई, कुत्ते नोंचते रहे। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। देर रात में ही बच्चे का अंतिम संस्कार कर दिया। मामला थाना रामपुर मनिहारान के गांव इस्लामनगर के मजरा काजीपुर का है।

सुपौल नगर परिषद कार्यालय में लगी भीषण आग स्टोर रूम को भारी नुकसान, मची अफरातफरी

सुपौल, 20 सितंबर (एजेंसियां)। नगर परिषद कार्यालय में शुक्रवार की सुबह भीषण आग लग गई। कार्यालय के स्टोर रूम में अचानक आग लगने से कई सामान जलकर राख हो गए। अगलगी की घटना के बाद नगर परिषद के अधिकारी और कर्मचारी सकते में आ गए। आग कैसे लगी है इसका पता नहीं चला है। स्टोर रूम में सफाई एवं छिड़काव के लिए उपयोग किया जाने वाला केमिकल रखा गया था। इसके साथ पेंट और कुछ जरूरी सामान रखे गए थे। घटना की सूचना मिलते ही नगर परिषद के चेयरमैन राघवेंद्र झा मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि स्टोर रूम में लगी आग से काफी सामान क्षतिग्रस्त हुए हैं। अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि नगर परिषद के महत्वपूर्ण कागजात या दस्तावेजों को कोई नुकसान पहुंचा है।

सुलतानपुर में मंगेश यादव के बाद अब अजय यादव का एनकाउंटर

सुलतानपुर, 20 सितंबर (एजेंसियां)। सुलतानपुर में डकैती कांड के बाद मंगेश यादव के एनकाउंटर को लेकर उपजा विवाद अभी थमा नहीं था कि एक और एनकाउंटर हो गया। पुलिस ने मुठभेड़ के बाद अब अजय यादव का एनकाउंटर किया है। सुलतानपुर में 28 अगस्त को ज्वैलर्स कारोबारी के यहां हुई दिनदहाड़े डकैती में अजय यादव भी आरोपी है। मंगेश यादव के एनकाउंटर के बाद से ही अजय यादव फरार था, लेकिन आखिरकार ये भी पुलिस के हत्थे चढ़ ही गया। पुलिस ने अजय यादव पर भी एक लाख रुपये का इनाम घोषित कर रखा था। आपको बता दें कि सुलतानपुर के सर्राफ की दुकान पर 28 अगस्त 2024 को लूट हुई थी। यूपी एसटीएफ की टीम द्वारा किए गए लूट के आरोपी मंगेश यादव के एनकाउंटर पर कई सवाल खड़े हुए।

पिछले दिनों समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एनकाउंटर के दौरान मारे गए मंगेश यादव की आर्थिक मदद की है। परिवार की आर्थिक स्थिति को देखते हुए, अखिलेश यादव ने 200,000 की सहायता की है। इसके अलावा, अखिलेश यादव ने मंगेश यादव की माता और बहन से भी बातचीत की थी और उन्हें आश्वासन दिया कि भविष्य में किसी भी तरह की जरूरत होने पर समाजवादी पार्टी उनकी मदद करेगी।

राम जन्मभूमि के मुख्य पुजारी बोले- यह सनातन पर हमला है, सरकार मामले को गंभीरता से ले

नोएडा, 20 सितंबर (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश में भगवान तिरुपति के प्रसाद में चर्बी मिलने के मामले में राम जन्मभूमि के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास की प्रतिक्रिया सामने आई है। आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा कि जो जांच की गई उससे साफ है कि मछली का तेल मिलाया गया था। यह कब से हो रहा है ये अभी तक पता नहीं चल पाया है। उन्होंने कहा कि यह एक साजिश है और इस मामले को सनातन धर्म पर हमला करार दिया है। साथ ही उन्होंने सरकार को मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच कराने की मांग की है।

लैब की रिपोर्ट में, प्रसाद तैयार करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले घी में जानवरों की चर्बी और मछली का तेल पाया गया है। प्रसाद में जानवरों की चर्बी और मछली के तेल का इस्तेमाल होने पर टीडीपी प्रवक्ता अनम वेंकट रमन रेड्डी ने प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा, चंद्रबाबू नायडू ने कहा था कि घी तैयार करने के लिए जानवरों की चर्बी का इस्तेमाल किया जाता है। गुजरात में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड को परीक्षण के लिए भेजे गए नमूनों की रिपोर्ट में इसकी पुष्टि की गई है।

मुंगेर में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान के पार

मुंगेर, 20 सितंबर (एजेंसियां)। जिले में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया है। अभी गंगा जलस्तर 39.70 है। बढ़ते जलस्तर पर अधिकारी निगरानी रखे हुए हैं। वहीं, अब लोगों के घरों में बाढ़ का पानी प्रवेश कर चुका है जिसके कारण कई निचले इलाके जलमग्न हो गए हैं। जिले के सदर प्रखंड, बरियारपुर, जमालपुर और धरहरा प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में बाढ़ का पानी प्रवेश कर चुका है। इसके साथ नगर निगम के कई वार्ड में भी बाढ़ का पानी प्रवेश कर चुका है। इससे लोगों की जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

हरियाणा कांग्रेस में टेंशन

कुमारी सैलजा हुईं नाराज बीजेपी ने बनाया बड़ा मुद्दा

सिरसा, 20 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए जारी धुआंधार कैंपेन के बीच कांग्रेस में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस सांसद कुमारी सैलजा नाराज हैं। वो टिकट बंटवारे में भूपेंद्र सिंह हुड्डा कैंप को ज्यादा तरजीह दिए जाने से नाराज हैं। यही वजह है कि कुमारी सैलजा करीब 1 हफ्ते से प्रचार में नहीं दिख रही हैं। कुमारी सैलजा ने आठ दिनों से कोई प्रेस रिलीज भी जारी नहीं किया है। हालांकि इस दौरान वो रोज अपने समर्थकों से मिल रही हैं। सूत्रों ने बताया कि बड़ी संख्या में उनके समर्थक उनके आवास पर लगातार आ रहे हैं। प्रचार के बीच सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा के नहीं दिखने से सवाल उठ रहे हैं। दरअसल, हरियाणा की 90 सीटों में से 89 सीटों पर कांग्रेस ने उम्मीदवार उतारे हैं। सूत्रों की मानें तो हुड्डा के कहने पर पार्टी ने 72 उम्मीदवारों को टिकट दिया है। वहीं कुमारी सैलजा का मात्र 9 सीटों पर दबदबा रहा।

कुमारी सैलजा की नाराजगी को बीजेपी ने बड़ा मुद्दा बनाया है। पार्टी का कहना है कि कांग्रेस दलित का उत्थान नहीं चाहती है। 18 सितंबर को ही पूर्व केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के वरिष्ठ नेता अनुराग ठाकुर ने कहा कि हुड्डा परिवार आज तक एक दलित बेटी कुमारी सैलजा का सम्मान नहीं कर पाया, तो बाकी प्रदेश भर के दलितों के लिए क्या ही करेंगे? इससे पहले मायावती के भतीजे आकाश आनंद ने भी कुमारी सैलजा के अपमान का मुद्दा उठाते हुए उन्हें बीएसपी में शामिल होने का न्योता दिया था। ऐसा माना जाता है कि हरियाणा कांग्रेस में तीन गुट हैं। एक गुट भूपेंद्र सिंह हुड्डा, दूसरा गुट कुमारी सैलजा और तीसरा गुट रणदीप सुरजेवाला का। हालांकि कांग्रेस किसी भी गुटबाजी से इनकार कर रही है।

सैलजा मेरी बहन है- भूपेंद्र सिंह हुड्डा

हाल ही में कुमारी सैलजा के खिलाफ अभद्र टिप्पणी के मामले में हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि सैलजा मेरी बहन है, अगर उनके विरुद्ध बोला तो बख्शा नहीं जाएगा। कोई कांग्रेसी ऐसा नहीं बोल सकता। बीजेपी के मैनुपिलेटेड लोग ही ऐसा कर रहे हैं। पार्टी में अगर किसी ने ऐसा किया तो उसकी कांग्रेस में कोई जगह नहीं।

सैन्य अफसर की मंगेतर से यौन उत्पीड़न के केस में बीजेपी सरकार पर बरसे नवीन पटनायक, न्यायिक जांच की मांग की

भुवनेश्वर, 20 सितंबर (एजेंसियां)। ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री बीजू जनता दल (बीजद) के अध्यक्ष नवीन पटनायक ने पुलिस कस्टडी में एक महिला से यौन उत्पीड़न मामले में न्यायिक जांच की मांग की। विधानसभा में विपक्ष के नेता पटनायक ने इस घटना की निंदा की और इसे बहुत चौंकाने वाला मामला करार दिया। उन्होंने कहा कि यह घटना राज्य में भाजपा सरकार की अक्षमता को दर्शाती है। ओडिशा पुलिस ने बुधवार को भुवनेश्वर के भरतपुर पुलिस स्टेशन में सैन्य अधिकारी से दुर्व्यवहार और उनकी महिला मित्र से यौन उत्पीड़न के मामले पांच पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया। ओडिशा के पूर्व सीएम नवीन पटनायक ने कहा, सभी ने सुना कि हाल ही में एक सैन्य अधिकारी और उनकी मंगेतर के साथ पुलिस स्टेशन में क्या हुआ। यह बहुत ही चौंकाने वाली खबर है। हम इस मामले में न्यायिक जांच की मांग करते हैं और जल्द से जल्द कार्रवाई होनी चाहिए।

पांच पुलिसकर्मी निलंबित

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) वाईबी खुरानिया द्वारा जारी एक आदेश के अनुसार, पांच पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया। अधिकारी पश्चिम बंगाल में तैनात है। उनकी महिला मित्र ने रविवार की सुबह रोडरेज की शिकायत दर्ज कराने के लिए भरतपुर पुलिस स्टेशन से संपर्क किया था। थाने में एफआईआर को लेकर पुलिस से दोनों की झड़प हो गई, जिसके बाद सेना के अधिकारी को लॉकअप में डाल दिया गया। उनकी महिला मित्र को एक महिला पुलिसकर्मी एकांत कमरे में ले गई। महिला ने दावा किया कि गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने उसके साथ दुर्व्यवहार किया।

हिरासत में लिए जाने के बाद उसके साथ यौन उत्पीड़न किया गया। गुरुवार को हाई कोर्ट के आदेश के बाद उसे छोड़ दिया गया। महिला का फिलहाल एम्स भुवनेश्वर में इलाज चल रहा है। उसने अपनी शिकायत में कहा, मुझे नहीं मालूम क्या हुआ, उन्होंने उसे (सैन्य अधिकारी) लॉकअप में डाल दिया। मैंने इसके खिलाफ आवाज उठाते हुए कहा कि आप एक सैन्य अधिकारी को लॉकअप में नहीं डाल सकते हैं। इसके बाद दो महिला पुलिसकर्मियों ने मेरे साथ मारपीट की।

महिला के साथ पुलिसकर्मी ने की मारपीट

महिला ने बताया कि जब वह जवाबी कार्रवाई करने की कोशिश की तो एक महिला पुलिसकर्मियों ने उसकी गर्दन पकड़ने की कोशिश की, जिसके बाद उसने एक महिला पुलिसकर्मी के हाथ पर काट लिया। इसके बाद पुलिसकर्मी उसे एक कमरे में ले गए और उसका हाथ-पैर बांध दिया। महिला ने आगे कहा, कुछ समय बाद एक पुरुष अधिकारी ने दरवाजा खोला और मेरी छाती पर कई बार लात मारी। उसने मेरे अंडरगार्मेंट उतारे और अपनी पैंट नीचे की। फिर अपना प्राइवेट पार्ट दिखाकर अश्लील बातें कीं। बता दें कि राष्ट्रीय महिला आयोग ने घटना का स्वतः संज्ञान लेते हुए पुलिस महानिदेशक से कार्रवाई रिपोर्ट मांगी है।

सुप्रीम कोर्ट से पंजाब को बड़ी राहत

एनजीटी के 1000 करोड़ रुपये जमा करने के आदेश पर लगी रोक

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट से पंजाब सरकार को बड़ी राहत मिली है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने कुछ महीने पहले पंजाब सरकार पर एक हजार से अधिक करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था, जिस पर अब शीर्ष अदालत ने रोक लगा दी है।

दरअसल, एनजीटी ने पुराने कचरे और सीवरेज डिस्चार्ज के मैनेजमेंट पर ठोस कदम न उठाने के मामले में पंजाब सरकार पर यह जुर्माना लगाया था। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने एनजीटी के आदेश के खिलाफ राज्य सरकार की अपील पर केंद्र और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) को नोटिस जारी किया। राज्य सरकार की ओर से वरिष्ठा अधिवक्ता अभिषेक सांघवी ने दलील दी। एनजीटी ने 25 जुलाई को मुख्य सचिव के माध्यम से पंजाब को एक महीने के भीतर सीपीसीबी के साथ पर्यावरण मुआवजे के लिए 10,261,908,000 रुपये जमा करने का निर्देश दिया था। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने कहा था, 'पंजाब को कई बार आदेश दिए गए कि वह पर्यावरण कानूनों के प्रावधानों और विशेष रूप से जल अधिनियम, 1974 की धारा 24 का पालन करने के लिए गंभीर, ठोस और तत्काल कदम उठाए। मगर, हमें यह देखकर दुख हो रहा है कि पंजाब इसमें पूरी तरह असफल रहा है।'

खरगे के पत्र पर नड्डा के जवाब से भड़कीं प्रियंका

पीएम पर बोला हमला, कहा- 82 साल के नेता का अपमान

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ भाजपा नेताओं और मंत्रियों के विवादास्पद बयानों के बाद शुरू हुआ सियासी बवाल बढ़ता जा रहा है। अब कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने मल्लिकार्जुन खरगे की चिट्ठी का जवाब नहीं दिए जाने को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना की। उन पर वरिष्ठ नेता का अपमान करने का आरोप लगाया। दरअसल, पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिख राहुल गांधी के खिलाफ की जा रहीं विवादित टिप्पणियों पर नाराजगी जताई थी। उसके बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने खरगे को पत्र लिख पलटवार किया था।

अपने जवाबी खत में जेपी नड्डा ने लिखा था कि मल्लिकार्जुन खरगे जी, आपने राजनीतिक मजबूरीवश जनता द्वारा बार-बार नकारे गए अपने फेल्ड प्रोडक्ट को एक बार फिर से पॉलिश कर बाजार में उतारने के प्रयास में जो पत्र देश के प्रधानमंत्री मोदी को लिखा है, उसे पढ़ कर मुझे लगा कि आपके द्वारा कही गई बातें यथार्थ और सत्य से कोसों दूर हैं। अब प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि कुछेक भाजपा नेताओं और मंत्रियों की अनर्गल तथा हिंसक बयानबाजी के मद्देनजर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के जीवन की सुरक्षा के लिए चिंतित होकर कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री मोदी को एक पत्र लिखा था। उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री की आस्था अगर लोकतांत्रिक मूल्यों, बराबरी के संवाद और बुज़ुर्गों के सम्मान में होती तो इस पत्र का जवाब वह खुद देते। मगर इसकी बजाय उन्होंने जेपी नड्डा की ओर से एक हीनतर और आक्रामक किस्म का जवाब लिखवा कर भिजवा दिया। 82 साल के एक वरिष्ठ जननेता का निरादर करने की आखिर क्या जरूरत थी?'

'आज की राजनीति में बहुत जहर'

उन्होंने आगे कहा, 'लोकतंत्र की परंपरा और संस्कृति, सवाल पूछने और संवाद करने की होती है। धर्म में भी गरिमा और शिष्टाचार जैसे मूल्यों से ऊपर कोई नहीं होता। आज की राजनीति में बहुत जहर घुल चुका है। प्रधानमंत्री को अपने पद की गरिमा रखते हुए, सचमुच एक अलग मिसाल रखनी चाहिए थी। अपने एक वरिष्ठ सहकर्मी राजनेता के पत्र का आदरपूर्वक जवाब दे देते तो जनता की नजर में उन्हीं की छवि और गरिमा बढ़ती।'कांग्रेस नेता ने कहा, 'यह अफसोस की बात है कि सरकार के ऊंचे से ऊंचे पदों पर आसीन हमारे नेताओं ने इन महान परंपराओं को नकार दिया है।'

'सेक्स रैकेट' भी चला रही थी अभिनेत्री?, फिल्म 'ऑडिशन' के लिए चेन्नई लाकर अनैतिक संबंधों के लिए कई लोगों के सामने किया पेश?

कोच्चि, 20 सितंबर (एजेंसियां)। कोच्चि में एक महिला ने बृहस्पतिवार को एक अभिनेत्री के खिलाफ 'सेक्स रैकेट' चलाने का आरोप लगाया है। आरोपी अभिनेत्री मलयालम सिनेमा की प्रसिद्ध हस्तियों से जुड़े दुष्कर्म और यौन उत्पीड़न के अलग-अलग मामलों में शिकायतकर्ता है। पीड़िता ने आरोप लगाया कि उसे एक फिल्म के 'ऑडिशन' के लिए चेन्नई ले जाया गया, जहां उसे अनैतिक संबंधों के लिए कई लोगों के सामने पेश किया गया। पीड़ित महिला और अभिनेत्री आपस में रिश्तेदार हैं। महिला ने एक वीडियो जारी करके आरोप लगाया कि जब उसे अभिनेत्री चेन्नई ले गई थी, तब वह नाबालिग थी। उसने आरोप लगाया कि अभिनेत्री एक 'सेक्स रैकेट' भी चला रही थी। हालांकि, अभिनेत्री ने आरोपों का खंडन किया और कहा कि महिला रिश्तेदार पर उनका कुछ धन बकाया है तथा ये आरोप प्रमुख अभिनेताओं के खिलाफ उनकी शिकायत से ध्यान भटकाने के लिए लगाए गए हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में अभिनेताओं मुकेश, जयसूर्या और इदावेला बाबू सहित अन्य पर आरोप लगाए थे।

पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद हिंसा का मामला

सुप्रीम कोर्ट ने क्यों लगाई सीबीआई को फटकार?

कोलकाता, 20 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में साल 2021 में चुनावों के बाद हुई हिंसा के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को फटकार लगाई है। दरअसल, केंद्रीय जांच एजेंसी ने 40 से ज्यादा मुकदमों को पश्चिम बंगाल राज्य से बाहर ट्रांसफर करने के लिए अर्जी दायर की थी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने इस अर्जी पर सीबीआई को फटकार लगाई है।

इसके पहले सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऐसा माहौल बताया जा रहा है जैसे पूरे राज्य में न्यायपालिका होस्टाइल हो गई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ये अदालत की अवमानना का फिट केस है। कोर्ट ने सीबीआई से कहा कि आपके अधिकारी किसी विशेष राज्य को पसंद नहीं कर सकते हैं। लेकिन इससे उन्हें पूरे राज्य की न्यायपालिका पर आक्षेप लगाने की अनुमति नहीं मिलती। सुनवाई में सीबीआई पर भड़कते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एजेंसी न्यायपालिका पर आक्षेप लगाते हुए निंदनीय आरोप लगा रही है। जानकारी के मुताबिक, जस्टिस अभय एस ओक और जस्टिस पंकज मित्तल की खंडपीठ द्वारा कड़ी आलोचना की गई। सीबीआई की ओर से एएसजी एसवी राजू ने कहा कि ये अर्जी सही से ड्राफ्ट नहीं की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में नए सिरे से अर्जी दाखिल करने की इजाजत दी है। लाइव लॉ के मुताबिक, पिछले साल दिसंबर में सीबीआई द्वारा मामलों के लिए ट्रांसफर याचिका दायर की गई थी। याचिका में सीबीआई ने गवाहों को डराने-धमकाने और न्याय प्रक्रिया को खतरे में डालने की कथित चिंताओं का हवाला दिया था। कोर्ट ने इस साल फरवरी में याचिका पर नोटिस जारी किया था।

'मस्जिद में आएगा दो टांगों पर, लेकिन जाएगा स्ट्रेचर पर', नितेश राणे को वारिस पठान की खुली धमकी

सांगली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के सांगली में बीजेपी नेता नितेश राणे ने एक बार फिर विवादित बयान दिया है। दरअसल , महाराष्ट्र के कुछ शहरों में हिंसक घटनाएं सामने आने पर प्रतिक्रिया देते हुए नितेश राणे ने कहा कि पुलिस वालों को 24 घंटे की छुट्टी दे दो, उसके बाद तुम अपनी ताकत दिखाना और हम हमारी ताकत दिखाने के लिए मैदान में उतरेंगे। वहीं नितेश राणे के इस बयान के बाद एआईएमआईएम नेता वारिस पठान भड़क उठे। उन्होंने नितेश राणे को खुली धमकी देते हुए कहा कि मस्जिद में आएगा दो टांगों पर, लेकिन जाएगा स्ट्रेचर पर।दरअसल, बीते दिनों महाराष्ट्र और अन्य राज्यों के कुछ शहरों में गणपति विर्सजन के दौरान हिंसक घटनाएं देखने को मिलीं। इन्हीं घटनाओं को लेकर महाराष्ट्र के सांगली में बीजेपी नेता नितेश राणे ने एक सभा के दौरान प्रतिक्रिया दी। नितेश राणे ने सभा में कहा कि पुलिस वालों को 24 घंटे की छुट्टी दे दो, उसके बाद तुम अपनी ताकत दिखाना और हम हमारी ताकत दिखाने के लिए

क्या कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस का गठबंधन पाकिस्तान ने कराया? सीएम मोहन यादव ने किए तीखे सवाल

जम्मू, 20 सितंबर (एजेंसियां)। कश्मीर में जारी विधानसभा चुनाव के बीच पाकिस्तान के रक्षा मंत्री के बयान से बवाल मचा हुआ है। दरअसल, पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने 370 और 35 ए के मुद्दे पर कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस का समर्थन किया है। ऐसे में भाजपा के नेता कांग्रेस पर जमकर निशाना साध रहे हैं। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने तो ये तक सवाल उठा दिया है कि कहीं कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस का गठबंधन पाकिस्तान ने तो नहीं किया। आइए जानते हैं सीएम मोहन यादव ने इस मामले में और क्या कुछ कहा है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री के धारा 370 को लेकर दिए गए बयान पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस को घेरते हुए कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष पाकिस्तान के रक्षा मंत्री के बयान पर अपनी पार्टी की स्थिति स्पष्ट करें। महन यादव ने सवाल किया कि क्या कांग्रेस पाकिस्तान के एजेंडे को आगे बढ़ा रही है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि आज पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ जम्मू कश्मीर से धारा 370 और 35 ए हटाने के मसले पर खुलकर कह रहे है कि पाकिस्तान, कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस की एक राय है। तो क्या यह गठबंधन पाकिस्तान ने कराया? इस बात के लिए कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष अपनी बात स्पष्ट करें। मोहन यादव ने कहा कि यह घोर निंदनीय है। अगर कांग्रेस पाकिस्तान के एजेंडे को लागू कर रही है तो यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण होगा। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि जम्मू कश्मीर में शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव हुए है, लेकिन आज भी यह दंश सामने आ रहा है। भाजपा ने हमेशा यह सामने रखा है कि धारा 370 एक कलंक है। मोहन यादव ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में आज कश्मीर सामान्य राज्यों की श्रेणी में खड़ा हुआ है तो वहीं, कांग्रेस केवल चुनावी राजनीति के लिए देश के दुश्मनों से हाथ मिलाना चाह रही है। यह शर्म की बात है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष को इस पूरे घटनाक्रम पर माफी मांगना चाहिए और पाकिस्तान को कठोर शब्दों में जवाब देना चाहिए।

हाट सीट अटेली: त्रिकोणीय मुकाबले में फंसी राव इंद्रजीत की लाडली; जातीय समीकरणों ने बिगाड़ा सियासी गणित

महेंद्रगढ़, 20 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले की अटेली विधानसभा सीट पर इस बार कड़ा मुकाबला है। बीजेपी ने यहां से 6 बार के सांसद केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत की बेटी आरती राव को टिकट दिया है। वहीं, कांग्रेस से अनीता यादव मैदान में हैं। आरती पहली बार चुनाव लड़ रही हैं। बसपा-आईएनएलडी गठबंधन ने यहां से ठाकुर अतर लाल पर दांव खेला है। अनीता यादव 2009 में यहां से जीत चुकी हैं। इसके बाद 2014 और 2019 में कांग्रेस ने उनको फिर टिकट दिया, लेकिन वे हार गईं। अनीता और आरती दोनों अहीर समुदाय से हैं। अनीता को इस बार 10 साल की सत्ता विरोधी एंटी इनकंबेंसी का फायदा मिल सकता है। माना जा रहा है कि एससी वोटर भी कांग्रेस की तरफ जाएंगे। उधर, ठाकुर अतर लाल राजपूत हैं। इस सीट पर राजपूतों की तादाद 8 फीसदी है। अगर 20 फीसदी दलित वोटरों को मिला दिया जाए तो वे भी मुकाबले में हैं। अतर लाल 20 साल से राजनीति में है। पिछले 3 विधानसभा चुनाव वे लड़ चुके हैं। लेकिन जीते नहीं। अटेली में लोगों के साथ उनका जुड़ाव भी ठीक है। वे इस चुनाव को अंतिम बता रहे हैं। जिसकी वजह से लोगों की सहानुभूति मिल सकती है। इस सीट से जेजेपी-एएसपी गठबंधन ने आयुषी राव को टिकट दिया है। जो अहीर हैं। अगर अहीर वोटर तीन जगह बंटे, राजपूत नहीं बिखरे तो अतर लाल चौंका सकते हैं। फिलहाल बड़ी चुनौती आरती राव के लिए है।

अटेली में कुल 2 लाख 7 हजार वोटर हैं। इनमें से आधे अहीर हैं। हार-जीत का फैसला यही करेंगे। एससी वोट 20 फीसदी हैं, जो डिवाइड हो सकते हैं। राजपूत 8 फीसदी हैं। 1967 से अब तक अटेली में 13 बार चुनाव हुए हैं। एक उपचुनाव हुआ है। 2 बार निर्दलीयों समेत सभी चुनाव अहीर प्रत्याशियों ने जीते हैं। देखा जाए तो इस सीट पर अब तक कांग्रेस 6 बार जीत चुकी है। राव बीरेंद्र सिंह विशाल हरियाणा पार्टी और कांग्रेस में रहते यहां से जीत चुके हैं। जो पूर्व सीएम रहे हैं। वे आरती राव के दादा हैं।

हाय दिल्ली की सर्दी! नवंबर या दिसंबर में नहीं, 19 सितंबर को टूटा सबसे सर्द रात का 15 साल पुराना रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली इस साल एक अलग मानसून की मार झेला। जहां बारिश ने अपने 12 साल का रिकॉर्ड ध्वस्त किया तो वहीं, गुरुवार को झमाझम बारिश का दौर जारी रहा। तो साथ में तेज हवाओं ने माहौल को और भी खुशनुमा कर दिया। तेज हवाओं में नमी ने गर्मी और उमस के बीच सर्द का एहसास करा दिया। आपको बता दें कि मौसम विभाग ने गुरुवार 19 सितंबर को पिछले 15 साल का सबसे सर्द रात दर्ज किया। बुधवार को देश की राजधानी में देर रात से दिनभर बारिश का दौर जारी रहा। बारिश के बीच दिन में तेज हवाएं चलीं। गर्मी और उमस से जूझ रही जनता को काफी राहत का एहसास हुआ। लेकिन, जैसे ही रात हुई पंखा भी भारी पड़ने लगा। आईएमडी के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार न्यूनतम तापमान तेजी से गिरकर 21.1 डिग्री सेल्सियस (21.1 डिग्री सेल्सियस) पर आ गया। यह 15 साल में सितंबर का सबसे कम तापमान है। दिल्ली के अन्य हिस्सों में पारा और भी गिर गया। उत्तरी दिल्ली में भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के रिज मौसम केंद्र पर न्यूनतम तापमान गिरकर 17.8 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। आईएमडी के एक अधिकारी ने कहा कि लगातार बारिश और तेज हवाओं के कारण पारे में गिरावट आई। आईएमडी ने बताया कि दिल्ली के सफदरजंग मौसम केंद्र पर गुरुवार को न्यूनतम तापमान बुधवार (25.1 डिग्री सेल्सियस) के मुकाबले चार डिग्री कम रहा। गुरुवार का न्यूनतम तापमान भी वर्ष के इस समय के लिए सामान्य माने जाने वाले तापमान से चार डिग्री कम था। यह 2009 के बाद से सितंबर में सबसे कम था। आईएमडी ने अपनी वेबसाइट पर डेटा उपलब्ध कराया है। आपको बताते चलें कि दिल्ली में शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 23.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह मौसम के औसत तापमान से 1.3 डिग्री कम है। आर्द्रता का स्तर 84 प्रतिशत दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, दिल्ली में दिन में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने के आसार हैं।

मेनका गांधी की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने टाली सुनवाई; भवानी रेवन्ना को भी मिली राहत

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी की याचिका पर 30 सितंबर तक सुनवाई टाल दी है। मेनका गांधी ने सुल्तानपुर लोकसभा सीट पर सपा सांसद राम भुयाल निषाद के चुनाव को चुनौती दी है। राम भुयाल निषाद ने बीते दिनों हुए लोकसभा चुनाव में मेनका गांधी को सुल्तानपुर लोकसभा सीट से हरा दिया था। मेनका गांधी का दावा है कि राम भुयाल निषाद के खिलाफ 12 आपराधिक मामले लंबित हैं, लेकिन उन्होंने अपने चुनावी हलफनामे में सिर्फ आठ मामलों की ही जानकारी दी थी। मेनका गांधी ने निषाद पर अपना आपराधिक इतिहास छिपाने और हलफनामे में गलत जानकारी देने का आरोप लगाया है। मेनका गांधी ने पहले इसे लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, लेकिन हाईकोर्ट ने इस आधार पर याचिका खारिज कर दी कि जनप्रतिनिधि कानून के नियमों के तहत चुनाव के बाद 45 दिनों के भीतर याचिका दायर की जानी थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। ऐसे में हाईकोर्ट ने याचिका खारिज कर दी। इसके बाद मेनका गांधी ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। मेनका गांधी ने सुप्रीम कोर्ट में चुनाव को चुनौती देने की 45 दिन की समय सीमा के नियम को भी चुनौती दी है।

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कर्नाटक सरकार की उस याचिका पर सुनवाई दो सप्ताह के लिए स्थगित कर दी, जिसमें निलंबित जेडी(एस) नेता और दुष्कर्म के आरोपी प्रज्वल रेवन्ना की मां भवानी रेवन्ना को दी गई अग्रिम जमानत को रद्द करने की मांग की गई थी। यह मामला एक अपहरण मामले में पीड़िता से जुड़ा है, जिसका कथित तौर पर प्रज्वल रेवन्ना ने यौन उत्पीड़न किया था और भवानी रेवन्ना ने पीड़िता को मामले की शिकायत करने से रोकने की कोशिश की थी। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने रेवन्ना की ओर से पेश हुए वकील से मामले की स्थिति का ब्यौरा देते हुए हलफनामा दाखिल करने को कहा। श्रीनिवासन ने कहा कि मामले में आरोप पत्र दाखिल किया जा चुका है, अन्य आरोपियों को जमानत मिल चुकी है और भवानी रेवन्ना ने जांच में सहयोग किया है। इसके बाद कोर्ट ने मामले की सुनवाई दो सप्ताह के लिए स्थगित कर दी। 10 जुलाई को शीर्ष अदालत ने मामले में भवानी रेवन्ना को दी गई अग्रिम जमानत को रद्द करने से इनकार कर दिया और कर्नाटक उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली कर्नाटक सरकार द्वारा दायर अपील पर उनसे जवाब मांगा। उच्च न्यायालय ने 18 जून को भवानी रेवन्ना को अग्रिम जमानत देते हुए इस बात पर जोर दिया था कि उन्होंने जांच के दौरान पहले ही 85 सवालों के जवाब दे दिए हैं,

काम के बोझ से सीए की मौत पर हंगामे के बाद सियासत गर्माई, महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम पवार ने जताई चिंता

मुंबई, 20 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे में एक जानी मानी कंपनी अर्न्स्ट एंड यंग (ईवाई) की 26 साल की कर्मचारी की मौत का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। काम के बोझ तले युवती की जान जाने के मामले को लेकर अब सियासी गलियारों में भी हलचल मच गई है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने तनाव के कारण युवाओं की जान जाने पर चिंता जताई है। पुणे के प्रभारी मंत्री पवार ने गुरुवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि वह तनाव के कारण ईवाई कर्मचारी की मौत के बारे में जानकर दुखी हैं। उन्होंने कहा कि तनाव के कारण मरने वाले युवाओं के बढ़ते मामलों पर हमें ध्यान देने की आवश्यकता है। मुझे उम्मीद है कि अर्न्स्ट एंड यंग इंडिया कंपनी सुधार लाने के लिए कोई कड़ा कदम उठाएगी। बता दें, महाराष्ट्र के पुणे की ईवाई कंपनी में 26 साल की एना सेबेस्टियन पिरेयिल ने मार्च 2024 में कंपनी में काम शुरू किया था। वे केरल की रहने वाली थीं। एना की मौत 20 जुलाई को हुई थी। एना की मां अनिता ऑगस्टिन ने ईवाई के भारत प्रमुख राजीव मेमानी को पत्र लिखकर कंपनी की कार्य संस्कृति पर गंभीर आरोप लगाए थे।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 21 सितंबर- 2024

एक देश एक चुनाव

कोविंद कमिटी की सिफारिशों को मानकर केंद्र सरकार ने 'एक देश, एक चुनाव' पर पहला कदम बढ़ा दिया है। लेकिन यह इतनी आसानी से हो जाएगा इस पर अभी भी आशंका बनी हुई है। देखा जाए तो इस सिफारिश को लेकर असल चुनौती अब आने वाली है। राजनीतिक मतभेदों के चलते जिस तरह से विपक्ष बांहें चढ़ाए हुए है उसे देखते हुए आसानी से समझा जा सकता है कि वह सरकार की बात मानने को तैयार नहीं है। बहरहाल ऐसे में यदि सरकार राजनीतिक मतभेदों को दरकिनार करते हुए इस योजना के व्यावहारिक पक्षों को देखे तो बात बन सकती है। दोनों की सहमति बनने के बाद भी सरकार अपने इस विजन को अमली जामा पहनाने में कितना सफल हो पाती है, यह तो भविष्य के गर्भ में है। सरकार शीत सत्र के दौरान 'वन नेशन, वन इलेक्शन' से जुड़ा प्रस्ताव संसद में पेश करने की सोच रही है। लेकिन इसके लिए आवश्यक संख्याबल का उसके पास अभाव है। जाहिर है विपक्षी खेमे के सहयोग के बिना इस पर काम करना उसे भारी पड सकता है। इस लोकसभा चुनाव के बाद से सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जिस तरह का रिश्ता रहा है, उसे देखते हुए तो यह उम्मीद व्यावहारिक नहीं लगती कि विपक्ष इस मामले में किसी तरह का सहयोग करेगा। इस मामले पर विचार के लिए बनी उच्च स्तरीय कमिटी ने 62 राजनीतिक दलों से संपर्क किया था। इनमें से 47 ने जवाब दिया। 32 दल पक्ष में थे और 15 ने विरोध किया। एक देश एक चुनाव कराने के पीछे सबसे बड़ा तर्क है कि इससे खर्च में कटौती होगी। यह तर्क भी जोरदार है कि अभी लगभग हर वक्त ही देश के किसी न किसी हिस्से में चुनावी माहौल चल रहा होता है, जिसके चलते विकास कार्य प्रभावित होते हैं। यह बात भी सही है कि एक साथ चुनाव उन छोटे दलों के लिए सुविधाजनक होंगे, जिनके पास बार-बार प्रचार में उतरने लायक पैसे नहीं होते। बार-बार चुनावों के खर्च से बचने का तर्क अपनी जगह ठीक है, लेकिन यही तर्क इस प्रस्ताव के खिलाफ भी काम करता है। सवाल यह है कि पूरे देश में इलेक्शन कराने के लिए जितने बड़े पैमाने पर संसाधन चाहिए, क्या उसे जुटाया जा सकेगा? हालिया लोकसभा चुनाव सात चरणों में हुए थे। राज्यों के विधानसभा चुनाव भी अलग-अलग चरणों में कराने पड़ रहे हैं। आजादी के बाद देश में पहले चार चुनाव इसी तर्ज पर हुए थे। उसके बाद भी काफी समय तक यह स्थिति बनी रही। लेकिन तब परिस्थितियां दूसरी थीं। केंद्र और राज्यों में एक ही पार्टी की सरकार हुआ करती थी। देश के पॉलिटिकल सिस्टम में क्षेत्रीय दलों के ताकतवर होने से राजनीतिक विविधता जिस तरह से घर कर गई है उससे इसे लागू कर पाने में कई तरह की दिक्कतें आना स्वाभाविक है । देश के हर राज्य की अपनी जरूरतें हैं और अपने मुद्दे। हर चुनाव कुछ खास मुद्दों के इर्द-गिर्द ही लड़ा जाता है। इसलिए यह भी ध्यान रखना होगा कि बदलाव में देश की इस अनेकता में एकता की ताकत को कोई नुकसान न पहुंचे।

शराफत का अचार बनाइए

रेखा शाह आरबी

न जाने आजकल लोग दबंग, ढीढ और मनबढ़ व्यक्तियों को क्यो बुरा समझते हैं। जबकि यह इस जमाने के हिसाब से इतनी बुरी चीज नहीं है। इससे नुकसान कम और फायदे ज्यादा ही हैं । और अपने बच्चों को शरीफ इंसान बनाने के लिए कोशिश करते रहते हैं। जबकि इसका कुछ फायदा नहीं है । बताइए ..अच्छा इंसान बनकर किसका भला हुआ है। और अच्छा इंसान बनकर क्या करना है? पहले स्वर्ग और नरक ऊपर आसमान में होते थे अब तो इंसान का स्वर्ग और नरक धरती पर ही है जिसमें स्वर्ग पर दबंग और मन बढ़ लोगों का राज चलता है जिस तरह इस दौर में अठन्नी चवन्नी नहीं चलते हैं। वैसे ही आजकल अच्छे इंसान भी नहीं चलते हैं । वह अपना ढंग से गुजर बसर नहीं कर सकता है। लिख कर ले लीजिए उसे बहुत दुख उठाना पड़ेगा। यह जमाना है पढ़ोगे लिखोगे बनोगे खराब, करोगे दबंगई तो कोई ना कोई पार्टी आपको सिर आंखों पर बिठाकर बनाएंगे नवाब । अब आप सोच लीजिए आपको खराब बनना है या नवाब बनना है। दुनिया में अनेक प्रकार के दुख हैं ।और सबसे बड़ा दुख यह है कि आप बिना गलती के सजा पाए। ऐसा अक्सर होता है कि निरपराध बेचारा फंस जाता है। और अपराधी जोड़ तोड़ लगाकर मौज करते हैं। जब पट्टीदार, पड़ोसी या किसी कारण से फंसकर सिस्टम से सामना होगा तो समझ में आ जाएगा। या तो आपकी शराफत सिस्टम नहीं समझता है या आप सिस्टम को अच्छी तरह से नहीं समझते हैं। फिर आपको एहसास होगा कि शराफत कितनी फालतू की चीज है । ढीट और मनबढ़ा होना इस दौर में कितना जरूरी है। यह सिस्टम का पहला पायदान ही शराफत को समझा देता है । और मुंह पर शराफत दे मारता है । अब वह जमाना आ चुका है। जिसके लिए यह गीत बना था.. रामचंद्र कह गए सिया से, ऐसा कलयुग आएगा , हंस चुगेगा दाना दुनका, कौवा मोती खायेगा। तो आजकल कौआ ही मोती खाता है। हंस को दाना दुनका पर ही सब्र करना पड़ता है। कौवे के लिए रोज मौज है और हंस के लिए स्ट्रगल रोज है । तो गनीमत इसी में है कि आप तुरंत कौआ बनने की प्रक्रिया शुरू कर दीजिए । आजकल कौवे की कॉव-कॉव ही सुनी जाती है। एक छोटी सी बीमारी हो जाए तब आपको समझ में आएगा । कि अस्पताल सिर्फ अस्पताल ही नहीं होते हैं। कसाई खाने भी होते हैं। जहां जिंदा इंसानों के तन से लेकर मन और उसके धन सबकी शराफत भुलाई जाती है। तब आप अपनी शराफत का अचार लगा लीजिएगा। और वह अचार आपके खाने के काम भी नहीं आएगा। एक बार एक व्यक्ति नत्थू लाल को बुखार सर्दी से परेशान हो गए। अस्पताल का बिल उन्हें अपनी किडनी बेच कर चुकाना पड़ा । फंस जाइए किसी केस में और थाने जाना पड़ जाए। और यदि आपका आमना सामना किसी सिरफिरे पुलिस वाले से हो जाए । तो आपकी शराफत की ऐसी तैसी पांच मिनट में हो जाएगी। वैसे थानेदार का सर पावर की वजह से फिरा ही रहता है ।तो फिर आपको समझ में आएगा कि सिस्टम के नुमाइनदे क्या चीज है। और कितनी शराफत वो जानते हैं । आप संविधान धारा सब में उलझ कर अपने ही सर के बाल नोचने को मजबूर हो जाएंगे । और फिर भी आपका सही बात सुना नहीं जाएगा । और आपको सुनाया जायेगा । जब तक न्याय मिलेगा तब तक या तो आप नहीं होंगे या आपकी न्याय पाने की इच्छा ही नहीं होगी। कभी किसी केस या मुकदमे में अदालत के चक्कर लगाने पड़ जाए । तो आप चक्कर खाकर गिर जाएंगे । आपको तीनों त्रिलोक घूमता हुआ नजर आएगा। जब तक आपको केस और प्रक्रिया समझ में आएगी । तब तक आप गाड़ी से पैदल हो चुके होंगे शरीर पर सिर्फ चड्डी और बनियान ही बचा रह जाएगा। वहां पर आपकी शराफत नहीं आपकी पहुंच आपकी दबंगई काम आती है। पैसा काम आता है। फिर आपको समझ में आएगा कि शराफत किसी काम की चीज नहीं है। आजकल ज्यादातर लोगों ने शराफत को श्रद्धांजलि दे चुके है। देश के नीति नियमों से कभी भी मनबढ़ और दबंग को परेशान होते हुए देखा है ?

वे लाखों बच्चे फ़िर कभी घर नहीं लौटे

जयप्रकाश जय

लोग युद्धों, प्राकृतिक आपदाओं पर बनीं फिल्मों के रोमांच से भर उठते हैं। चाय के घूंट सुड़कते हुए टीवी के सामने बड़ी सहजता से भयानक परिदृश्यों वाले हिंसक वातावरण ताली बजा-बजाकर आत्मसात कर लेते हैं लेकिन ऐसे सवाल कम ही विचलित करते होंगे कि वैसे जघन्यतम हालात में उजड़ते बचपन का क्या होता होगा, जो आंखें खोलते ही देश-दुनिया के लिए बेगाना हो जाता है, जाने कहां चला जाता है? जवाब जरा सा है कि इस दौर में इंसानियत का पाठ पढ़ाना भी सरासर छल लगता है। मनुष्यता की झूठी थपकियां पूरे समाज का जायका कसैला कर रही हैं। बच्चे संकट की उन स्थितियों से कितने गहरे प्रभावित होते हैं, वे तो समझ भी नहीं पाते हैं। जो बच्चे घरों की मीठी मुस्कान होते हैं, दुनिया भर के स्कूलों, परिसरों को अपनी उछल-कूद से गुलजार करते रहते हैं, कोई बारूदी अंधेरा, किसी अंधड़ का हाहाकार एक नृशंस झपट्टे में उनका सर्वस्व, समूचा अस्तित्व लील जाता है। बड़ा निर्मम सच है कि युद्ध और आपदा से पीड़ित देशों की सरकारें, माता-पिता, शिक्षक और ऐरावताकार तमाम मानवतादी संगठन भी उस बचपन को छांव नहीं दे पाते हैं! युद्धों, प्राकृतिक आपदाओं में देखते ही देखते अस्पतालों, स्कूलों जैसे बुनियादी ढांचे भी महाविनाश की भेंट चढ़ जाते हैं। इतना ही नहीं, निकट भविष्य में उन्हें फिर से बनाने की कोई योजना भी नहीं होती है। बाकी तो अपना जीवन कम-अधिक, कुछ-न-कुछ जी चुके होते हैं, ऐसे कठिन हालात सबसे अधिक बच्चों पर ही भारी पड़ते हैं। उन बच्चों में से ज्यादातर युद्ध अथवा आपदा प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले गरीब परिवारों से होते हैं, जिनकी उम्र 10 साल से भी कम होती है। फिर एक हिसाब सामने आता है- दस लाख से ज़्यादा बच्चों को तस्कर उठा ले गए, 20 लाख से ज़्यादा बच्चे अपने घरों से विस्थापित हो गए, ढाई-तीन लाख बच्चों (बड़े होकर सशस्त्र संघर्षों में सक्रिय भागीदारी के लिए) को सेनाओं, विद्रोही समूहों ने जबरन अपने यहां हांक लिए और 15 लाख से अधिक तो हमेशा के लिए मौत की नींद सुलाए जा चुके हैं। गौरतलब है कि 1980-90 के दशक में युद्धों की विभीषिका में दो मिलियन बच्चे मार दिए गए थे, जबकि पांच मिलियन विकलांग या गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उनके अलावा 12 मिलियन बच्चे विस्थापित या बेघर हो गए थे और एक मिलियन ने अपने माता-पिता खो दिए थे। अब बड़ी संख्या में धड़ल्ले से बच्चों को बाल सैनिकों के रूप में सेना में भर्ती किया जा रहा है। अपर्याप्त आहार से कुपोषण भयावह होता जा रहा है। बच्चों की स्वास्थ्य सेवाएं सतह पर पहुंच चुकी हैं। युद्ध के समय सुरक्षा की तलाश में घरों से भागने के लिए मजबूर बच्चे, लंबे समय तक के लिए स्वतः विस्थापित हो जाते हैं। ऐसा भी होता है कि उनमें से ज्यादातर, फिर कभी अपने घर वापस नहीं लौट पाते हैं। भोजन की कमी, कुपोषण और संक्रामक बीमारियां उनके दैनिक जीवन का हिस्सा बन जाती हैं। दवा, चिकित्सा कर्मचारियों और उचित स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं की कमी से मृत्यु दर बेतहाशा बढ़ जाती है। तमाम बच्चे अपने माता-पिता, भाई-बहन, दोस्तों और परिजनों को खो देते हैं। बुनियादी ढांचा नष्ट हो जाने की वजह से स्कूली शिक्षा व्यवस्था छिन्न-भिन्न हो जाती है। जो बच्चे अनाथ हो जाते हैं, उन्हें अक्सर सड़कों पर रहने के लिए छोड़ दिया जाता है, जहां वे गुलामी, ड्रग्स, और शराब के संपर्क में आते हैं। मानवाधिकारों की 'सार्वभौमिक घोषणा, अनुच्छेद 3, 4' में कहा गया है, हर व्यक्ति को जीवन, स्वतंत्रता और व्यक्तिगत सुरक्षा का अधिकार है। किसी को भी गुलाम नहीं बनाया जा सकता है। हर तरह की मानव तस्करी निषिद्ध है। जन्म से पहले और शारीरिक-मानसिक परिपक्वता के बाद तक बच्चे की सुरक्षा, देखभाल समाज और शासन का दायित्व है। पारिवारिक अधिकारों से वंचित उन मासूमों के बुनियादी मानवाधिकारों को भी बेरहमी कुचल दिया जाता है। एक अनुमान के मुताबिक, सशस्त्र समूहों में जबरन भर्ती से त्राण के लिए 28 मिलियन से अधिक बच्चे स्कूल नहीं जा पाते हैं। विस्थापन, अगवा, तस्करी के बाद तो भोजन की कमी, कुपोषण और बीमारियां उन बच्चों के जीवन की नियति बन जाती हैं। उनको कुली, जासूस, स्काउट, रसोइया, अंगरक्षक, यौन दास, लड़ाकों के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। हर समय दुर्व्यवहार के साथ ही उनको नशीली दवाओं के सेवन के लिए भी मजबूर किया जाता है। अब सोचिए, उन बच्चों को समाज संरक्षित कर रहा है कि इस्तेमाल कर रहा है! हर देश के बच्चे उसका भविष्य होते हैं, तो दुनिया ये कौन सा भविष्य रच रही है! संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के संकल्पों में हत्या, अपंगता, यौन हिंसा, अपहरण, विस्थापन, सशस्त्र संघर्ष में बच्चों की भर्ती, स्कूलों-अस्पतालों पर हमले कर बच्चों को निशाना बनाने की ज्यादातर निंदा ही होती रहती है। संकट के बादल छंटने, आपदा और युद्ध खत्म होने के बाद तो दर्दनाक हालात में फंसे बच्चों की खोजबिन, सुरक्षा और शिक्षा अनिवार्य होनी चाहिए, लेकिन वह भी तो संभव नहीं दिखता है। दिखावे भर की संख्याएं गिना दी जाती हैं। बात आई-गई हो गई, बस। कौन खोले उनकी परवरिश के द्वार, अधिकांश बच्चे कहीं गर्दिशों में घिरे-घिरे ही बड़े या बर्बाद हो जाते, मर-खप जाते हैं। युद्धों, आपदाओं के बाद का तो यही भयानक दस्तूर चला आ रहा है। कई सरकारों ने अपनी सेनाओं में बच्चों की भर्ती नहीं करने के संयुक्त राष्ट्र से समझौते पर हस्ताक्षर कर रखे हैं। फिर भी संकट कम नहीं हो रहा है। तो, बच्चे इतनी बड़ी संख्या में जा कहां रहे हैं, ज़मीन निगल जा रही है या आसमान! नशीली लत वाले बच्चे तो कभी भी सामान्य जीवन में वापस नहीं लौट पाते हैं। कुछ साल पहले सशस्त्र समूह ने उत्तरी नाइजीरियाई स्कूल से सैकड़ों लड़कियों का एक साथ अपहरण कर लिया, फिर कभी उनके घर लौटने की ख़बर नहीं मिली। यूक्रेन का लगभग 30 प्रतिशत क्षेत्र तो अप्रयुक्त आयुधों, विस्फोटक अवशेषों और बारूदी सुरंगों से पटा पड़ा है। संयुक्त राष्ट्र एजेंसियां चाहे जितना आगाह करती रहें, ग़ज़ा में स्कूली शिक्षा के नववर्ष का पहला दिन नौ सितंबर भी युद्ध में झुलसता रहा। ग़ाज़ा में जारी युद्ध ने लाखों बच्चों को शिक्षा के बुनियादी अधिकार से वंचित कर रखा है। अब तक लगभग सवा छह लाख बच्चों का स्कूली शिक्षा वर्ष व्यर्थ हो चुका है। इस संख्या में छह वर्षीय वे 45 हज़ार बच्चे भी जुड़ गए हैं, जो पहली कक्षा में दाख़िला लेने वाले थे। जान पर तो बन आई ही है, स्कूली शिक्षा का दूसरा साल भी व्यर्थ चले जाने का जोखिम बरक़रार है। युद्ध की विभीषिका ने उज्ज्वल भविष्य से वंचित लाखों बच्चों की नियमित दिनचर्या, घर-परिवार, सुरक्षा-शिक्षा, दवा-इलाज सबकुछ छीन लिया है। यहां तक कि, यूएन से संचालित ज्यादातर स्कूल भी या तो तबाह कर दिए गए हैं अथवा उनके नामोनिशान भी नहीं बचे हैं। ग़ाज़ा पट्टी का लगभग हर स्कूल तो अपनी तबाही में दफन होता ही जा रहा, स्कूली शिक्षा से हमेशा के लिए वंचित होने का ख़तरा इतना गंभीर हो चुका है कि, जैसे संज्ञाशून्य से बचे रह गए बच्चों के भविष्य के बाकी अवसर भी अस्त होते जा रहे हैं। ग़ज़ा के पश्चिमी तट पर बढ़ती हिंसा और आवागमन पर लगी पाबन्दियों ने वहाँ लगभग 7.82 लाख बच्चों की शिक्षा की राह रोक रखी है। हिंसा के भय, आवागमन पर प्रतिबन्ध और मानसिक स्वास्थ्य सम्बन्धी चुनौतियों के कारण ज्यादातर स्कूल लंबे वक़्त से बन्द पड़े हैं। बच्चों को सदमे से बाहर ले आने के लिए स्थिर माहौल की ज़रूरत है, लेकिन वह है कहां, किसी को पता नहीं! काँगो लोकतांत्रिक गणराज्य, हेती, ग़ज़ा, सूडान में लगभग सभी बच्चे स्कूली पढ़ाई से वंचित हैं। यूक्रेन के लाखों छात्रों की निजी तौर पर तो स्कूल वापसी सम्भव ही नहीं रह गई है। संयुक्त राष्ट्र जाँचकर्ताओं के अनुसार, रूस लगातार यूक्रेन के स्कूलों, अस्पतालों को निशाने पर ले रहा है। विश्व पंचाट गाल बजाता रहे, यूक्रेन के मासूमों पर भी रूसी सैन्य हमलों की लहर थम नहीं रही है। लड़ाई से मौतें, अपहरण, जबरन विस्थापन, यौन हिंसा जैसे हालात में बच्चों के दिलो-दिमाग़ सुन्न-खाली होते जा रहे हैं। यह सब कितना असहनीय, अमानवीय, दुस्साहसिक और बर्बरतापूर्ण है! युद्ध की सबसे भयानक कीमत तो बच्चे ही चुका रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरेश के अनुसार, बीते डेढ़ वर्षों में शिक्षण और पेशेवर संस्थानों पर छह हज़ार हमले हुए हैं, दस हज़ार से अधिक छात्र-शिक्षक जिनकी चपेट में आ चुके हैं। बर्बरता इतनी भर ही नहीं। सशस्त्र गुटों और सरकारी सैन्य बलों के हस्तक्षेप से, बीते एक वर्ष में ही इसराइल, फ़लस्तीन, काँगो, म्याँमार, सोमालिया, नाइजीरिया और सूडान में 22, 557 बच्चों के विरुद्ध अधिकार हनन के 32, 990 मामले दर्ज किए गए हैं।

बंपर वोटिंग को देख पाकिस्तान जहर उगल रहा है

अशोक भाटिया

पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ एक बार फिर जहर उगलना शुरू कर दिया है। जम्मू-कश्मीर में 10 साल बाद हो रहे इस विधानसभा चुनाव को पाकिस्तान ने हास्यास्पद बताया है। पाकिस्तान का ये बयान पहले चरण में हुई बंपर वोटिंग के बाद आया है। जम्मू-कश्मीर की 24 विधानसभा सीटों पर 18 सितंबर को पहले चरण का मतदान था। पहले चरण में 60 फीसदी से ज्यादा वोटिंग हुई थी। पहले फेज में हुई बंपर वोटिंग पर पाकिस्तान विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलूच ने कहा कि भारत के अवैध रूप से कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर में इस चुनाव की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोई वैल्यू नहीं है। बलूच ने कहा कि हम भारत को याद दिलाना चाहते हैं कि अंतरराष्ट्रीय कानून की नजर में इस चुनाव का कोई कानूनी मूल्य नहीं है। पाकिस्तान विदेश कार्यालय की प्रवक्ता ने भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव की याद दिलाई। बलूच ने कहा कि यूएन के प्रस्ताव में साफ साफ लिखा है कि जम्मू-कश्मीर विवाद का अंतिम समाधान संयुक्त राष्ट्र की निगरानी में जनमत संग्रह के माध्यम से और कश्मीर के लोगों की इच्छा के मुताबिक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दशकों से लोग कब्जे में हैं। कश्मीरी राजनीतिक कैदियों की संख्या हजारों में है। 14 राजनीतिक दलों को गैरकानूनी घोषित कर दिया गया है। डर और भय के ऐसे माहौल में इस चुनाव की कोई वैधता नहीं है। बलूच ने आगे कहा कि पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों के अनुसार जम्मू-कश्मीर विवाद के न्यायसंगत और शांतिपूर्ण समाधान के लिए कश्मीरी भाइयों और बहनों को राजनीतिक, राजनयिक और नैतिक समर्थन देना जारी रखेगा।जम्मू-कश्मीर के विवाद पर बलूच ने पहले भी इस तरह का बयान दिया था। उन्होंने इसी महीने कहा था कि जम्मू-कश्मीर के विवाद को एकतरफा तरीके से नहीं सुलझाया जा सकता है। यह मुद्दा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विवादित है। इसे सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों और कश्मीर के अवाम की इच्छाओं के मुताबिक हल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा था कि इस अनसुलझे विवाद का समाधान दक्षिण एशिया में शांति और स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण है। बलूच ने कहा कि पाकिस्तान कूटनीति और बातचीत के लिए प्रतिबद्ध है लेकिन किसी भी शत्रुतापूर्ण कार्रवाई का वह दृढ़ता से जवाब देगा। पहले चरण में हुई बंपर वोटिंग पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जहां कभी चुनाव डर और हिंसा के साए में होते थे, वहां शांतिपूर्ण तरीके से पहला चरण संपन्न हुआ। पहले चरण में 61.11 प्रतिशत मतदान हुआ। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में लोकतंत्र, शांति और प्रगति में लोगों के मजबूत विश्वास को दर्शाता है।सोचने वाली बात यह है कि पाकिस्तान बार – बार जम्मू कश्मीर का राग क्यों अलापता है ? वहां शांतिपूर्वक व बम्पर मतदान देख कर उसकी चीख क्यों निकल रही है । उसके लिए यह जानना जरुरी है कि आजादी के बाद जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा कैसे मिला व वहां धारा 370 व 35 A का प्रावधान कैसे आया । भारतीय प्रभुत्व में जम्मू और कश्मीर के विलय का इतिहास सर्वविदित है। 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता के बाद, जम्मू और कश्मीर में स्थिति बिगड़ गई जिससे आर्थिक संकट और कानून व्यवस्था की समस्याएं पैदा हो गईं। पाकिस्तान इस तथ्य को स्वीकार नहीं कर सका कि एक मुस्लिम बहुल राज्य उस देश में शामिल नहीं हुआ था। ऐसी खुफिया सूचनाएं थीं कि पाकिस्तान घुसपैठियों और अपने सैन्यकर्मियों को बड़ी संख्या में कश्मीर भेजने की तैयारी कर रहा है। पाकिस्तानी सेना द्वारा सहायता प्राप्त और उकसाए गए कबायलियों ने 22 अक्टूबर 1947 को उत्तर से कश्मीर पर आक्रमण किया और जल्दी से राजधानी शहर श्रीनगर की ओर बढ़ रहे थे । कबायली मूल रूप से पठान थे और पाकिस्तान के उत्तर पश्चिम सीमा प्रांतों के रहने वाले थे। इनकी संख्या 10,000 से 13,000 के बीच थी जो पाकिस्तानी सेना द्वारा प्रदान किए गए हथियारों और गोला-बारूद से लैस थे। रास्ते में लूटपाट, बलात्कार और लूटपाट को अंजाम देने के बाद बारामूला पहुंचे जो राज्य की राजधानी श्रीनगर से सिर्फ 60 किलोमीटर दूर है। इस गंभीर सुरक्षा स्थिति के तहत महाराजा हरी सिंह ने 24 अक्टूबर 1947 को भारत से सैन्य सहायता मांगी और आखिरकार 26 अक्टूबर 1947 को 'इंस्ट्रूमेंट ऑफ एक्सेशन' पर हस्ताक्षर किए। 27 अक्टूबर 1947 की तड़के भारतीय सैनिकों ने दिल्ली से उड़ान भरी और श्रीनगर में उतरे और जल्दी से शहर, विशेष रूप से हवाई अड्डे को सुरक्षित कर लिया। भारतीय सैनिकों ने आक्रमणकारियों के साथ कई भीषण युद्ध लड़े और ऐन वक्त पर श्रीनगर शहर को बचाया।श्रीनगर की सुरक्षा सुनिश्चित करने के बाद, भारतीय सैनिकों ने कबायलियों द्वारा कब्जा किए गए घाटी के अन्य हिस्सों को साफ करना शुरू कर दिया। 11 नवंबर 1947 तक, बारामूला और उरी शहरों को फिर से कब्जा कर लिया गया और कबायलियों के नियंत्रण से मुक्त कर दिया गया। सर्दियों की शुरुआत के साथ, सैन्य अभियानों को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया। सैन्य नेतृत्व आगे बढ़ना जारी रखना चाहता था लेकिन प्रधानमंत्री नेहरू शेख अब्दुल्ला का ध्यान कश्मीर के आंतरिक मामलों पर था। कश्मीर के दुर्गम हिस्से यानी गिलगित और बाल्टिस्तान पर किसी ने ज्यादा ध्यान नहीं दिया। इस पर पाकिस्तान ने अवैध रूप से कब्जा (पीओके) किया।नवंबर 1947 के अंतिम सप्ताह में, प्रधानमंत्री नेहरू ने संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में पूरे राज्य के लिए एक जनमत संग्रह का सुझाव दिया, यह तय करने के लिए कि वह किस देश में शामिल होगा या एक स्वतंत्र राज्य बने रहना पसंद करेगा। उस वक्त का यह अनावश्यक था क्योंकि यह मुद्दा आज भी भारत को परेशान कर रहा है। पाकिस्तान ने गतिरोध की इस अवधि के दौरान गिलगित और बाल्टिस्तान पर चालाकी से नियंत्रण कर लिया।

अभिनय के सम्राट

डॉ टी महादेव राव

घोषणा हुई कि इस बार ऑस्कर अवॉर्ड ऑफ स्क्रीन दिए जाएंगे। यह तो ऑस्कर के इतिहास में गजब का मोड़ लाएगा। फिल्मों में ऑन स्क्रीन अभिनय करते अभिनेता और अभिनेत्री को अवार्ड देना तो सामान्य है। इस बार लीक से हटकर कुछ अलग कर गुजरने की मंशा ऑस्कर ने बनाया और ऑफ स्क्रीन यानी पर्दे से बाहर समाज में, देश में जो बेहतरीन अभिनय प्रदर्शित करेगा या करेगी ऐसे लोगों के नॉमिनेशन लिए जाएंगे और अंत में काफी जांच पड़ताल के बाद उनमें से कुछ अभिनय सम्राट और अभिनय साम्राज्ञी को चुना जाएगा और उन्हें अवॉर्ड दिए जाएंगे। जब यह पता चला कि भारत से नॉमिनेशन ज्यादा हैं तो मेरा माथा ठनका। फिर मुझे इस बीच अपनी अदाकारी का लोहा मनवाते हमारे राजनेता, मंत्री, प्रमुख और प्रधान दिखे, जिनका झूठ तो सच का भी बाप होता है। बोलने का ढंग तो मानने पर विवश करता है कि अगर नाट्यशास्त्र के आदिपुरुष भरतमुनि आज जन्म लेते तो नाट्यशास्त्र और अभिनय के पचीसों नए आयाम और अध्याय जुड़ जाते। जब सूची देखी नामांकनों की तो मेरे होश उड़ गए एक से लेकर सात तक हमारे अति प्रमुख राजनेता प्रधान का ही नाम लिखा हुआ था। कहीं नायक, कहीं खलनायक, कहीं विदूषक, कहीं सहायक अभिनेता, कहीं चरित्र अभिनेता तो कहीं कुछ और।उसके बाद जो बचे तीन चार स्थानों पर उन्हीं के आसपास मंडराने वाले मोटू भाई, लंबू भाई और एक और भाई का नाम था। अभिनेत्री के रूप में एक खास मंत्री का नाम भी नामांकन में शामिल था। मुझे लगा यह नामांकन तो एकतरफा हो गए और भी कई ऐसे अभिनेता अभिनेत्रियां हैं देश में, जिनका ऑफ स्क्रीन परफॉर्मेंस बहुत ही उम्दा और श्रेष्ठ कहा जा सकता है। मैंने नामांकन देखते एक व्यक्ति से पूछा भाई! यह नामांकन अपने यहां से दिया कौन है? वह फुसफुसाते हुए मेरे कान के पास बोला जिनका नाम एक से सात तक है उन्हीं ने यह नामांकन करवाया है और उन्होंने सख्त हिदायत दी है कि कोई और नाम न जोड़े वरना बहुत बुरा होगा। मैंने कहा सही बात है!

उनसे बड़ा नायक, खलनायक, विदूषक, चरित्र अभिनेता, सह अभिनेता और विविध अभिनेता और कोई हो ही नहीं सकता। पिछले कई दिनों से हम यहां खेल देखते ही रहे हैं और उनका परफॉर्मेंस उनका प्रदर्शन तो सचमुच गजब का है।

कब किस पात्र में प्रवेश कर जाएं, कब कौन सा अभिनय की श्रेष्ठता दिखाएं, मैं क्या उनका भगवान भी नहीं बता सकता।

आतंकवाद के खात्मे के लिए मनी लांड्रिंग,टेरर फंडिंग पर रोक जरुरी

मनी लांड्रिंग और आतंकी फंडिंग पर निगरानी करने वाली वैश्विक एजेंसी फाइनेंशियल एक्शन टास्क फ़ोर्स (एफएटीएफ) ने जांच के बाद माना है कि भारत को अलकायदा, आईएस सहित अन्य इस्लामिक कट्टरवादी संगठनों से खतरा है। साथ ही अतिवादी वामपंथी ताकतें भी भारत की सुरक्षा के लिए खतरा है। एजेंसी के मुताबिक ये ताकतें मुख्य रूप से जम्मू-कश्मीर में सक्रिय हैं और इनके तार परोक्ष रूप से देश के अन्य भागों से भी जुड़े हुए हैं। पूर्वोत्तर में सक्रिय उपद्रवी संगठन एवं वामपंथी अतिवादी संगठनों को भी एफएटीएफ ने भारत के लिए खतरा बताया है। साथ ही माना है कि भारत वर्षों से आतंकवाद का शिकार रहा है। एफएटीएफ ने मनी लांड्रिंग (एमएल) और आतंकवाद से जुड़ी टेरर फंडिंग (टीएफ) को रोकने के लिए भारत के प्रयासों की सराहना की है। हालांकि एफएटीएफ एमएल और टीएफ से जुड़े मामलों की सुनवाई की गति में सुस्ती और उसे अंजाम तक पहुंचाने की दर से संतुष्ट नहीं है। इस दिशा में उसने भारतीय प्रयास को और तेज की करने की सिफारिश की है। वित्त मंत्रालय के अधिकारी के मुताबिक अभी मनी लांड्रिंग के 864 मामलों तो टीएफ के 1,400 से अधिक मामलों में ट्रायल चल रहा है। एमएल और टीएफ के मामलों में भारत के मूल्यांकन पर एफएटीएफ ने अपनी रिपोर्ट बीते 16 सितम्बर को जारी की। रिपोर्ट में भारत उसके अधिकतर मानकों पर खरा उतरा है। रिपोर्ट में 2018 से 2023 के बीच भारत के प्रयासों का मूल्यांकन किया गया है। गौरतलब हो कि एफएटीएफ की सिफारिशों पर अमल नहीं करने वाले देशों पर वैश्विक स्तर पर वित्तीय प्रतिबंध लगाया जा सकता है। रिपोर्ट में एफएटीएफ ने भारत में चल रहे गैर-लाभकारी संगठनों (एनपीओ) पर सख्त नजर रखने की सिफारिश की है क्योंकि इनके जरिये आतंकवाद को फंडिंग की ज्यादा आशंका रहती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बीते दस वर्षों में जनधन खाते, आधार आधारित बैंकिंग प्रणाली, बायोमैट्रिक सिस्टम के साथ डिजिटल अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करने से नकदी के लेनदेन में कमी आई है जिससे पारदर्शिता बढ़ी है और मनी लॉन्ड्रिंग को कम करने में मदद मिल रही है। दो लाख से अधिक के नकदी लेनदेन पर रोक और संपत्ति की खरीद-फरोख्त पर केवाईसी जैसे नियम लागू करने से रियल एस्टेट में कालेधन के इस्तेमाल में कमी आई है। परंतु अब भी रियल एस्टेट में कालेधन का इस्तेमाल जारी है। भारत के जेम्स व ज्वैलरी और फिनटेक सेक्टर में और पारदर्शिता लाने की जरूरत पर एफएटीएफ ने बल दिया है। भारत में पिछले पांच वर्षों में लाखों मुखौटा कंपनियों पर की गई कार्रवाई के साथ विजय माल्या फर्जीवाड़े मामले में वित्तीय रिकवरी और पीड़ित पक्ष (बैंक) को रकम लौटाने की कवायद को भी सराहा गया है। वित्त मंत्रालय के अधिकारी के मुताबिक, माल्या से जुड़े फर्जीवाड़े मामले में 14,000 करोड़ रुपये पीड़ित पक्ष (बैंक) को वापस किए गए। उन्होंने बताया कि एमएल और टीएफ मामलों के ट्रायल में तेजी लाने के लिए विशेष कोर्ट की स्थापना के साथ कर्मचारियों की संख्या भी बढ़ाई जा रही है। जेम्स व ज्वैलरी सेक्टर में नकदी के लेनदेन पर सख्ती की तैयारी है। 368 पृष्ठों की रिपोर्ट में एफटीएफ ने भारत को 'रेगुलर फालोअप' श्रेणी में रखा गया है और इस श्रेणी में जी-20 के सिर्फ चार अन्य देश शामिल हैं। भारत का अगला मूल्यांकन अब 2031 में होगा। अभी हाल ही में दिल्ली पुलिस की स्पेशल ने यूपी एसटीएफ की मदत से झारखण्ड, राजस्थान सहित देश के कई ठिकानों पर छापेमारी कर 14 आतंकियों को गिरफ्तार किया था। आतंकियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद जब्त किया गया। पुलिस ने राजस्थान के भिवाड़ी से छह आतंकी और झारखंड और यूपी से आठ यानी कुल 14 संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है।ये संदिग्ध अलग-अलग राज्यों से थे, जिसका मुखिया झारखंड का डॉक्टर इश्तियाक था। इन संदिग्धों के ठिकानों से हथियार, गोला-बारूद, साहित्य आदि बरामद किए गए हैं। अभियान जारी है और अब तक कुल 17 स्थानों पर छापामारी की गई है। भारत सरकार और राज्यों को अभी यह नहीं भूलना चाहिए कि पीएफआई और सिमी पर प्रतिबंध लगने के बावजूद इनके बड़ी संख्या में देश भर में स्लीपर सेल मौजूद है।

अशिवन माह में विघ्नराज संकष्टी चतुर्थी आज

अशिवन संकष्टी चतुर्थी 2024 मुहूर्त पंचांग के अनुसार अशिवन माह के कृष्ण पक्ष की संकष्टी चतुर्थी तिथि 20 सितंबर को रात 09.15 पर शुरू हो चुकी है और 21 सितंबर 2024 को शाम 06.13 पर समाप्त होगी।

आश्विन मास की चतुर्थी तिथि को विघ्नराज संकष्टी चतुर्थी व्रत किया जाता है। गणेश जी को शुभता का प्रतीक माना गया है, इनकी आराधना से शुभ कार्य सफल हो जाते है।

अश्विन माह में विघ्नराज संकष्टि चतुर्थी पर व्रत रखकर गणपति जी की पूजा करने से सुख-समृद्धि का वास होता है। विघ्नराज संकष्टी चतुर्थी 2024 में कब मनाई जाएगी। इस दिन पूजा का मुहूर्त और चांद निकलने का समय सब कुछ यहां जानें।

विघ्नराज संकष्टी चतुर्थी

अश्विन माह की विघ्नराज संकष्टी चतुर्थी 21 सितंबर 2024 को मनाई जाएगी। गणेश विसर्जन के बाद बप्पा का आशीर्वाद पाने के लिए संकष्टी चतुर्थी व्रत बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इसके फल स्वरूप हर कष्ट दूर होते हैं।

गणपति की पूजा का समय - सुबह 07.40 - सुबह 09.11

शाम की पूजा - शाम 06.19 - रात 07.47

विघ्नराज संकष्टी चतुर्थी 2024 चंद्रोदय समय

21 सितंबर 2024 को विघ्नराज संकष्टी चतुर्थी पर चंद्रमा रात 08.29 पर निकलेगा। संकष्टी चतुर्थी पर चंद्रमा की पूजा जरुरी मानी गई है, इसके बिना व्रत अधूरा माना जाता है।

मृत्यु शैय्या पर लेटे हुए पितामह भीष्म ने युधिष्ठिर को बताई थी ये बातें

महाभारत में पितामह भीष्म

महाभारत की कहानी में पितामह भीष्म एक अहम पात्र हैं जिन्हें अपने जीवनभर विवाह न करने की भीष्म प्रतिज्ञा लेकर राजगद्दी से बंधे रहने का वचन लिया था। इस वचन को मरते समय तक निभाया। पांडव और कौरव दोनों ही पितामह भीष्म का सम्मान करते थे।

युधिष्ठिर को दिए उपदेश

महाभारत में बाणों की शैय्या पर लेटे हुए सभी उनसे मिलने आए तब उन्होंने युधिष्ठिर को कुछ उपदेश दिए जो कि हर किसी को जानने चाहिए। पितामह भीष्म ने युधिष्ठिर को राजधर्म, मोक्षधर्म और आपद्धर्म से जुड़ी कई महत्वपूर्ण बातें बताईं। यदि आज भी इन बातों को अपना लिया जाए तो जीवन सरल हो सकता है।

सत्य का मार्ग

पितामह भीष्म में बाणों की शैय्या पर लेटे हुए युधिष्ठिर को बताया कि जीवन में हमेशा सत्य का मार्ग ही अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सत्य ही सनातन धर्म है और सत्य से ही योग व तप उत्पन्न होते हैं।

सभी को एक समान समझना

पितामह भीष्म ने युधिष्ठिर से कहा कि सभी प्राणियों को एक समान समझना चाहिए। किसी को अपने से कम या नीचा न समझें। किसी से ईर्ष्या या द्वेष नहीं रखना चाहिए।

अहंकार और झूठ से दूरी

पितामह भीष्म ने युधिष्ठिर को उपदेश देते हुए कहा कि जीवन में हमेशा अहंकार से दूर रहो।

अहंकार मनुष्य का सबसे बड़ा अवगुण और दुश्मन है।

मनुष्य को कभी झूठ का मार्ग नहीं अपनाना चाहिए। क्योंकि झूठ एक ऐसा अंधकार है जिसमें फंसने के बाद मनुष्य केवल नीचे गिरता है।

आत्मविश्वास और उत्साह नहीं होगा तो जीवन में निराशा बनी रहेगी। इन दोनों की वजह से ही जीवन में आनंद बना रहता है।

स्वंय पर संयम

पितामह भीष्म ने कहा कि यदि जीवन में सफलता और उन्नति पाना चाहते हो तो खुद पर संयम रखना सीखों।

मन को वश में रखना व्यक्ति का सबसे बड़ा गुण है। यदि मन को वश में कर लिया जाए तो मुश्किल समय को भी आसानी से पार किया जा सकता है।

मोबाइल नंबर में मौजूद है ये अंक तो बना देगा कर्जदार!

अंक ज्योतिष के अनुसार हमारे जीवन में हर अंक का महत्व होता है। हमारा मोबाइल नंबर, जन्म तिथि, मकान नंबर, बाहन नंबर, बैच नंबर और रूम नंबर सहित कोई भी नंबर, जिसका हम अपने जीवन में दैनिक रूप से प्रयोग करते हैं। आज हम मोबाइल नंबर में खराब अंकों के बारे में आपको बता रहे हैं कि कौन से अंक ऐसे हैं, जो हमें हमारे जीवन में तमाम तरह की समस्यायें और कष्ट देते हैं। हम काफी मेहनत करते हैं, उसके बाबजूद हमारे जीवन में तरक्की के बजाय हम समय के साथ पीछे की ओर चले जाते हैं क्यूंकि हमारे मोबाइल नंबर में जो अंक हैं, उनकी ऊर्जा हमारी जन्म तिथि, मूलांक, भाग्यांक से मैच नहीं होते।

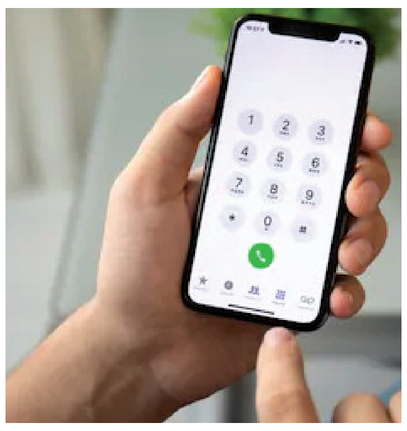

संभवतः मोबाइल नंबर का योग एकल संख्या में मूलांक और भाग्यांक का शत्रु अंक होता है। जो हमारा शत्रु अंक है, नया नंबर लेते समय हमें ध्यान रखना होगा कि वो अंक उस मोबाइल नंबर में ना हों अथवा कम से कम हों। साथ ही उसका टोटल तो बिल्कुल भी शत्रु अंक ना हो। मोबाइल नंबर लेते समय यह देखना बहुत आवश्यक है कि पूर्ण जन्म तारीख में कौन से अंक मिसिंग हैं और उनमें जो अंक हमारा फ्रेंडली नंबर हो, हमेशा मोबाइल का टोटल उस पर आना चाहिए, इससे जीवन में कई समस्याएं अपने आप ठीक हो जाएंगी।

मोबाइल में अंक 14 या 41 का होना

किसी भी व्यक्ति के मोबाइल में अंक 14 या 41 एकसाथ कहीं भी आ जाये तो ऐसे जातक पर कर्ज की समस्या होती है। बीमारी और समाज में उसके छिपे शत्रु होते हैं। धन का अक्सर नुकसान होता है, जिससे परिवार बर्बादी की कगार पर आ जाता है और समाज में बदनामी होती है।

मोबाइल में अंक 16 या 61 का होना

किसी भी व्यक्ति के मोबाइल में अंक 16 या 61 एकसाथ कहीं भी आ जाये तो ऐसे जातक के जीवनसाथी की तबियत अक्सर खराब रहती है। उसके वैवाहिक जीवन में कलेश, समस्या बनी रहती है। इस मोबाइल नंबर के साथ रहते हुए आमदनी कम हो जाती है। पैसे एवं नौकरी की समस्या बनी रहती है। एवं पाइल्स की बीमारी भी हो सकती है। अक्सर ऐसे लोगों के समाज, परिवार एवं रिश्तेदारियों में सम्बन्ध अच्छे नहीं रहते।

द्रौपदी की इन गलतियां की वजह से हुआ था महाभारत का युद्ध

महाभारत में पारिवारिक संबंध, सत्ता संघर्ष ओर धर्म-अधर्म की जटिलताओं को दर्शाआ गया है। महाभारत के युद्ध के पीछे कई वजह थीं लेकिन इसमें द्रौपदी से भी कुछ गलतियां हुई थीं।

महाभारत में द्रौपदी का अपमान

महाभारत में द्रौपदी का किरदार बहुत ही अहम रहा है और द्रौपदी को भरी सभा में चीरहरण जैसा अपमान सहना पड़ा। कौरवों और पांडवों के बीच हुए जुए में युधिष्ठिर ने द्रौपदी को दांव पर लगाया और हार गए। जिसके बाद दुशासन द्रौपदी को बाल पकड़कर सभा में लेकर आया और अपमानित किया। भरी सभा में द्रौपदी का चीरहरण हुआ और उन्हें बचाने के लिए भगवान श्रीकृष्ण को आना पड़ा।

द्रौपदी से हुई गलतियां

महाभारत धर्मअधर्म का युद्ध था, यह युद्ध सत्ता के लिए लड़ा गया। लेकिन इस युद्ध की वजह द्रौपदी से हुई कुछ गलतियां भी थीं। द्रौपदी को पांच पांडवों की पत्नी होने का अभिमान था और इस अभिमान की वजह से उन्होंने ऐसी गलतियां कर दी जो कि युद्ध की वजह बन गईं।

दुर्योधन को अपमानित करना

महाभारत की कहानी के अनुसार जब दुर्योधन इंद्रप्रस्थ में पांडवों के महल में आया, तो वह जल और फर्श के भ्रम में पानी में गिर गया। द्रौपदी ने तब हंसते हुए कहा, अंधे का पुत्र अंधा। इस टिप्पणी ने दुर्योधन के अहंकार को ठेस पहुंचाई और उसने पांडवों से बदला लेने की ठान ली। यह भी महाभारत युद्ध की वजह बनी।

कर्ण का अपमान

सूत पुत्र कर्ण महाभारत का एक प्रमखु पात्र था। जब द्रौपदी का स्वयंवर हो रहा था, तब कर्ण ने भी धनुष उठाने का प्रयास किया, लेकिन द्रौपदी ने उसे यह कहकर अपमानित किया कि वह एक सूत पुत्र है और वह उससे विवाह नहीं कर सकती। कर्ण का यह अपमान उनकी दुश्मनी को और गहरा कर गया। यह घटना कर्ण को कौरवों का समर्थन करने के लिए प्रेरित करती है और अंततः महाभारत युद्ध में उनकी भूमिका को महत्वपूर्ण बनाती है।

कौरवों से बदला लेने की शर्त

महाभारत में जब द्रौपदी का भरी सभा में चीरहरण किया गया तक पांचों पांडव मौन मुद्रा में थे और यह देखकर द्रौपदी बहुत क्रोधित हुई। चीरहरण के बाद द्रौपदी ने पांडवों से कहा था कि अगर तुम दुर्योधन और उसके भाईयों से बदला नहीं ले सकते तो तुम पर धिक्कार है।

जयद्रथ को माफ करना

वनवास के समय पांडवों ने द्रौपदी को जयद्रथ से बचाया और उसके बाद जयद्रथ को मारने ही वाले थे लेकिन द्रौपदी ने मना कर दिया। द्रौपदी ने जयद्रथ का वध करने की बजाय उसे अपमानित करके छोड़ दिया। महाभारत युद्ध में जयद्रथ में ही अभिमन्यु को मारा।

मृत्यु के बाद आत्मा का क्या होता है? पितृपक्ष में तर्पण से जुड़ी है पितरों की गति

अक्सर लोगों के मन में यह सवाल उठता है कि आखिर मृत्यु के बाद आत्मा की मुक्ति कैसे होती है? इस पर प्राचीन शास्त्रों में कई बातें कही गई हैं। गरुड़ पुराण, विष्णु पुराण सहित अन्य धर्म शास्त्रों में आत्मा की गति और मुक्ति का विस्तार से वर्णन है, जो व्यक्ति के कर्मों के आधार पर निर्धारित होता है।

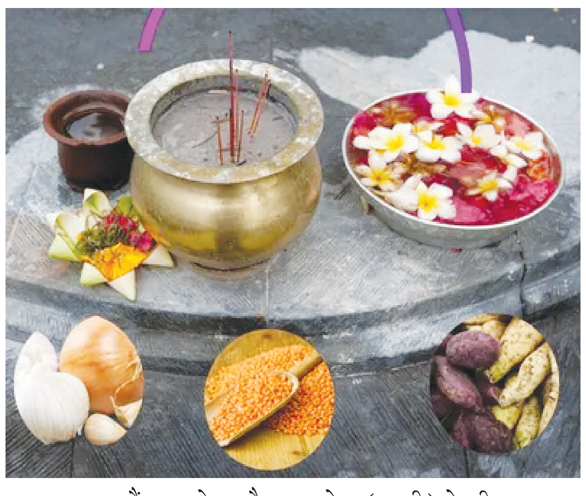

योगियों को नहीं भोगनी होगी यातनाएं

धर्मनिष्ठ व्यक्ति की आत्मा मृत्यु के बाद उसके सभी कर्मों और पापों से मुक्त हो जाती है और उसे यमदूतों का सामना नहीं करना पड़ता। योगियों के लिए यह प्रक्रिया अलग होती है, वे सीधे उर्ध लोकों में जाते हैं। लेकिन, जो लोग सामान्य कर्मों में बंधे होते हैं, उन्हें यमलोक की यात्रा करनी पड़ती है।

प्रेतकल्प के अनुसार मुक्ति यात्रा

पंडित पंकज मेहता बताते हैं कि गरुड़ पुराण के प्रेतकल्प में यह बताया गया है कि आत्मा को यमलोक तक पहुंचने में 348 दिन लगते हैं। यमलोक और मृत्युलोक (धरती) के बीच 86,000 योजन का अंतराल होता है। व्यक्ति की आत्मा प्रतिदिन 247 योजन तय करती है। इस दौरान आत्मा को उसके कर्मों के आधार पर सुख या दुख का अनुभव होता है।

पापी और पुण्यात्मा की स्थिति

अगर व्यक्ति पापी होता है, तो यमलोक की यात्रा में उसे अनेक कष्टों और दंडों का सामना करना पड़ता है। शास्त्रों के अनुसार, पापी आत्माओं को यमलोक की यात्रा के दौरान सजा दी जाती है और उन्हें विभिन्न यातनाओं से गुजरना होता है। वहीं, पुण्य आत्माओं को किसी भी प्रकार का कष्ट नहीं होता और उनकी यात्रा शांतिपूर्ण होती है।

मृत्यु के बाद मुक्ति के दो प्रकार

ज्योतिषाचार्य के मुताबिक, शास्त्रों में दो प्रकार की मुक्ति का उल्लेख मिलता है, सामान्य मुक्ति और शद्य मुक्ति। जो योगी या धर्मनिष्ठ होते हैं, उन्हें शद्य मुक्ति प्राप्त होती है। उनका शरीर छोड़ने के बाद वे सीधे उर्ध लोकों में जाते हैं और उन्हें यमदूतों से सामना नहीं करना पड़ता। वहीं, सामान्य कर्मों में बंधे लोग कर्मों से मुक्त होने के बाद भी यमलोक की यात्रा करते हैं।

पितृपक्ष का महत्व

पितृपक्ष के दौरान किए गए श्राद्ध और तर्पण कर्म आत्मा की मुक्ति में सहायक होते हैं। पंडित मेहता बताते हैं कि इस समय पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए किया गया कोई भी कर्म उन्हें मोक्ष की ओर ले जाने में मदद करता है।

पितृपक्ष में किन ब्राह्मणों को भोज कराएं?

पितृपक्ष में पितरों की आत्मा की शांति के लिए ब्राह्मणों को भोजन कराने की परंपरा सदियों से चली आ रही है। लेकिन, सवाल यह उठता है कि ब्राह्मणों का चयन किन आधार पर किया जाए? शास्त्रों में इस पर विस्तार से बताया गया है कि किस तरह के ब्राह्मणों को भोजन कराना उचित है और किन्हें अनुचित। शास्त्रों के अनुसार किन ब्राह्मणों को श्राद्ध भोज में बुलाना चाहिए।

ऐसे ब्राह्मणों को कराएं भोजन

ब्राह्मण पुराण, विष्णु पुराण सहित अन्य शास्त्रों के अनुसार, ऐसे ब्राह्मण को भोजन कराना चाहिए जिसे वेदों और उपनिषदों का अच्छा ज्ञान हो। वह वेदों के सभी 6 अंगों का अध्ययन कर चुका हो, यानी उसे शास्त्रों की गहरी समझ हो। साथ ही, उसका आचरण शुद्ध हो, वह सत्य बोलने वाला हो, और उसका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य ठीक हो।

इनको भी करा सकते हैं भोजन

इसके अलावा, अगर वह ब्राह्मण अपने परिवार में उच्च संस्कार रखता है या ब्राह्मण पुत्री का पुत्र (भांजा) हो, तो उसे भी भोजन कराया जा सकता है। साथ ही, अगर मृत व्यक्ति का कोई खास मित्र ब्राह्मण हो, तो उसे भी भोजन कराने का शास्त्रों में विशेष महत्व दिया गया है।

किन ब्राह्मणों को भोजन नहीं कराना चाहिए?

शास्त्रों में यह भी बताया गया है कि कुछ विशेष ब्राह्मणों को श्राद्ध भोज के लिए नहीं बुलाना चाहिए। जैसे जो झूठ बोलते हैं, उनके शरीर में कोई अंग दोष हो या जो किसी संक्रामक बीमारी से पीड़ित हों। इसके अलावा, जिनके दांत काले हों, जो नशा करते हों या गायत्री मंत्र का जाप नहीं करते हों, उन्हें भी श्राद्ध भोज में शामिल करने से मना किया गया है। शास्त्रों में यह भी लिखा है कि जो ब्राह्मण वेदों की शिक्षा पैसे लेकर देते हैं या चुगली और झूठ बोलने की आदत रखते हैं, उन्हें भी श्राद्ध भोज में शामिल नहीं करना चाहिए।

सही ब्राह्मण का चयन बहुत जरूरी

पंडित पंकज मेहता बताते है कि श्राद्ध भोज में ब्राह्मणों का चयन करते समय शास्त्रों में बताए गए नियमों का पालन करना जरूरी है। सही ब्राह्मण का चयन पितरों की आत्मा की शांति के लिए महत्वपूर्ण होता है। इसलिए, ब्राह्मण का चयन करते समय उसकी सत्यनिष्ठा, आचरण और विद्या का ध्यान रखना चाहिए, ताकि श्राद्ध कर्म सही तरीके से संपन्न हो सके।

जब शमा सिकंदर ने की थी जान देने की कोशिश, डॉक्टर ने पूरी रात निकाला था जहर

टीवी शो ये मेरी लाइफ है से मशहूर हुई अभिनेत्री शमा सिकंदर के जीवन में एक समय ऐसा आया था, जब उन्होंने आत्महत्या करने की कोशिश की थी, जिसके बाद उनके परिवार वालों ने उन्हें बचा लिया था। एक हालिया साक्षात्कार में शमा ने जीवन के उस मुश्किल दौर के बारे में खुलकर बातचीत की।

शमा सिकंदर ने बताया कि वो 15 साल पहले डिप्रेशन और बाइपोलर डिसऑर्डर से जूझ रही थीं। उस दौरान उन्होंने इंडस्ट्री त्याग दी थी। ये वही वक्त था, जब शमा को इस बात का एहसास हुआ था कि उनकी दादी को भी बाइपोलर डिसऑर्डर हो सकता है, क्योंकि शमा की तरह वो भी ऐसी चीजें किया करती थी, जिसे देख लोग कहा करते थे कि उन पर भूत का साया है। शमा को इस भूत-प्रेत वाली बात में यकीन नहीं था। उन्होंने कहा कि क्योंकि वो आधुनिक समय की लड़की है, इसलिए उन्हें पता था कि ये डिसऑर्डर है। जीवन से हताश होकर शमा ने अपनी जान देने की कोशिश की थी। उन्होंने बताया कि एक दिन उन्होंने खूब सारी नींद की गोलियां खा ली थी। मां ने जगाना चाहा तो वो उठ ही नहीं पाई। अफरा-तफरी के इस माहौल में दूसरे लोग भी वहां आ पहुंचे, लेकिन शमा लाश की तरह लेटी हुई थी।

शमा ने बताया कि छह लोग उन्हें उठाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन उठा नहीं पा रहे थे। इसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां भी मुसीबत कम नहीं हुई। अस्पताल ने ये कहते हुए कि ये आत्महत्या का मामला है और भर्ती करने से मना कर दिया था। हालांकि, बाद में एक दोस्त ने जब पुलिस से बात करके उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया तो उनका इलाज शुरू हुआ। शमा ने बताया कि अस्पताल में पूरी रात शरीर से जहर निकाला गया था।

शमा सिकंदर ये मोहब्बत है. मन, धूम धड़ाका, प्रेम अगन, अंश और बायपास रोड समेत कई फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं। इससे पहले शमा ने पिंकविला को दिए साक्षात्कार में बताया था कि उन्होंने लंबे समय तक बिना ब्रेक के इंडस्ट्री में काम किया और इससे उनके मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ा था।

टीवी कलाकारों संग होने वाले भेदभाव पर बोलीं क्रिस्टल डिसूजा, कहा- नीची निगाहों से देखा जाता है

क्रिस्टल डिसूजा टीवी की दुनिया की मशहूर हस्ती हैं। उन्होंने कई टीवी शोज में अपने किरदारों की बदौलत पहचान हासिल की है। वह आखिरी बार साल 2018 में फिक्शन टीवी शो 'बेलन वाली बहू' में नजर आई थीं। इसके एक साल के बाद उन्होंने 'फितरत' से अपना ओटीटी डेब्यू किया और फिर साल 2021 में उनकी पहली फिल्म रिलीज हुई। उन्होंने फिल्म 'चेहरे' से फिल्मों में डेब्यू किया, जिसमें अमिताभ बच्चन, इमरान हाशमी, रिया चक्रवर्ती जैसे कलाकार नजर आए थे। इस बीच उन्होंने एक बातचीत के दौरान कहा कि अमिताभ बच्चन के साथ फिल्म करने के बाद भी उनके लिए बहुत कुछ नहीं बदला है।

टीवी से फिल्मों में करियर बनाना है बेहद मुश्किल- क्रिस्टल

अभिनेत्री ने कई अन्य टीवी कलाकारो की तरह बताया कि एक टीवी कलाकार होने की वजह से उन्हें फिल्मों और वेब सीरीज के लिए भेदभाव का सामना करना पड़ा। अभिनेत्री ने कहा, "ऐसा अभी भी होता है। मुझे टीवी पर काम किए हुए छह-सात साल हो गए हैं, लेकिन मुझे अभी भी यह बहुत सुनने को मिलता है। लोग टीवी कलाकार शब्द का अपमानजनक तरीके से इस्तेमाल करते हैं। टीवी ने मुझे वो बनाया है, जो मैं आज हूं। इसने मुझे लोगों के बीच लोकप्रिय किया है, लेकिन मैं अब भी ऐसी बातें सुनती हूं कि

ओह तुम टीवी से हो, इसलिए तुम्हें कास्ट करना मुश्किल है, लेकिन मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं टीवी से हूं और मुझे इस पर गर्व है। मुझे सच में समझ नहीं आता कि टीवी से फिल्मों में आना इतना मुश्किल क्यों है।

टीवी कलाकार होते हैं सबसे ज्यादा मेहनती- क्रिस्टल डिसूजा

टीवी अभिनेत्री ने कहा कि आज भी, जब वो छोटे शहरों में जाती हैं, तो लोग उन्हें जीविका कहते हैं, या पूछते हैं कि मानवी कहां है। उन्होंने आगे कहा कि वहीं अगर बगल में कोई फिल्म अभिनेता खड़ा हो, तो वो शायद उन्हें जानते भी नहीं हो। अभिनेत्री ने आगे कहा,मुझे लगता है कि टीवी की लोगों के बीच अच्छी पहुंच है। टीवी अभिनेता वाकई अद्भुत हैं। उन्हें बहुत-बहुत बधाई। वो सबसे ज्यादा मेहनती होते हैं और वो दबाव में भी काम कर सकते हैं। फिर चाहे उनके सामने कैसा भी दबाव क्यों न हो।

'टीवी अभिनेताओं को नीची निगाहों से देखा जाता है'

अभिनेत्री ने इस दौरान कहा कि उनकी दूसरी फीचर फिल्म 'विस्फोट' उनकी पहली फिल्म के तीन साल बाद आई थी। उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि टीवी का टैग जुड़ा होने के कारण उन्हें फिल्मों के ऑफर कम मिले हैं।

अभिनेत्री ने कहा, मुझे नहीं लगता कि जिन लोगों के पास विशेष अधिकार नहीं है, उनके पास ऑफर की बाढ़ आ जाती है। आपको हर दिन बाहर जाकर रोल की तलाश करनी होती है और ज्यादातर बार वो सफल नहीं होता। इसके पीछे की वजह आपके अभिनय और आप अपने काम में कितने अच्छे हैं, उससे संबंधित नहीं होती है।

टीवी से आने पर आपके लिए आसान नहीं होता। मुझे नहीं पता उन्हें नीची निगाहों से क्यों देखा जाता है?

'फुल स्लीव से बैकलेस पर कब आ गई पता ही नहीं चला' : सना खान

टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस रहीं सना खान आज भले ही एक्टिंग और स्क्रीन से दूर हैं मगर एक समय था जब वो अपनी एक्टिंग के साथ-साथ बोल्डनेस के लिए जानी जाती थी। उनके एक से बढ़कर एक फोटोशूट वायरल होते थे। हर कोई उनकी सिजलिंग अदाओं का दिवाना था। लेकिन, एक दिन अचानक से इंडस्ट्री छोड़ने के उनके फैसले ने सभी को हैरान कर दिया था। ग्लैमर वर्ल्ड को छोड़कर एक्ट्रेस ने धर्म की राह को अपना लिया है। ऐसे में अब सना, रुबीना दिलैक के पॉडकास्ट 'किसी ने बताया नहीं' के नए सीजन में पहुंचीं और इस दौरान अपने बच्चे, पति और शोबिज छोड़ने को लेकर बात की। वो काफी भावुक दिखीं। चलिए बताते हैं उन्होंने क्या कुछ कहा।

दरअसल, शो में रुबीना दिलैक ने अपने शो में सना खान से बातचीत में पूछा, 'आपने कब अपने धर्म को अपनाने के बारे में सोचा?' इस पर सना खान ने उन्हें जवाब दिया कि उनकी जिंदगी में एक समय आया जब वो खुद से सवाल करने लगी थीं कि आखिर वो खुश क्यों नहीं हैं? उनकी जर्नी फुल स्लीव से बैकलेस तक कब आ गई इसके बारे में उन्हें खुद पता तक नहीं चला। सना ने आगे कहा कि शैतान ने उन्हें एक महिला के तौर पर कब नंगा कर दिया उन्हें खुद पता नहीं चला। एक्ट्रेस को लगता है कि वो कहीं खो चुकी हैं।

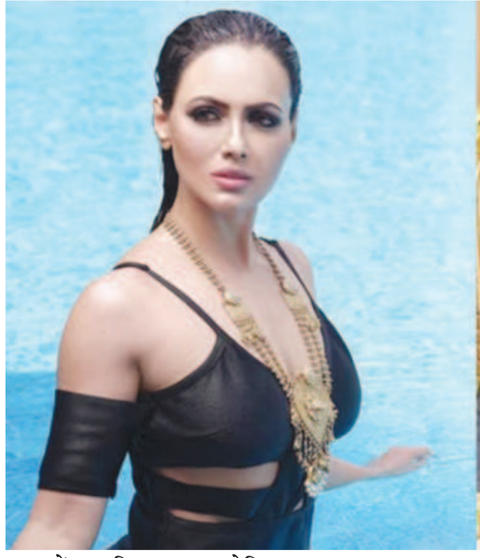

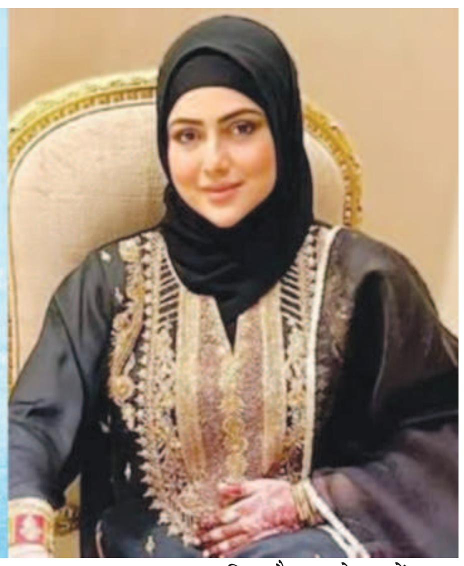

सना खान ने अपने पुराने दिनों को याद करते हुए कहा कि वो कभी सलवार-कमीज पहनकर, तेल लगाकर दो चोटी बनाकर कॉलेज जाने वाली लड़की थीं। ना जाने कब शॉर्टकट और बैकलेस वाली स्टेज पकड़ लिया। इतना कहने के बाद एक्ट्रेस ने कहा कि उन्हें इन सब पर रोना आता है। इसके बाद सना के आंसू छलक पड़ते हैं।

पति और बच्चे को लेकर क्या बोलीं सना खान?

इसके साथ ही एक्ट्रेस सना खान ने अपने पति और बच्चे को लेकर भी बात की और कहा कि उनके यहां कहा जाता है कि बेटी रहमत और बेटे नेमत से होते हैं। उन्होंने रुबीना से कहा कि जब उन्हें उनके ट्विंस के बारे में पता चला तो सना इस सोच में पड़ गई थीं कि आखिर उन्हें क्यों ट्विंस नहीं हुए। वो ये भी कहती हैं कि हालांकि, उन्हें बाद में समझ आया कि अल्लाह ने उन्हें एक क्यों दिया है, क्योंकि दो की उनकी कैपेबिलिटी नहीं है। इसके साथ ही सना खान ने अपने पति की तारीफ भी की। उनके लिए एक्ट्रेस ने कहा कि वो कोयले में हीरा हैं।

'द मेहता बॉयज' पहुंची 'शिकागो साउथ एशियन फिल्म फेस्टिवल', श्रेया चौधरी ने जताई खुशी

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता बोमन ईरानी के निर्देशन वाली बहुप्रतिक्षित फिल्म 'द मेहता बॉयज' 20 सितंबर को 'शिकागो साउथ एशियन फिल्म फेस्टिवल' के 15वें संस्करण में दिखाई जाएगी। बोमन ईरानी, श्रेया चौधरी और अविनाश तिवारी के अभिनय वाली यह फिल्म पिता और बेटे के रिश्ते पर आधारित है, जो परिवार और अपनेपन जैसे विषयों पर प्रकाश डालेगी। फिल्म की अभिनेत्री श्रेया चौधरी इसे लेकर काफी उत्साहित हैं।

'द मेहता बॉयज' की अभिनेत्री श्रेया चौधरी ने फिल्म के विश्व प्रीमियर होने पर काफी उत्साह जताया है। वह इसे लेकर खुश हैं। अभिनेत्री ने अपने विचार साझा करते हुए कहा, 'मैं दक्षिण एशियाई फिल्म महोत्सव के लिए शिकागो जाने के लिए बहुत रोमांचित हूं, खासकर इसलिए, क्योंकि हमारी फिल्म, 'द मेहता बॉयज' का उद्घाटन की रात को महोत्सव में विश्व प्रीमियर होगा! इस तरह के प्रतिष्ठित मंच पर हमारे काम को प्रदर्शित करना एक बड़ा सम्मान है और यह अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त करना अविश्वसनीय रूप से संतोषजनक है।'

बोमन ईरानी सहित अन्य लोगों का जताया आभार

अपने फिल्मी सफर और बोमन ईरानी के साथ काम करने को लेकर अभिनेत्री ने कहा, 'द मेहता बॉयज' मेरे लिए एक बहुत ही खास

फिल्म है। बोमन ईरानी सर जैसे दिग्गज द्वारा न केवल अभिनय करना बल्कि उनका निर्देशन करना भी मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। यह एक ऐसा अनुभव है जिसकी मैं हमेशा कद्र करूंगी। अपने करियर के शुरुआती चरण में ऑस्कर विजेता लेखक अलेक्जेंडर डिनेलारिस के साथ काम करने का अवसर मिलना भी कुछ ऐसा है, जिसके लिए मैं बहुत आभारी हूं। बोमन सर के साथ, सेट पर हर दिन एक मास्टरक्लास होता था। इस भूमिका के लिए मुझ पर भरोसा करने और मुझे इस सफर का हिस्सा बनने देने के लिए मैं उनकी बहुत आभारी हूं।' श्रेया ने आगे कहा, 'एक ऐसी फिल्म का होना, जिसके लिए हम सभी ने इतनी मेहनत की है, एक अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव का हिस्सा बनना, जो दक्षिण एशिया की कहानियों का जश्न मनाता है, उन सपनों के सच होने वाले पलों में से एक है, खासकर मेरे करियर के शुरुआती दौर में। यह सोचना कि 'द मेहता बॉयज' को बड़े पैमाने पर दर्शक देखेंगे, मुझे बहुत आभार से भर देता है।

कौन हैं मालविका मोहनन? 'युद्रा' में सिद्धांत के साथ इंटीमेट सीन देकर काटा बवाल

सिद्धांत चतुर्वेदी, राघव जुयाल और मालविका मोहनन अभिनीत फिल्म 'युद्रा' को लेकर प्रशंसकों का उत्साह चरम पर है। रवि उदयवार के निर्देशन में बनी यह एक्शन फिल्म आज यानी 20 सितंबर, 2024 को बड़े पर्दे पर रिलीज हो गई है। इसे फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी की एक्सेल एंटरटेनमेंट ने प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म में सिद्धांत चतुर्वेदी के अलावा मालविका मोहनन के अभिनय के सब मुरीद हो गए हैं। आइए जानते हैं कि कौन हैं मालविका मोहनन?

मालविका मोहनन साउथ फिल्मों की जानी मानी अभिनेत्री हैं। अभिनेत्री अपने शानदार लुक्स और ग्लैमरस अवतार के लिए जानी जाती है। मालविका मोहनन ने साल 2013 में मलयालम फिल्म 'पट्टाम पोल' से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी, जिसके बाद एक्ट्रेस अब तक कई हिट फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। अभिनेत्री की सोशल मीडिया पर भी काफी तगड़ी फैन फॉलोइंग है।

मालविका मशहूर सिनेमैटोग्राफर के के.यू. मोहनन की बेटी हैं, जिन्होंने 'रईस', 'डॉन', 'तलाक' और 'फुकरे' जैसी फिल्मों के लिए काम किया है। अभिनेत्री को अन्य चीजों के अलावा फोटोग्राफी में भी रुचि मिली और उन्होंने यह देखने का फैसला किया कि क्या कैमरे के पीछे उनका कोई भविष्य है। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा था, मैंने कुछ समय के लिए एक विज्ञापन फिल्म निर्माता की सहायता की। मैंने वह पूरा सफर तय किया और फिर मैं वापस आ गई। इसलिए यह 10 साल जैसा नहीं लगता क्योंकि मेरे दिमाग में, यह ऐसा नहीं है। इस बीच मैंने एक अलग ही जीवन जिया।

मालविका पैदा तो कन्नूर में हुईं, लेकिन उनका पालन-पोषण मुंबई में हुआ है। उन्होंने मुंबई के विल्सन कॉलेज से मास मीडिया में ग्रेजुएशन किया है। फिल्मों में कुछ छोटी भूमिकाओं के बाद, मालविका ने 2019 की तमिल रिलीज पेट्टा के साथ अभिनय में पूरी तरह वापसी की। रजनीकांत और थलपति विजय अभिनीत पेट्टा और मास्टर दोनों ही फिल्में बहुत बड़ी हिट रहीं, जिन्होंने 200 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की। 'युद्रा' में सिद्धांत चतुर्वेदी, राघव जुयाल और मालविका मोहनन के अलावा राम कपूर, राज अर्जुन और गजराज राव भी हैं। फैंस सिद्धांत को एक्शन अवतार में देखने के लिए काफी उत्साहित हैं। इसकी कहानी श्रीधर राघवन ने लिखी है। फिल्म 20 सितंबर, 2024 को रिलीज के लिए तैयार है।

राजेंद्र कुमार ने बर्बाद किया विजयता पंडित का करियर

एक्ट्रेस बोलीं- कुमार गौरव से नजदीकियों से नाराज थे, हर फिल्म से निकलवा दिया था

70-80 की दशक की मशहूर एक्ट्रेस विजयता पंडित का नाम एक समय में मशहूर एक्टर राजेंद्र कुमार के बेटे कुमार गौरव से जुड़ा था। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में विजयता ने बताया है कि उनके और कुमार गौरव के रिश्ते पर राजेंद्र कुमार इतने नाखुश थे कि उन्हें फिल्मों से निकलवा देते थे। उन्होंने अपना करियर बर्बाद होने का कारण राजेंद्र कुमार को बताया है। हाल ही में लहरें रेट्रो को दिए एक इंटरव्यू में विजयता पंडित ने कहा है, 'मैंने इस बारे में आज से पहले कभी बात नहीं की है। दरअसल, जब फिल्म लव स्टोरी बन रही थी, तो वो एक प्यार की कहानी थी। बंटी (कुमार गौरव) वो पहला लड़का है, जिसे मैंने जिंदगी में पहली बार गले लगाया था। जब हम इस तरह के पैशनेट सीन करते हैं तो प्यार होना बेहद नेचुरल है। पहली बार किसी लड़के ने मुझे छुआ था। हम दोनों को एक-दूसरे से प्यार हो गया।'

फिल्म की शूटिंग कश्मीर में 2-2, 3-3 महीनों तक होती थी। बंटी (कुमार गौरव) मुझे बहुत पसंद करते थे, मेरे पीछे-पीछे चलते थे, मेरा हाथ पकड़कर डांस करते थे। मेरे साथ बहुत अलग सिचुएशन थी क्योंकि मेरी बड़ी बहन (सुलक्षणा पंडित) शूटिंग में मेरे साथ होती थीं। वो बहुत स्ट्रिक्ट थीं, कहती रहती थीं बंटी से इतनी बात मत किया करो।

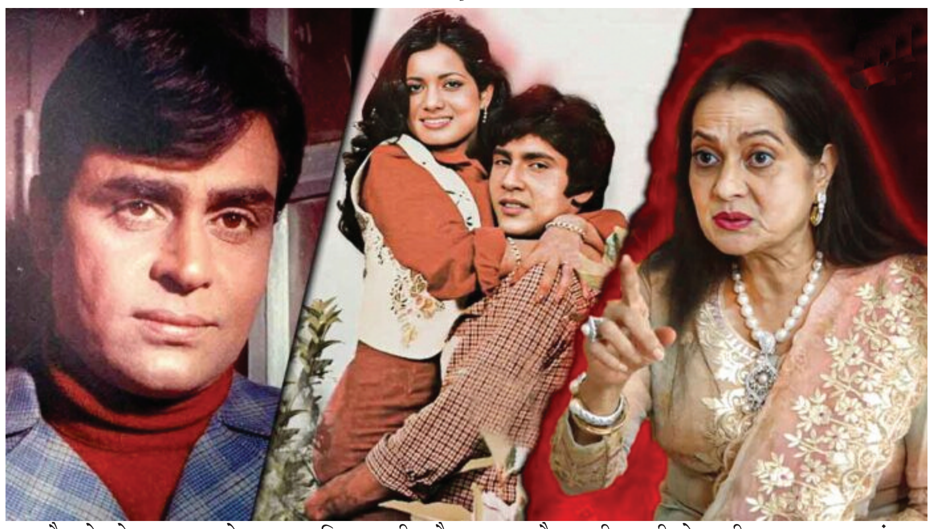

आगे उन्होंने कहा है, वो बहुत चार्मिंग थे। राजेंद्र कुमार को जब पता चला कि इनके बीच प्यार हो रहा है, तो वो इस बात के बहुत खिलाफ थे। वो बहुत गुस्सा करते थे। वो फिल्म की शूटिंग के दौरान भी शराब पीकर बंटी को डांटा करते थे कि तुम काम करोगे तो कुछ होगा, अभी से प्यार में पड़ोगे तो तुम्हारे करियर का क्या होगा।

एक्ट्रेस ने आगे कहा है कि राजेंद्र कुमार बेटे कुमार गौरव को विजयता पंडित से दूर रहने की सलाह देते हुए कहते थे, तुम मेरे प्रिंस हो, मैं तुम्हारे लिए प्रिसेंस लाऊंगा, पैसे वाली खानदानी लड़की से तुम्हारी शादी करूंगी। ये सुनकर विजयता बेहद डर जाती थीं। एक्ट्रेस ने कहा है कि कश्मीर में शूटिंग के दौरान राजेंद्र कुमार और कुमार गौरव शराब पीकर जमकर बहस करते थे। ये देखकर विजयता बेहद डर जाती थीं। उन्होंने फैसला कर लिया था कि वो कुमार गौरव से बात नहीं करेंगी।

विजयता पंडित ने आगे कहा है कि उनकी और कुमार गौरव की नजदीकियों से नाराज होकर फिल्म की शूटिंग के दौरान ही राजेंद्र कुमार ने बेटे की सगाई रीमा कपूर (ऋषि कपूर की बहन) से करवा दी थी। सगाई के बाद भी कुमार गौरव, विजयता से मिलने उनके घर आया करते थे।

एक्ट्रेस ने कहा- ये देखकर मेरे मां-बाप बेहद नाराज होते थे। वो कहते थे कुमार गौरव की सगाई राज कपूर की बेटी से हुई है, फिर क्यों ये घर आता है। डैडी, कुमार गौरव की शिकायत करने राजेंद्र कुमार के घर जाना चाहते थे। एक दिन मेरी मां ने कुमार गौरव से कह दिया कि जब आपकी सगाई हो चुकी है तो आप मेरी बेटी से मिलने मत आया करो, इस पर कुमार गौरव ने कहा कि मेरी सगाई तो हो चुकी है, लेकिन मैं विजयता से ही शादी करूंगा। वो कहता था कि मैं अपने मां-बाप से बात करूंगा। मैं इसी से शादी करना चाहता हूं।

विजयता ने बताया है कि कुमार गौरव ने उनकी मां के सामने कसम खाई थी कि अगर वो शादी करेंगे, तो सिर्फ विजयता से करेंगे, वरना नहीं करेंगे। हालांकि, कुछ दिनों बाद ही उन्हें पता चला कि कुमार गौरव का सुनील दत्त की बेटी नम्रता दत्त से अफेयर है।

राजेंद्र कुमार के कहने पर मुझे हर फिल्म से निकाल दिया गया- विजयता

विजयता ने बताया है कि पहली फिल्म सुपरहिट होने के बाद उन्हें कई फिल्में मिली थीं। कई फिल्मों में वो कुमार गौरव के साथ ही कास्ट की गई थीं। फिल्म राही की तो उन्होंने शूटिंग भी शुरू कर दी थी, लेकिन राजेंद्र कुमार के कहने पर उन्हें हर फिल्म से निकाल दिया गया था। एक्ट्रेस ने कहा, वही वो शख्स थे जिन्होंने मुझे कुमार गौरव के साथ काम करने ही नहीं दिया।

पिता-भाई को खोया, आर्थिक तंगी से जूझे, शानदार डेब्यू के बाद अब क्रिकेट में कहर बरपा रहे आकाश

भारत के आकाश दीप बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट में अपनी गेंदबाजी से धमाल मचा रहे हैं। उन्होंने शुक्रवार को बांग्लादेश की पहली पारी में लगातार दो गेंद पर दो विकेट झटके। अपने दूसरे ओवर और बांग्लादेश की पारी के नौवें ओवर यानी लंच से ठीक पहले वाले ओवर में लगातार दो गेंद पर जाकिर हसन और मोमिनुल हक को आउट किया। आकाश ने नौवें ओवर की पहली गेंद पर जाकिर और फिर दूसरी गेंद पर मोमिनुल को क्लीन बोल्ड किया। जाकिर ने तीन रन बनाए, जबकि मोमिनुल खाता भी नहीं खोल सके। आकाश का यह सिर्फ दूसरा टेस्ट मैच है। उन्होंने इसी साल फरवरी में इंग्लैंड के खिलाफ डेब्यू किया था और अपनी गेंदबाजी से इंग्लिश टीम को खूब परेशान किया था। उनका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन जारी है। हालांकि, आकाश दीप के लिए यह सफर इतना आसान नहीं रहा है। आइए उनके संघर्ष की कहानी जानते हैं...

इंग्लैंड के खिलाफ किया था डेब्यू

27 साल के आकाश दीप ने इंग्लैंड के खिलाफ इसी साल फरवरी-मार्च में पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के चौथे मुकाबले में उतरते ही कमाल कर दिया था। उन्होंने इंग्लैंड की पहली पारी में शुरुआती तीन विकेट लेकर धमाल मचा दिया। आकाश को अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जगह खेलने का मौका मिला था। आकाश ने कप्तान रोहित शर्मा के भरोसे को सही साबित किया और यादगार प्रदर्शन किया।

आकाश के लिए आसान नहीं रहा सफर

आकाश के लिए राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने का सफर आसान नहीं रहा। मूलरूप से बिहार के रहने वाले इस खिलाड़ी ने अपने जीवन में संघर्ष के कई दौर देखे हैं। कभी पिता-भाई के निधन ने तोड़ा तो कभी आर्थिक तंगी के कारण क्रिकेट छोड़ना पड़ा। आकाश के पिता उन्हें सरकारी नौकरी करते देखना चाहते थे। उन्होंने कई परीक्षाएं भी दीं, लेकिन उनके मन में हमेशा क्रिकेट चल रहा था। पढ़ाई में उतना मन नहीं लगता था। वह क्रिकेट के लिए ज्यादा समय निकालते थे।

बचपन में लोग सुनाते थे ताने

आकाश ने समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा था कि लोग बचपन में उन्हें ताने सुनाते थे। यहां तक के दोस्तों के घर वाले भी उनकी बुराई करते थे। अपने बच्चों को उनसे दूर रहने की सलाह देते थे। भारतीय तेज गेंदबाज ने बताया कि लोग यह कहते थे कि आकाश से दूर रहो। उसके संगत में रहकर बिगड़ जाओगे। हालांकि, आकाश अब किसी की आलोचना नहीं करते हैं।

सबसे कठिन रहा साल 2015

आकाश के लिए 2015 उनके जीवन का सबसे कठिन साल रहा। उन्होंने छह महीने के अंदर अपने पिता और भाई दोनों को खो दिया था। पिता का निधन स्ट्रोक के कारण हुआ था। वहीं, दो महीने बाद उनके भाई ने भी दुनिया छोड़ दी। आकाश के घर में पैसे नहीं थे। उन्हें अपनी मां की देखभाल करनी थी। इस कारण उन्होंने क्रिकेट को तीन साल के लिए छोड़ दिया था। बाद में आकाश को लगा कि वह क्रिकेट से ज्यादा दिन दूर नहीं रह सकते हैं।

दोस्त और चाचा ने की मदद

आकाश अपने दोस्त का शुक्रिया हमेशा करते हैं। उन्होंने बताया कि दोस्त ने ही उन्हें बुरे समय में काफी मदद की। दुर्गापुर में उन्हें क्लब क्रिकेट में खेलने का मौका मिला। टेनिस गेंद की क्रिकेट से उनकी कमाई हो जाती है। दुर्गापुर में चाचा ने भी काफी मदद की। उन्होंने आकाश को मुश्किलों से बाहर निकाला और क्रिकेट पर ध्यान देने के लिए प्रेरित किया। आकाश ने 2019 में बंगाल के लिए पहला प्रथम श्रेणी मैच खेला।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एंट्री से पहले आकाश ने बंगाल के लिए 32 प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं। इस दौरान उन्होंने 116 विकेट लिए। लिस्ट ए के 28 मैचों में उनके नाम 42 विकेट हैं। वहीं, 42 टी20 में उन्होंने 49 विकेट झटके हैं। आकाश आईपीएल में विराट कोहली की टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए खेलते हैं। उन्होंने टीम के लिए आठ मैचों में सात विकेट लिए हैं। आकाश ने चेपॉक में बल्ले से भी दम दिखाया था। भारत की पहली पारी 376 रन पर समाप्त हो गई थी। अश्विन ने 113 रन बनाए, जबकि रवींद्र जडेजा ने 86 रन की पारी खेली। यशस्वी जायसवाल ने 56 रन बनाए। बांग्लादेश की ओर से हसन महमूद ने पांच विकेट लिए, जबकि तस्कीन अहमद के नाम तीन विकेट रहे।

बांग्लादेशी बल्लेबाजों ने बनाया खास रिकॉर्ड, भारत में दूसरी बार हुआ ऐसा, चेपॉक से जुड़ा अजब संयोग

भारत और बांग्लादेश के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला चेन्नई में खेला जा रहा है। दूसरे दिन बांग्लादेश ने पांच विकेट गंवा दिए हैं। इससे पहले भारतीय पारी 376 रन पर खत्म हुई थी। बांग्लादेशी बल्लेबाजों ने इस मैच में एक खास रिकॉर्ड बनाया। टीम के शीर्ष चार बल्लेबाज बाएं हाथ के हैं और यह रिकॉर्ड इसी को लेकर है। भारत में ऐसा दूसरी बार हुआ है जब किसी पारी में टीम के शीर्ष चार बल्लेबाज बाएं हाथ के उतरे हों। बांग्लादेश के लिए बल्लेबाजी के लिए उतरे शीर्ष-चार बल्लेबाज शदमान इस्लाम, जाकिर हसन, नजमुल हुसैन शांतो और मोमिनुल हक रहे। चारों ही खिलाड़ी बाएं हाथ के हैं।

इसी के साथ अजब संयोग भी जुड़ा है। जब पिछली बार ऐसा हुआ था, तो भी चेपॉक पर ही टेस्ट खेला जा रहा था। तब 2004 में भारत का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से था। तब ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में टीम के शीर्ष चार बल्लेबाज बाएं हाथ के रहे थे। मैथ्यू हेडन और जस्टिन लैंगर ने पारी की शुरुआत की थी। वहीं, एडम गिलक्रिस्ट को प्रमोट कर तीसरे नंबर पर भेजा गया था। वहीं, नंबर चार पर साइमन कैटिच बल्लेबाजी के लिए आए थे।

कुल मिलाकर टेस्ट क्रिकेट में 15 मैचों में ऐसी 21 पारियां खेली गई हैं, जहां किसी टीम के शीर्ष चार बल्लेबाज बाएं हाथ के रहे हैं। इनमें से 14 पारियां अकेले बांग्लादेश की ओर से रही हैं। नौ मैचों की 14 पारियों में बांग्लादेश के शीर्ष चार बल्लेबाज बाएं हाथ के रहे हैं। हालांकि, भारत के खिलाफ बांग्लादेश की बल्लेबाजी अच्छी नहीं रही। टीम ने 40 रन पर ही पांच विकेट गंवा दिए थे। जसप्रीत बुमराह ने पहले ही ओवर में शदमान इस्लाम को क्लीन बोल्ड कर झटका दिया था। वह दो रन बना सके थे।

इसके बाद आकाश दीप ने पारी के नौवें ओवर यानी लंच से ठीक पहले वाले ओवर में लगातार दो गेंद पर जाकिर हसन और मोमिनुल हक को आउट किया। आकाश ने नौवें ओवर की पहली गेंद पर जाकिर और फिर दूसरी गेंद पर मोमिनुल को क्लीन बोल्ड किया। जाकिर ने तीन रन बनाए, जबकि मोमिनुल खाता भी नहीं खोल सके।

बांग्लादेश की टीम को लंच के ठीक बाद चौथा झटका लगा। सिराज ने बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो को स्लिप में कोहली के हाथों कैच कराया। वह 20 रन बना सके। जसप्रीत बुमराह ने मुशफिकुर रहीम को केएल राहुल के हाथों कैच कराया। वह आठ रन बना सके।

इशान किशन, ऋतुराज गायकवाड़ और रजत पाटीदार भी फेल यूपी के 20 साल के गेंदबाज ने 10 रन दे झटके 3 विकेट

दलीप ट्रॉफी 2024 के छठे मैच में इंडिया ए के खिलाफ इंडिया सी की भी शुरुआत खराब रही। मैच के दूसरे दिन खबर लिखे जाने तक इंडिया सी का स्कोर 59 ओवर में 7 विकेट पर 189 रन था। विद्धुत विशाक 7 रन बनाकर नाबाद थे। पुलकित नारंग भी 21 रन बनाकर नाबाद थे। अभिषेक पोरेल शतक बनाने से चूके गये और 82 रन के निजी स्कोर पर शम्स मुलानी का शिकार बने।

इंडिया C ने 41 रन पर गंवा दिये थे 4 विकेट

एक समय इंडिया सी का स्कोर 14 ओवर में 4 विकेट पर 41 रन था। इंडिया सी के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़, बी साई सुदर्शन, रजत पाटीदार और विकेटकीपर इशान किशन पवेलियन लौट चुके थे। ऋतुराज (17 रन, 20 गेंद), रजत पाटीदार (0 रन, 1 गेंद) और बी साई सुदर्शन (17 रन, 51 गेंद) के विकेट उत्तर प्रदेश के 20 साल के युवा तेज गेंदबाज आकिब खान ने लिये। आकिब खान ने 4 ओवर में सिर्फ 10 रन देकर ही 3 विकेट झटक लिये थे।

उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में 25 दिसंबर 2003 को जन्में आकिब ने रजत पाटीदार को गोल्डन डक किया। इशान किशन को आवेश खान ने 5 रन के निजी स्कोर पर बोल्ड किया। आकिब खान ने अब तक 12 फर्स्ट क्लास, 11 लिस्ट ए और 3 टी20 मैच खेले हैं। इसमें उन्होंने क्रमशः 32, 14 और 4 विकेट लिये हैं।

बाबा इंद्रजीत और अभिषेक पोरेल ने संभाला

ऋतुराज गायकवाड़, साई सुदर्शन, रजत पाटीदार और इशान किशन के पवेलियन लौटने पर बाबा इंद्रजीत और अभिषेक पोरेल ने पांचवें विकेट के लिए 117 गेंद में 86 रन की साझेदारी की। बाबा इंद्रजीत जब 33 रन के स्कोर पर थे तब उन्हें रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा। बाबा इंद्रीज की जगह मानव सुतार बल्लेबाजी के लिए आए, लेकिन वह कुछ खास नहीं कर पाए और महज 2 रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

इसके बाद अभिषेक पोरेल और पुलकित नारंग स्कोर को 165 तक ले गए। अभिषेक पोरेल अपना शतक पूरा करने से चूक गए और 113 गेंद में 9 चौके की मदद से 82 रन बनाकर पवेलियन लौटे। बता दें कि इससे पहले इंडिया ए की पहली पारी 90.5 ओवर में 297 रन पर ऑलआउट हुई। इंडिया ए की ओर से प्रथम सिंह, कप्तान मयंक अग्रवाल, तिलक वर्मा, रियान पराग, कुमार कुशाग्र और आकिब खान दहाई का आंकड़ा नहीं छू पाये।

शाश्वत रावत ने इंडिया ए की ओर से लगाया शतक

इंडिया ए की ओर से शाश्वत रावत ने शतक लगाया। उन्होंने 250 गेंद में 15 चौके की मदद से 124 रन बनाए। उनके अलावा शम्स मुलानी ने 76 गेंद में 44 रन बनाए। आवेश खान 68 गेंद में 51 रन बनाकर नाबाद रहे। प्रसिद्ध कृष्णा 34 रन बनाकर आउट हुए। इंडिया सी के लिए विद्धुत विशाक ने 51 रन देकर 4 और अंशुल कंबोज ने 49 रन देकर 3 विकेट लिये। गौरव यादव ने 57 रन देकर 2 विकेट लिये।

हेलमेट में धागा बांध कर ये कैसी हरकत कर रहे थे शाकिब अल हसन, अजीब टोटके का वीडियो वायरल!

भारत के खिलाफ चेन्नई टेस्ट मैच के दूसरे दिन जब शाकिब अल हसन बैटिंग करने मैदान पर उतरे तो उनकी एक हरकत ने सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। दरअसल शाकिब के हेलमेट से एक धागा बंधा हुआ था, जिसे वह बल्लेबाजी करते हुए चबा रहे थे। इसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

भारत के खिलाफ चेन्नई टेस्ट मैच के दूसरे बांग्लादेश की टीम सिर्फ 149 रन के स्कोर पर सिमट गई। भारतीय गेंदबाजों के खिलाफ कोई भी बांग्लादेशी बल्लेबाज अपना कमाल नहीं दिखा सके। हालांकि, टीम के धाकड़ ऑलराउंडर शाकिब अल हसन अपनी एक अजीब सी आदत को लेकर जरूर में चर्चा में आ गए। दरअसल शाकिब जब बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरे तो उस दौरान फैंस और कमेंटेटर ने एक चीज नोटिस की। शाकिब बल्लेबाजी करते हुए काले रंग के एक धागे को चबाते हुए दिखे। अमूमन कोई भी बल्लेबाज बैटिंग के दौरान इस तरह की कोई चीज नहीं करता है। शाकिब की यह अजीब हरकत कैमरों से नहीं छुप सकी और इसे देखकर सोशल मीडिया पर अब चर्चा होने लगी है।

तमीम इकबाल ने को कार्तिक को बताई टोटके की वजह

कमेंट्री पैनल के सदस्य दिनेश कार्तिक ने शाकिब के इस अनोखी आदत के बारे में बताया। कार्तिक के अनुसार, बांग्लादेश के तमीम इकबाल उन्हें बताया कि यह धागा शाकिब की बल्लेबाजी के दौरान मददगार होता है। ऐसा करने से शाकिब एक्राग रहते हैं। एक वजह ये भी है कि धागा चबाने के कारण उनका सिर लेग साइड की ओर नहीं झुकता है। इसका मतलब ये हुआ कि शाकिब खुद पर नियंत्रण रखने के लिए ऐसा करते हैं।

ऐसा नहीं है कि शाकिब अल हसन दुनिया के इकलौते ऐसे क्रिकेटर हैं जो बल्लेबाजी के दौरान अजीब आदतों के लिए जाने जाते हैं। भारत के वीरेंद्र सहवाग के लिए कहा जाता है कि वह बैटिंग करते समय गाना गुनगुनाते थे। ऐसी बहुत ही आदतें हैं जो अलग-अलग क्रिकेटरों के लिए मशहूर हुए हैं।

कुछ महीने पहले 'दिवालिया' हो गई थी हैदराबाद एफसी, 3 सप्ताह पहले तक नहीं बनी थी टीम

बेंगलुरु एफसी (बीएफसी) ने गुरुवार को श्री कांतीरवा स्टेडियम में हैदराबाद एफसी (एचएफसी) को 3-0 से हराकर इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 सीजन में अपनी लगातार दूसरी जीत हासिल की। यह जीत बेंगलुरु के हाथों में न होती अगर आखिरी समय में सुनील छेत्री ने मैदान पर आकर गोल न दागे होते। बिना छेत्री के खेल रही बेंगलुरु की टीम हैदराबाद के सामने पानी भरती नजर आई। वही हैदराबाद जो कुछ महीने पहले दिवालिया होने की कागार पर थी।

बेंगलुरु एफसी ने पहले हाफ में किया गोल

बेंगलुरु एफसी ने पहले हाफ में गोल किया था। हालांकि हैदराबाद एफसी ने जोरदार जवाब दिया, पराग श्रीवास ने बाएं फ्लैंक से देवेंद्र मुरगांवकर के लिए गेंद को घुमाया। मुरगांवकर ने पास के अंत तक पहुंचने के लिए अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन उनका शॉट लक्ष्य से चूक गया। हैदराबाद एफसी की बैकलाइन को बढ़ाया और कई गोल करने के अवसर बनाए। टीम गोल तो नहीं कर पाई लेकिन उसने बेंगलुरु एफसी की हालत खराब कर दी। 57वें मिनट में टीम को जीत दिलाने के लिए सुनील छेत्री को मैदान पर उतरना पड़ा। उन्होंने दूसरे हाफ में दो गोल दागे और टीम की जीत सुनिश्चित की।

वित्तीय संकट से जूझ रही थी हैदराबाद एफसी

हैदराबाद एफसी के लिए बीते कुछ महीने बहुत मुश्किल रहे थे। वह वित्तीय संकट से जूझ रहे थी। क्लब ने बीते एक साल में खिलाड़ियों को वेतन नहीं दिया था। नाइजीरिया के स्ट्राइकर को पैसा न देने के कारण फीफा ने क्लब पर नए खिलाड़ियों को शामिल करने पर बैन लगा दिया था। वहीं टीम के कई खिलाड़ी सीजन की शुरुआत में टीम में इसलिए शामिल नहीं हुए क्योंकि उन्हें वेतन नहीं मिला था। क्लब में काम करने वाले कई लोगों को भी पैसा नहीं मिला था।

तमाम मुश्किलों के बाद किया प्रदर्शन

क्लब को आईएसएल की मालिक फुटबॉल डेवेलपमेंट लिमिटेड ने पैसा दिया लेकिन इससे मुश्किल पूरी तरह खत्म नहीं हुई। फीफा का बैन हटने के बाद भी खिलाड़ी क्लब के लिए खेलने के लिए तैयार नहीं थे। क्लब ने बहुत मुश्किल से उन्हें मनाया। मैनेजमेंट और टीम के कोच भी अनबन होती रही। इसके बावजूद टीम आईएसएल में टॉप टीमों को टक्कर दे रही है।

तमीम इकबाल ने विराट और मुशफिकुर को लेकर किया दावा, फिर रवि शास्त्री ने दागा सवाल तो नहीं था जवाब

भारत और बांग्लादेश के बीच पहले टेस्ट की पहली पारी में विराट कोहली और मुशफिकुर रहीम दोनों ही कम स्कोर पर आउट हुए। तमिम इकबाल ने दोनों खिलाड़ियों के बीच इतिहास की बात कही, लेकिन रवि शास्त्री ने जब सवाल किया तो उनके पास जवाब भी नहीं था। भारत और बांग्लादेश के बीच चेन्नई टेस्ट मैच में विराट कोहली और मुशफिकुर रहीम दोनों के लिए शुरुआत अच्छी नहीं रही। पहले दिन कोहली सिर्फ 6 रन बनाकर हसन महमूद की गेंद पर आउट हो गए। अगले ही दिन मुशफिकुर भी जसप्रीत बुमराह की गेंद पर केएल राहुल को कैच दे बैठे। इस बीच कमेंट्री कर रहे बांग्लादेश के पूर्व कप्तान तमीम इकबाल का मानना है कि चेन्नई टेस्ट के दौरान कोहली और मुशफिकुर के बीच नोक-झोंक होना तय है।

रवि शास्त्री ने दाग दिया सवाल

बांग्लादेश की पारी के दौरान जब मुशफिकुर रहीम जब बल्लेबाजी करने उतरे तो कोहली स्लिप में फील्डिंग कर रहे थे। इस समय कमेंट्री कर रहे तमीम इकबाल ने कहा कि मुशफिकुर और कोहली के बीच 'इतिहास' रहा है। तमीम इन दोनों के बीच पुरानी प्रतिद्वंदिता को हवा दे रहे थे, तभी रवि शास्त्री ने बीच में आकर बात रोक दी। भारतीय टीम के हेड कोच कर रहे रवि शास्त्री ने तमीम से सवाल दाग दिया।

कमेंट्री बॉक्स में बातचीत कुछ इस प्रकार हुई

तमीम इकबालः मुशफिकुर रहीम बल्लेबाजी कर रहे हैं और विराट कोहली स्लिप में हैं। अब देखिए। इन पर नजर रखिए। इनका काफी इतिहास रहा है।

रवि शास्त्रीः कौन सा इतिहास?

तमीम इकबालः आप जानते हैं रवि। मैं किस इतिहास के बारे में बात कर रहा हूं।फिर हर्षा भोगले ने मजाक में कहा- वाह, तमीम अच्छा छोड़ा। मुझे लगता है कि मुशफिकुर का तो सबके साथ थोड़ा-बहुत इतिहास रहा है।

भारत के लिए बुरी खबर, बाउंड्री बचाने के प्रयास में मोहम्मद सिराज चोटिल

बांग्लादेश के खिलाफ चेन्नई टेस्ट के दूसरे दिन दूसरे सत्र में भारतीय टीम के लिए बुरी आई। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज बाउंड्री बचाने के प्रयास में चोटिल हो गए। उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा। चेन्नई में तेज गेंदबाजों के मददगार परिस्थितियां ऐसे में सिराज का चोटिल होना भारत लिए बुरी खबर है। लंच के बाद सिराज ने ही भारत को पहली सफलता दिलाई। उन्होंने कप्तान नजमुल हसन शान्तो को आउट किया। रोहित शर्मा ने 23 वें ओवर में रविंद्र जडेजा को गेंद दी। पहली गेंद को शाकिब अल हसन ने स्वीप किया। फाइन लेग पर मौजूद सिराज ने स्लाइड लगाकर गेंद को फील्ड किया। इसके बाद वह दर्द में बाएं कूल्हे को पकड़े दिखे। इसके बाद उन्होंने 3 गेंद और फील्डिंग की। जडेजा की चौथी गेंद को शाकिब ने स्वीप खेलने का प्रयास किया। गेंद शाकिब के ग्रील पर लगी।

कनकशन चेक करने के लिए फीजियो ग्राउंड पर आया। इस ब्रेक के दौरान सिराज भी मैदान पर ही लेटकर उपचार कराते दिखे। इसके बाद वह मैदान से बाहर चले गए। मोहम्मद सिराज ने लंच के बाद भारत के लिए गेंदबाजी की शुरुआत की। उन्होंने नजमुल हसन शान्तो को स्लिप में विराट कोहली के हाथों कैच कराया। उन्होंने 30 गेंद पर 3 चौके की मदद से 20 रन बनाए। सिराज ने अबतक 7 ओवर में 19 रन देकर 1 विकेट लिए हैं।

सिराज की चोट ज्यादा गंभीर न हो

भारत को उम्मीद होगी कि मोहम्मद सिराज की चोट ज्यादा गंभीर न हो। आगे लंबा सीजन है। बांग्लादेश के खिलाफ 2 मैचों की टेस्ट सीरीज के बाद ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने जाना है। मोहम्मद शमी की गैर मौजूदगी में जसप्रीत बुमराह के बाद भारत के लिए सिराज सबसे अनुभवी गेंदबाज हैं। अच्छी खबर यह है कि वह ज्यादा देर मैदान से बाहर नहीं रहे। बाद में फील्डिंग करने लौट आए।

यशस्वी जायसवाल ने विनोद कांबली के तोड़ दिये 2 रिकॉर्ड

यशस्वी जायसवाल भारतीय धरती पर बांग्लादेश के खिलाफ पहली बार टेस्ट सीरीज खेल रहे हैं और इस सीरीज के पहले मैच की पहली पारी में उन्होंने भारत के लिए अच्छी पारी खेली और टीम के लिए 56 रन का योगदान दिया। यशस्वी का बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट में ये पहला शतक था और अपनी इस पारी के साथ ही उन्होंने पूर्व भारतीय बल्लेबाज विनोद कांबली के दो खास रिकॉर्ड को तोड़ दिया साथ ही दिनेश

कार्तिक और कपिल देव की इस मामले में बराबरी भी कर ली।

17 टेस्ट पारियों के बाद सबसे ज्यादा रन यशस्वी के नाम

टेस्ट क्रिकेट में भारत की तरफ से पहली 17 पारियों के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड अब यशस्वी जायसवाल के नाम दर्ज हो गया। उन्होंने टेस्ट में पहली 17 पारियों में 1084 रन बनाए हैं जबकि विनोद कांबली अब दूसरे नंबर पर आ गए। कांबली के नाम पर पहले ये रिकॉर्ड दर्ज था और उन्होंने 17 पारियों में 1011 रन बनाए थे। तीसरे नंबर पर इस लिस्ट में मयंक अग्रवाल 974 रन के साथ मौजूद हैं जबकि चौथे स्थान पर 956 रन के साथ सुनील गावस्कर मौजूद हैं।

मोदी 3.0 के अगले 100 दिन

15 लाख करोड़ की योजनाएं फिर शुरू होंगी,200 दिन में 30 लाख करोड़ रुपए की योजनाओं की प्लानिंग

नई दिल्ली,20 सितंबर (एजेंसियां)। मोदी 3.0 यानी मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले 100 दिन में 15 लाख करोड़ की योजनाओं की शुरुआत हुई। अब अगले 100 दिन में फिर इतनी ही राशि की योजनाओं की शुरुआत होगी। यानी 200 दिन में 30 लाख करोड़ योजनाओं पर खर्च करने का खाका तैयार किया गया है। पीएमओ के सूत्रों का कहना है, हर मंत्रालय से बड़े पैमाने पर योजनाओं पर खर्च करने को कहा गया है। ज्यादा पैसे इन्फ्रास्ट्रक्चर व किसानों-गरीबों पर खर्च होंगे। हॉस्पिटैलिटी, टूरिज्म, आदिवासी रेल कॉरिडोर, लखपति दीदी, साइबर और मरीन यूनिवर्सिटी की स्थापना, न्यू मेडिकल कॉलेज और तकनीकी एजुकेशन हब जैसी मदों पर भी अगले 100 दिन में बड़े पैमाने पर खर्च होंगे।

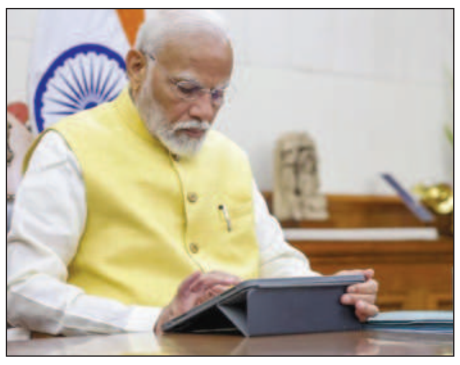

दुबई का 'भारत मार्ट' गेमचेंजर, यहां उद्यमियों को टैक्स नहीं देना होगा

एक सेक्रेटरी का कहना है कि पोर्ट कनेक्टिविटी, नए एयरपोर्ट, ईवी, सेमीकंडक्टर, सड़क, वाटर एयरपोर्ट, एग्रीकल्चर एंड एग्री प्रोडक्ट्स, हेल्थ, एजुकेशन और हॉस्पिटेलिटी सेगमेंट के लिए अगले 100 दिनों में नई घोषणाएं होंगी।

100 दिनों के बाद फिर 100 दिन के लक्ष्य के पीछे मकसद?

सूत्रों के मुताबिक, इसका उद्देश्य तेज आर्थिक विकास और विदेशी इन्वेस्टमेंट को बढ़ावा देना है। दुनियाभर के इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में इन्वेस्टर बड़े निवेश के लिए संभावित जगह तलाश रहे हैं। वे इन्वेस्टमेंट वहीं करना चाहते हैं, जहां विकास कार्य तेजी से चल रहा हो। इसीलिए 100 दिनों में जो 15 हजार करोड़ की योजनाएं शुरू हुई हैं, उसे अगले 100 दिन तक और जारी रखना जरूरी है। पीएमओ से जुड़े एक अधिकारी का कहना है कि सभी मंत्रालयों से कहा गया है कि वे न्यू आइडिया पर काम कर योजना तैयार करें, उसकी मंजूरी लें और काम तेजी से शुरू करें।

नड्डा ने शुरुआती 100 दिन की उपलब्धियां गिनाई

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने शुक्रवार सुबह स्वास्थ्य मंत्रालय के 100 दिनों की उपलब्धियां गिनाईं। इस दौरान उन्होंने कहा- नरेंद्र मोदी अक्टूबर में ऑनलाइन वैक्सीन मैनेजमेंट पोर्टल U-WIN लॉन्च करेंगे।

उन्होंने कहा कि पोर्टल गर्भवती महिलाओं के साथ-साथ जन्म से लेकर 17 साल तक के बच्चों के वैक्सीन और दवाओं डिजिटल रिकॉर्ड बनाए रखने के लिए डेवलप किया गया है। नड्डा ने कहा कि आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) में 70 साल और उससे अधिक आयु के सभी लोग शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि अक्टूबर में लॉन्च होने वाली इस योजना से लगभग 4.5 करोड़ घरों के छह करोड़ बुजुर्गों को लाभ होगा।

शाह ने 100 दिन का रिपोर्ट कार्ड पेश किया

गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार, 17 सितंबर को मोदी सरकार के 100 दिन का रिपोर्ट कार्ड पेश किया।

अमित शाह ने कहा कि सरकार के कार्यकाल के दौरान एक देश एक चुनाव लागू करने की योजना है। साथ ही मणिपुर में शांति के लिए वे मैतेई और कुकी दोनों समुदायों से बात कर रहे हैं। शाह ने कहा- तीसरे कार्यकाल के 100 दिन में मोदी सरकार ने 15 लाख करोड़ की योजनाएं शुरू कीं, टैक्स राहत दी और किसानों के खाते में 3 लाख करोड़ रुपए पहुंचाए। आज देश की आंतरिक और बाहरी सुरक्षा मजबूत है। इकोनॉमी सभी 14 पैमानों पर खरी उतरी है। आज इकोनॉमी में रीढ़ दिखाई देती है।

महाराष्ट्र में राष्ट्रीय 'पीएम विश्वकर्मा' कार्यक्रम के दौरान एक प्रदर्शनी को देखते हुए प्रधानमंत्री मोदी।

त्योहारों से पहले झटका: चार दिन में जरूरी वस्तुओं के दाम 12 % तक बढ़े

आम आदमी को करनी होगी ज्यादा जेब ढीली

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। त्योहारी मौसम शुरू होने से पहले ही आम आदमी को झटका लगना शुरू हो गया है। पिछले चार दिनों में जरूरी वस्तुओं खासकर खाने के तेल की कीमतों में जबरदस्त उछाल आया है। 15 सितंबर से लेकर अब तक इनकी कीमतें 12 फीसदी तक बढ़ गई हैं। ऐसे में आने वाले समय में लोगों को इन पर ज्यादा खर्च करना पड़ सकता है। हालांकि, बुधवार को ही खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने दावा किया कि त्योहारी सीजन में जरूरी खाद्य वस्तुओं की कीमतें नहीं बढ़ेंगी। इनके पर्याप्त भंडार हैं और इससे लोगों को राहत मिलेगी। हालांकि, उनके बयान के एक दिन बाद ही उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के आंकड़े इसे आगे आने वाले समय में झूठा साबित कर सकते हैं। मूंगफली तेल की कीमत पिछले चार दिनों में 180 रुपये से बढ़कर 186 रुपये लीटर हो गई है। यानी तीन फीसदी की तेजी आई है। सरसो का तेल 142 रुपये से महंगा होकर 148 रुपये हो गया है यानी चार फीसदी की वृद्धि आई है। वनस्पति तेल का भाव 122 से बढ़कर 126 रुपये लीटर हो गया है।

सेंसेक्स में 1360 और निफ्टी में 375 अंकों की उछाल के चलते ऑलटाइम हाई पर बंद हुआ भारतीय शेयर बाजार

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। हफ्ते का आखिरी कारोबारी सत्र भारतीय शेयर बाजार के लिए ऐतिहासिक साबित हुआ है. बीएसई सेंसेक्स पहली बार 84000 के आंकड़े को पार चला गया तो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी रिकॉर्ड हाई को छूने में कामयाब रहा है. बैंकिंग, ऑटो, आईटी, एफएमसीजी और एनर्जी स्टॉक्स में देसी निदेशी निवेशकों की खरीदारी के चलते बाजार में ये तेजी देखने को मिली है. मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक्स में रौनक लौट आई. आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 1359 अंकों की उछाल के साथ 84,544 और निफ्टी 375 अंकों के उछाल के साथ 25,790 के ऑलटाइम हाई पर क्लोज हुआ है. शेयर बाजार में आई इस शानदार तेजी के चलते निवेशकों की संपत्ति में 7 लाख करोड़ रुपये के करीब का उछाल देखने को मिला है. बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप 471.97 लाख करोड़ रुपये पर क्लोज हुआ है जो पिछले सत्र में 465.47 लाख करोड़ रुपये पर क्लोज हुआ था. आज के सत्र में निवेशकों की संपत्ति में 6.50 लाख करोड़ रुपये का उछाल देखने को मिला है. आज के ट्रेड में सेंसेक्स के 30 शेयरों में 26 स्टॉक्स तेजी के साथ और 4 गिरकर बंद हुए. जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 43 शेयर तेजी के साथ जबकि 7 गिरकर बंद हुए. बीएसई पर कुल 4059 शेयरों की ट्रेडिंग हुई जिसमें 2442 शेयर तेजी के साथ तो 1501 गिरकर बंद हुए. 116 स्टॉक्स के भाव में कोई बदलाव नहीं देखने को मिला है. तेजी वाले शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा 5.57 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 3.77 फीसदी, जेएसडब्ल्यु स्टील 3.66 फीसदी, एल एंड टी 3.07 फीसदी, भारती एयरेटल 2.84 फीसदी, नेस्ले 2.49 फीसदी, अडानी पोर्ट्स 2.49 फीसदी, एचयूएल 2.09 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 1.99 फीसदी के उछाल के साथ बंद हुआ है. जबकि गिरने वाले शेयरों में एसबीआई 1.07 फीसदी, इंडसइंड बैंक 0.33 फीसदी, टीसीएस 0.27 फीसदी और बजाज फाइनेंस 0.07 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है. आज के कारोबार में सभी सेक्टर्स के शेयर तेजी के साथ बंद हुए. बैंकिंग, एफएमसीजी, ऑटो, आईटी, एनर्जी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और हेल्थकेयर सेक्टर के शेयरों में भारी तेजी देखने को मिली है.

भारत पे विवाद में बढ़ गई अशनीर ग्रोवर की मुश्किल

ईओडब्ल्यू ने इस रिश्तेदार को किया अरेस्ट

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। भारतपे के फाउंडर एवं पूर्व मैनेजिंग डायरेक्टर अशनीर ग्रोवर की मुश्किल बढ़ गई है. भारतपे मामले में अशनीर के एक रिश्तेदार को गिरफ्तार कर लिया गया है. यह गिरफ्तारी भारतपे के फंड्स की कथित हेराफेरी के मामले में की गई है. यह गिरफ्तारी दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा यानी ईओडब्ल्यू ने की है. ऐसा पहली बार हुआ है जब अशनीर ग्रोवर के परिवार के किसी सदस्य को इस मामले में अरेस्ट किया गया है. मनी कंट्रोल में छपी रिपोर्ट के अनुसार दीपक गुप्ता नाम के व्यक्ति की इस मामले में गिरफ्तारी हुई है. उन्हें 19 सितंबर को अरेस्ट किया गया. वह अशनीर की पत्नी माधुरी जैन की बहन के पति हैं. इस मामले में माधुरी ग्रोवर पर भी कई आरोप लगे थे, जिसके बाद उन्हें कंपनी से बर्खास्त कर दिया गया था. मनी कंट्रोल की खबर के मुताबिक दीपक गुप्ता को फिलहाल दिल्ली के मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन में रखा गया है, जहां से उन्हें कोर्ट में पेशी के बाद पुलिस रिमांड में रखने की मांग की जाएगी. उन्हें साकेत कोर्ट की चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट के पास पेश किया जाएगा.भारत पे ने अशनीर ग्रोवर और उनके परिवार के 5 सदस्यों के खिलाफ दिसंबर 2022 में दिल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी. उनमें अशनीर ग्रोवर के

अ ला वा उनकी पत्नी माधुरी जैन ग्रोवर, माधुरी जैन के भाई श्वेतांक जैन, माधुरी के पिता सुरेश जैन और दीपक गुप्ता का नाम शामिल है. इन सभी लोगों पर भारत पे के 81.30 करोड़ रुपये का गबन करने का आरोप लगा है.अशनीर और उनके परिवार के लोगों के खिलाफ भारत पे ने मुकदमा दर्ज करते हुए आरोप लगाया था कि फर्जी ह्यूमन रिसोर्स कंसल्टेंट के नाम पर फर्जी भुगतान और वेंडर्स के गैर जरूरी पेमेंट के जरिए कंपनी के पैसों का गबन किया गया है. भारतपे के अनुसार, कई लोगों के नाम पर फर्जी इनवॉइस बनाकर कंपनी के करोड़ों रुपये इधर-उधर किए गए. दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने मई 2023 में अशनीर और उनके परिवार के खिलाफ केस दर्ज करके मामले की जांच शुरू की थी. पिछले महीने इस मामले में अमित कुमार बंसल नाम के व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया था, जिसके ऊपर 2019 से 2021 के बीच 72 करोड़ रुपये की गड़बड़ी करने का आरोप लगा है. अब अशनीर के परिवार तक गिरफ्तारी की आंच पहुंचने लगी है.

अब 'लालटेन' से तय नहीं होगी देश की जीडीपी, होने वाला है ये बड़ा बदलाव

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। किसी भी देश की जीडीपी के आंकड़े ये दिखाते हैं कि उस देश की इकोनॉमी कितनी तेज गति से ग्रोथ कर रही है. देश की इकोनॉमिक ग्रोथ का पैमाना जीडीपी ही होता है. अब जल्द ही भारत की इकोनॉमी उड़ान भरने वाली है, क्योंकि भारत की जीडीपी में बड़ा बदलाव हो सकता है. इस बदलाव के बाद देश की जीडीपी एकदम हाई रेट पर नजर आ सकती है. वहीं इसका एक कनेक्शन 'लालटेन' से भी है. दरअसल भारत सरकार देश में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की गणना के आधार वर्ष (बेस ईयर) को 2011-12 से बदलकर 2022-23 करने पर विचार कर रही है. एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से ये खबर दी है.

लंबे समय के बाद होने जा रहा बदलाव

जीडीपी की गणना को लेकर बेस ईयर में ये बदलाव करीब एक दशक में पहली बार होने जा रहा है.जीडीपी के बेस ईयर को आखिरी बार वित्त वर्ष 2011-12 में संशोधित किया गया था. सूत्रों का कहना है कि भारतीय अर्थव्यवस्था की सटीक तस्वीर पेश करने के लिए ही सरकार आधार वर्ष को बदलकर 2022-23 करने पर विचार कर रही है.

सांख्यिकी मंत्रालय दे सकता है सुझाव

जीडीपी कैलकुलेशन के बेस ईयर को बदलने का सुझाव सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से आ सकता

है. उसकी तरफ से इस संबंध में एक प्रस्ताव राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी सलाहकार समिति (एसीएनएएस) को भेजा जा सकता है. विश्वनाथ गोल्डर की अध्यक्षता में गठित 26 सदस्यीय सलाहकार समिति इस काम को वर्ष 2026 की शुरुआत तक पूरा कर सकती है.

'लालटेन' से तय नहीं होगी देश की जीडीपी

सरकार फरवरी 2026 में जीडीपी कैलकुलेशन के लिए नए आधार वर्ष का ऐलान कर सकती है. नई गणना में लालटेन, वीसीआर, रिकॉर्डर जैसी कुछ वस्तुओं को हटा दिया जाएगा और स्मार्ट घड़ियों, फोन और प्रोसेस्ड फूड जैसे नए बदलावों को शामिल जाएगा. इसके अलावा नए स्रोत के तौर पर जीएसटी आंकड़ों को भी रखा जा सकता है. सरकार अर्थव्यवस्था के असंगठित क्षेत्रों की बेहतर और सटीक तस्वीर को सामने लाने के लिए सांख्यिकीय प्रणाली में सुधार के कई उपाय कर रही है. सूत्रों ने कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 में देश में जनजातियों की जीवन स्थिति, अखिल भारतीय स्तर पर कर्ज की स्थिति और निवेश सर्वे इत्यादि भी किए जाएंगे.

सोने ने लगाई रिकॉर्ड छलांग

तेजी के बाद अब कितने हो गए दाम, आगे कैसी रहेगी चाल?

नई दिल्ली,20 सितंबर (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया है। अमेरिका के फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में 0.50 फीसदी की कटौती की घोषणा की है। इसके बाद सोने की कीमतें आसमान छू रही हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 2,575 डॉलर प्रति औंस के पार चला गया, जो नया रिकॉर्ड है। भारतीय बाजार में भी इसका असर पड़ा। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का अक्टूबर वायदा 73,502 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। यह पिछले दिन की तुलना में 0.09% या 64 रुपये की तेजी दर्शाता है। चांदी का दिसंबर वायदा भी 90,055 रुपये प्रति किलोग्राम पर सपाट खुला, जो 0.1% या 87 रुपये की तेजी को दर्शाता है। पिछले दो दिनों में सोने की कीमतों में 450 रुपये प्रति ग्राम और चांदी की कीमतों में लगभग 1,800 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी देखने को मिली है। हाजिर में गुरुवार को दिल्ली के सराफा में सोना 100 रुपये की तेजी के साथ 75,650 रुपये प्रति 10 ग्राम पर

बंद हुआ था। बुधवार को 99.9 फीसदी शुद्धता वाला सोना 75,550 रुपये प्रति 10 ग्राम पर

अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्यों आई तेजी?

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 2,587 डॉलर प्रति औंस के आसपास कारोबार कर रहा है। अमेरिका में अच्छी नौकरियों के आंकड़े और फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में कटौती के बाद सोने की कीमतों में तेजी आई है। एक समय तो सोना 2,600 डॉलर प्रति औंस के पार भी निकल गया था।

कैसी रहेगी आगे की चाल?

सोने की कीमतों में तेजी के पीछे कई कारण हैं। इनमें केंद्रीय बैंकों और निवेशकों की ओर से सोने की मजबूत मांग, मध्य पूर्व और यूक्रेन में भू-राजनीतिक तनाव शामिल हैं। अमेरिका में घरों की बिक्री के आंकड़े उम्मीद से कमजोर रहे हैं।

सीमेंट इंडस्ट्री का किंग बनने जा रहा अडानी ग्रुप

अब इस बड़ी कंपनी को खरीदने की है तैयारी

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। अडानी ग्रुप सीमेंट इंडस्ट्री की किंग बनने के लिए हरसंभव कोशिश कर रही है. एक के बाद एक सीमेंट कंपनी अक्वायर करने के बाद अब ग्रुप की नजर आईटीडी सीमेंटेशन इंडिया पर है. रिपोर्ट्स की मानें तो ग्रुप जल्द 46.64 प्रतिशत प्रमोटर हिस्सेदारी हासिल कर सकता है, क्योंकि वह इस रेस में सबसे आगे निकल गया है. इस कदम से इंफ्रास्ट्रक्चर समूह की इन-हाउस सिविल इंजीनियरिंग विशेषज्ञता को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है. अगर अधिग्रहण हो जाता है तो इसका मूल्य 5,888.57 करोड़ रुपए (लगभग 700 मिलियन डॉलर) होगा, जिसमें प्रमोटर हिस्सेदारी खरीद के बाद पूरी तरह से सब्सक्राइब ओपन ऑफर शामिल है.

इस डील से अडानी ग्रुप को मिलेगा ये फायदा

यह सौदा अडानी समूह के इंफ्रास्ट्रक्चर पोर्टफोलियो को मजबूत करेगा, जिसमें पहले से ही हवाईअड्डे, राजमार्ग, बंदरगाह, बिजली संयंत्र और रियल एस्टेट सहित कई क्षेत्र शामिल हैं. इस अधिग्रहण के साथ, समूह अपनी इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) क्षमताओं को और बढ़ाएगा,

जिससे इसे अपनी चल रही परियोजनाओं में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिलेगी. इकनोमिक टाइम्स के अनुसार, दोनों पक्षों ने कथित तौर पर इस सप्ताह की शुरुआत में एक समझौता किया है और जल्द ही एक औपचारिक घोषणा की उम्मीद है. आईटीडी सीमेंटेशन इंडिया आईटीडी सीमेंटेशन इंडिया की एक समृद्ध विरासत है जो स्वतंत्रता-पूर्व भारत से जुड़ी है. यह मूल रूप से यूके में स्थित एक ईपीसी (इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण) कंपनी है. पिछले कुछ वर्षों में, कंपनी ने कई बार स्वामित्व बदला है, लेकिन यह भारत के सिविल इंजीनियरिंग और निर्माण परिदृश्य में एक प्रमुख खिलाड़ी बनी हुई है.

सिविल इंफ्रास्ट्रक्चर में अडानी ग्रुप का बढ़ेगा दबदबा

अडानी समूह के लिए आईटीडी सीमेंटेशन में एक बड़ी हिस्सेदारी हासिल करना सिविल इंफ्रास्ट्रक्चर में एक रणनीतिक विस्तार का प्रतिनिधित्व करता है, जो बड़े पैमाने की परियोजनाओं पर इसके मौजूदा फोकस को पूरक बनाता है. समूह के मौजूदा पोर्टफोलियो में हवाई अड्डों और राजमार्गों से लेकर नवीकरणीय ऊर्जा और रियल एस्टेट तक की कई बुनियादी ढांचा परियोजनाएं शामिल हैं. आईटीडी सीमेंटेशन की इंजीनियरिंग क्षमताओं को शामिल करके, अडानी संभावित रूप से अपनी परियोजनाओं को अधिक कुशलता से निष्पादित कर सकता है **और बाहरी ठेकेदारों पर निर्भरता कम कर सकता है.**

आईटीडी सीमेंटेशन का अधिग्रहण समूह की आक्रामक विकास रणनीति के अनुरूप है. अडानी जैविक और अकार्बनिक दोनों तरीकों से विभिन्न क्षेत्रों, विशेष रूप से सीमेंट और बुनियादी ढांचे में अपनी उपस्थिति का तेजी से विस्तार कर रहा है. बता दें कि जून में अडानी एंटरप्राइजेज की 32वीं वार्षिक आम बैठक में अध्यक्ष गौतम अडानी ने भारत में उभर रहे बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे के अवसरों का लाभ उठाने के लिए समूह की तत्परता पर जोर दिया.

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -शरद
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426875
सूर्योदय - 06-08
सूर्यास्त. -18-09
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कन्या मे	कन्या..	05-53 बजे
चंद्र-	मेष मे	तुला...	08-00 बजे
मंगल	मिथुन मे	वृश्चिक	10-09 बजे
बुध-	सिंह मे	धनु-	12-22 बजे
गुरु-	वृष मे	मकर...	14-25 बजे
शुक्र-	तुला मे	कुंभ--	16-20 बजे
शनि-	कुंभ मे	मीन-	17-57 बजे
राहु-	मीन मे	मेष---	18-33 बजे
केतु-	कन्या मे	वृष---	21-18 बजे
		मिथुन	23-18 बजे
		कर्क--	01-32 बजे
		सिंह---	03-46 बजे

दिशाशूल	-- पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि-	चतुर्थी 18-14 तक उपरान्त पंचमी
मास -	आश्विन कृष्ण , शनिवार 21 September
नक्षत्र -	भरणी 00 -35 तक कृत्तिका
योग -	व्याघात 11-36 तक उप हर्षण
करण-	बव 07-41 तक उप बालव
विशेष:-	चतुर्थी व्रत,चौथ का व्रत
व्रत -त्योहार -	चतुर्थी श्राद्ध

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 09:07 से 10:38 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल.	06:06 - 07:37	अशुभ	लाभ	18:09 - 19:41	शुभ
शुभ.	07:37 - 09:07	शुभ	उत्पात	19:41 - 21:10	अशुभ
रोग.	09:07 - 10:38	अशुभ	शुभ.	21:10 - 22:40	शुभ
उत्पात	10:38 - 12:09	अशुभ	अमृत	22:40 - 00:09	शुभ
चंचल.	12:09 - 13:40	शुभ	चंचल	00:09 - 01:38	शुभ
लाभ.	13:40 - 15:10	शुभ	रोग	01:38 - 03:08	अशुभ
अमृत.	15:10 - 16:41	शुभ	काल.	03:08 - 04:37	अशुभ
काल.	16:41 - 18:09	अशुभ	लाभ.	04:37 - 06:06	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
अगर आप अपना समय और ऊर्जा गरीब और कम सुविधा प्राप्त बच्चों को शिक्षा देने में लगायेंगे तो आपको बहुत ख़ुशी मिलेगी । अपना कुछ सामन किसी जरूरतमंद को दे दें । आपकी वित्तीय स्थिति अच्छी है ,आप पैसे से भी किसी की मदद कर सकते हैं । आप नए लोगों से जल्दी ही परिचय भी कर लेते हैं और सबकी जरूरतों का ध्यान रखने के कारण आपकी लोकप्रियता भी है ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
दिन के आगे बढने के साथ चिंता भी बढ़ेगी । लेकिन लक्ष्य प्राप्त करने तक हिम्मत ना छोड़ें । हारना या जीतना नही,आपके प्रयास सबसे अधिक महत्वपूर्ण हैं । आपने निरंतर प्रयास किये हैं ,लेकिन अभी इन्हें बनाये रखना होगा । समस्याओं की तह तक जाने की कोशिश करें ताकि इन्हें हमेशा के लिए ख़तम कर सकें ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आप उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं और आज आपको इसके लिए कई अच्छी संस्थाओं से प्रस्ताव भी मिलेंगे । छात्रवृति भी मिल सकती है । कोई आपका फायदा उठाने की ताक में है, प्रारम्भिक व्यवस्था करते हुए और सूचनाएं एकत्र करने में सावधान रहें । आप एक साथ आराम और सुरक्षा दोनों के बारे में सोच रहे हैं।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज का दिन आपके लिए विशेष रूप से अच्छा है । आप अपना कुछ नया शुरू कर सकते हैं ,काफी समय लेने वाला अपना कोई अधूरा काम पूरा कर सकते हैं ,या कोई ऐसा काम जिसे आप लम्बे समय से टाल रहे हैं,को भी शुरू कर सकते हैं । आज शाम खेल और मौज मस्ती के नाम रहेगी । अपने नए-पुराने दोस्तों के साथ समय बितायें और मजे करें । खरीदारी में विशेष आनंद आएगा ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
दिन की शुरुआत उलझन से होगी । आज कोई आध्यात्मिक प्रवृति वाला व्यक्ति आपके बचाव में आयेगा,आपका मार्गदर्शन करेगा । आप उसकी नेक सलाह मान सकते हैं । आज किसी तीर्थ की यात्रा भी कर सकते हैं । दोपहर बाद दिन अच्छा गुजरेगा,दोस्तों के साथ समय बीतेगा ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आप अपने गुस्से के कारण तुरंत प्रतिक्रिया देने के मूड में हैं । लेकिन आपके लिए सुझाव यह है कि अपने दिमाग को शांत रखकर गंभीरता से सोचें । आपके पास अच्छी संचार-कुशलता है और इसे अपने लाभ के लिए इस्तेमाल करें । तनाव घटाने के लिए,किसी साहसिक यात्रा पर जा सकते हैं लेकिन शारीरिक आनंद के चक्कर में न पड़ें ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज आपसे अत्यधिक काम की अपेक्षा की जायेगी ,आप कुछ भी किस्मत के भरोसे या कोई छोटा सा भी काम किसी और के भरोसे नही छोड़ सकते । हालाँकि दिन के अंत में कोई बहुत अच्छी खबर मिलेगी जो आपके प्रयासों की सफलता से सम्बंधित होगी। आज आप ऊर्जा से भरे और बिलकुल तनावरहित महसूस कर रहे हैं ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
अगर आप आज रसोईघर में बनने वाले खाने के बारे में सोच रहे हैं तो बिलकुल सही सोच रहे हैं।आज आपको कोई विशेष पकवान खाने को मिल सकता है। अपनी सेहत का ध्यान रखें और साफ़ सफाई बनाये रखें ।आपके मित्र के को हुई ग़लतफ़हमी आज दूर हो सकती है ।अप्रत्याशित श्रोतों से आय होने की भी संभावना है ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
पिछला घटनाक्रम कुछ ऐसा रहा है कि आपका आत्मविश्वास डगमगा गया है, इसके चलते आज कोई भी काम ख़ुशी से और संतोषजनक ढंग से पूरा नही हो पायेगा । कोई ऐसा भी मिलेगा जिसकी नकारात्मक टिप्पणियों से आप और भी निराश महसूस करेंगे,लेकिन चिंता ना करें,यह अस्थायी चरण है और आप जल्दी ही अपना आत्मविश्वास वापस पा लेंगे ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आपको आज बहुत सारी चीजों से जुड़े अपने वादों को निभाना है । अपनी सामजिक,वित्तीय तथा निजी जिम्मेदारियों को निभाने के लिए तैयार रहें ।आपके परिजनों ,दोस्तों और सहकर्मियों ,सभी को आपसे मदद की अपेक्षा रहेगी और आप इस दबाव को सह पाने में बिलकुल समर्थ हैं । आज अपने शब्दों और कामों,दोनों ही तरीको से लोगों की मदद करेंगे ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
नकारात्मकता से भरे छली लोगों से दूर रहें | ये आपको भी नकारात्मक बनाकर असफल कर देने की कोशिश में हैं जबकि आप अपनी मंजिल के बहुत करीब हो । शांति के लिए आज अपना अधिकतर समय परिवार के साथ घर पर बिताएं और सारा बाकी काम पूरा कर लें । कुछ मीठी यादें सहेजने के लिए अपने कमरे में उनका फोटो लगा दें ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आपकी भीतरी शक्ति आपको एक साथ कई स्तरों पर सोचने की क्षमता देगी |आप किसी भी मुद्दे की तह तक जा पायेंगे । अपने दोस्तों –साथियों का भी सही मूल्याकन कर पायेगे । जहाँ तर्कशक्ति से बात ना बने,अपने मन की आवाज सुनें । अपनी छिपी क्षमता को बाहर लाने का यह उत्तम समय है । विवादों से बचें,वे बाद में समस्या पैदा कर सकते हैं।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

तिरुपति के लड्डू में गोमांस का कौन है महापापी

खास जानकारी

तिरुपति में हर दिन बांटे जाते हैं 3 लाख लड्डू

620 रसोइए हर दिन लड्डू बनाने में लगते हैं

500 किलो घी का होता है बनाने में इस्तेमाल

लड्डू में मिला बीफ टैलो और लार्ड क्या है?

अंग्रेजों ने भी चर्बी वाले कारतूस से की थी सनातन धर्म को भ्रष्ट करने की कोशिश

तिरुपति, 20 सितंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। विश्व प्रसिद्ध तिरुपति बालाजी के मंदिर में लड्डू बनाने में गोमांस, मछली का तेल और पशुओं की चर्बी के इस्तेमाल की बात सामने आने पर सनसनी मच गई है। सत्तारूढ़ तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के प्रमुख और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री ने यह दावा किया था। उनकी पार्टी ने कहा है कि गुजरात स्थित पशुधन प्रयोगशाला में इस मिलावट की पुष्टि की गई है। नायडू ने आरोप लगाया था कि पिछली वाईएसआरसीपी सरकार ने पवित्र मिठाई तिरुपति लड्डू बनाने में घटिया सामग्री और पशु चर्बी का इस्तेमाल किया था।

टीडीपी ने आरोप लगाया है कि जब आंध्र प्रदेश में वायएसआर कांग्रेस पार्टी की सरकार थी तो उस वक्त मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी थे। तब इस समिति ने मंदिर के प्रसाद के लड्डुओं में खराब और मिलावटी घी का इस्तेमाल किया। हालांकि, वाईएसआरसीपी ने इससे इनकार किया है। वहीं, उप मुख्यमंत्री पवन कल्याण ने इस मामले में जांच कराने का भरोसा देते हुए नेशनल लेवल पर एक सनातन धर्म रक्षा बोर्ड बनाए जाने की वकालत की है। क्या है पूरा मामला, रिपोर्ट में क्या है और तिरुपति मंदिर कितना दौलतमंद है। इसका अंग्रेजी राज से कनेक्शन की पडताल करती रिपोर्ट।

क्या है बीफ टैलो और लार्ड, जिस पर हो रहा बड़ा विवाद

लड्डू में गोमांस के कथित इस्तेमाल को लेकर यह विवाद हो रहा है। इसमें गोमांस, दुम, पसलियों से हासिल फैट से घी बनाए जाने की बात सामने आई है, जिससे लड्डू तैयार किए जाते हैं। लैब रिपोर्ट में इनसे बने घी में मछली के तेल और पशुओं की चर्बी के भी इस्तेमाल किए जाने की बात कही गई है। इन चीजों से बने घी को ठंडा किए जाने पर नरम मक्खन जैसा हो जाता है।

गाय बीमार हो या कुपोषित हो तो भी आ सकते हैं ऐसे रिजल्ट्स

टीडीपी प्रवक्ता अनम वेंकट रमण रेड्डी ने एक संवाददाता सम्मेलन में कथित प्रयोगशाला रिपोर्ट दिखाई, जिसमें दिए गए घी के नमूने में गोमांस की चर्बी की मौजूदगी की पुष्टि की गई थी। इस रिपोर्ट में लार्ड यानी सुअर की चर्बी और मछली के तेल की मौजूदगी का भी दावा किया गया है। नमूने लेने की तारीख नौ जुलाई, 2024 थी और प्रयोगशाला रिपोर्ट 16 जुलाई की थी। इस रिपोर्ट में ये भी लिखा है कि अगर गाय बीमार हो, अगर गाय को वेजिटेबल ऑयल्स और पाम ऑयल दिया गया हो या कुछ केमिकल्स दिए गए हों या गाय कुपोषित हो, तब भी ऐसी स्थिति में फाल्स पॉजिटिव रिजल्ट्स आ सकते हैं और इनके कारण गाय के घी में जानवरों की चर्बी और उनके फैट के अंश पहुंच सकते हैं।

आंध्र सरकार करती है वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर की देखरेख

आंध्र प्रदेश सरकार या तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी), जो प्रसिद्ध श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर का प्रबंधन करता है, की ओर से हालांकि प्रयोगशाला रिपोर्ट पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई। जिस लैब में यह जांच की गई है, वह सीएएलएफ (पशुधन एवं खाद्य विश्लेषण एवं अध्ययन केंद्र) गुजरात के आनंद में स्थित राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड की एक प्रयोगशाला है।

ब्लैकलिस्टेड कॉन्ट्रैक्टर से क्यों खरीदा जा रहा था घी

बड़ा सवाल यह भी उठ रहा है कि ब्लैकलिस्टेड कॉन्ट्रैक्टर से घी क्यों मंगवाए जा रहे थे। टीटीडी के सूत्रों ने कहा कि जहां गाय का घी ब्लैकलिस्टेड ठेकेदार से 320 रुपए प्रति किलोग्राम के हिसाब से खरीदा जाता था। अब तिरुपति ट्रस्ट कर्नाटक महासंघ से 475 रुपए प्रति किलोग्राम के हिसाब से घी खरीद रहा है।

तिरुपति भगवान कुल 13 हजार किलो सोने के मालिक

तिरुपति देवस्थानम के एक रिकॉर्ड के अनुसार, भगवान बालाजी के नाम पर कई बैंकों में 11,225 किलो सोना रखा गया है, जो उन्हें श्रद्धालुओं से चढ़ावे में मिला है। इसके अलावा मंदिर में सभी देवों पर सोने की आभूषण चढ़ाए गए हैं, जिनका वजन 1088.2 किलो है। वहीं, चांदी के गहनों का कुल वजन 9071.85 किलो है। भगवान बालाजी के पास 6,000 एकड़ की जंगल भूमि है।

75 जगहों पर 7,636 एकड़ की अचल संपत्ति है। यही नहीं, उनके पास 1,226 एकड़ की खेतिहर भूमि है और 6409 एकड़ गैर कृषि जमीन है। तिरुपति से जुड़े देशभर में 535 संपत्तियां और 71 मंदिर हैं, जिनमें से 159 को लीज पर दिया गया है। इनसे सालाना 4 करोड़ की इनकम होती है। इतनी ही कमाई उसे मंडपम को लीज पर देने से होती है। श्रद्धालुओं से हर साल 1,021 करोड़ रुपए चंदे के रूप में मिलते हैं।

2022 के आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि तिरुमाला में भगवान बालाजी की हुंडी की सालाना इनकम 1,400 करोड़ रुपए है। वहीं, यह कमाई सचिन तेंदुलकर की सालाना इनकम 1,300 करोड़ रुपए और विराट कोहली की सालाना इनकम करीब 1,000 करोड़ रुपए से ज्यादा है।

310 साल हो चुकी है तिरुपति लड्डू की उम्र

हर एक का पसंदीदा तिरुपति लड्डू की उम्र 310 साल की हो चुकी है। तिरुपति का लड्डू जीआई टैग भी प्राप्त कर चुका है। यह लड्डू दुनिया के सबसे अमीर भगवान वेंकटेश्वर का प्रसाद है। इसे श्री वारी लड्डू के नाम से भी जाना जाता है। तिरुपति लड्डू को बनाने के लिए आटा, तेल, चीनी, घी, सूखे मेवे और इलायची जैसी सामग्री इस्तेमाल की जाती है।

लड्डूओं से सालाना 500 करोड़ की कमाई, रोज 3 लाख बंटते हैं

टीटीडी तिरुमाला में हर दिन लगभग 3 लाख लड्डू तैयार करता है और श्रद्धालुओं को बांटता है। अकेले लड्डू की बिक्री से ट्रस्ट को हर साल करीब 500 करोड़ रुपए की कमाई होती है। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम लड्डू पोटू में एक दिन में औसतन 3 लाख लड्डू तैयार करता है। मौजूदा वक्त में पोटू की क्षमता प्रतिदिन 8 लाख लड्डू बनाने की है।

620 रसोइए मिलकर बनाते हैं तीन लाख लड्डू

लडडू पोटू में लडडू बनाने के लिए करीब 620 रसोइए काम करते हैं। इन्हें पोटू कर्मीकुलु कहा जाता है। लगभग 150 पोटू श्रमिक नियमित कर्मचारी हैं, जबकि 350 से अधिक अनुबंध के आधार पर काम करते हैं। उनमें से 247 मुख्य रसोइए हैं।

प्रोक्तम, अस्थानम और कल्याणोत्सवम लड्डू बनते हैं

पोटू में तीन तरह के प्रोक्तम, अस्थानम और कल्याणोत्सवम लड्डू बनाए जाते हैं। प्रोक्तम लड्डू मंदिर में आने वाले सभी आम तीर्थयात्रियों को नियमित रूप से बांटा जाता है। यह आकार में छोटा है और इसका वजन 60-75 ग्राम है। ये लड्डू बड़ी संख्या में तैयार किये जाते हैं। वहीं, अस्थानम लड्डू केवल विशेष उत्सव पर ही बनाया जाता है। यह आकार में बड़ा है और इसका वजन 750 ग्राम है। इसे अधिक काजू, बादाम और केसर से तैयार किया जाता है। वहीं, कल्याणोत्सवम लड्डू कुछ खास पर्व पर हिस्सा लेने वाले श्रद्धालुओं को ही बांटा जाता है। आमतौर पर इन लड्डुओं की शेल्फ लाइफ लगभग 15 दिनों की है।

दित्तम यानी इस्तेमाल की जाने वाली सामग्री की सूची

तिरुपति लड्डू बनाने में इस्तेमाल की जाने वाली सामग्री और उसके अनुपात की सूची को दित्तम कहा जाता है। लड्डुओं की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए दित्तम के इतिहास में छह बार बदलाव किए गए। फिलहाल सामग्री में बेसन, काजू, इलायची, घी, चीनी, मिश्री और किशमिश का इस्तेमाल होता है। हर दिन लगभग 10 टन बेसन, 10 टन चीनी, 700 किलो काजू, 150 किलो इलायची, 300 से 500 लीटर घी, 500 किलो मिश्री और 540 किलो किशमिश से ये लड्डू बनाए जाते हैं। टीटीडी सालाना टेंडर जारी करके इन्हें खरीदता है।

गाय की चर्बी लगे कारतूसों से भड़का पहला स्वतंत्रता संग्राम

जनवरी, 1857 ई. से ब्रिटिश सेना में 'नई एनफील्ड राइफल' का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। इसमें गाय और सूअर की चर्बी वाले कारतूसों का प्रयोग होता था। भारतीय सैनिकों को इन कारतूसों का इस्तेमाल करने से पहले मुंह से काटना पड़ता था। माना जाता है कि यह भारत की हिंदू-मुस्लिम जनता के बीच बांटों और राज करो की नीति का प्रयोग था। 29 मार्च, 1857 को तत्कालीन कलकत्ता के 34-नेटिव इन्फैंट्री बैरकपुर के सैनिक मंगल पांडे के नेतृत्व में कुछ सैनिकों ने बगावत करते हुए इन कारतूसों के इस्तेमाल से मना कर दिया। उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ पहली गोली चला दी।

उस समय मंगल पांडे ने अपनी रेजिमेंट का कोट तो पहन रखा था लेकिन पतलून की जगह उन्होंने धोती पहनी हुई थी। वो नंगे पैर थे और उनके पास एक भरी हुई बंदूक थी। उन्होंने चिल्ला कर सैनिकों से कहा, फिरंगी यहां पर हैं। तुम तैयार क्यों नहीं हो रहे हो? इन गोलियों को काटने भर से हम धर्मभ्रष्ट हो जाएंगे। धर्म की खातिर उठ खड़े हो। तुमने मुझे ये सब करने के लिए उकसा तो दिया लेकिन अब तुम मेरा साथ नहीं दे रहे हो। मंगल पांडे को इन कारतूसों के बारे में पहले ही भनक लग गई थी। बैरकपुर छावनी के परेड ग्राउंड पर लेफ्टिनेंट बीएच बो पहुंचे तो मंगल पांडे ने उनके घोड़े के पैर पर गोली मार दी। आखिरकार छोटी सी झड़प के बाद मंगल पांडे को गिरफ्तार कर लिया गया और 8 अप्रैल को सरेआम उन्हें फांसी दे दी गई।

अमेरिकी खजाने से तीन गुना सोना भारत के मंदिरों में

भारत में मंदिरों के खजाने में इतना सोना है कि वो अमेरिकी सरकार के खजाने से भी तीन गुना ज्यादा है। मंदिरों में भगवान को सोना इतना पसंद है कि पद्मनाभ स्वामी मंदिर, तिरुपति बालाजी मंदिर, जगन्नाथ मंदिर, वैष्णो देवी मंदिर जैसे मंदिरों में 4000 टन सोना रखा है। यह आंकड़ा वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल का है। भारत का गोल्ड रिजर्व भले ही 800 टन से ज्यादा हो, मगर हम भारतीयों को भी सोना इतना भाता है कि 25 हजार टन से ज्यादा सोना हम सहेजकर रखे हुए हैं। यह दुनिया में सबसे ज्यादा गोल्ड रिजर्व रखने वाले अमेरिका के 8,965 टन का करीब तीन गुना है।

भारत में तीर्थाटन पर 4.74 लाख करोड़ खर्च

भारत में मंदिरों में भगवान का दर्शन करने का चलन परंपरा और आध्यात्मिकता से इतना जुड़ा है कि हर साल 4.74 लाख करोड़ रुपए तो सिर्फ तीर्थाटन या धार्मिक यात्राओं पर ही लोग खर्च कर देते हैं। नेशनल सैंपल सर्वे ऑफिस के आंकड़ों के अनुसार, भारत की टेंपल इकोनॉमी करीब 3.02 लाख करोड़ रुपए की हो चुकी है, जो देश की कुल विकास दी यानी जीडीपी का 2.32 फीसदी है।

गोमती सरगुजा और लता बनीं बस्तर विकास-प्राधिकरण की उपाध्यक्ष

खुशवंत अनुसूचित जाति और चंद्राकर बने पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष

रायपुर, 20 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ सरकार ने सरगुजा विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष गोमती साय को बनाया है। वहीं अनुसूचित जाति प्राधिकरण के उपाध्यक्ष गुरु खुशवंत साहेब बनाए गए हैं। लता उसेंडी को बस्तर विकास प्राधिकरण का उपाध्यक्ष बनाया गया। सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से इसे लेकर आदेश जारी किया गया है।

इसके अलावा मरवाही विधायक प्रणव मरपच्ची को मध्य क्षेत्र का उपाध्यक्ष, दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर को पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरण का उपाध्यक्ष बनाया गया है। माना जा रहा है कि अन्य नियुक्तियों को लेकर भी आदेश शुक्रवार शाम तक जारी हो सकते हैं।

अमूमन क्षेत्र और वर्गों के विकास प्राधिकरण में विधायकों को जगह मिलती है। जातिगत समीकरणों में गोमती और खुशवंत के फिट बैठने का दोनों को ही फायदा मिला। बीजेपी से पत्थलगांव की विधायक गोमती साय 45 साल की हैं। गोमती ने 12वीं तक पढ़ाई की है। पिछली बार लोकसभा सांसद रह चुकी हैं। सरगुजा संभाग की बीजेपी की मजबूत महिला नेता हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष बनकर राजनीतिक करियर शुरू किया था। आदिवासी कंवर समाज में अच्छी पकड़ रखती हैं।

35 साल के खुशवंत साहेब ग्रेजुएट हैं। सतनामी समाज के धर्मगुरु बाल दास के बेटे हैं । विधानसभा चुनाव से पहले ही भाजपा ज्वाइन की थी। आरंग क्षेत्र में कांग्रेस के पूर्व मंत्री को चुनाव हराने में कामयाब रहे। सतनामी समाज में भारतीय जनता पार्टी अपनी पैठ मजबूत करना चाहती है, इसका फायदा खुशवंत को मिला है।

छत्तीसगढ़ में सीआरपीएफ जवान ने की खुदकुशी

फांसी पर लटकी मिली लाश पुलवामा में थी पोस्टिंग; 22 दिन में 6 जवानों ने किया सुसाइड

धमतरी, 20 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में सीआरपीएफ के एक जवान ने पत्नी से विवाद के बाद खुदकुशी कर ली। बताया जा रहा है कि जवान की लाश घर पर फंदे पर लटकती मिली है। प्रदेश में 22 दिन के अंदर 6 जवान सुसाइड कर चुके हैं। मामला अर्जुनी थाना के ग्राम देमार का है।

मिली जानकारी के मुताबिक मृत जवान का नाम सुरेश सोनवानी (35) है, जो देमार गांव का रहने वाला था। सीआरपीएफ जवान एक महीने की छुट्टी में घर आया था। गुरुवार को घर पर कोई नहीं था। जवान की मां सामाजिक बैठक में दूसरे गांव गई हुई थी। इसी बीच सुरेश सोनवानी ने फांसी लगा ली।

सीआरपीएफ जवान की मां ने बताया कि सामाजिक बैठक से वह दूसरे दिन घर आई। इस दौरान कमरा अंदर से बंद था। दरवाजा खटखटाने पर कोई आवाज नहीं आ रही थी। आसपास के लोगों को बुलवाकर दरवाजा तोड़ा गया। अंदर घुसकर देखे तो सुरेश फंदे पर लटकता मिला। परिजन और स्थानीय लोगों ने फौरन इसकी जानकारी पुलिस को दी। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा है। बताया जा रहा है कि कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

अर्जुनी थाना के एएसआई उत्तम निषाद ने बताया कि सीआरपीएफ जवान सुरेश सोनवानी की पोस्टिंग जम्मू कश्मीर के पुलवामा में थी। पिछले 3 साल से उसकी पत्नी विवाद के बाद मायके में रह रही थी। उसका एक 7 साल का बच्चा भी है।

छुट्टी में आने के बाद पत्नी को मनाकर फिर घर लाया था, लेकिन 20 दिन पहले फिर दोनों में विवाद हो गया। बताया जा रहा है कि पत्नी अपने बच्चे को लेकर मायके चली गई। इसके बाद जवान परेशान रहने लगा था। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अमेरिका में दिए बयान पर राहुल गांधी पर एफआईआर

भाजपा बोली- सिख धर्म के प्रतीक पगड़ी-कड़ा पर टिप्पणी अमर्यादित; समाज की भावनाएं आहत

रायपुर, 20 सितंबर (एजेंसियां)। रायपुर के सिविल लाइन थाने और सरगुजा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर एफआईआर दर्ज की गई है। भाजपा नेताओं की शिकायत है कि अमेरिका दौरे के दौरान राहुल गांधी के बयान से सिख समाज की भावनाएं आहत हुई हैं।

संजय श्रीवास्तव के मुताबिक पगड़ी और कड़ा सिख धर्म का प्रतीक है, इस पर टिप्पणी करना अमर्यादित है। वे जिस प्रकार की भाषा बोल रहे हैं, वो देश में जाति, धर्म, भाषा और क्षेत्र के आधार पर विभाजनकारी है।

प्रदेश के सभी 5 संभाग में भाजपा नेताओं ने गुरुवार को थाने का घेराव कर राहुल गांधी पर एफआईआर की मांग की। हालांकि, रायपुर और सरगुजा को छोड़कर अन्य थानों में एफआईआर दर्ज नहीं हुई। रायपुर में सिख समुदाय के लोगों के साथ भाजपा नेता थाने पहुंचे थे।

भाजपा प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव के मुताबिक विदेश प्रवास के दौरान उन विदेशी ताकतों के प्रतिनिधियों से राहुल गांधी का भेंट करना आपत्तिजनक है। जो भारत में राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक अस्थिरता पैदा करके भारत को नुकसान पहुंचाने में लगे हुए हैं।

अमेरिका में राहुल ने कहा था, भारत में सिख समुदाय के बीच इस बात की चिंता है कि उन्हें पगड़ी, कड़ा पहनने की इजाजत दी जाएगी या नहीं? क्या वे गुरुद्वारे जा सकेंगे? ये चिंता सिर्फ सिखों की नहीं बल्कि सभी धर्मों के लिए है।

देश सबका है ये बीजेपी नहीं मानती। बीजेपी को समझ में नहीं आता कि यह देश सबका है। भारत एक संघ है। संविधान में साफ लिखा है। भारत एक संघ राज्य है, जिसमें विभिन्न इतिहास, परंपराएं, संगीत और नृत्य शामिल हैं। बीजेपी कहती है कि ये संघ नहीं है, ये अलग है।

बहू-बेटियों को घुसपैठियों के हाथों बर्बाद करने वालों को बाहर करना है

साहेबगंज/गिरिडीह, 20 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने झारखंड के साहिबगंज से परिवर्तन यात्रा की शुरुआत की। जिले के पुलिस लाइन मैदान से सभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि आज यहां से झारखंड के 2024 के चुनाव के लिए भाजपा की परिवर्तन यात्रा का शुभारंभ हो रहा है। ये परिवर्तन यात्रा आने वाले दिनों में गांव-गांव में जाएगी, घर-घर तक पहुंचेगी।

इस दौरान शाह ने झारखंड की हेमंत सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचारियों की सरकार हटाकर परिवर्तन करना है। उन्होंने कहा कि बहू-बेटियों को घुसपैठियों के हाथों बर्बाद करने वालों को बाहर करना है।

शाह ने कहा हेमंत सरकार जनकल्याण की जगह घुसपैठियां कल्याण अपनाया है। हेमंत सरकार ने एक भी वादा पूरा नहीं किया है। झारखंड में सभी एग्जाम के पेपर लीक हो रहे हैं। हमारी सरकारी आएगी तो पेपर लीक करने वालों को उल्टा लटका कर सीधा करेंगे। इससे पहले शाह ने भोगनाडीह में वीर सिद्धो कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी। शाह सबसे पहले देवघर पहुंचे यहां से वो सेना के हेलिकॉप्टर से वो साहिबगंज पहुंचे थे।

उत्पाद सिपाही बहाली दौड़ में एक और मौत

दौड़ने के बाद गिरिडीह के विरंची की फूलने लगी सांस, प्रशासन ने पहुंचाया अस्पताल, डॉक्टर ने बताया मृत

गिरिडीह, 20 सितंबर (एजेंसियां)। गिरिडीह में उत्पाद सिपाही बहाली की दौड़ में एक अभ्यर्थी की मौत हो गई है। वहीं छह अन्य उम्मीदवारों का सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है। मृतक उम्मीदवार का नाम धनवार प्रखंड के गादी विरंची राय है। उसकी मौत आज सुबह हुई है।

घटना के बाद मृतक के भाई चंदन राय ने बताया कि विरंची राय उत्पाद सिपाही की दौड़ में शामिल होने के लिए गिरिडीह के पपरवाटांड़ आया था। शुक्रवार की सुबह वह दौड़ में शामिल भी हुआ था। दौड़ के दौरान उसने 1800 मीटर पूरा भी कर ली थी। इसके बाद उसकी हालत बिगड़ी।

दौड़ के बाद अचानक उसकी सांस फूलने लगी। तबीयत बिगड़ने के बाद उसे प्रशासन के द्वारा आनन-फानन में सदर अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने आरोप लगाया है कि जहां दौड़ हो रही है, वहां मेडिकल व्यवस्था पर्याप्त नहीं था। जिस लापरवाही के कारण उसकी मौत हो गई। इसके अलावा दौड़ के दौरान 6 अन्य उम्मीदवारों की भी तबीयत बिगड़ गई है। जिन्हें सदर अस्पताल में लाकर भर्ती गया है, जहां सभी का इलाज चल रहा है। सदर अस्पताल में जिनका इलाज चल रहा है वह हजारीबाग के खुशनवाज आलम, निमियाघाट के संतोष कुमार, सरिया के राजकुमार सिंह, पश्चिमी सिंघभूम के धर्म दास, कोडरमा के त्रिभुवन यादव और रामगढ़ के बबलू बेदीया शामिल है। इधर, घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

झारखंड हाईकोर्ट में घुसपैठ मामले पर सुनवाई पूरी

रांची, 20 सितंबर (एजेंसियां)। घुसपैठ के मामले को लेकर झारखंड हाईकोर्ट में चल रही याचिका पर दोनों पक्षों की सुनवाई पूरी हो चुकी है। अदालत ने फैसले को सुरक्षित रख लिया है। फैसला सुनाने की तारीख अभी तय नहीं हुई है। आज सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजीव रंजन के साथ वर्चुअल मोड में सुप्रीम कोर्ट के सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल शामिल हुए। सुनवाई के दौरान उन्होंने अदालत से कहा कि केंद्र सरकार की ओर से इससे संबंधित कोई आंकड़ा शपथ पत्र के माध्यम से नहीं दिया गया है। अदालत में उनकी ओर से यह भी जानकारी दी गई कि इस तरह का एक मामला सुप्रीम कोर्ट में भी चल रहा है।

सरकार की ओर से पक्ष रखते हुए कहा कपिल सिब्बल ने कहा कि इस याचिका का इस्तेमाल पॉलिटिकल एजेंडा के रूप में हो रहा है। राज्य में आने वाले कुछ महीने में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में इस विषय को मुद्दा बनाया जा रहा है। इस पर केंद्र सरकार का पक्ष रख रहे सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया जनरल तुषार मेहता ने अदालत से कहा कि केंद्र अदालत में घुसपैठ से संबंधित आंकड़े प्रस्तुत कर चुका है। केंद्र की ओर से बताया गया है कि संथाल परगना के जिलों में किस तरह से आदिवासियों की संख्या में कमी आई है। उन्होंने बताया कि अंतिम जनसंख्या के आधार पर तैयार आंकड़े कोर्ट में दिए गए हैं।

पलामू में दादा ने पोते की गला दबाकर की हत्या

दूध लेने निकला था बच्चा, आहर के पानी में मिला शव, आरोपी की पुलिस कर रही तलाश

पलामू, 20 सितंबर (एजेंसियां)। पलामू जिले के हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के ऊपरी कला गांव के टोला होल्या से एक हृदयविदारक घटना सामने आई है, जहां एक दादा ने अपने 8 वर्षीय पोते शुभम कुमार की बेरहमी से गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी दादा ने शव को आहर के पानी में मिट्टी के नीचे दबा दिया। घटना के बाद से आरोपी दादा कपिलदेव सिंह फरार है और पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

घटना गुरुवार शाम की बताई जा रही है। बच्चे के माता-पिता से मिली जानकारी के अनुसार वह शाम में गांव में ही प्रमोद सिंह के घर दूध लेने गया था। रास्ते में पड़ने वाले आहर के पास उसके दादा कपिलदेव सिंह बैठे हुए थे। दादा ने शुभम को भी वहां बैठा लिया था। शाम छह बजे तक शुभम घर नहीं लौटा तब खोजबीन करने पर आहर में उसका साइकिल मिला।

साइकिल देख शुभम की मां और ग्रामीण आहर में शुभम की खोज करने लगे। कुछ देर के बाद किनारे पर ही मिट्टी में दबा हुआ शुभम का शव मिला। उसे निकाल कर तत्काल अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद पहुंचाया गया। वहां चिकित्सकों ने उसे मृत बताया।

हुसैनाबाद थाना प्रभारी संजय कुमार यादव सूचना मिलने पर अस्पताल पहुंच कर उपस्थित लोगों से जानकारी ली। शुक्रवार की सुबह बच्चे के शव का पोस्टमॉर्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस ने गांव में पहुंच कर घटना स्थल का निरीक्षण किया व परिजनों का बयान दर्ज किया है।

शुभम की मां खुशबू देवी ने पुलिस को बताया कि उनके ससुर कपिल देव सिंह तीन दिनों से आहार के पास बैठ रहते थे। उन्होंने बेरहमी से गला दबाकर शुभम की हत्या कर शव को आहार में फेक दिया।इस संबंध में हुसैनाबाद थाना प्रभारी संजय कुमार यादव ने बताया कि मामले संबंधित लोगों का बयान दर्ज कर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

विधायक के नाम पर अधीक्षिका से 1 लाख की डिमांड

छत्तीसगढ़ में वॉर्डन बोलीं- ज्यादा पैसे दे रहा उसे रख लो; दिया इस्तीफा

जगदलपुर, 20 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में बस्तर और दंतेवाड़ा जिले की सरहद पर स्थित बागमुंडी पनेड़ा गांव की कन्या आश्रम शाला की अधीक्षिका से एमएलए के नाम पर 1 लाख रुपए की डिमांड की गई है। एक शख्स ने उन्हें कॉल कर कहा कि एमएलए ने पैसे मांगे हैं। पैसे तो देने पड़ेंगे। वहीं अधीक्षिका ने कहा कि मैं इतने पैसे नहीं दे पाऊंगी। जो ज्यादा पैसे दे रहा है उसे अधीक्षिका के पद पर रख लो। अधीक्षिका सुखमति सोरी और एक शख्स के बीच फोन पर हुई बातचीत का ऑडियो क्लिप वायरल हो रहा है। इसी दबाव के चलते अधीक्षिका ने करीब सप्ताहभर पहले पद से इस्तीफा दे दिया था। महिला की पोस्टिंग बास्तानार क्षेत्र में है यहां के विधायक विनायक गोयल हैं, जो भाजपा से जीतकर आए हैं। वायरल ऑडियो में सामने वाला शख्स कौन है फिलहाल ये अभी स्पष्ट नहीं है।

इस साल भारत में होना था क्वाड शिखर सम्मेलन, फिर अमेरिका क्यों कर रहा मेजबानी, अब भारत में कब होगा आयोजन?

वॉशिंगटन, 20 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 सितंबर से अमेरिका का तीन दिवसीय दौरा करेंगे। इस दौरान वे वार्षिक 'क्वाड' शिखर बैठक में शामिल होंगे और संयुक्त राष्ट्र महासभा में 'समिट ऑफ द फ्यूचर' को संबोधित करेंगे। विदेश मंत्रालय ने बताया कि पीएम मोदी 22 सितंबर को न्यूयॉर्क में भारतीय समुदाय के लोगों को भी संबोधित करेंगे। इससे पहले वे 21 सितंबर को डेलवेयर के विलमिंगटन में 'क्वाड लीडर्स समिट' में शामिल होंगे, जिसकी मेजबानी अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन करेंगे।

ऐसा पहली बार होगा जब अमेरिका के राष्ट्रपति अपने गृहनगर विलमिंगटन में क्वाड शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेंगे। इसमें आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज और उनके जापानी समकक्ष फुमियो किशिदा भी शामिल होंगे। इस साल क्वाड शिखर बैठक की मेजबानी करने की बारी भारत की थी, लेकिन अमेरिका के अनुरोध के बाद अब भारत अगले साल शिखर बैठक की मेजबानी करेगा।

इस साल भारत क्यों नहीं कर रहा मेजबानी?

नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल में ईस्ट एशिया और ओशिनिया की वरिष्ठ निदेशक मीरा रैप हूपर ने कहा, 'हमें उम्मीद है कि अगले साल क्वाड शिखर सम्मेलन भारत में होगा। जब हम इस साल के क्वाड शिखर सम्मेलन की योजना बना रहे थे, तो भारत को इसकी मेजबानी करनी थी, लेकिन जब हमने इन चारों नेताओं के कार्यक्रम देखे, तो हमें यह बात और भी स्पष्ट हो गई कि यह सुनिश्चित करने का सबसे अच्छा तरीका है कि वे मिलें और इन चर्चाओं के लिए उनके पास समय हो, इस सप्ताहांत अमेरिका में। इसलिए प्रधानमंत्री मोदी ने हमारे साथ मेजबानी वर्ष बदलने पर सहमति जताई और हमें उम्मीद है कि अगले साल क्वाड के सभी चारों नेता भारत में मिलेंगे।

उन्होंने कहा, 'जब बात भारत से अपेक्षित भूमिका की आती है, तो हम उम्मीद करते हैं और वास्तव में क्वाड के भीतर भारत को एक नेता के रूप में देखते हैं। भारत की भूमिका के बारे में हम जिस तरह से सोचते हैं, उसका सबसे अच्छा सार हमारी इंडो-पैसिफिक रणनीति में समाहित है, जहां हम कहते हैं कि अमेरिका भारत की तलाश करता है, जो इस क्षेत्र में तेजी से अग्रणी बन रहा है और अमेरिका के साथ तेजी से भागीदार बन रहा है। क्वाड एक आदर्श स्थल रहा है, जिसके माध्यम से हम साथ मिलकर काम कर सकते हैं। यह हमें उन अवसरों और प्राथमिकताओं की पहचान करने की अनुमति देता है जो न केवल अमेरिका या उसके पारंपरिक सहयोगियों के लिए मायने रखते हैं जैसे कि आस्ट्रेलिया और जापान, लेकिन जो वास्तव में भारत के लिए महत्वपूर्ण हैं।

इस बार का पीएम मोदी का कार्यक्रम

इस बार के अमेरिका दौरे पर पीएम मोदी 21 सितंबर को डेलवेयर के विलमिंगटन में 'क्वाड लीडर्स समिट' में शामिल होंगे। पीएम मोदी 22 सितंबर को न्यूयॉर्क में भारतीय समुदाय के लोगों को भी संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा में 23 सितंबर को 'समिट ऑफ द फ्यूचर' को संबोधित करेंगे। इसमें विभिन्न देशों के नेता एक मंच पर आएंगे और इस बात पर नई अंतरराष्ट्रीय सहमति बनाएंगे कि कैसे वर्तमान को बेहतर और भविष्य को सुरक्षित बनाया जाए।

प्रधानमंत्री विश्व के कई नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगे और परस्पर हितों के मुद्दों पर चर्चा करेंगे। न्यूयॉर्क में पीएम मोदी दोनों देशों के बीच व्यापक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए अग्रणी अमेरिकी कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) के साथ बातचीत भी करेंगे।

मालदीव को फिर दी बड़ी आर्थिक मदद, विदेश मंत्री मूसा जमीर भारत की दरियादिली के हुए मुरीद

माले, 20 सितंबर (एजेंसियां)। भारत ने एक बार फिर मालदीव की सरकार को बड़ी आर्थिक मदद देते हुए पांच करोड़ डॉलर के ट्रेजरी बिल को एक साल के लिए बढ़ा दिया है। मालदीव सरकार की अपील पर भारत ने यह कदम उठाया। मालदीव में भारतीय उच्चायुक्त ने गुरुवार को यह जानकारी दी। उच्चायोग की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि 'मालदीव सरकार की अपील पर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने मालदीव के वित्त मंत्रालय की तरफ से जारी ट्रेजरी बिल्स की मैच्योरिटी एक साल के लिए बढ़ा दी है। पहले इनकी मैच्योरिटी 19 सितंबर को होनी थी।'

इस साल में मालदीव को दूसरी आर्थिक मदद

गौरतलब है कि मई में भी मालदीव सरकार के विशेष अनुरोध पर पांच करोड़ डॉलर के ट्रेजरी बिल के पहले रोलओवर को मंजूरी दी थी। इस तरह इस साल यह भारत सरकार का मालदीव के लिए दूसरा रोलओवर है। भारतीय उच्चायोग ने मालदीव को भारत का प्रमुख पड़ोसी और भारत की 'पड़ोसी पहले' नीति के तहत महत्वपूर्ण साझेदार बताया। उच्चायोग ने कहा कि भारत ने जरूरत के समय में मालदीव की सहायता की है और ट्रेजरी बिल का एक साल के लिए रोलओवर बढ़ाना मालदीव के लोगों और वहां की सरकार के लिए भारत के निरंतर समर्थन को दर्शाता है।

मालदीव के विदेश मंत्री ने की भारत की तारीफ

भारत की घोषणा पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मालदीव के विदेश मंत्री मूसा ज़मीर ने भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर के प्रति आभार जताया और कहा है कि 'भारत सरकार की घोषणा मालदीव और भारत के बीच दोस्ती के स्थायी संबंध को प्रदर्शित करती है। सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा किए गए एक पोस्ट में ज़मीर ने कहा, 'मालदीव को पांच करोड़ अमेरिकी डॉलर के ट्रेजरी बिल के रोलओवर के रूप में महत्वपूर्ण बजटीय सहायता प्रदान करने के लिए विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और भारत सरकार का हार्दिक आभार। यह उदार भाव मालदीव और भारत के बीच दोस्ती के स्थायी बंधन को दर्शाता है।'मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज़्ज़ू के पदभार ग्रहण करने के बाद से ही मालदीव और भारत के संबंधों में काफी उतार-चढ़ाव देखा गया है। मुइज्जू ने अपने शपथग्रहण के कुछ समय बाद ही मालदीव से भारतीय सैनिकों को निकालने का अल्टीमेटम दे दिया था। हालांकि हाल के समय में मुइज्जू सरकार के रुख में नरमी आई है और उसने भारत के साथ अपने विवाद को सुलझाने की कोशिश की है। हाल के समय में मुइज्जू कई बार भारत का दौरा कर चुके हैं। वहीं बीते दिनों भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी मालदीव का दौरा किया था।

इस्राइल ने ऐसे बनाया पेजर को आधुनिक युग का ट्रोजन हॉर्स, धीरे से किए बड़े धमाके

लेबनान, 20 सितंबर (एजेंसियां)। हिजबुल्लाह का गढ़ कहे जाने वाले लेबनान में दो दिनों में पेजर और वायरलेस जैसे छोटे डिवाइसों में हुए विस्फोटों ने अफरातफरी मचा दी है। राजधानी बेरूत के दक्षिणी उपनगरों और बेका घाटी में हुए इन विस्फोटों में हिजबुल्लाह के कारिंदों सहित दर्जनों लोग मारे गए और हजारों घायल हो गए। रक्षा और खुफिया अधिकारी मानते हैं कि इस्राइल सरकार ने विस्फोट करने वाले इन उपकरणों के साथ छेड़छाड़ नहीं की, लेकिन उसने इन्हें एक गहरी चाल के तहत बनाया। यह वैसा ही था जैसे यूनानी पौराणिक कथाओं में घोड़े की एक खोखली लकड़ी की मूर्ति में ट्रॉय में घुसने के लिए यूनानियों ने उसमें खुद को छिपाया लिया था। इस वजह से इस हमले को ट्रोजन हॉर्स नाम दिया जा रहा है। लेबनान में मंगलवार दोपहर 3:30 बजे हिजबुल्लाह कार्यकर्ताओं के पेजर बजने लगे। वे घंटियों, धुनों और भिनभिनाने की इस आवाज को अपने नेतृत्व की तरफ से आ रहा संदेश समझ सतर्क हो गए, लेकिन ये उन्हें भरमाने के लिए उनके कट्टर दुश्मन इस्राइल की चाल थी।

इस्राइल की उन्नत तकनीक के जबाव में हिजबुल्लाह का पेजर

हिजबुल्लाह जैसा ईरानी समर्थित समूह लंबे वक्त से उन्नत तकनीकों वाले इस्राइली हमलों के लिए संवेदनशील रहा है। इस्राइल के लेबनान में वरिष्ठ हिजबुल्लाह कमांडो को मारने के बाद उसके नेता इस नतीजे पर पहुंचे कि यदि इस्राइल उन्नत तकनीक अपना रहा था, तो हिजबुल्लाह निम्न तकनीक अपनाएगा। घबराए हिजबुल्लाह प्रमुख नेता हसन नसरल्लाह ने फरवरी में सार्वजनिक तौर पर सेल फोन को इस्राइल का एजेंट बताते हुए अपने लोगों से सेलफोन को दफनाने, लोहे के बक्से में डालकर बंद कर देने को कहा। वे वर्षों से हिजबुल्लाह पर पेजर में निवेश करने का दबाव बना रहे थे, क्योंकि पेजर अपनी सीमित क्षमताओं के बावजूद उपयोगकर्ता की जगह नहीं बताता।

दो मोर्चों पर युद्ध लड़ रहा इस्राइल

इस्राइल अब फलस्तीन के गाजा पट्टी में हमास के साथ-साथ ही उसके सहयोगी हिजबुल्लाह से भी युद्ध कर रहा है। पिछले साल सात अक्तूबर को हमास ने अचानक इस्राइल में घुसकर हमला कर बड़ी संख्या में नरसंहार किया था। जवाबी कार्रवाई में इस्राइल ने हमला किया। इस बीच, लेबनान का संगठन हिजबुल्लाह ने भी गत दिनों इस्राइल पर मिसाइल और ड्रोन से हमला किया। पिछले 11 महीने से हिज्बुल्लाह और इस्राइल के बीच जंग जैसी स्थिति है। उधर इस्राइली रक्षा मंत्री ने कहा है कि यह युद्ध का प्रथम चरण है। इसके बाद अभी और चरणों में युद्ध लड़ा जाएगा। हम शत्रुओं को छोड़ेंगे नहीं।

हिज्बुल्ला ने उत्तरी इस्राइल पर दागीं 140 मिसाइलें, भारी नुकसान की आशंका

यरूशलम, 20 सितंबर (एजेंसियां)। इस्राइल और लेबनान के बीच लगातार तनाव बढ़ता जा रहा है। शुक्रवार को लेबनान समर्थित हिज्बुल्ला ने उत्तरी इस्राइल में एक के बाद एक 3 हमलों को अंजाम दिया है। इन तीन हमलों नें हिज्बुल्ला आतंकियों ने करीब 140 मिसाइलें दागीं। अभी तक इन हमलों में हुए नुकसान का पता नहीं चल सका है।

इससे पहले लेबनान में पेजर और वायरलेस जैसी छोटी डिवाइसों के जरिए सैंकड़ों लोगों को निशाना बनाने के बाद इस्राइल ने गुरुवार देर हिजबुल्ला के ठिकानों को निशाना बनाकर हवाई हमले कर दिए। सेना ने बताया लड़ाकू विमानों ने बमबारी करके उन सैकड़ों रॉकेट लॉन्चर बैरलों को नष्ट कर दिया, जिन्हे इस्राइल की ओर दागा जाना था।

इस्राइली रक्षा बल (आईडीएफ) ने कहा कि लड़ाकू विमानों ने दोपहर से लेकर देर रात तक करीब 100 रॉकेट लॉन्चरों पर हमला किया, जिनमें लगभग एक हजार बैरल थे। आईडीएफ का कहना है कि, वह अपने देश की रक्षा के लिए हिज्बुल्ला आतंकवादी संगठन के बुनियादी ढांचे और क्षमताओं को नष्ट करने के लिए हमला करना जारी रखेगा।

ईसाई महिला के खिलाफ दर्ज हुआ ईशनिंदा का मामला कोर्ट ने दी सजा-ए-मौत, भारी जुर्माना भी लगाया

ईशनिंदा कानून का शिकार हुई एक और ईसाई महिला, अदालत ने सुनाई मौत की सजा

इस्लामाबाद, 20 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान में एक विशेष अदालत ने ईशनिंदा मामले में एक महिला को मौत की सजा दी है। बीते बृहस्पतिवार को कोर्ट में यह फैसला सुनाया गया। दोषी पाई गई महिला ईसाई है। उसने सितंबर 2020 में व्हाट्सएप ग्रुप में इस्लाम के पैगंबर के बारे में आपत्तिजनक चीजें शेयर की थी। जिसके आरोप में महिला को सजा सुनाई गई है। हालांकि कोर्ट ने कहा है कि जब तक इस फैसले पर हाई कोर्ट मंजूरी नहीं दे देता तब तक इस आदेश को अमल में नहीं लाया जाएगा।

इस्लामाबाद की एक विशेष अदालत के जज अफजल माजुका ने ईसाई महिला को पाकिस्तान की धारा 295 सी के तहत दोषी पाया गया। इस धारा के तहत जज ने महिला ने मौत की सजा सुनाई। कोर्ट ने इसके साथ ही महिला शौगात पर तीन लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। पाकिस्तान में ईसाई महिला को मौत की सजा सुनाने का यह पहला मामला नहीं है।

मौत की सजा पाने वाली दूसरी ईसाई महिला

पाकिस्तान इलेक्ट्रॉनिक क्राइम अधिनियम (पीईसीए) की धारा 11 के तहत महिला को सात साल जेल की सजा के साथ और 1,00,000 रुपये का जुर्माना लगाया। जज ने अपने आदेश में यह भी कहा कि दोषी को 30 दिन के भीतर इस फैसले के खिलाफ हाई कोर्ट में अपील दायर करने का अधिकार है। विशेष कोर्ट के जज ने कहा कि हाई कोर्ट के फैसले के बाद ही सजा को अमल में लाया जाएगा। मुसलमानों के पैगंबर मोहम्मद और इस्लाम धर्म के अपमान के मामले में मृत्युदंड पाने वाली सौगात दूसरी ईसाई महिला हैं। इससे पहले आसिया बीबी नाम की महिला को पैगंबर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में मौत की सजा सुनाई गई थी। सजा मिलने के बाद वह आठ साल जेल में बंद रहीं। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश आसिफ सईद खोसा की अध्यक्षता वाली पीठ ने उन्हें अक्टूबर 2018 में बरी कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट से बरी होने के बाद बीबी अपने परिवार के साथ कनाडा चली गईं।

ब्राजील में 'एक्स' को लेकर फिर बवाल, प्रतिबंध के बाद अचानक करने लगा काम

ब्रासिलिया, 20 सितंबर (एजेंसियां)। ब्राजील में उस समय बवाल मच गया जब प्रतिबंध लगा सोशल मीडिया मंच एक्स काम करने लगा। दरअसल, मोबाइल फोन पर बुधवार को एक्स अचानक से काम करने लगा। इससे यहां की सरकार आगबबूला हो गई और दिग्गज कारोबारी एलन मस्क को खूब खरीखोटी सुनाई। सरकार की फटकार के बाद गुरुवार को एक्स की सर्विस फिर से पूरी तरह से बंद कर दी गई। यहां तक कि टेस्ला के सीईओ को सफाई भी देनी पड़ी।

गौरतलब है, दुनिया के सबसे लोकप्रिय सोशल नेटवर्क में से एक एक्स को पांचवीं सबसे बड़ी डिजिटल आबादी वाले देश ब्राजील में प्रतिबंध किया जा चुका है। ब्राजील के लोग एक्स प्लेटफॉर्म को एक्सेस नहीं कर सकते हैं और अगर वे इसके लिए वीपीएन आदि का इस्तेमाल करते हैं, तो उन्हें भारी जुर्माने का भी सामना करना पड़ सकता है।

प्रतिबंध लगाने के बाद भी बुधवार को फोन एप पर एक्स चलने लगा। इस पर सरकार ने सख्ती दिखाई। उसने इस कदम को निलंबन का जानबूझकर उल्लंघन माना। इस पर एक्स ने सफाई दी कि उसकी सेवा की वापसी अनजाने में हुई थी और यह अस्थायी थी।

एक्स के मालिक को बताया अड़ियल

इंटरनेट की सेवा देने वाले एक संगठन एबीआरआईएनटी ने कहा कि स्थानीय समयानुसार शाम चार बजे से ठीक पहले एक बार फिर एक्स को बंद कर दिया गया। वहीं, न्यायाधीश एलेक्जेंडर डी मोरेस ने गुरुवार को एक्स के मालिक को अड़ियल बताया। साथ ही राज्य दूरसंचार एजेंसी एनाटेल को एक बार फिर नेटवर्क तक पहुंच को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने का आदेश दिया। इंटरनेट प्रदाताओं ने बताया कि फोन एप्लीकेशन ऑटोमेटिक अपडेट हो गया था, जिसके बाद बुधवार को एक्स फिर से काम करने लगा था। नए सॉफ्टवेयर ने एप को क्लाउडफ्लेयर नामक सेवा के माध्यम से लगातार बदलते पहचान वाले आईपी पते का उपयोग करने की अनुमति दी, जिससे इसे ब्लॉक करना कठिन हो गया।

एनाटेल ने लगाया बड़ा आरोप

एबीआरआईएनटी ने गुरुवार को कहा कि एक्स ने अब क्लाउडफ्लेयर का उपयोग करना बंद कर दिया है। जबकि एक्स ने कहा कि सेवा की बहाली अनजाने में की गई थी। इसके अलावा, एनाटेल ने आरोप लगाया कि कंपनी ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश को दरकिनार करने के लिए जानबूझकर ऐसा किया था।

'हम उनसे मिलने के लिए उत्सुक', अमेरिका में पीएम मोदी का बेसब्री से इंतजार

वॉशिंगटन, 20 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 से 23 सितंबर तक अमेरिका के दौरे पर रहेंगे। पीएम मोदी यहां क्वॉड शिखर सम्मेलन में शामिल होने वाले हैं। दरअसल, इस साल क्वॉड शिखर सम्मेलन की मेजबानी अमेरिका कर रहा है। इस दौरान पीएम मोदी कई विदेशी साझेदारों से बातचीत करेंगे। वह अमेरिका में भारतीय समुदाय के सदस्यों से भी मिलेंगे। पीएम मोदी के अमेरिकी दौरे पर वहां रह रहे भारतीय प्रवासियों ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बताया कि वे पीएम मोदी से मिलने के लिए बहुत उत्सुक हैं। बच्चों से लेकर बुढ़ों तक सभी पीएम मोदी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

अमेरिका में भारतीय प्रवासी के सदस्य प्रकाश शांतिलाल पटेल ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा, ₹हम पीएम मोदी से मिलने के लिए बहुत उत्सुक हैं। वे देश के बेहतरीन प्रधानमंत्रियों में से एक हैं और पूरी दुनिया में मशहूर हैं। इसलिए हम उत्सुक हैं। गुजराती समुदाय के पांच से दस हजार लोग उनसे मिलना चाहते हैं। अगर हमें मौका मिला तो हम उनसे बात करना चाहेंगे।

भारतीय प्रवासी का बच्चा आरव वर्मा ने कहा, मैं पीएम मोदी को देखने के लिए बहुत उत्सुक हूं। मैं उनसे मिलने के लिए इंतजार नहीं कर सकता। उन्होंने देश के लिए बहुत अच्छे काम किए। वे मेरे पसंदीदी नेताओं में से एक हैं।

न्यूयॉर्क में भारतीय प्रवासी के सदस्य भी पीएम मोदी से मिलने के लिए बहुत उत्सुक हैं। भारतीय प्रवासी की सदस्य मधुलिका ने पीएम मोदी का अमेरिका में स्वागत करते हुए कहा, नमस्ते मोदी जी। आपका अमेरिका और न्यूयॉर्क में स्वागत है। आपने भारत के लोगों के लिए जो भी महत्वपूर्ण कार्य किए, उसके लिए आपका धन्यवाद। हम इतने दूर बैठ हैं, लेकिन फिर भी हमें उनपर गर्व है। गर्व करना कम बात नहीं है। मैं अपनी आने वाली पीढ़ियों, अपने परिवार और दोस्तों को शिक्षित करना चाहती हूं और मैं उन्हें आप जैसे महान नेता के बारे में बताना चाहती हूं। आपने हमारे लिए जो भी कुछ किया, उसके लिए आपका धन्यवाद। पीएम मोदी को अपना पसंदीदा नेता बताते हुए अमेरिका निवासी विधि ने कहा, हम उनसे मिलने के लिए उत्सुक हैं। मुझे लगता है कि वह मेरे सर्वकालिक पसंदीदा नेता हैं। मैं अपने परिवार के साथ उनसे मिलने जाऊंगी।

पीएम मोदी 22 सितंबर को भारतीय प्रवासियों से मुलाकात करेंगे। अमेरिका दौरे के दौरान पीएम मोदी क्वॉड शिखर सम्मेलन में शामिल होने के साथ समिट ऑफ द फ्यूचर को भी संबोधित करेंगे। 24 हजार से अधिक भारतीय-अमेरिकियों ने 22 सितंबर को लॉन्ग आइलैंड के नासाउ वेटरंस मेमोरियल कोलिजियम में पीएम मोदी के कार्यक्रम में शामिल होने कि लिए पंजीकरण कराया।

बता दें कि यहां केवल 15 हजार लोगों के बैठने की क्षमता है। इस कार्यक्रम का शीर्षक है मोदी और अमेरिका प्रगति एक साथ। भारत 2025 में अगले क्वाड नेताओं के शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा।

क्या डोनाल्ड ट्रंप पर भारी पड़ेंगी कमला हैरिस? बहस के बाद अधिकतर सर्वे में पूर्व राष्ट्रपति से आगे निकलीं

वॉशिंगटन, 20 सितंबर (एजेंसियां)। कुछ समय पहले तक डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति पद की रेस में आगे चल रहे थे, लेकिन कमला हैरिस के रेस में शामिल होने के बाद हालात बदल गए हैं। अब ताजा सर्वे में पता चला है कि कमला हैरिस, डोनाल्ड ट्रंप पर भारी पड़ रही हैं। हाल ही में कमला हैरिस और डोनाल्ड ट्रंप के बीच राष्ट्रपति पद की बहस हुई थी, जिसमें भी कमला हैरिस का प्रदर्शन बेहतर था। अब बहस के बाद हुए विभिन्न सर्वे में कमला हैरिस को डोनाल्ड ट्रंप से आगे बताया गया है।

राष्ट्रपति पद की बहस के बाद बढ़ी कमला हैरिस की लोकप्रियता

10 सितंबर को दोनों उम्मीदवारों के बीच राष्ट्रपति पद की बहस हुई थी। विभिन्न सर्वेक्षणों में बताया गया कि इस बहस में कमला हैरिस, डोनाल्ड ट्रंप पर भारी पड़ीं थी। अब उनके बेहतर प्रदर्शन का असर ये हुआ है कि उनकी लोकप्रियता में भी उछाल आया है। रायटर्स/इप्सोस के पोल के अनुसार, 11-19 सितंबर के बीच हुए पोल में कमला हैरिस को 47 प्रतिशत लोगों ने समर्थन दिया है। वहीं डोनाल्ड ट्रंप को 42 प्रतिशत लोगों का समर्थन मिला है। इकोनोमिस्ट/यूगोव पोल के अनुसार भी कमला हैरिस, ट्रंप से चार प्रतिशत पॉइंट से आगे हैं।

राष्ट्रपति पद की बहस से पहले कमला हैरिस और डोनाल्ड ट्रंप के बीच सिर्फ दो प्रतिशत पॉइंट का ही अंतर था, लेकिन अब यह अंतर बढ़कर 4-5 प्रतिशत हो गया है। खास बात ये है कि अधिकतर सर्वेक्षणों में कमला हैरिस को ही आगे दिखाया गया है। रियल क्लियर पॉलिटिक्स के सर्वेक्षण के अनुसार, कमला हैरिस को बहस से पहले अपने 78 वर्षीय प्रतिद्वंद्वी ट्रंप पर 1.4 अंकों की बढ़त थी, अब 19 सितंबर तक यह बढ़कर दो प्रतिशत हो गई है। पोलिंग एग्रीगेटर फाइव थर्टी एइट के अनुसार, डेमोक्रेट उम्मीदवार हैरिस की बढ़त अब लगभग तीन प्रतिशत अंकों से आगे है, जो बहस से पहले दो अंक था। सिल्वर बुलेटिन ने भी यह कहा कि हैरिस अब ट्रम्प से तीन अंकों से आगे चल रही हैं।

वैश्विक स्तर पर 39 अफगान दूतावासों पर तालिबान का नियंत्रण

तेहरान, 20 सितंबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान पर कब्जा करने और पिछली पश्चिमी देशों से समर्थित सरकार के पतन के तीन वर्ष बाद तालिबान प्रशासन का नियंत्रण वैश्विक स्तर पर 39 अफगानिस्तानी दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों पर हो गया है। किसी भी अंतरराष्ट्रीय सरकार ने औपचारिक रूप से तालिबान प्रशासन को मान्यता नहीं दी है। हालांकि, चीन और यूएई ने अपनी राजधानियों में उसके राजदूतों को स्वीकार कर लिया है।

कई सरकारों, विशेष रूप से अमेरिका सहित पश्चिमी देशों ने कहा है कि तालिबान की किसी भी औपचारिक मान्यता का रास्ता तब तक अटका रहेगा जब तक कि वे महिलाओं के अधिकारों पर अपना रुख नहीं बदलते। उन्हें लड़कियों व महिलाओं के लिए हाईस्कूल और विश्वविद्यालय फिर से खोलने और उन्हें पूरी आजादी देने की कार्रवाई तक यह मान्यता नहीं मिलेगी।

'सुरक्षा परिषद में आज की दुनिया दिखनी चाहिए' पूर्व यूएन प्रमुख ने किया भारत का समर्थन

वॉशिंगटन, 20 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने आगामी अमेरिका दौरे पर संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में भी शिरकत करेंगे। संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक और पीएम मोदी के संबोधन को लेकर संयुक्त राष्ट्र की पूर्व अध्यक्ष मारिया फर्नांडा एस्पिनोसा ने कहा कि मुझे बताया गया है कि 130 देशों के राष्ट्राध्यक्ष सम्मेलन में शामिल होंगे। इससे सम्मेलन की राजनीतिक अहमियत का पता चलता है। सम्मेलन में विभिन्न राष्ट्राध्यक्ष संयुक्त राष्ट्र 2.0 की परिकल्पना और जरूरी सुधारों के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

संयुक्त राष्ट्र में बदलाव का किया समर्थन

एस्पिनोसा ने कहा कि 'यह केवल सुरक्षा परिषद नहीं है, बल्कि यह शांति और सुरक्षा वास्तुकला, शांति के लिए नए एजेंडे, महासभा के पुनरोद्धार, अंतरिक्ष और पर्यावरण एजेंडे और जलवायु परिवर्तन की भूमिका के बारे में सोचना है, जो मूल संयुक्त राष्ट्र चार्टर से अनुपस्थित था। यह आज विकासशील देशों की जरूरतों का जवाब देने के लिए अंतरराष्ट्रीय वित्तीय वास्तुकला में सुधार करने के बारे में है।'

भारत द्वारा लंबे समय से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बदलाव की मांग की जा रही है। इस पर पूर्व यूएन अध्यक्ष ने भी भारत का समर्थन करते हुए कहा कि 'सुरक्षा परिषद में सुधार की मांग बीते 20 वर्षों से भी ज्यादा समय से हो रही है। भविष्य के समझौतों में सुरक्षा परिषद में सुधार को भी शामिल किया जाना चाहिए और ये सभी का मानना है कि सुरक्षा परिषद में आज की दुनिया दिखनी चाहिए। साथ ही मौजूदा भू-राजनीतिक परिदृश्य भी इसमें दिखना चाहिए। इसमें विभिन्न क्षेत्रों की आवाजों को शामिल किया जाना चाहिए, जो कि पहली संरचना में अनुपस्थित हैं।'

'महिलाओं को संयुक्त राष्ट्र में अहम पद दिए जाने की जरूरत'

भारत की संसद द्वारा महिला आरक्षण विधेयक को पारित किए जाने पर खुशी जताते हुए मारिया फर्नांडा एस्पिनोसा ने कहा 'मैं भी आरक्षण की समर्थक हूं और मेरा मानना है कि आरक्षण हमेशा के लिए नहीं होना चाहिए, लेकिन हमें संसद, सरकारों और अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में व्यापत असमानता को दूर करने के लिए इसका इस्तेमाल करना चाहिए। महिला नेताओं के समूह वॉयस फॉर चेंज एंड इंक्लूजन (GWL वॉयस) इस दिशा में काम कर रहा है और इसका समर्थन करता है कि हमें अंतरराष्ट्रीय प्रणाली के अहम पदों पर लैंगिक समानता की आवश्यकता है। इसलिए हम महासभा के अध्यक्ष के रूप में अधिक महिलाओं की वकालत कर रहे हैं। महासभा के करीब 80 वर्षों के इतिहास में, महासभा की पहली महिला अध्यक्ष एक भारतीय महिला, विजया लक्ष्मी पंडित थीं।

मुझे यह कहते हुए बहुत गर्व हो रहा है कि मैं यह जिम्मेदारी पाने वाली लैटिन अमेरिका की पहली महिला हूं। हम महासभा में अधिक संख्या में महिला अध्यक्षों और संयुक्त राष्ट्र में पहली बार महिला महासचिव की मांग कर रहे हैं।'

पाकिस्तान में आतंकी हमला छह सुरक्षाकर्मियों की मौत

लाहोर, 20 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में गुरुवार और शुक्रवार की मध्य रात्रि को हुए आतंकी हमले में छह सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई है और 11 अन्य घायल हुए हैं। आतंकियों ने अफगानिस्तान सीमा पर मौजूद सुरक्षाबलों की चेक पोस्ट पर हमला किया था। आतंकी संगठन तहरीक ए तालिबान ने हमले की जिम्मेदारी ली है। हमलावरों की तलाश की जा रही है। खैबर पख्तूनख्वा के वजीरिस्तान इलाके में टीटीपी के आतंकी काफी सक्रिय हैं और यहां अक्सर सुरक्षाबलों पर हमले होते रहते हैं। पाकिस्तान की सरकार का आरोप है कि टीटीपी अफगानिस्तान से संचालित हो रहा है। हालांकि अफगान सरकार इससे इनकार करती आ रही है। अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद से पाकिस्तान में आतंकी हमले बढ़े हैं। पाकिस्तान में बीते दिनों में हुए कई बड़े आतंकी हमलों में टीटीपी का नाम सामने आया है। कई आतंकी संगठनों ने मिलकर टीटीपी का गठन किया था। टीटीपी का मकसद पाकिस्तान में शरिया कानून लागू करना है।

जयपुर की पहाड़ियों में 20 दिन से युवक लापता

हाईकोर्ट ने कहा-किसी भी तरह से तलाश करें; पुलिस बोली-बेस्ट एफर्ट कर रहे

जयपुर, 20 सितंबर (एजेंसियां)। जयपुर के नाहरगढ़ में चरण मंदिर घूमने गए दो भाइयों में से एक राहुल का 20 दिन बाद भी कुछ पता नहीं चला है। इस मामले में राजस्थान हाईकोर्ट में शुक्रवार को पुलिस ने अपनी प्रोग्रेस (प्रगति) रिपोर्ट पेश की। पुलिस ने अपने जवाब में कहा- हम राहुल का खोजने में बेस्ट एफर्ट (पूरी कोशिश) कर रहे हैं। हर तरीके से हमने सर्च अभियान चला रखा है। जस्टिस इंद्रजीत सिंह और जस्टिस भुवन गोयल की अदालत ने प्रोग्रेस रिपोर्ट और जवाब के बाद कहा- हम पुलिस के प्रयासों से संतुष्ट हैं। कोर्ट ने कहा- युवक को किसी भी तरह से तलाश करें। कोर्ट ने पुलिस को राहुल को ढूंढने के लिए दो सप्ताह का समय और दिया है। राहुल के पिता की ओर से वकील गिरिराज प्रसाद शर्मा ने कहा- हमें शक है कि राहुल के छोटे भाई आशीष की तरह ही उसकी भी या तो हत्या कर दी गई है, या उसे किसी ने कैद कर रखा है। पुलिस को इस दिशा में भी जांच करनी चाहिए। उन्होंने कॉल डिटेल के आधार पर भी जांच करने का सुझाव दिया। सुनवाई के दौरान डीसीपी नॉर्थ राशि डोगरा और एडिशनल डीसीपी नॉर्थ बजरंग सिंह अदालत में मौजूद रहे।

राहुल (21) आशीष (19)

पिता ने लगाई थी याचिका

दरअसल, शास्त्रीनगर थाना इलाके की परबतिया कॉलोनी निवासी राहुल पाराशर (21) और उसका भाई आशीष (19) एक सितंबर को सुबह 6 बजे नाहरगढ़ की पहाड़ी पर चरण मंदिर जाने की कह कर निकले थे। यहां दोनों रास्ता भटक गए थे। परिजन की शिकायत पर पुलिस ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया तो अगले दिन (2 सितंबर को) नाहरगढ़ की पहाड़ियों में आशीष का शव मिला था। लेकिन, पुलिस इस मामले में अब तक राहुल का पता नहीं लगा पाई है। इसी मामले को लेकर राहुल के पिता सुरेश चंद्र शर्मा ने हाईकोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका लगाई थी।

पिता ने कहा था-बेटा किसी की कैद में है

याचिका में पिता ने कहा था-मेरा बेटा राहुल किसी की कैद में है। उसकी जान को खतरा हो सकता है। ऐसे में पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए जाएं कि उसकी तलाश करके उसे कोर्ट के सामने पेश किया जाए। याचिका में डीजीपी, गृह सचिव, एडीजी, मानव तस्करी विरोधी, पुलिस उपायुक्त जयपुर शहर उत्तर और शास्त्रीनगर एसएचओ को पक्षकार बनाया गया था। 9 सितंबर को जस्टिस इंद्रजीत सिंह की खंडपीठ में इसकी सुनवाई हुई थी। याचिकाकर्ता के वकील गिरिराज प्रसाद शर्मा ने बताया- इस मामले में परिजनों ने समय पर पुलिस को इन्फॉर्म कर दिया था। पुलिस की लापरवाही और उदासीनता की वजह से समय पर सर्च नहीं किया गया। पुलिस और प्रशासन की ढिलाई की वजह से और जवाब नहीं देने पर हाईकोर्ट की शरण ली गई।

गणेश पांडाल में मिले जानवरों के अवशेष

शाहपुरा, 20 सितंबर (एजेंसियां)। शाहपुरा के सदर बाजार में गणेश पांडाल में जानवर के अपशिष्ट मिलने के मामले में शाहपुरा के विधायक डॉ. लालाराम बैरवा ने पुलिस व प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठाया है। वहीं, मामले को लेकर आज हिन्दू समाज की ओर से दोपहर में प्रदर्शन कर जिला प्रशासन को ज्ञापन भी दिया जाएगा। विधायक डॉ. बैरवा ने जम्मू के अखनूर से विडियो जारी कर कहा है कि स्थानीय जनता और हिंदू संगठनों को विश्वास में लिए बिना ही मामले का पटापेक्ष स्थानीय पुलिस व प्रशासन ने कर दिया है। उन्होंने कहा कि पुलिस और प्रशासन ने आनन फानन में यह कार्रवाई की है। ऐसे अधिकारियों की सक्षम स्तर पर शिकायत भी उन्होंने की है। विधायक डॉ. लालाराम बैरवा ने बताया कि पुलिस ने दबाव बनाकर केवल तीन युवाओं की मौजूदगी में भाईचारा दिखाया है।

रिटायर्ड डॉक्टर को डिजिटल अरेस्ट कर 87 लाख ठगे

कस्टम ऑफिसर बन कर किया फोन, पार्सल में ड्रग्स की बात कह धमकाया

जोधपुर, 20 सितंबर (एजेंसियां)। जोधपुर कमिश्नरेट में डिजिटल अरेस्ट का एक ओर मामला सामने आया है। इस बार शातिर ठगो ने रिटायर्ड डॉक्टर को निशाना बनाया और 15 दिन तक डिजिटल अरेस्ट कर 87 लाख की ठगी कर ली। महिला डॉक्टर को जब अपने साथ हुई ठगी का अहसास हुआ तब वह थाने पहुंची और मामला दर्ज करवाया। बता दें कि अगस्त माह में आईआईटी की प्रोफेसर को डिजिटल अरेस्ट किया गया था इसी माह पावटा निवासी बैंगलूरु में आई टी की जॉब कर रहे युवक के साथ डिजिटल अरेस्ट कर ऑनलाइन लोन लेकर ठगी की। अब एसएन मेडिकल कॉलेज से रिटायर्ड डॉक्टर अरुणा सोलंकी के साथ यह घटना हुई। सोलंकी के साथ यह पुरा घटनाक्रम 20 अगस्त से 5सितंबर के बीच हुआ। डॉक्टर सोलंकी ने 19 सितंबर को रातानाडा थाने में मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच में जुटी है। रातानाडा थानाअधिकारी प्रदीप डागा ने बताया कि महिला डॉक्टर को कस्टम ऑफिसर प्रमोद कुमार के नाम से फोन आया और उन्हें कहा कि उनका एक पार्सल मुंबई में आया हुआ है, जिसमें नशे की सामग्री एमडी मिली है। साथ में कई जाली पासपोर्ट और क्रेडिट कार्ड भी हैं। यह मामला मुंबई पुलिस को दिया है। इसके बाद मुंबई पुलिस के अधिकारी सुनील कुमार ने फोन कर वित्तीय जानकारी लेकर घटना को अंजाम दिया। ठगों ने डॉ. सोलंकी को फोन कर उनसे पूरे बैंक खातों की जानकारी ली। और फिक्स डिपोजिट के बारे में भी जानकारी ली। इस पूछताछ के बाद में चार लेटर भेजे, जिसमें सीबीआई के साथ एग्रीमेंट, एसेट सीजर, अरेस्ट वारंट और केस रिपोर्ट पेपर भी थे। यह सब सरकारी दस्तावेज देख कर डॉक्टर घबरा गई और डर कर जानकारी दे दी।

राहुल गांधी को लेकर विवादित बयानबाजी से कांग्रेस नेताओं में रोष

मंत्री बिट्टू खिलाफ किया प्रदर्शन

भरतपुर, 20 सितंबर (एजेंसियां)। भरतपुर कलेक्ट्रेट के बाहर कांग्रेस के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने बीजेपी के खिलाफ प्रदर्शन किया। केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने कांग्रेस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राहुल गांधी के खिलाफ बयान देते हुए कहा था कि वह देश में नंबर-1 के आतंकवादी हैं। उसके बाद भरतपुर कांग्रेस में काफी रोष है। पीएम नरेंद्र मोदी अपने केंद्रीय मंत्री के बारे में कुछ बोलना नहीं चाहते।

कांग्रेस के जिला अध्यक्ष दिनेश सूपा ने बताया कि यह धरना प्रदर्शन बीजेपी के खिलाफ किया जा रहा है, क्योंकि हमारे राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और लोकसभा प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने अभद्र भाषा का प्रयोग किया। इसलिए हम उनका विरोध करते हैं। इस तरह की भाषा की घोर निंदा करते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष ने लेटर लिखा। उसके बाद भी प्रधानमंत्री उसके ऊपर कुछ बोलना नहीं चाहते। प्रधानमंत्री अपने मंत्री के खिलाफ कुछ कहना नहीं चाहते। पूरी कांग्रेस पार्टी केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के बयान की घोर निंदा करती है। 15 सितंबर को केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने राहुल गांधी के खिलाफ बयान देते हुए कहा था कि राहुल गांधी देश में नंबर-1 के आतंकवादी हैं। इस बयान के बाद से कांग्रेस भाजपा पर लगातार हमलावर है।

लापता के पोस्ट पर विधायक नौक्षम का रिएक्शन

लोगों के पास कोई काम या व्यवसाय नहीं है; जलभराव की समस्या पर किया गया था पोस्ट

भरतपुर, 20 सितंबर (एजेंसियां)। डीग जिले के कामां विधायक नौक्षम चौधरी के खिलाफ गुमशुदा की पोस्ट के बाद अब नौक्षम चौधरी ने उसके खिलाफ पोस्ट डाली है। नौक्षम चौधरी ने पोस्ट डालते हुए लिखा है कि कुछ समय से कुछ सज्जन व्यक्तियों के पोस्ट पढ़ रहीं हूं। मुझे ऐसा महसूस हो रहा है कि उनके पास जीवन में कोई काम या व्यवसाय नहीं है।

लापता होने के पोस्ट के बाद विधायक नौक्षम चौधरी का रिएक्शन

कामां विधायक नौक्षम चौधरी ने पोस्ट डालते हुए लिखा कि कुछ समय से मैं कुछ सज्जन व्यक्तियों के पोस्ट पढ़ रहीं हूं। मुझे ऐसा महसूस हो रहा है। उनके पास जीवन में कोई काम या व्यवसाय नहीं है। ऐसा प्रतीत होता है कामां विधानसभा की सामाजिक व्यवस्था खराब करना चाहते हैं। हर तरह का द्वेष फैलाना चाहते हैं। पर उनको बताना चाहती हूं। ऐसा करके वे आपसी भाईचारा व प्रेम खराब नहीं कर सकेंगे। आप पहले भी विफल रह आये आगे भी रहेंगे। हमारा हौसला तोड़ने की क्षमता आप में नहीं है।

पूर्व जिला मंत्री ने सोशल मीडिया पर यह लिखा कल भाजयुमो के पूर्व जिला मंत्री उदय सिंह ने 14 गांव में जलभराव की समस्या को लेकर पोस्ट करते हुए लिखा था कि पूर्व जिला मंत्री ने पोस्ट करते हुए लिखा है कि गुमशुदा की तलाश, नाम नौक्षम चौधरी उम्र करीब 35 साल, रंग भयंकर गोरा (सफेद), पता विधायक, कामां विधानसभा, भेष बदलने में गोल्ड मेडलिस्ट, अंतिम बार 10 अप्रैल 2024 को कामां से नौनेरा रूट पर लोकसभा चुनावों में प्रचार करते देखा गया था। अगर ये मोहतरमा किसी को दिखाई दे तो, उन्हें सिर्फ ये सूचना कर देना की आपको एमएलए बनाने में कामां से लेकर नौनेरा की पूरी बेल्ट ने ऐड़ी से लेकर चोटी तक जोर लगाया था। धरातल से लेकर सोशल मीडिया तक पूरे तन मन धन से आपके साथ रहे थे। हम लोगों ने बड़ी ही ईमानदारी के साथ अपना कर्तव्य निभाया था।

महोदया, हम लोगों ने नौनेरा डूब क्षेत्र की समस्या से बार बार आपको अवगत कराया था। लेकिन आज हालात बद से बदतर हो चुके हैं। बाढ़ का पानी हमारे घरों तक घुस चुका है। जलभराव के कारण पूरी फसल चौपट हो चुकी है। न तो, पशुओं के लिए चारा है और ना ही खाने के लिए अनाज, आगे भी समस्या और भी विकराल रूप ले सकती है। हम सभी ग्रामवासी यहां घुट-घुट कर जी रहे हैं। कुछ लोग तो मजबूर होकर यहां से पलायन भी कर चुके हैं।

ब्रह्माकुमारी संस्थान के महासचिव बीके निरवैर का निधन

आबूरोड, 20 सितंबर (एजेंसियां)। ब्रह्माकुमारी संस्थान के महासचिव बीके निरवैर का 86 साल की उम्र में निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उनका अहमदाबाद के अपोलो अस्पताल में इलाज चल रहा था। बीके निरवैर ने गुरुवार रात साढ़े 11 बजे अंतिम सांस ली। जिसके बाद संस्थान के अनुयायियों में शोक की लहर फैल गई। संस्थान के पीआरओ बीके कोमल ने बताया कि बीके निरवैर के फेफड़ों में इंफेक्शन होने पर उन्हें 6 दिन पहले अहमदाबाद के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां पर अचानक कल रात में अटैक आने से उनका निधन हो गया। बीके निरवैर का पार्थिव देह आबूरोड स्थित शांतिवन मुख्यालय पर लाया गया। जहां अंतिम दर्शन के लिए पार्थिव देह को रखा गया है। जिसके बाद उनका पार्थिव देह माउंट आबू के पांडव भवन, ग्लोबल अस्पताल, ज्ञान सरोवर सहित संस्थान के स्थलों पर अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा।

एसएमएस अस्पताल के नर्सिंग इंचार्ज ने महिला कर्मचारी के साथ किया रेप, पुलिस ने भेजा जेल

जयपुर, 20 सितंबर (एजेंसियां)। सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल के सीनियर नर्सिंग अधिकारी नरेंद्र गर्ग पर एक महिला कर्मचारी ने दुष्कर्म और मारपीट का गंभीर आरोप लगाते हुए जवाहर नगर थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने महिला की शिकायत के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी नर्सिंग अधिकारी को गिरफ्तार किया, और उसे सेंट्रल जेल भेज दिया गया। असिस्टेंट पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सुथार ने जानकारी दी कि करीब तीन-चार दिन पहले महिला ने जवाहर नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उसने बताया कि एसएमएस अस्पताल में कार्यरत नर्सिंग ऑफिसर नरेंद्र गर्ग ने उसे ट्रांसफर से संबंधित बातचीत के लिए एक होटल में बुलाया था। जब वो वहां पहुंची तो किसी बात को लेकर दोनों में बहस हो गई। बहस के बाद आरोपी ने महिला के साथ मारपीट की और फिर डरा धमकाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। इस शिकायत के आधार पर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए प्रारंभिक जांच की और आरोपी नर्सिंग अधिकारी नरेंद्र गर्ग को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे सेंट्रल जेल भेज दिया गया।

उदयपुर में तेंदुए की दहशत, 24 घंटे में दो लोगों को मारकर खाया

पांच महीनों में ली आठ की जान

उदयपुर, 20 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में तेंदुए के हमलों से दहशत मची हुई है। उदयपुर में बीते 24 घंटों के भीतर तेंदुए ने दो लोगों को अपना निवाला बना लिया। दो सप्ताह पहले भी तेंदुए ने एक महिला को मार डाला था। बीते 5 महीनों यहां तेंदुएओं के हमलों में 8 लोगों की जान जा चुकी है। प्रदेश में तेंदुओं के बढ़ते हमलों की बड़ी वजह इनकी आबादी का बढ़ना भी है। वन विभाग की ओर किए गए वॉटर होल सेंस्स के अनुसार इस साल तेंदुओं की आबादी 925 हो चुकी है जो 20222 में 818 थी।

8 सितंबर को ही 40 वर्षीय मीराबाई की तेंदुए ने हमले में जान चली गई। इंसानी मौतों के बढ़ते मामलों को देखते हुए वन विभाग ने (नेशनल वाइल्ड लाइफ बोर्ड) को पत्र भी लिखा है। इसके अलावा वन विभाग ने राजस्थान में तेंदुए का संरक्षण करने वाली (नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी) से भी संपर्क किया है और इस मामले में सहायता की मांग की है।

इधर, वन विभाग की टीमें आदमखोर हुए पैंथर को पकड़ने में जुटी है। लेकिन, अभी तक उन्हें कोई सफलता नहीं मिल पाई है। पैंथर्स की ओर से किए जा रहे अटैक से इलाके में खौफ का माहौल बना हुआ है। जानकारी के अनुसार पैंथर ने पहला शिकार बुधवार शाम को गोगुंदा इलाके में नाबालिग लड़की को बनाया। इस घटना के 24 घंटे के भीतर फिर से गोगुंदा इलाके में पैंथर ने शाम को एक युवक पर हमला कर उसे मार डाला। यह युवक गोगुंदा के भेवड़िया गांव का रहने वाला था। पैंथर ने उस पर जंगल से घर आते समय हमला किया। पैंथर के हमले में मारे गए युवक की पहचान खुमाराम के रूप में हुई है।

फिरौती की मांग को लेकर की गई वारदात का खुलासा

पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

श्री गंगानगर, 20 सितंबर (एजेंसियां)। श्री गंगानगर में फिरौती की मांग को लेकर शहर में हुई फायरिंग की घटना का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है, जिससे दूसरे आरोपियों के बारे में पूछताछ की जा रही है।

एसपी गौरव यादव ने बताया कि मामले में आमिर खान पुत्र मुन्ना खान निवासी मिर्जेवाला को गिरफ्तार किया है, उससे पूछताछ की जा रही है।

प्रारंभिक पूछताछ में आमिर ने बताया कि रोहित गोदारा नामक व्यक्ति ने उसे इस वारदात में शामिल होने के लिए लालच दिया था और उसे इसके बदले 50,000 रुपये मिलने वाले थे। गोदारा ने आमिर को पानी की टंकी के पास जाकर एक युवक को अपने साथ लाने के लिए कहा था। युवक को लेकर आमिर सब रोड पहुंचा, जहां गली नंबर 8 में शौकत अली पुत्र इन्ने हैदर के घर पर फायरिंग की गई। इसके बाद आरोपी फरार हो गए। आमिर ने बताया कि वह शूटर को अच्छी तरह नहीं जानता था, लेकिन लालच में आकर उसने इस वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने 13 सितंबर को शौकत अली की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। जब आमिर को पता चला कि पुलिस उसे गिरफ्तार करने आ रही है, तो वह भागने की कोशिश में घायल हो गया।

औसत से ज्यादा बारिश में राजस्थान देश में नंबर वन

392 बांध ओवरफ्लो, 58 दिन तेज बारिश
बिहार-अरुणाचल जैसे राज्य तरसे

जयपुर, 20 सितंबर (एजेंसियां)। इस बार मानसून राजस्थान पर खास मेहरबान नजर आया। औसत से ज्यादा बारिश के मामले में राज्य देश में नंबर 1 रहा। बाढ़ के लिए बदनाम बिहार और अरुणाचल प्रदेश जैसे राज्यों में औसत से 27% कम बारिश हुई। वहीं राजस्थान में औसत (422.3MM) से 58 फीसदी ज्यादा (669.3 MM) पानी बरसा है। राजस्थान में 116 साल में तीसरी बार ऐसी बारिश हुई है। इससे पहले 1917 में 844.2MM और 1908 में 682.2MM बारिश हुई थी। रिकॉर्ड बारिश के कारण 691 में से 392 बांध ओवर-फ्लो हो चुके हैं। क्या वजह रही कि राजस्थान में देश में सबसे ज्यादा बारिश हुई? मानसून ट्रफ लाइन का लंबे समय तक नॉर्मल पॉजिशन में रहना अच्छी बारिश की सबसे बड़ी वजह रहा। ये न तो ज्यादा समय तक उत्तर दिशा में शिफ्ट हुई और न दक्षिण में। यही कारण रहा कि एंट्री के बाद से सितंबर के पहले सप्ताह तक मानसून एक्टिव फेज में रहा। मानसून ब्रेक जैसी कोई स्थिति नहीं बनी। पिछले 10 से 15 सालों में बारिश का ट्रेंड चेंज हुआ है। जिन एरिया (पूर्वोत्तर भारत के राज्यों) में पहले ज्यादा बारिश होती थी, वहां आंकड़ा घटा है।

मिलावटी गुड़ बनाने की अवैध फैक्ट्री पकड़ी

9 हजार किलो गुड़ सीज, सड़ा-गला सामान किया नष्ट

अजमेर, 20 सितंबर (एजेंसियां)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग अजमेर की खाद्य सुरक्षा टीम ने नसीराबाद सदर थाना क्षेत्र ग्राम देराठू मार्ग पर महावीर कालोनी के सामने स्थित एक बाड़ेनुमा चारदीवारी पर दबिश देकर मिलावटी गुड़ बनाने की फैक्ट्री पकड़ी। मौके से 9 हजार किलो गुड़ जब्त कर सीज किया तथा सड़े-गले माल को छावनी परिषद के सहयोग से नष्ट किया।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी अजय मोयल ने बताया-फैक्ट्री को उत्तरप्रदेश निवासी मुकेश जैन नामक व्यक्ति संचालित कर रहा था। टीम ने कार्रवाई के दौरान मौके पर तैयार मिलावटी गुड़ के 25-25 किलो के 360 कार्टन कुल 9000 किलो गुड़ और गुड़ में मिलाए जाना वाले पदार्थ सफोलाइट की एक-एक किलो की 30 थैलियां बरामद कर उन्हें सीज कर दिया। टीम ने मौके पर तैयार गुड़ के दो और गुड़ में मिलाए जाने वाले पदार्थ सफोलाइट के नमूने लिए, जिन्हें जांच हेतु प्रयोगशाला भेजा जाएगा। मौके से लिए गए सैंपल की रिपोर्ट प्राप्त होने पर कथित मिलावटी फैक्ट्री संचालक मुकेश जैन के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा टीम को मौके पर सड़े-गले गुड़ से भरे पीपे भी मिले, जो बदबू मार रहे थे। टीम ने छावनी परिषद के मुख्य अधिशाषी अधिकारी डॉ. नितिश गुप्ता को सूचित कर उक्त सड़े-गले गुड़ को नष्ट करवाया। कार्रवाई के दौरान सीएमएचओ डॉ. ज्योत्सना रंगा, सहायक राजकुमार इंदौरिया और छावनी परिषद के ओवरसियर विश्वेंद्र सिंह, सफाई निरीक्षक आशीष शर्मा, रवि कुमार और शिवराम मौजूद थे। देराठू मार्ग पर स्थित कथित गुड़ की अवैध फैक्ट्री पर संचालक मुकेश जैन द्वारा क्षेत्र के गुड़ गोदामों व अन्य जगहों से सड़ा गला एवं गंदा गुड़ एकत्रित किया जाता था। उसमें कुछ मात्रा में उत्तरप्रदेश से मंगाया हुआ अच्छा गुड़, शक्कर और सफोलाइट नामक कैमिकल मिलाकर मिलावटी गुड़ बनाया जा रहा था।

बाइक चोर गैंग का पर्दाफाश : 2 बदमाश गिरफ्तार, चोरी की बाइक भी बरामद

सवाई माधोपुर, 20 सितंबर (एजेंसियां)। सवाई माधोपुर की कोतवाली थाना पुलिस ने बाइक चोर गैंग का पर्दाफाश करते हुए 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों से चोरी की गई बाइक को भी बरामद किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया है। कोतवाली थानाधिकारी राजवीर सिंह ने बताया कि एएसपी विजय सिंह व सीओ सिटी हेमेन्द्र शर्मा माधोपुर के सुपरविजन में यह कार्रवाई की गई। इसमे बजरंग मीणा (31) पुत्र भरती लाल मीणा निवासी बर्रिया थाना कुडगांव जिला करौली व विजेन्द्र (35) पुत्र रामगोपाल मीणा निवासी पदमपुरा थाना सरमथुरा जिला धौलपुर को जिला जेल सवाई माधोपुर से प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों से एक चोरी की गई बाइक भी बरामद की है।

पुलिस ने दोनों आरोपियों को एक अन्य चोरी के मामले में पूर्व में गिरफ्तार किया था। जिनसे अब तक चोरी की गई 3 बाइक बरामद की जा चुकी है। थानाधिकारी राजवीर सिंह ने बताया कि आगामी समय में भी वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी लगातार जारी रहेगी। फिलहाल कोतवाली पुलिस को दोनों आरोपियों से पूछताछ के दौरान कई अहम और महत्वपूर्ण खुलासा होने की उम्मीद है।

हम शुद्ध गाय के घी का उपयोग करके लड्डू प्रसादम की पवित्रता सुनिश्चित करेंगे : टीटीडी ईओ

तिरुमाला, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीटीडी ईओ जे श्यामला राव ने कहा कि श्री वेंकटेश्वर स्वामी को चढ़ाए जाने वाले सबसे अधिक मांग वाले लड्डू प्रसादम की पवित्रता सुनिश्चित करने के लिए टीटीडी शुद्ध गाय के घी का उपयोग करेगा। उन्होंने कहा कि लड्डू बनाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले घी की गुणवत्ता पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा, क्योंकि दुनिया भर से लाखों तीर्थयात्री श्री वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन करने के लिए अत्यंत श्रद्धा के साथ तिरुमाला मंदिर आते हैं और तिरुमाला दिव्यक्षेत्रम और लड्डू प्रसादम की पवित्रता और दिव्यता की रक्षा करने की हरसंभव आवश्यकता है। शुक्रवार को तिरुमाला में अन्नामैया भवन के मीटिंग हॉल में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए ईओ ने कहा, सीएम नारा चंद्रबाबू नायुडू ने स्पष्ट रूप से कहा है कि लड्डू प्रसादम की गुणवत्ता और स्वाद सुनिश्चित किया जाना चाहिए और शुद्ध गाय के घी का उपयोग करके पवित्रता बहाल की जानी चाहिए क्योंकि यह दुनिया भर में लाखों भक्तों की भावनाओं से जुड़ा है। इसके बाद, हमने नए टीटीडी प्रशासन के कार्यभार संभालने के बाद से लड्डू की गुणवत्ता और स्वाद में सुधार करने पर ध्यान केंद्रित करना शुरू कर दिया। पिछले कुछ वर्षों में लड्डुओं की खराब गुणवत्ता पर तीर्थयात्रियों से प्रतिक्रिया प्राप्त करने और पोटू श्रमिकों (लड्डू निर्माताओं) के साथ बातचीत करने के बाद, पहली बार टीटीडी ने घी की आपूर्ति को मिलावट की जांच के लिए बाहरी प्रयोगशाला में भेजा। टीटीडी को घी के 5 आपूर्तिकर्ता थे और दरें 320 रुपये से 411 रुपये के बीच थीं प्रथम दृष्टया ये दरें शुद्ध घी की आपूर्ति के लिए व्यवहार्य दरें नहीं हैं। नए प्रशासन द्वारा सभी को अच्छी गुणवत्ता वाला घी सुनिश्चित करने की चेतावनी दी गई है अन्यथा मिलावट की जांच के लिए नमूने बाहरी प्रयोगशालाओं में भेजे जाएंगे और सकारात्मक पाए जाने पर उन्हें ब्लैकलिस्ट कर दिया जाएगा।

चेतावनी के बाद भी, एआर फूड्स द्वारा भेजे गए 4 घी टैंकर प्रथम दृष्टया घटिया गुणवत्ता के पाए गए।

प्रतिष्ठित एनडीडीबी काल्फ आनंद को भेजे गए नमूने पर किए गए एस-वैल्यू विश्लेषण मानक सीमाओं से बाहर थे, जिससे सोयाबीन, सूरजमुखी, पाम कर्नेल वसा या यहां तक कि लार्ड और बीफ टैलो जैसे विदेशी वसा की उपस्थिति का संकेत मिलता है। शुद्ध दूध वसा के लिए स्वीकार्य एस-वैल्यू रेंज 98.05 और 104.32 के बीच है, लेकिन परीक्षण किए गए नमूने में 23.22 और 116 के बीच के मान दिखाई दिए, जो महत्वपूर्ण विचलन को दर्शाते हैं। इन नमूनों में वनस्पति तेल संदूषण की उपस्थिति का भी संकेत मिला। अब गुणवत्ता की कमी का कारण इन-हाउस लैब का न होना है। आपूर्तिकर्ताओं ने इन कमियों का फायदा उठाया। एनडीडीबी घी में मिलावट की जांच करने वाले उपकरण दान करने के लिए आगे आई है, जिसकी लागत 75 लाख रुपये होगी और यह उपकरण स्थायी समाधान के रूप में अगले दिसंबर या जनवरी तक आने की संभावना है।

टीटीडी ने श्रीवारी प्रसादम बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले गाय आधारित उत्पादों को अस्थायी रूप से रोक दिया है। ईओ ने यह भी कहा कि अन्ना प्रसादम के स्वाद और गुणवत्ता को लेकर भक्तों की शिकायतें आ रही हैं। इसलिए टीटीडी ने विशेषज्ञों की एक समिति बनाई है और पाया है कि गुणवत्ता में कमियां हैं। विशेषज्ञों के साथ गहन जांच के बाद आपूर्ति अस्थायी रूप से निलंबित कर दी गई थी, निर्णय लिया जाएगा कि इसे बहाल किया जाए या नहीं। बैठक में टीटीडी के अतिरिक्त ईओ चौधरी वेंकैया चौधरी भी मौजूद थे।

मानसिक रूप से अस्थिर महिला ने की आत्महत्या

मंचेरियल, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मानसिक रूप से अस्थिर बताई जा रही 32 वर्षीय महिला ने शुक्रवार को चिंतापल्ली गांव में एक कुएं में कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि श्रीनिवास की पत्नी अप्पानी अनुषा ने अपने घर के पास स्थित कुएं में छलांग लगा दी। अनुषा को छह साल पहले मानसिक बीमारी का पता चला था और उसका इलाज चल रहा था। वह पहले भी दो बार आत्महत्या करने की कोशिश कर चुकी थी। वह पिछले 15 दिनों से अपने माता-पिता के घर पर आराम कर रही थी। चिंतापल्ली की रहने वाली, वह 14 साल से श्रीनिवास से विवाहित थी। दंपति के दो बेटे हैं।

11 महीने के बेटे के साथ मां लापता

संगारेड्डी, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पटनचेरू पुलिस थाना क्षेत्र के इस्नापुर स्थित अपने घर से एक महिला अपने 11 महीने के बेटे के साथ बुधवार से लापता हो गई। वे नल्ला लक्ष्मी (20) और उनके बेटे प्रणय (11 महीने) थे। उनके पति साई कुमार (20), जो एक निजी उद्योग में काम करते थे, के अनुसार बुधवार को जब वह घर से निकलीं तो उनके बीच एक छोटी सी बात पर बहस हो गई। जब वह घर वापस नहीं लौटीं तो उन्होंने शिकायत दर्ज कराई। महिला का पता लगाने के प्रयास किये गये।

लड्डू को लेकर विवाद दुखद : रमना दीक्षितुलु

तिरुपति, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीटीडी के पूर्व मुख्य पुजारी रमना दीक्षितुलु ने आज तिरुमाला तिरुपति वेंकटेश्वर स्वामी लड्डू प्रसादम की तैयारी में मिलावटी घी के इस्तेमाल के मुद्दे पर प्रतिक्रिया दी। पिछले दो दिनों में हुए हालिया घटनाक्रम को बेहद दुखद बताते हुए उन्होंने कहा कि यह भगवान के भक्तों के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा, मैं भी बहुत दुखी हूं। मैंने भगवान के प्रति किसी भी तरह के दुर्व्यवहार के बिना अनुष्ठान किए हैं। जो देवता हमें भोजन प्रदान करते हैं, उन्हें शुद्ध नैवेद्यम चढ़ाना चाहिए। घी में मिलावट बहुत खेदजनक है। हम भगवान को चढ़ाने के लिए कई तरह के प्रसाद में गाय के दूध का इस्तेमाल करते हैं। हालांकि, घी में मिलावट देखना भी पाप है। यहां तक कि जब प्रसाद की गुणवत्ता के बारे में शिकायत की गई, तब भी किसी ने ध्यान नहीं दिया। मैंने यह लड़ाई अकेले लड़ी। रमण दीक्षितुलु ने कहा कि पांच साल से अनियमितताएं हो रही थीं और उन्होंने कहा कि जो लोग आगम के जानकार हैं, उन्हें तिरुमाला में सेवा करने के लिए सेवक के रूप में नियुक्त किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि घी में मिलावट की जांच की जानी चाहिए। रमण दीक्षितुलु ने कहा कि जब उन्होंने ऐसी गलतियों को चेयरमैन के ध्यान में लाया, तो उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया। भगवान को चढ़ाए जाने वाले प्रसाद में कमी करना एक कदाचार है। प्रसाद को लेकर सैकड़ों वर्षों से चली आ रही परंपराएं जारी रहनी चाहिए। जैविक बाजरा से बने प्रसाद को चढ़ाना उचित नहीं है। अगर मौका मिला तो मैं इस तरह की समस्याओं को सुधारूंगा। मेरे खिलाफ झूठे मामलों को इस सरकार को खारिज करना चाहिए। अगर मामले खारिज होते हैं, तो मैं फिर से भगवान की सेवा करने के लिए तैयार हूं। उन्होंने कहा कि अगर भगवान के मंदिर में ऐसी गलतियां होती हैं, तो आगम शास्त्र के अनुसार उपाय किए जाने चाहिए। भगवान के मंदिर के पूर्व मुख्य पुजारी ने यह भी कहा कि अन्य राज्यों या राज्य के भीतर के योग्य आगम विद्वानों से सलाह लेनी चाहिए। चिलुकुरू बालाजी मंदिर के मुख्य पुजारी रंगराजन ने तिरुमाला लड्डू प्रसादम में मिलावट की व्यापक जांच की मांग की। इसे एक भयावह और अविश्वसनीय सत्य बताते हुए उन्होंने कहा कि तिरुमाला में ऐसी घटनाएं होना खेदजनक है। उन्होंने निविदा प्रक्रिया की आलोचना करते हुए इसे दोषपूर्ण बताया। उन्होंने आंध्र प्रदेश सरकार से इस मुद्दे की जांच शुरू करने का आग्रह किया। इस संबंध में रंगराजन ने एक वीडियो संदेश जारी किया। उन्होंने आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण से एक राष्ट्रीय स्तर की धार्मिक परिषद स्थापित करने का आग्रह किया, जो इस तरह के अत्याचारों को रोक सके। उन्होंने आग्रह किया कि तिरुमाला की पवित्रता की रक्षा के लिए इस मामले को केंद्र सरकार के ध्यान में लाया जाना चाहिए।

पोषण माह 2024 समारोह नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मेडिकल हेरिटेज हैदराबाद में शुरू हुआ

हैदराबाद, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मेडिकल हेरिटेज, हैदराबाद, पोषण और आयुर्वेद पर जागरूकता व्याख्यान आयोजित कर रहा है। इस वर्ष की थीम "एनीमिया, विकास निगरानी, पूरक आहार, पोषण भी पढाई भी और बेहतर प्रशासन के लिए प्रौद्योगिकी' का अनुसरण करना है। आयुर्वेद के माध्यम से एनीमिया से कैसे निपटें? और 'स्वास्थ्य संवर्धन के लिए आयुष जीवनशैली प्रथाओं' पर व्याख्यान डॉ. भार्गवी और डॉ. वैरामुत्थु, वरिष्ठ अनुसंधान अध्येता (आयुर्वेद) द्वारा दिए गए। यह कार्यक्रम गवर्नमेंट नेहरू मेमोरियल हाई स्कूल, मलकपेट के छात्रों के लिए आयोजित किया गया था। टीम में श्रीनिवास राव, ए ल . आ ई . ए . , एन.आई.आई.एम.एच और अन्य लोग भी शामिल थे जिन्होंने संस्थान के प्रभारी सहायक निदेशक डॉ.जी.पी. प्रसाद के मार्गदर्शन में कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम से विद्यालय के लगभग सौ विद्यार्थी लाभान्वित हुए। प्रधानाध्यापिका श्रीमती सुजाता और संकाय सदस्यों श्रीमती मीना, श्रीमती पद्मावती और वेंकटेश को आयुर्वेद और पोषण पर ब्रोशर वितरित किए गए।

सहकारी आंदोलन में कोंडा लक्ष्मण बापू की भूमिका अद्वितीय : कोंडा सुरेखा

हैदराबाद, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वन, पर्यावरण और देवदया मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा, कोंडा लक्ष्मण बापूजी उत्पीड़न के खिलाफ अवज्ञा और आंदोलनों की लौह शक्ति की आवाज थे।

कोंडा लक्ष्मण बापूजी की पुण्यतिथि (21 सितंबर) के अवसर पर, मंत्री कोंडा सुरेखा ने इस देश और इस राज्य के लिए उनके बलिदान को याद किया। मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि राष्ट्रीय आंदोलन में (अलग तेलंगाना राज्य संघर्ष के पहले और तीसरे चरण में) किसान संघर्ष में और सहकारी आंदोलन में कोंडा लक्ष्मण बापूजी की भूमिका अद्वितीय थी। मंत्री सुरेखा ने कहा कि भले ही उन्होंने भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान ब्रिटिश रेजीडेंसी पर झंडा फहराया, तेलंगाना आंदोलन के पहले चरण में मंत्री पद छोड़ा और 96 साल की उम्र में तेलंगाना के लिए पहल की, लेकिन यह केवल कोंडा लक्ष्मण बापू के लिए ही संभव था। मंत्री सुरेखा ने कहा कि कोंडा लक्ष्मण क्रांतिकारी पथ और संसदीय पथ पर चलने में सफल रहे। उन्होंने कहा कि कोंडा लक्ष्मण के नेतृत्व में सहकारी समितियां देश में सबसे पहले विकसित हुईं।

बच्चों के अधिकारों की रक्षा करना हमारा कर्तव्य : दीपक तिवारी

आसिफाबाद, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय निकाय) दीपक तिवारी ने कहा कि बच्चों के अधिकारों की रक्षा करना सभी का कर्तव्य है। शुक्रवार को जिला महिला एवं बाल कल्याण विभाग एवं महिला अधिकारिता केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में जिले के गन्नाराम के महात्मा गांधी ज्योतिबापूले में आदिवासी कल्याण विद्यालयों में विशेष वसीयत जागरूकता कार्यक्रम में कागजनगर उपजिलाधिकारी श्रद्धा शुक्ला एवं जिला कल्याण विभाग अधिकारी अडेपू के साथ शामिल हुए। जिला अपर समाहर्ता ने कहा कि शिक्षा बालक-बालिकाओं के लिए बेहद जरूरी है और यही उनके भविष्य के लिए सुनहरे रास्ते प्रशस्त कर सकती है। शिक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा, कल्याण, साइबर अपराध, बाल विवाह, बाल प्रवास जैसे विभिन्न विषयों के बारे में बताया गया। महिला सशक्तिकरण केन्द्र, सखी, वाई.सी.पी.एस. जिले के बालिका आवासीय विद्यालयों/कस्तूरीबा गांधी बालिका विद्यालयों, आश्रम विद्यालयों, महात्मा गांधी ज्योतिबापुले विद्यालयों, एकलव्य विद्यालयों में स्टाफ के समन्वय से 25 दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। साइबर क्राइम, पाक्सो एक्ट, सेफ टच एवं बैड टच, समय प्रबंधन, अध्ययन-योजना, आत्मरक्षा एवं हेल्प लाइन नंबरों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये गए हैं। इन विषयों के संबंध में आईसीपीएस, महिला अधिकारिता केंद्र के कर्मचारी समझायेंगे एवं फिर बच्चों के लिए प्रत्येक विषय के लिए 3 टेस्ट आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रति प्रश्न 10 विषयों के लिए 30 प्रश्न दिए जाएंगे।

केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय से मिला शिष्टमंडल

सिकंदराबाद से वाराणसी के बीच नई ट्रेन चलाने की मांग

हैदराबाद, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय एक दिवसीय प्रवास पर हैदराबाद के सरदार वल्लभ भाई पटेल नेशनल पुलिस अकादमी में आईपीएस अधिकारियों के पासिंग आउट परेड में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे थे। इस अवसर पर बिहार सहयोग समिति के एक शिष्टमंडल ने केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री से मुलाकात की और उनको अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा।

समिति के अध्यक्ष बिनय कुमार यादव के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने केन्द्रीय मंत्री से सिकंदराबाद और पटना के बीच नई रेल चलाने हेतु केन्द्र स्तर पर पहल करने की अपील की। इस मौके पर अजय कुमार सिंह, धनंजय सिंह, बिवेश झा, डॉ. सरज कुमार भी मौजूद रहे।

केंद्रीय मंत्री श्री राय को बिनय कुमार यादव ने बताया कि हैदराबाद सहित तेलंगाना में बिहार के हजारों लोग विगत कई वर्षों से रह रहे हैं। लेकिन बिहार और उत्तर प्रदेश के लिए एकमात्र सीधी ट्रेन सिकंदराबाद-दानापुर एक्सप्रेस (12791) ही है। इसके अलावा लखनऊ और दूसरे जगह जाने वाली कुछ साप्ताहिक ट्रेन हैं, लेकिन अधिकांश भीड़ वाराणसी और पटना के लिए ही जाती है। तेलंगाना में लाखों की संख्या में रहने वाले बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश के लोग आवागमन के लिए इसी ट्रेन से यात्रा करते हैं। साथ ही वाराणसी, प्रयागराज, अयोध्या तीर्थ स्थल होने के कारण भारी संख्या में आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक के लोग भी गर्मी और छुट्टियों के मौके पर इसी ट्रेन के सहारे आवागमन करते हैं। छठ पूजा, दशहरा, एवं शादी-ब्याह के दिनों में इसी ट्रेन को अपना सफर का जरिया बनाते हैं।

ज्ञापन में कहा गया है कि गर्मी के दिनों में बिहार और यूपी के लोगों को घर जाने के लिए काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा समय-समय पर विशेष ट्रेनों का संचालन किया जाता है। लेकिन भारी भीड़ के सामने ट्रेनें नाकाफी साबित होती है। कई सालों से नॉर्थ पीपुल्स एसोसिएशन, तेलंगाना, बिहार सहयोग समिति आदि संस्थाएं और संगठन नई ट्रेनों को चलवाने की मांग कर रहे हैं।

सीजन में टिकट न मिलने के कारण लोग बसों से यात्रा करने के लिए मजबूर हैं। बस में यात्रा के दौरान कई बार दुर्घटना हुई है और कई लोगों की जान भी गई है। बिहार सहयोग समिति, तेलंगाना इस मामले को लेकर कई सालों से संघर्षरत है। कई बार रेलवे के जिम्मेदार अधिकारियों ने ट्रेन चलाने का आश्वसन भी दिया था। सिकंदराबाद से वाराणसी कनेक्ट होने पर पीएम नरेंद्र मोदी के क्षेत्र और पौराणिक आस्था के केन्द्र वाराणसी से दक्षिण के लोगों का सीधा संपर्क है। वे भी नई ट्रेन के चलने से लाभान्वित होंगे।

आनंद कुमार गौड़ ने केटीआर से मुलाकात की

हैदराबाद, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री एवं बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष, विधायक केटीआर से गोशामहल बीआरएस नेता एम आनंद कुमार गौड़ ने मुलाकात कर गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र में मुद्दों पर चर्चा की। केटीआर ने बताया कि वे निर्वाचन क्षेत्र में पार्टी को मजबूत करने के लिए निरंतर काम कर रहे हैं। केटीआर ने कहा कि बीआरएस सरकार फिर से आएगी। आनंद गौड ने केटीआर का ध्यान निर्वाचन क्षेत्र में समस्याओं को हल करने के लिए किए जा रहे कार्यों की ओर दिलाया। केटीआर ने आनंद कुमार गौड़ को आश्वासन दिया है कि वह जनता के संघर्ष में उनके साथ खड़े रहेंगे। केटीआर ने कहा कि भविष्य में उन्हें उचित पहचान मिलेगी। आनंद कुमार गौड़ ने कहा कि वह बीआरएस का झंडा क्षेत्र में लहराते व फहराते रहेंगे, जिससे पार्टी को मजबूती मिल सके।

कलेश्वरम मामले की फिर से होगी जांच

न्यायमूर्ति पीसी घोष का आयोग करेगा जांच

हैदराबाद, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। न्यायमूर्ति पीसी घोष की अध्यक्षता में कालेश्वरम परियोजना आयोग शुक्रवार से अपनी सुनवाई फिर से शुरू करने जा रहा है। रिपोर्टों के अनुसार, अनुसंधान इंजीनियरों और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ-साथ सात मुख्य अभियंता स्तर के अधिकारियों के भी आयोग के समक्ष उपस्थित होने की उम्मीद है। रिपोर्टों से पता चलता है कि कार्यवाही के लिए कुल 25 अधिकारी उपस्थित रहेंगे। सुनवाई के अलावा आयोग ने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) को पत्र भेजकर परियोजना से संबंधित रिपोर्ट मांगी है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने न्यायमूर्ति घोष के अनुरोध के अनुसार वकील आवंटित करने की तत्परता व्यक्त की है। जांच प्रक्रिया के तहत आयोग विस्तृत जानकारी जुटाने के लिए सभी उपस्थित लोगों से हलफनामा एकत्र करेगा। अगस्त की शुरूआत में परियोजना के संबंध में 15 से अधिक अधिकारियों से पूछताछ की गई थी और न्यायमूर्ति घोष ने उनके बयान दर्ज किए थे। कालेश्वरम परियोजना का निर्माण भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार के कार्यकाल के दौरान किया गया था। हालांकि, पिछले वर्ष तेलंगाना विधानसभा चुनाव से ठीक पहले परियोजना के कई खंभे गिर जाने की घटना के बाद अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। इससे हजारों करोड़ रुपये की लागत वाली परियोजना की गुणवत्ता को लेकर चिंताएं पैदा हो गई हैं, जिसके कारण विपक्षी दलों ने पूर्ववर्ती बीआरएस सरकार की कड़ी आलोचना की है। पिछले साल सत्ता में आने के बाद कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने कालेश्वरम परियोजना की जांच शुरू करने का फैसला किया है, जिसका निर्माण पिछली के चंद्रशेखर राव (केसीआर) सरकार के कार्यकाल के दौरान किया गया था। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश पी.सी. घोष के नेतृत्व में एक जांच आयोग गठित करने के निर्देश जारी किए हैं। इस निर्णय के बाद, न्यायमूर्ति घोष के आयोग ने परियोजना की जांच शुरू कर दी है। हालांकि, यह उल्लेखनीय है कि आयोग की प्रारंभिक समय-सीमा पहले ही समाप्त हो चुकी है। परिणामस्वरूप, सरकार ने गहन जांच सुनिश्चित करने के लिए आयोग की अवधि बढ़ाने का निर्णय लिया है।

हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद द्वारा तेलुगु भाषा प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

हैदराबाद, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के ओर से यूनियन बैंक आफ इंडिया अंचल कार्यालय विशाखपट्टणम के अंतर्गत हिंदी भाषा प्रांत के कार्यरत अधिकारी एवं स्टाफ को व्यावहारिक भाषा के ज्ञान के लिए तेलुगु भाषा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित की जा रही है। उद्घाटन समारोह यूनियन बैंक आफ इंडिया स्थित क्षेत्रीय कार्यालय विशाखपट्टणम में आयोजित की गयी है। इस कार्यक्रम में अतिथि के रुप में हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के प्रधान मंत्री एस. गैबुवली, उपाध्यक्ष डॉ.एम.श्रीरामुलु, आंध्र प्रदेश हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के अध्यक्ष डॉ.सी.एल. नायुडु, प्रचारक संचालक एवं प्राध्यापक कोने श्रीधर यूनियन बैंक आफ इंडिया से मुख्य महा प्रबंधक चंद्रमोहन मिनोचा, महा प्रबंधक गिरीश चंद्र जोशी, सहायक प्रबंधक विवेकानंद, अंचल कार्यालय विशाखपट्टणम के उप महा प्रबंधक शंकर हेंब्रम, क्षेत्रीय कार्यालय के उप महा प्रबंधक आर. नरसिंहा कुमार उपस्थित हुए। अतिथियों ने द्वीप प्रज्वलन किया। अतिथियों ने कहा कि तेलुगु भाषा प्राचीन भाषा है। देश में तेलुगु भाषा बोलने वाले संख्या भी अधिक मात्रा में है।

हिंदी भाषा प्रांत के अधिकारी एवं स्टाफ को हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के महत्वपूर्ण संस्था के माध्यम से तेलुगु भाषा सीखने के लिए यूनियन बैंक आफ इंडिया एक अच्छा अवसर प्रदान किया गया। यूनियन बैंक आफ इंडिया अधिकारियों को हिंदी प्रचार सभा के ओर से धन्यवाद प्रकट किया गया।

पीएम विश्वकर्मा योजना में आशाजनक प्रगति दिख रही है : ईटेला

हैदराबाद, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। महाराष्ट्र के वर्धा में आज राष्ट्रीय 'पीएम विश्वकर्मा' कार्यक्रम के अवसर पर और पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत उपलब्धियों के एक वर्ष का जश्न मनाने के लिए आज यहां विद्यानगर के राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान (एनएसटीआई) द्वारा एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। मलकाजगिरी के सांसद ईटेला राजेंद्र मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम में बोलते हुए ईटेला राजेंद्र ने कहा कि प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना भारत में पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पीएम विश्वकर्मा के लाभों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि यह योजना कई विश्वकर्माओं की आजीविका और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए एक बड़ा बदलाव लेकर आई है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में पीएम विश्वकर्मा कार्यान्वयन में आशाजनक प्रगति दिख रही है, जिसमें पूरे राज्य में पर्याप्त नामांकन और प्रशिक्षण गतिविधियां आयोजित की गई हैं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना से सबसे अधिक नामांकन दर्जियों से प्राप्त हुए हैं। इस प्रकार, पीएम विश्वकर्मा पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों को आधुनिक उपकरण प्रशिक्षण और उनकी आजीविका बढ़ाने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करके सशक्त बना रहा है। उन्होंने पात्र लाभार्थियों को पीएम विश्वकर्मा प्रमाण पत्र भी वितरित किए। डायनेमिक टूल्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक और राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान विद्यानगर के अध्यक्ष जीआर सूर्य राज, राष्ट्रीय निर्देशात्मक मीडिया संस्थान, चेन्नई के निदेशक के श्रीनिवास राव, आरडीएसडीई तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के क्षेत्रीय निदेशक, राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान (एनएसटीआई), विद्यानगर और तेलंगाना के विभिन्न जिलों के कारीगरों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

प्रदीप कुमार को मिला राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक

हैदराबाद, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा आयुक्तालय में सहायक लेखा अधिकारी के पद से सेवानिवृत्त हुए पेरुमल्ला प्रदीप कुमार ने राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक हासिल किया है। इसी माह 13 सितंबर से 16 सितंबर तक हरियाणा के सोनीपत शहर में आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में 83 किलोग्राम भार वर्ग में कुल 390 किलोग्राम वजन उठाकर मास्टर्स-3 वर्ग में प्रथम स्थान और स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

इस अवसर पर राचकोंडा पुलिस आयुक्त प्रदीप कुमार को जी.सुधीर बाबू द्वारा सम्मानित किया गया। उसके बाद, उन्होंने भविष्य में ऐसी और सफलताएं हासिल करने और तेलंगाना राज्य पुलिस विभाग और राचकोंडा पुलिस आयुक्तालय का अच्छा नाम रोशन करने की कामना की।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

मोदी बोले-कांग्रेस ...

पीएम मोदी ने कहा, जिस पार्टी में हमारी आस्था और संस्कृति का जरा सा भी सम्मान होगा, वो पार्टी कभी गणपति पूजा का विरोध नहीं कर सकती। लेकिन आज की कांग्रेस को गणपति पूजा से भी नफरत है। मैं गणेश पूजन कार्यक्रम में चला गया, तो कांग्रेस का तुष्टिकरण का भूत जाग उठा। कांग्रेस गणपति पूजा का विरोध करने लगी। दरअसल पीएम मोदी सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ के घर गणपति पूजन करने गए थे। जिसका विपक्ष ने विरोध किया था।

पीएम ने कहा, महाराष्ट्र में दशकों तक कांग्रेस और बाद में महा विकास अघाड़ी सरकार ने कपास को महाराष्ट्र के किसानों की ताकत बनाने के बजाय उन्हें बदहाली में धकेला, किसानों के नाम पर राजनीति की और भ्रष्टाचार में लिप्त रहे। 2014 में जब देवेंद्र फडणवीस की सरकार बनी तो अमरावती में टेक्सटाइल पार्क का काम शुरू हुआ।

नीट पीजी का ...

वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा कि 11 अगस्त को हुई नीट पीजी का पैटर्न अंतिम समय में बदल दिया गया। अंकों के सामान्यीकरण, उत्तर कुंजी जारी नहीं की गई। उन्होंने कहा कि परीक्षा के लिए न तो कोई नियम थे और न ही स्पष्टता। तीन दिन पहले परीक्षा को दो भागों में बांट दिया गया।

उन्होंने कहा कि इसके लिए कोई नियम नहीं था कि परीक्षा कैसे आयोजित की जानी है? सब कुछ एक सूचना बुलेटिन पर निर्भर था जिसे अधिकारियों की इच्छा के मुताबिक संशोधित किया जा सकता था। परीक्षा बोर्ड ने दलीलों का विरोध किया। कहा कि कुछ भी नया और असामान्य नहीं किया गया।

मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने कहा कि यह बहुत असामान्य है। परीक्षा से तीन दिन पहले (परीक्षा पैटर्न बदल दिया गया था)। इससे छात्रों को निराशा होगी। मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने कहा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आगामी काउंसलिंग को ध्यान में रखते हुए याचिकाओंपर 27 सितंबर को सुनवाई की जाएगी।

'सिफारिश के बाद ...

जिसमें न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल थे। पीठ ने कहा, सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम कोई सर्च कमेटी (न्यायाधीशों के लिए) नहीं है, जिसकी सिफारिशों को रोका जा सके। पीठ ने केंद्र की ओर से पेश अटॉर्नी जनरल (एजी) आर. वेंकटरमणी से कहा कि वे कॉलेजियम द्वारा दिए गए नामों की सूची उपलब्ध कराएं और बताएं कि वे क्यों लंबित हैं और किस स्तर पर हैं?

नियुक्तियां क्यों लंबित हैं :

सीजेआई ने कहा, अगर आप कृपया कॉलेजियम द्वारा दिए गए नामों की सूची बना सकते हैं और बता सकते हैं कि यह क्यों लंबित है और किस स्तर पर लंबित है... तो हमें बताएं कि यह क्यों लंबित है। पीठ ने कहा कि कुछ नियुक्तियां अभी प्रक्रिया में हैं और हमें उम्मीद है कि वह बहुत जल्दी हो जाएगी।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

चेन्नई टेस्ट : अश्विन के शतक के बाद बुमराह का चौका

बांग्लादेश पहली पारी में 149 रन पर ऑलआउट, भारत दूसरी पारी में 81/3

चेन्नई, 20 सितंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश के खिलाफ चेन्नई टेस्ट में भारत मजबूत स्थिति में पहुंच गया है। शुक्रवार को दूसरे दिन खेल खत्म होने तक भारत ने दूसरी पारी में 3 विकेट खोकर 81 रन बना लिए हैं। भारत ने पहली पारी में 227 रन की लीड ली थी, अब उसकी बढ़त 308 रन की हो गई है। ऋषभ पंत 12 और शुभमन गिल 33 रन बनाकर नाबाद लौटे। इससे पहले, दिन के पहले सेशन में भारतीय टीम पहली पारी में 376 रन पर ऑलआउट हो गई। इससे जबाव में आज ही तीसरे सेशन में बांग्लादेश टीम भी पहली पारी में 149 रन पर सिमट गई। टीम इंडिया की ओर से जसप्रीत बुमराह ने 4 विकेट झटके। उन्होंने 400 इंटरनेशनल विकेट पूरे कर लिए हैं। दूसरी पारी में रोहित शर्मा 5, यशस्वी जायसवाल 10 और विराट कोहली 17 रन बनाकर आउट हुए। बांग्लादेश की ओर से अब तक मेहदी हसन मिराज, नाहिद राणा, और तस्कीन अहमद को 1-1 विकेट मिला।

पहला सेशन : भारत पहली पारी में 376 रन पर ऑलआउट

चेन्नई टेस्ट के दूसरे दिन शुक्रवार को टीम इंडिया ने 339/6 के स्कोर से खेलना शुरू किया और 37 रन बनाने में आखिरी के 4 विकेट गंवा दिए। पहले दिन शतक बना चुके रविचंद्रन अश्विन ने 113 रन बनाए, जबकि रवींद्र जडेजा 86 रन पर आउट हुए। भारत के लिए पहली पारी में अश्विन और जडेजा के अलावा यशस्वी जायसवाल 56 और श्रषभ पंत ने 39 रन बनाए। बांग्लादेश की ओर से हसन महमूद ने 5 विकेट झटके। वे भारत में 5 विकेट हॉल हासिल करने वाले पहले बांग्लादेशी गेंदबाज बने। तस्कीन अहमद ने 3 विकेट लिए। मेहदी हसन मिराज और नाहिद राणा को 1-1 विकेट मिला। इसी सेशन में बांग्लादेश अपनी पहली पारी के 3 विकेट भी गंवा दिए। शादमान इस्लाम 2, जाकिर हसन 3 और मोमिनुल हक शुन्य पर आउट हुए। शादमान को बुमराह ने और जाकिर-मोमिनुल को आकाश दीप ने बोल्ड किया। दूसरा सेशन भारत के नाम रहा। टीम ने इस सेशन में बांग्लादेश के पहली पारी में 5 विकेट गिरा दिए। इस तरह टी-ब्रेक तक बांग्लादेश ने पहली पारी में 8 विकेट पर 112 रन बनाए। नजमुल हुसैन शांतो 20, मुश्फिकुर रहीम 8, लिट्टन दास 22, शाकिब अल हसन 32 और हसन महमूद 9 रन बनाकर आउट हुए। शाकिब और लिट्टन दास को जडेजा ने और हसन महमूद और रहीम को बुमराह ने आउट किया। आज ही तीसरे सेशन में बांग्लादेश टीम पहली पारी में 149 रन पर ऑलआउट हो गई है। हालांकि भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने मेहमान टीम को फॉलोऑन नहीं खिलाने का फैसला लिया है। तीसरे सेशन में बांग्लादेश ने 149 रन पर आखिरी विकेट गंवाया। यहां मोहम्मद सिराज ने नाहिद राणा को बोल्ड किया। बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन ने सबसे ज्यादा 32 रन बनाए, जबकि लिट्टन दास ने 22 और कप्तान नजमुल हसन शांतो ने 20 रन का योगदान दिया।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर विक्रम राठौर राजस्थान के बैटिंग कोच बने

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय टीम के पूर्व बैटिंग कोच विक्रम राठौर को आईपीएल फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स ने बल्लेबाजी कोच बनाया है। आईपीएल फ्रेंचाइजी ने अपने ऑफिशियल स्टेटमेंट में बताया की 55 वर्षीय पूर्व भारतीय ओपनर उनके बैटिंग कोच होंगे। भारत के लिए 6 टेस्ट और 7 वनडे मैच खेल चुके विक्रम राठौर ने राजस्थान रॉयल्स से कहा, रॉयल्स परिवार का हिस्सा होना सौभाग्य की बात है। एक बार फिर राहुल के साथ और अब युवा क्रिकेटरों के साथ काम करने का मौका मिला है। मैं टीम के विजन और रॉयल्स के लिए टॉप क्लास प्लेयर्स बनाने में मदद करूंगा, जो टीम को आईपीएल विजेता बनाने में मददगार होगा।

राठौर को टीम में आने पर हेड कोच राहुल द्रविड़ ने कहा "कई वर्षों तक विक्रम के साथ मिलकर काम करने के बाद, मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि उनका शांत व्यवहार और इंडियन कंडीशन की समझ उन्हें रॉयल्स के लिए सबसे सही बनती है। साथ मिलकर, हमने एक अच्छा बांड बनाया है, जिससे भारत को सफलताएं मिलीं और मैं उनके साथ फिर से जुड़कर अच्छा महसूस कर हूं। 2019 में भारत के बल्लेबाजी कोच बनने से पहले राठौर ने चार साल तक नेशनल सिलेक्टर के रूप में भी काम किया। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में पंजाब और हिमाचल प्रदेश को भी कोचिंग दी और आईपीएल में राजस्थान से पहले पंजाब किंग्स के साथ भी काम किया है।

सूर्यकुमार यादव की मैदान पर वापसी, बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले हुए फेल

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। श्रीलंका के खिलाफ टी20आई सीरीज खेलने के बाद सूर्यकुमार यादव ने दलीप ट्रॉफी 2024 के जरिए मैदान पर वापसी की। सूर्यकुमार इससे पहले दलीप ट्रॉफी के दो चरण में इंजरी की वजह से नहीं खेल पाए थे, लेकिन तीसरे चरण के मुकाबले में उन्हें इंडिया बी का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला। इंडिया बी का मुकाबला इस वक्त इंडिया डी के साथ चल रहा है। सूर्यकुमार यादव इंडिया डी के खिलाफ रन बनाने में सफल नहीं हो पाए और वो दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके।

सूर्यकुमार यादव को बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की टी20आई सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी करनी है और इससे पहले दलीप ट्रॉफी में उनके बल्ले ने निराश किया। इस मैच में इंडिया डी ने पहले खेलते हुए संजू सैमसन की 106 रन की पारी के दम पर 349 रन बनाए, लेकिन इसके जवाब में इंडिया बी की शुरुआत काफी खराब रही और इस टीम ने खबर लिखे जाने तक अपने पहले 5 विकेट 100 रन के स्कोर पर गंवा दिए थे।

हेड के सर्वश्रेष्ठ 154 रनों की नाबाद पारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड पर आसान जीत दर्ज की

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड ने करियर की सर्वश्रेष्ठ 154 रनों की नाबाद पारी खेली और ऑस्ट्रेलिया को ट्रेंट ब्रिज में वनडे सीरीज के पहले मैच में इंग्लैंड पर सात विकेट से आसान जीत दिलाई। एडम जम्पा के 100वें वनडे मैच में मिली जीत, जिसमें उन्होंने तीन विकेट लिए, ने ऑस्ट्रेलिया को पांच मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त भी दिलाई। इंग्लैंड द्वारा जीत के लिए 316 रनों के लक्ष्य का पीछा करने के लिए कहा गया, ऑस्ट्रेलिया ने छह ओवर शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया, जिसमें हेड ने 129 गेंदों पर नाबाद 154 रन बनाए - उनका छठा वनडे शतक - जिसमें 20 चौके और पांच छक्के शामिल थे - जो इंग्लैंड में किसी ऑस्ट्रेलियाई पुरुष खिलाड़ी द्वारा बनाया गया सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर बन गया।

मार्नस लाबुशेन ने 61 गेंदों पर सात चौकों और दो छक्कों की मदद से नाबाद 77 रन बनाए और नॉटिंघम में चौथे विकेट के लिए हेड के साथ मात्र 107 गेंदों पर 148 रनों की साझेदारी की। ऑस्ट्रेलिया की जीत मैदान पर और मैदान के बाहर कई बाधाओं के बीच आईं। मिशेल स्टार्क, जोश हेज़लवुड और ग्लेन मैक्सवेल बीमारी के कारण उपलब्ध नहीं थे, जबकि डेब्यू करने वाले बेन ड्वारशुइस ने केवल चार ओवर गेंदबाजी करने के बाद मैदान में पेक्टोरल मांसपेशियों में खिंचाव महसूस किया और 1-18 का आंकड़ा हासिल किया। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट ने अपने शानदार स्ट्रोक्स के ज़रिए बल्ले से शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन मार्नस लाबुशेन ने उन्हें 95 (91) रन पर कैच एंड बोल्ड कर दिया। लाबुशेन ने छह ओवर में 3/39 विकेट लिए , जो उनका सर्वश्रेष्ठ वनडे प्रदर्शन है, क्योंकि उन्होंने पारी के अंत में स्टैंड-इन इंग्लिश कप्तान हैरी ब्रूक (31 गेंदों पर 39 रन) और जोफ्रा आर्चर (4) को आउट किया। विल जैक्स के 62 (56) और डेब्यू करने वाले जैकब बेथेल के 35 (34) ने ऑस्ट्रेलिया को एक कठिन लक्ष्य निर्धारित करने में भूमिका निभाई। लक्ष्य का पीछा करते हुए, हेड ने स्टीव स्मिथ के साथ 76 और कैमरून ग्रीन के साथ 73 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की, इसके बाद लाबुशेन के साथ उनकी मैच जिताऊ साझेदारी ने ऑस्ट्रेलिया को आसान जीत दिलाई। संक्षिप्त स्कोर : इंग्लैंड 49.4 ओवर में 315 रन पर ऑल आउट (बेन डकेट 95, विल जैक्स 62; मार्नस लाबुशेन 3-39, एडम ज़म्पा 3-49) ऑस्ट्रेलिया 44 ओवर में 317/3 (ट्रैविस हेड 154 नाबाद, मार्नस लाबुशेन 77 नाबाद; जैकब बेथेल 1-20) से सात विकेट से हार गया।

ग्राहम आर्नोल्ड ने ऑस्ट्रेलिया पुरुष फुटबॉल कोच के पद से इस्तीफा दिया

मेलबर्न, 20 सितंबर (एजेंसियां)। ग्राहम आर्नोल्ड ने ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के कोच के पद से इस्तीफा दे दिया है, जिससे ऑस्ट्रेलिया के 2026 विश्व कप क्वालीफाइंग अभियान की निराशाजनक शुरुआत के बाद उनके छह साल के दूसरे कार्यकाल का अंत हो गया है। बहरीन से 1-0 की घरेलू हार और उसके बाद इंडोनेशिया के खिलाफ गोल रहित ड्रॉ ने टीम की दिशा को लेकर चिंताएं बढ़ा दी थीं।

आर्नोल्ड ने फुटबॉल ऑस्ट्रेलिया (एफए) के मुख्य कार्यकारी जेम्स जॉनसन के समर्थन के बावजूद एक सप्ताह पहले ही अपने इस्तीफे की घोषणा की थी। जॉनसन ने 61 वर्षीय कोच का सार्वजनिक रूप से समर्थन किया था, उनका मानना था कि वह अभी भी टीम को वापस पटरी पर ला सकते हैं। हालांकि, आर्नोल्ड को लगा कि बदलाव का समय आ गया है। मैंने इंडोनेशिया के खिलाफ़ हमारे मैच के बाद कहा था कि मुझे कुछ फ़ैसले लेने हैं, और गहन चिंतन के बाद, मेरे अंतर्मन ने मुझे बताया कि बदलाव का समय आ गया है। आर्नोल्ड ने ईएफए द्वारा जारी एक बयान में कहा, ''मैंने देश, खिलाड़ियों और फ़ुटबॉल ऑस्ट्रेलिया के लिए जो सबसे अच्छा है, उसके आधार पर इस्तीफ़ा देने

गाले टेस्ट के तीसरे दिन न्यूजीलैंड 340 रन पर ऑलआउट

विलियमसन, लैथम और मिचेल की फिफ्टी, पहली पारी में 35 रन की बढ़त

गाले, 20 सितंबर (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड और श्रीलंका के बीच गाले में टेस्ट सीरीज का पहला मैच खेला जा रहा है। मुकाबले के तीसरे दिन न्यूजीलैंड की टीम 340 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। टीम से केन विलियमसन ने 55 और टॉम लैथम ने 70 रन बनाए। श्रीलंका की तरफ से प्रभाथ जयसूर्या ने सबसे ज्यादा 4 और रमेश मेंडिस ने 3 विकेट लिए। श्रीलंका पहली पारी में 305 रन बनाकर ही सिमट गया था। टीम से कमिंडु मेंडिस ने 114 रन बनाए। न्यूजीलैंड से पहली पारी में तेज गेंदबाज विलियम ओ'रूर्क ने 55 रन देकर 5 विकेट लिए।

ग्लेन फिलिप्स 49 पर नॉटआउट

न्यूजीलैंड ने दूसरे दिन के 255 रन से आगे खेलना शुरू किया। डेरिल मिचेल और टॉम ब्लंडेल ने 129 बॉल पर 73 रन जोड़े। मिचेल ने 57 और ब्लंडेल ने 25 रन बनाए, वहीं ग्लेन फिलिप्स ने तेजी से खेलते हुए नाबाद 49 रन बनाए। आखिरी विकेट के लिए उन्होंने विलियम ओ'रूर्क के साथ मिलकर 36 रन जोड़े। श्रीलंका से प्रबाथ जयसूर्या को 4, रमेश मेंडिस को 3 और धनंजय डी सिल्वा को 2 विकेट लिए। श्रीलंका ने दूसरे दिन 302/7 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। टीम से रमेश मेंडिस ने 14 और प्रबाथ जयसूर्या ने 0 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। ओ'रूर्क ने 2 और एजाज पटेल ने एक विकेट लेकर श्रीलंका को ऑलआउट कर दिया। टीम अपने स्कोर में 3 रन ही जोड़ सकी। पहली पारी में न्यूजीलैंड से ओ'रूर्क के अलावा एजाज पटेल और ग्लेन फिलिप्स ने 2 विकेट लिए। जबकि टिम साउदी को एक सफलता मिली। मिचेल सैंटनर और रचिन रवींद्र को कोई विकेट नहीं मिला।

न्यूजीलैंड से सभी ने रन बनाए

न्यूजीलैंड ने पहले ही सेशन में अपनी पारी शुरू कर दी। टीम से डेवोन कॉन्वे और टॉम लैथम ने फिफ्टी पार्टनरशिप कर ली। कॉन्वे 17 रन बनाकर आउट हुए। यहां से लैथम ने केन विलियमसन के साथ फिफ्टी पार्टनरशिप की और टीम को 100 के पार पहुंचाया। लैथम 70 रन बनाकर आउट हुए। रचिन रवींद्र ने फिर विलमयमसन का साथ दिया और फिफ्टी पार्टनरशिप की, इस बार विलियमसन 55 रन बनाकर आउट हो गए। रचिन भी फिर 39 रन ही बना सके।

डेविस कप : इटली का सामना फाइनल आठ के पहले मैच में अर्जेंटीना से

लंदन, 20 सितंबर (एजेंसियां)। मौजूदा डेविस कप चैंपियन इटली नवंबर में मलागा में फाइनल 8 नॉकआउट चरण के पहले मैच में अर्जेंटीना से भिड़ने के लिए तैयार है, जबकि संयुक्त राज्य अमेरिका ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक धमाकेदार मुकाबले के लिए तैयार है। शीर्ष आठ देशों ने ग्रुप फाइनल से क्वालीफाई किया है और वे 19 से 24 नवंबर तक स्पेन के तटीय शहर मलागा में पलासियो डी डेपोर्टेस जोस मारिया मार्टिन कार्पेना में मुकाबला करेंगे। विश्व नंबर एक जैनिक सिनर के बिना अपने तीनों ग्रुप फाइनल मुकाबलों में विजयी रही इतालवी टीम नॉकआउट चरणों के लिए अपनी टीम को मजबूत करने की कोशिश करेगी। सिनर, जो ग्रुप चरण से चूक गए थे, अर्जेंटीना के खिलाफ इटली के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में वापसी कर सकते हैं, जो पहले से ही प्रतिभा से भरी टीम में जोश भर देंगे। अर्जेंटीना ने ग्रेट ब्रिटेन और कनाडा जैसे दिग्गजों वाले कठिन ग्रुप को पार करके अंतिम आठ में अपना स्थान सुरक्षित किया। दक्षिण अमेरिकी राष्ट्र के पास गत चैंपियन को चुनौती देने के लिए तैयार होने के लिए बहुत सारे विकल्प होंगे, जिसमें दो एकल मैच और एक युगल निर्णायक मैच होगा।

पाकिस्तानी गेंदबाज ने पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी के दावे की खोली पोल

कहा-जो यहां हो रहा है उसे दुनिया देख रही है

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कुछ दिन पहले अपने घरेलू क्रिकेट की तारीफ की थी। उन्होंने कहा था कि सेलेक्टर्स के लिए खिलाड़ियों का अच्छा पूल तैयार हो रहा है। हालांकि पाकिस्तान के तेज गेंदबाज फहीम अशरफ ने नकवी के दावे की पोल खोल दी। उन्होंने बताया कि घरेलू क्रिकेट में अंपायरिंग का स्तर बहुत गिरा हुआ है।

मोहसिन नकवी ने घरेलू क्रिकेट की तारीफ की थी

मोहसिन नकवी ने कुछ दिन पहले घरेलू क्रिकेट की तारीफ की थी। मोहसिन नकवी का मानना है कि 150 खिलाड़ियों के चयन में एआई की मदद से चैंपियंस कप घरेलू क्रिकेट को मजबूत करेगा और भविष्य के चयन के लिए पारदर्शी रिकॉर्ड प्रदान करेगा।

उन्होंने कहा था, 'हमारे पास बहुत से ऐसे खिलाड़ी थे, जिनके रिकॉर्ड हमारे पास नहीं थे। यह कप घरेलू क्रिकेट को मजबूत बनाएगा, हमारे पास 150 खिलाड़ियों का पूल होगा और फिर हमें जो सर्जरी करनी है, वह चयन समिति करेगी। चैंपियंस कप सितंबर में खत्म होगा और फिर सभी के लिए रिकॉर्ड होंगे। जो भी प्रदर्शन नहीं कर रहा है, उसे तुरंत बदल दिया जाएगा। यह किसी की व्यक्तिगत राय और इच्छा पर निर्भर नहीं होना चाहिए।' चैंपियंस कप में मैच खत्म होने के बाद फहीम अशरफ ने अंपायरिंग पर बात की। उन्होंने कहा, 'घरेलू क्रिकेट में अंपायरिंग का स्तर अच्छा नहीं है। ऐसे ही है जैसा यहां है लेकिन यहां सबको दिख रहा है। सभी को पता है वहां घरेलू क्रिकेट में कैसे अंपायरिंग होती है।

चेस ओलंपियाड-भारत का विजयी अभियान जारी

बुडापेस्ट, 20 सितंबर (एजेंसियां)। चेस ओलिंपियाड में भारत का विजयी अभियान जारी है। टीम इंडिया 8 राउंड के बाद 16 मैच लेकर पॉइंट्स टेबल के टॉप पर है। वहीं, विमेंस कैटेगरी में इंडिया 14 मैच पॉइंट्स के साथ टॉप पर है। अभी तीन राउंड बाकी हैं। टूर्नामेंट का 11वां और फाइनल राउंड 22 सितंबर को खेला जाएगा। हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में चल रहे टूर्नामेंट में गुरुवार को बुडापेस्ट में भारतीय टीम ने 8वें राउंड में ईरान को 3.5-0.5 से हराया, जबकि महिला टीम को पोलैंड के खिलाफ पहली बार 1.5-2.5 की पराजय का सामना करना पड़ा। चेस ओलिंपियाड के हर राउंड में 4 इंडिविजुअल मुकाबले होते हैं।

महिला टी20 विश्व कप के लिए श्रीलंकाई टीम का ऐलान

श्रीलंका ने शुक्रवार 20 सितंबर 2024 को यूएई में होने वाले आगामी महिला टी20 विश्व कप के लिए चमारी अटापट्टू की अगुआई वाली 15 सदस्यीय टीम का ऐलान किया। चमारी अटापट्टू की ही अगुआई में श्रीलंकाई टीम हाल ही में महिला एशिया कप के फाइनल में भारत को हराकर पहली बार चैंपियन बनी थी। श्रीलंकाई टीम में बाएं हाथ की स्पिनर इनोका राणावीरा को भी शामिल किया है।

बारह साल से अधिक के अंतरराष्ट्रीय अनुभव वाली इनोका राणावीरा ने आखिरी बार 2024 महिला विश्व कप क्वालिफायर के दौरान श्रीलंका के लिए खेला था। अनुभवी स्पिनर से यूएई की स्पिन के अनुकूल परिस्थितियों में करिश्माई प्रदर्शन की उम्मीद है। टीम में उनके शामिल होने से श्रीलंका के गेंदबाजी आक्रमण में गहराई आएगी। श्रीलंका ने पिछले 18 महीने में शानदार प्रदर्शन किया है।

'भारत का लक्ष्य 2036 ओलंपिक की मेजबानी करना और शीर्ष 10 में आना है'

खेल मंत्री मांडविया का बयान

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा है कि भारत का लक्ष्य 2036 ओलंपिक की मेजबानी करना और पदक तालिका में शीर्ष 10 में आना है। मांडविया ने पुणे के एसपी कॉलेज में 'विकसित भारत एंबेसडर-युवा कनेक्ट' पहल पर बोलते हुए कहा, 'विकसित भारत में खेल क्षेत्र को विशेष प्रोत्साहन दिए जाने की जरूरत है क्योंकि हमारा लक्ष्य हर क्षेत्र में खुद को विकसित करना है।' उन्होंने कहा, '2047 तक हमारा लक्ष्य खेलों में शीर्ष पांच देशों में शामिल होना है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए कि हमें सुनिश्चित करना होगा कि हम 2047 का मौका नहीं चूकें। हमें विश्व स्तरीय खिलाड़ी तैयार करने होंगे।' खेल मंत्री ने कहा, 'ऐसी प्रतिभाओं को विकसित करने के लिए हमने खेलो इंडिया की शुरुआत की। खेलो इंडिया की मदद से युवा खिलाड़ियों को खेलने के अवसर मिलने चाहिए।' हाल ही में संपन्न पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले निशानेबाज कुसाले इस कार्यक्रम में मौजूद थे। मांडविया ने कहा, 'हमें खेल प्रतिभाओं की पहचान करनी होगी और उन्हें आवश्यक सुविधाएं प्रदान करनी होंगी। आने वाले दिनों में ये प्रतिभायें स्वप्निल कुसाले जैसी खिलाड़ी बनेंगी। हमारा लक्ष्य 2036 ओलंपिक का आयोजन भारत में कराना है और हमारी योजना पदक तालिका में शीर्ष 10 में आने की है।'भारत ने इस साल 117 खिलाड़ियों के दल को पेरिस भेजा था। यह संख्या बिल्कुल रियो ओलंपिक के बराबर की थी।

हमने पदक जरूर रियो से ज्यादा जीते, लेकिन रैंक में काफी पिछड़ गए। भारत पेरिस में 71वें स्थान पर रहा। ओलंपिक में 24 साल बाद ऐसा हुआ जब भारत का रैंक 70 से नीचे पहुंचा हो। इस बार भारत ने कुल छह मेडल अपने नाम किए जिनमें पांच कांस्य और एक रजत पदक शामिल है। वहीं, टोक्यो ओलंपिक में भारत ने एक स्वर्ण के साथ सात पदक जीते थे।

बिना लाइसेंस वाले जिम पर छापेमारी

स्टेरॉयड की हो रही अवैध बिक्री

हैदराबाद, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिम जाने वालों को स्टेरॉयड दवाओं की अवैध बिक्री की विश्वसनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए तेलंगाना के औषधि नियंत्रण प्रशासन ने कोटि के ईसामिया बाजार में राकेश डिस्ट्रीब्यूटर के नाम से संचालित एक बिना लाइसेंस वाले परिसर पर छापा मारा और बिक्री के लिए बड़ी मात्रा में स्टेरॉयड दवाओं का अनधिकृत स्टॉक पकड़ा।

छापेमारी के दौरान, डीसीए अधिकारियों को परिसर में बिक्री के लिए रखे गए 22 प्रकार के स्टेरॉयड दवाइयां मिले, जिससे स्टेरॉयड दवाओं के दुरुपयोग की संभावना का संकेत मिलता है। डीसीए ने कहा कि एंड्रोजन और एनाबॉलिक स्टेरॉयड का दुरुपयोग स्वास्थ्य के लिए बहुत बड़ा जोखिम पैदा करता है। इन दवाओं का अक्सर बॉडीबिल्डर द्वारा मांसपेशियों की वृद्धि को बढ़ाने के लिए दुरुपयोग किया जाता है, जिससे हृदय संबंधी समस्याएं, लीवर की क्षति, मूड में उतार-चढ़ाव और हार्मोनल असंतुलन सहित कई तरह के प्रतिकूल प्रभाव हो सकते हैं। इसके अलावा, लंबे समय तक दुरुपयोग से बांझपन, किडनी फेलियर और मानसिक विकार जैसी गंभीर स्वास्थ्य जटिलताएं हो सकती हैं।

गोशामहल के ड्रग्स इंस्पेक्टर वी. अजय और मेहदीपट्टनम के ड्रग्स इंस्पेक्टर पी. संतोष और अन्य द्वारा की गई छापेमारी के दौरान 2 लाख रुपये का स्टॉक जब्त किया गया। एक अन्य मामले में, डीसीए अधिकारियों ने मियापुर स्थित श्रीकांत न्यूरोसेंटर नामक अस्पताल पर छापा मारा और पाया कि डॉ. बोइनी श्रीकांत यादव बिना किसी वैध औषधि लाइसेंस के अस्पताल में अवैध रूप से दवा की दुकान चला रहे थे।

छापेमारी के दौरान, बिक्री के लिए भारी मात्रा में दवाओं का अनाधिकृत भंडारण पाया गया और 1.01 लाख रुपये मूल्य की 31 प्रकार की दवाओं का स्टॉक जब्त किया गया। छापेमारी करने वाले अधिकारियों में सेरिलिंगमपल्ली की ड्रग्स इंस्पेक्टर ए. शैलजा रानी और गांडीपेट की ड्रग्स इंस्पेक्टर डी. श्वेता बिंदु शामिल थीं।

छेड़छाड़ के लिए माता-पिता ने की शिक्षक की पिटाई

करीमनगर, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक शिक्षक द्वारा छात्रा को कथित रूप से परेशान करने के विरोध में अभिभावकों ने नारायणा हाई स्कूल के फर्नीचर को क्षतिग्रस्त कर दिया। बताया जा रहा है कि एक शिक्षक ने दसवीं कक्षा की छात्रा को कथित तौर पर परेशान किया। छात्रा ने इस मामले की जानकारी अपने माता-पिता को दी। घटना से गुस्साए अभिभावकों ने स्कूल पहुंचकर शिक्षक की पिटाई कर दी। जब वह मौके से भाग निकला तो उन्होंने स्कूल के फर्नीचर को नुकसान पहुंचाया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस स्कूल पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में किया।

तेलंगाना में बनने जा रहा एक नया चिड़ियाघर

वन विभाग के अधिकारियों ने किया गुजरात के वंतारा का दौरा * रंगारेड्डी जिले में की गई है राजस्व भूमि की पहचान * सीएम के निर्देश पर तैयारी में जुटे अफसर

हैदराबाद, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य वन विभाग और तेलंगाना राज्य वन विकास निगम के अधिकारियों की एक टीम विभिन्न पहलुओं का अध्ययन करने और राज्य सरकार को एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए गुजरात के जामनगर में वंतारा पशु आश्रय का दौरा कर रही है। यह दौरा मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी द्वारा अधिकारियों को शहर के बाहरी इलाके में एक नया चिड़ियाघर पार्क स्थापित करने के निर्देश देने के बाद हुआ है।

तदनुसार, वन अधिकारियों ने रंगारेड्डी जिले में कुरुमिड्डा, कडथल, तडीपर्थी और अन्य वन ब्लॉकों से सटे कुछ राजस्व भूमि की पहचान की है।

विचार यह था कि 200 एकड़ में फैले एक नए चिड़ियाघर पार्क की स्थापना की जाए, जिसमें

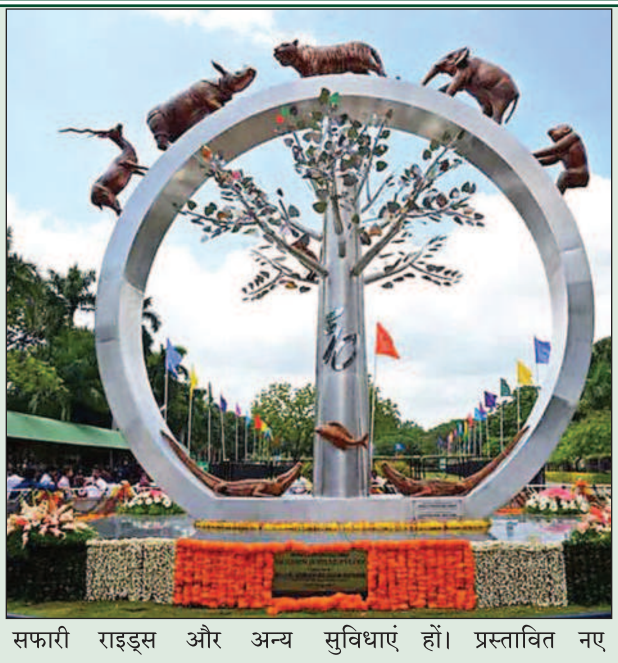

सफारी राइड्स और अन्य सुविधाएं हों। प्रस्तावित नए चिड़ियाघर पार्क में आगंतुकों के लिए नाइट कैंप, नाइट सफारी और अन्य सुविधाएं होनी चाहिए। वन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इन पहलुओं का अध्ययन करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की एक टीम दो दिवसीय यात्रा पर गुजरात आई थी।

अनंत अंबानी द्वारा स्थापित वनतारा पशु आश्रय गृह का दौरा करने का उद्देश्य पशुओं के लिए दी जाने वाली सुविधाओं और उनके रखरखाव के अलावा संचालन और रखरखाव के पहलुओं का अध्ययन करना था। अधिकारी ने कहा कि इन पहलुओं के आधार पर, अधिकारी परियोजना लागत, भूमि की आवश्यकता और अन्य पर राज्य सरकार को दो सप्ताह में एक रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

कांग्रेस ने कर्जमाफी पर किसानों को दिया धोखा

कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य सेवा लागू करने में रही विफल : बीआरएस

हैदराबाद, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने शुक्रवार को कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि वह किसानों और सरकारी कर्मचारियों के साथ विश्वासघात कर रही है। पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने कहा कि कांग्रेस अपने चुनावी वादों को पूरा करने में विफल रही है।

रामा राव ने रैतु भरोसा कृषि निवेश सहायता को लागू करने में कांग्रेस की असंगतता का उपहास किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने रैतु भरोसा और ऋण माफी पर बड़े-बड़े चुनावी नारे लगाए, लेकिन अब कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव की हालिया टिप्पणियों के बाद तेलंगाना के किसान भ्रमित हो गए हैं। उन्होंने एक बार काश्तकारों का समर्थन करने का दावा किया था, लेकिन अब वे बिना किसी स्पष्टीकरण के उन्हें काट रहे हैं।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने पहले वानाकालम (खरीफ) सीजन के लिए रैतु भरोसा निवेश सहायता वापस लेकर किसानों को धोखा दिया था और अपने पूर्ण ऋण माफी के वादे को पूरा करने में विफल रही थी। उन्होंने कहा कि आज, वे किरायेदार किसानों के लिए समर्थन की गारंटी देने से इनकार करते हैं। मुख्यमंत्री कांग्रेस के घोषणापत्र में किए गए 420 चुनावी वादों से एक के बाद एक पीछे हट रहे हैं। ऐसे वादे क्यों करें जिन्हें आप पूरा नहीं कर सकते? यह धोखाधड़ी और छल के अलावा कुछ नहीं है।

अब सौर ऊर्जा से चलेगा कामारेड्डी जिला कार्यालय

परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 95 लाख रुपये

कामारेड्डी, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एकीकृत जिला कार्यालय परिसर (आईडीओसी) स्थित मुख्य योजना कार्यालय (सीपीओ) की छत पर सफलतापूर्वक सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने के बाद, जिला प्रशासन अब पूरे एकीकृत जिला कार्यालय परिसर को सौर ऊर्जा से चलाने पर विचार कर रहा है। जिला प्रशासन ने कथित तौर पर तेलंगाना अक्षय ऊर्जा विकास निगम से संपर्क किया है, जिसने जिले के सीपीओ में एक पायलट सोलर प्लांट स्थापित किया है, ताकि आईडीओसी पर सोलर पैनल लगाए जा सकें। सूत्रों का कहना है कि 10 किलोवाट के सोलर पावर प्लांट के लिए परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 95 लाख रुपये होगी।

जिला अधिकारियों ने दावा किया कि राज्य सरकार ने सभी सरकारी इमारतों पर छत पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने का फैसला किया है, इसलिए फंड की कोई समस्या नहीं होगी। 1 मेगावाट का सीपीओ सोलर प्लांट कथित तौर पर प्रतिदिन लगभग 35 यूनिट बिजली पैदा कर रहा है, जबकि इसकी प्रतिदिन की खपत लगभग 20

यूनिट है। शेष इकाइयों को ग्रिड में भेजा जा रहा है और जरूरत के अनुसार इस्तेमाल किया जा रहा है। टीजीजीईएनसीओ सीपीओ सोलर प्लांट से 3 रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली खरीद रहा है।

हाल ही में उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने रेडको के अधिकारियों से राज्य के सभी सरकारी कार्यालयों में युद्ध स्तर पर सौर ऊर्जा पैनल लगाने को कहा है। राज्य सरकार ने पहले ही 1,521 स्कूल भवनों पर सौर पैनल लगाना शुरू कर दिया है। सूत्रों का कहना है कि 600 से ज़्यादा सरकारी स्कूलों में सौर पैनल लगाए जा चुके हैं और बाकी का काम अगले कुछ महीनों में पूरा होने की उम्मीद है।

बिजली अधिकारियों के अनुसार, राज्य सरकार केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई पीएम सूर्य घर योजना के तहत घरेलू क्षेत्र और सरकारी संस्थानों में सौर छत प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए उत्सुक थी। इस योजना के तहत, पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ तरीके से सौर ऊर्जा के माध्यम से बिजली की आवश्यकता को पूरा करने के लिए राज्य में सरकारी भवनों को सौर ऊर्जा से संचालित करने का प्रस्ताव है।

पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश सरकार ने 2025 के अंत तक सभी सरकारी इमारतों पर सोलर रूफटॉप सिस्टम लगाने की घोषणा की है। सरकारी इमारतों पर सोलर पैनल लगाने के लिए एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम लिमिटेड (एनवीवीएन) और आंध्र प्रदेश के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड (एनआरईडीसीएपी) के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। एपी सरकार ने परियोजना के पहले चरण में विभिन्न सरकारी इमारतों में 300 मेगावाट की सोलर रूफटॉप प्रणाली लागू करने का प्रस्ताव दिया है।

पुलिस आयुक्त ने लाठीचार्ज पर दिया स्पष्टीकरण

हैदराबाद, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के पुलिस आयुक्त सी.वी. आनंद ने शुक्रवार को चारमीनार में आयोजित मिलाद-उन-नबी समारोह के दौरान पुलिस कर्मियों द्वारा लाठीचार्ज की अफवाहों का खंडन किया। विभिन्न माध्यमों पर प्रसारित हो रही खबरों पर स्पष्टीकरण देते हुए आयुक्त ने कहा कि यह अफरातफरी डिस्को जॉकी वैन में शॉर्ट सर्किट से लगी आग के कारण हुई। आग की लपटें बाद में पास में खड़े डीजल से भरे टैंकर तक फैल गईं, जिससे अचानक आग लग गई।

आनंद ने कहा कि आग पर तुरंत काबू पा लिया गया और कोई लाठीचार्ज नहीं हुआ, जो कि अफवाहों के विपरीत था। शहर के पुलिस प्रमुख ने नागरिकों से झूठी खबरों पर विश्वास न करने का आग्रह किया और इस बात पर जोर दिया कि स्थिति को बल प्रयोग के बिना ही नियंत्रित किया गया। उन्होंने कहा कि पुलिस ने समारोह के लिए सुरक्षा उपाय सुनिश्चित कर लिए हैं।

जीएचएमसी प्रधान कार्यालय में चेहरे की पहचान उपस्थिति का शुभारंभ किया गया

हैदराबाद, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी मुख्यालय में चेहरे की पहचान उपस्थिति प्रणाली का कार्यान्वयन शुरू कर दिया गया है। उसी के तहत शुक्रवार को 14 विभागों में काम करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों (नियमित, आउटसोर्स) के चेहरे आईटी विभाग द्वारा कैप्चर किए गए और संबंधित मोबाइल आधारित ऐप में दर्ज किए गए। यह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर काम करता है। 39 विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को फेशियल रिकग्निशन अटेंडेंस सिस्टम के लिए तैयार किया जा रहा है। विज्ञापन और प्रचार, लेखापरीक्षा/लेखा अनुभाग, सीपीआरओ अनुभाग, चुनाव शाखा, संपदा कार्यालय, वित्त लेखा अनुभाग, सामान्य कराधान, श्रम कल्याण अनुभाग, भूमि अधिग्रहण, कानूनी अनुभाग और नगरपालिका न्यायालय, सचिव

अनुभाग, सामान्य प्रशासन और आयुक्त कार्यालय, के चेहरे पशु चिकित्सा और सतर्कता अनुभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को पकड़ लिया गया। इस महीने की 21 तारीख को शनिवार को मुख्य अभियंता परियोजनाएं, ईई आईपीपी-VIII, विद्युत प्रभाग, मुख्य अभियंता (रखरखाव), सूचना प्रौद्योगिकी, जेएनयूआरएम-I, II, III, एसई हाउसिंग I और II, एसई परियोजनाएं, एसई एसएनडीपी I और II , ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, दक्षिण परियोजना प्रभाग I, II, III, अधीक्षण अभियंता डिजाइन, अधीक्षण अभियंता कार्यालय I और II, पश्चिम परियोजना प्रभाग I और II के अधिकारियों और कर्मचारियों को चेहरे की पहचान ऐप में कैद किया जाएगा।

सोमवार 23 तारीख को बाकी हिस्सों के लिए उनकी तस्वीर खींची जाएगी। बाल कल्याण केंद्र और शहरी परिवार कल्याण केंद्र, स्वास्थ्य अनुभाग, खाद्य सुरक्षा विंग, अस्पताल और औषधालय औषधालय, लाइसेंस अनुभाग, मलेरिया की रोकथाम, मच्छर विरोधी योजना, खेल, नगर नियोजन, परिवहन, शहरी जैव विविधता, शहरी सामुदायिक विकास अनुभाग अधिकारी, कर्मचारी पहचान उपस्थिति प्रणाली के लिए चेहरे का पंजीकरण किया जाएगा। अप्रैल, 2024 से जीएचएमसी के तहत स्वच्छता कर्मचारियों के लिए चेहरे की पहचान उपस्थिति प्रणाली पहले से ही लागू की जा रही है। यह पारदर्शी और सटीक उपस्थिति सुनिश्चित करता है। इसमें कर्मचारी के कार्यालय आने का समय, कार्यालय से प्रस्थान का समय भी दर्ज होता है। इसके लिए कमिश्नर आम्रपाली काटा के आदेश पर दोनों गेटों के प्रवेश द्वार पर कैप्चरिंग कैमरे लगाए गए हैं। फोटो स्थापित कैमरे में कैद हो जाती है और कर्मचारी आईडी नंबर उपस्थिति समय दर्ज हो जाता है। इससे पहले मेयर गडवाल विजयालक्ष्मी ने कर्मचारियों की उपस्थिति में सुधार के लिए औचक निरीक्षण किया। कर्मचारियों की उपस्थिति की स्थिति में सुधार के लिए आयुक्त ने चेहरे की पहचान उपस्थिति प्रणाली लागू करने का निर्णय लिया और कार्यान्वयन शुरू कर दिया।

तीन सदस्यीय तथ्यान्वेषी समिति गठित

हैदराबाद, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गांधी अस्पताल में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर का अध्ययन करने तथा तेलंगाना राज्य के सरकारी अस्पतालों में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं की वर्तमान स्थिति का विश्लेषण करने के लिए बीआरएस पार्टी द्वारा तीन सदस्यीय तथ्यान्वेषी समिति का गठन किया गया है। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने शुक्रवार को कहा कि गांधी अस्पताल के अलावा तथ्यान्वेषी समिति अन्य प्रमुख सरकारी अस्पतालों में गरीबों के लिए उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं की गुणवत्ता का भी गहन अध्ययन करेगी।

समिति में 3 चिकित्सकों को सदस्य बनाया गया है, जिनमें पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डॉ. टी राजैया, वरिष्ठ रीढ़ विशेषज्ञ एवं कोराटला के विधायक डॉ. कलवकुंतला संजय और विकाराबाद बीआरएस विधायक डॉ. मेथुकू आनंद शामिल हैं। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि समिति सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं की वर्तमान स्थिति पर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार करेगी और सिफारिशें पेश करेगी, जिन्हें राज्य सरकार को सौंपा जाएगा।

कन्याकुमारी में खम्मम का इंजीनियरिंग छात्र डूबा

खम्मम, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कन्याकुमारी में बंगाल की खाड़ी में खम्मम निवासी एबी टेक प्रथम वर्ष का छात्र डूब गया, जबकि कोथागदुम निवासी एक अन्य छात्र की हालत गंभीर बताई गई है। बोनाकल मंडल के बिरेली गांव के मृतक बी जयंत साईं को कुछ महीने पहले ही एक निजी विश्वविद्यालय में दाखिला मिला था। वह 20 छात्रों के एक समूह का हिस्सा था जो 17 सितंबर की शाम को कन्याकुमारी समुद्र तट पर तैराकी के लिए गए थे। जयंत साईं, कोत्तागुडेम जिले के सुजाता नगर के उनके बैचमेट साईं तरुण और एक अन्य छात्र समुद्र में थोड़ी गहराई में चले गए। उन्हें समुद्र में वापस आने वाली लहरों ने खींच लिया और स्थानीय लोगों ने साईं तरुण और दूसरे छात्र को बचा लिया, लेकिन जयंत साईं डूब गए। जयंत साईं के शव का स्थानीय सरकारी अस्पताल में पोस्टमार्टम करने के बाद अंतिम संस्कार के लिए बिरेली लाया गया। साईं तरुण ने भारी मात्रा में समुद्री पानी पी लिया था, जिसके बाद वह बेहोश हो गए और उनका कन्याकुमारी के अस्पताल में इलाज चल रहा है।

निम्स में डे केयर सुविधा शुरू

दुर्लभ आनुवंशिक बीमारियों से पीड़ित बच्चों का होगा इलाज

हैदराबाद, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दुर्लभ आनुवंशिक बीमारियों से पीड़ित बच्चों को स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए निज़ाम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एनआईएमएस) में शुक्रवार को एक डे केयर सुविधा का उद्घाटन किया गया। यह सुविधा, जिसका प्रबंधन आनुवंशिकी विभाग, एनआईएमएस और सेंटर फॉर डीएनए फ़िंगरप्रिंटिंग एंड डायग्नोस्टिक्स (सीडीएफडी) द्वारा किया जा रहा है, दुर्लभ आनुवंशिक विकारों से पीड़ित तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के बच्चों को बहुत ज़रूरी चिकित्सीय सुविधाएं प्रदान करेगी।

एनआईएमएस-सीडीएफडी जेनेटिक्स सुविधा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू), नई दिल्ली द्वारा स्थापित भारत में 12 उत्कृष्टता केंद्रों (सीओई) में से एक है। नई डे केयर सुविधा एनआईएमएस जेनेटिक्स विभाग में देखभाल करने वालों को दुर्लभ बीमारियों वाले बच्चों को महंगी आईवी इन्फ्यूजन और अन्य दवाएं देने में सक्षम बनाएगी, जब भी वे उपलब्ध हों और एमओएचएफडब्ल्यू द्वारा प्रदान की जाएं। एनआईएमएस-सीडीएफडी का आनुवंशिकी विभाग दैनिक बाह्य-रोगी परामर्श, आनुवंशिक परामर्श, आनुवंशिक भ्रूण सोनोग्राफी, प्रसवपूर्व निदान सेवाएं और भ्रूण शव परीक्षण मूल्यांकन भी प्रदान करता है।

एनआईएमएस के जेनेटिक्स के अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ. प्रज्ञा रंगनाथ ने कहा कि सीडीएफडी के सहयोग से, हम टीएस और एपी के रोगियों के लिए आनुवंशिक विकारों के निदान के लिए परीक्षण भी करते हैं। दुर्लभ बीमारियों से पीड़ित बच्चों के लिए अत्यधिक महंगी उपचार पद्धति को राष्ट्रीय दुर्लभ रोग नीति के तहत केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा समर्थित किया जाता है। डे केयर सुविधा का उद्घाटन निम्स के निदेशक डॉ. नागरी भीरप्पा ने निम्स के वरिष्ठ डॉक्टरों और सीडीएफडी के आनुवंशिक शोधकर्ताओं की उपस्थिति में किया।

बीसी फेडरेशन समिति के सदस्यों ने मंत्री से मुलाकात की

हैदराबाद, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना बीसी फेडरेशन समिति के सदस्यों ने आज वन, पर्यावरण और देवदया मंत्री कोंडा सुरेखा से एमपी एमएलए कॉलोनी स्थित उनके आवास पर शिष्टाचार मुलाकात की। 24 सितंबर को मंत्री सुरेखा ने तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष, एमएलसी बोम्मा महेश कुमार गौड़ और बीसी सोशल ग्रुप्स के निगम के अध्यक्ष को रवीन्द्र भारती के कार्यक्रम में आने के लिए आमंत्रित किया। इस अवसर पर, उन्होंने मंत्री सुरेखा से बीसी के विकास और एकता के लिए तेलंगाना बीसी फेडरेशन कुल समिति की ओर से किए गए कार्यक्रमों का समर्थन करने का अनुरोध किया। मंत्री सुरेखा ने उन्हें आश्वासन दिया कि वह कांग्रेस सरकार की ओर से अपना समर्थन प्रदान करेंगी।

पैरोल से भागने वाला दोषी गिरफ्तार

आदिलाबाद, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पैरोल की शर्तों का उल्लंघन कर भागे एक अपराधी को गुरुवार रात एक ऑटोरिक्शा चुराने के कारण फिर से जेल जाना पड़ा। स्थानीय डीएसपी एल जीवन रेड्डी के अनुसार नाबालिग लड़की से बलात्कार के मामले में दोषी सैयद सलीम पहले से ही पैरोल पर था और उसने पैरोल की शर्तों का उल्लंघन किया था। उसे 2019 में निज़ामाबाद की एक अदालत ने 10 साल की सजा सुनाई थी लेकिन वह 22 अक्टूबर 2022 को 30 दिन की पैरोल पर बाहर आया था। उसे अगले महीने जेल वापस जाना था, लेकिन वह नहीं आया।

सलीम छोटा तालाब इलाके का निवासी है और उसने 18 सितंबर को अपने मालिक के घर के सामने खड़ी ऑटो चुरा ली थी। पैरोल की शर्त का उल्लंघन करने के लिए उनके खिलाफ पहले ही मामला दर्ज किया जा चुका है।

आंध्र प्रदेश कड़पा के सांसद वाई.एस. अविनाश रेड्डी ने रेल निलयम, सिकंदराबाद में दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन से मुलाकात की और क्षेत्र से संबंधित विभिन्न रेल विकास योजनाओं पर चर्चा की।

एपी के मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायुडू ने सार्वजनिक शासन के 100 दिन पूरे होने के अवसर पर आज प्रकाशम जिले के मदिरलापाडु गांव का दौरा किया। गांव की जरूरतों को पूरा करने के लिए उन्होंने गांव की बैठक में हिस्सा लिया और लोगों से सीधे बात की।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.